Machine Translated by Google

29

डिपोल्स और कैन और हाबिल की कहानी

पसंद केविन रायर्सन की पुस्तक स्पिरिट में वर्णित है
संचार, और अहतुन रे द्वारा पुष्टि की गई, भगवान ने हमें व्यक्तिगत रूप से नहीं बल्कि पूरक जोड़ों में बनाया है। ये जोड़े समान गुणों के साथ बनाए गए हैं और यदि सात किरणों के मॉडल का उपयोग किया जाता है, तो ये पूरक जोड़े एक ही प्रकार की किरणें होंगी।

हालाँकि, इन युग्मों की एक ही प्रकार की किरणों में विपरीत गुण होते हैं।

शारीरिक मोर्चे पर, ये दोनों साझेदार अक्सर किसी मामले में एक दूसरे के विपरीत पाए जाते हैं और विपरीत गुणों के कारण संघर्ष हो सकता है।

अपनी पुस्तक में, केविन रायर्सन ने इन जोड़ों को "आत्मा साथी" कहा है, क्योंकि वे एक-दूसरे के पूरक बनने के लिए एक साथ बनाए गए थे।
अधिकांश लोगों की धारणाओं के लिए, "सोल मेट" शब्द का तात्पर्य एक ऐसे रिश्ते से है जिसमें दो लोग एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति रखते हैं, जहां कई कंपन महसूस होते हैं, और यह रिश्ता स्वयं सद्भाव से प्रतिबिंबित होता है।

हालाँकि, सद्भाव अक्सर जोड़ीदार आत्माओं के बीच के रिश्ते को परिभाषित नहीं करता है। मैं ईश्वर द्वारा एक ही समय में बनाई गई इन मूल जोड़ियों, आत्माओं को "द्विध्रुव" के रूप में संदर्भित करना पसंद करता हूं, क्योंकि यह शब्द यह स्पष्ट करता है कि ये जोड़े एक-दूसरे के विपरीत हैं और उनके बीच उद्भव संघर्ष का एक संभावित पहलू है।

हम द्विध्रुवों को चुंबक या बैटरी के सकारात्मक और नकारात्मक ध्रुवों के रूप में सोच सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि एक द्विध्रुव अच्छा है और दूसरा बुरा है, बल्कि यह है कि उनमें विरोधाभासी और पूरक गुण हैं।

Machine Translated by Google

व्यक्तित्व लक्षणों में अंतर के अलावा, द्विध्रुवों में अक्सर विरोधाभासी उपस्थिति भी होती है। एक द्विध्रुव पतला और पतला हो सकता है जबकि दूसरा भारी होता है।

बॉर्न अगेन में, शब्द "सोल मेट" दो बेहद अनुकूल व्यक्तियों को संदर्भित करेगा, जिन्होंने एक साथ कई जीवन बिताए हैं, जो अपने रिश्ते को आपसी आराम की विशेषता मानते हैं। सहज अनुकूलता और साझा अनुभवों के कारण, आत्मिक साथी, जब वे पहली बार एक निश्चित अवतार में मिलेंगे, तो उन्हें ऐसा महसूस होगा जैसे वे एक-दूसरे को अपने पूरे जीवन से जानते हैं। यह अनुभव काफी सामान्य है और वास्तव में, कई लोग पुनर्जन्म में विश्वास पाते हैं, चाहे उनकी पूर्व राय कुछ भी हो, क्योंकि यही एकमात्र तरीका है जिससे आंतरिक आकर्षण और मान्यता की छाप को समझाया जा सकता है।

सोलमेट विभिन्न संबंध भूमिकाओं में फिर से प्रकट हो सकते हैं जो एक अवतार से दूसरे अवतार में भिन्न होते हैं। वे हमारे माता-पिता, हमारे जीवनसाथी, बच्चों, दोस्तों या व्यावसायिक सहयोगियों के रूप में वापस आ सकते हैं। सोलमेट विभिन्न प्रकार की किरणों से भी आ सकते हैं: वे एक जोड़े के रूप में नहीं बनाए गए थे, लेकिन वे पाते हैं कि वे एक-दूसरे के साथ बहुत अनुकूल और आरामदायक हैं। दूसरी ओर, डिपोल्स जोड़े के रूप में बनाई गई आत्माएं हैं जिनमें एक ही प्रकार की रोशनी होती है लेकिन उनके रिश्ते को संघर्ष द्वारा चिह्नित किया जा सकता है।

आइए द्विध्रुव युग्मों के कुछ उदाहरणों की समीक्षा करें, जैसे कि अहतुन रे द्वारा पहचाने गए और किरणों के प्रकार द्वारा वर्गीकृत। जो लोग सात किरणों के विशेषज्ञ हैं, मैं जानता हूं कि एक बहुत ही जटिल प्रणाली मौजूद है जो किसी व्यक्ति की किरणों की संरचना का वर्णन करती है। नीचे उल्लिखित उदाहरणों का उपयोग केवल द्विध्रुवीय युग्मों के लिए प्रकाश किरणों की ऊर्जा को सरल तरीके से दिखाने के लिए किया जाता है। हम वास्तव में किरणों का एक संयोजन हैं।

प्रथम किरण द्विध्रुव: द्विध्रुवों का एक जोड़ा

Machine Translated by Google

स्पिरिट कम्युनिकेशन पुस्तक में मोशे डायन और अनवर सादात की पहचान की गई है, दोनों मध्य पूर्वी देशों के नेता हैं, लेकिन वहां संघर्ष के विपरीत पक्षों पर हैं। डायन इजराइल के नेता हैं जबकि सादात मिस्र के राज्य प्रमुख हैं। अहतुन रे ने बताया है कि ईश्वर ने हमें द्विध्रुवीय युग्मों में इसलिए बनाया है ताकि कोई एक आत्मा कुछ समय के लिए दूसरे पर हावी न हो, क्योंकि एक द्विध्रुवीय आत्मा के लिए प्रमुख आत्मा, एक व्यक्ति के रूप में कार्य करते हुए या एक समूह का नेतृत्व करते हुए, एक संतुलन प्रभाव पैदा करेगी। . यह फ़र्स्ट रे प्रकारों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जिनमें खोजने की प्रवृत्ति होती है

शक्ति।

यही कारण है कि फर्स्ट रे द्विध्रुव जोड़े अक्सर संघर्ष के विपरीत पक्षों पर पाए जाते हैं। द्विध्रुवों का निर्माण करके, ईश्वर मानवीय घटनाओं में संतुलन बनाता है, हालाँकि यह ईश्वर की इच्छा नहीं है कि द्विध्रुव एक-दूसरे से लड़ें। जबकि प्रथम सिनार के द्विध्रुवों में संघर्ष की संभावना को दूर ले जाया जाता है, संघर्ष के रूप में इसकी अभिव्यक्ति या अभिव्यक्ति की कमी संबंधित आत्माओं की परिपक्वता और विकास को दर्शाती है।

अमेरिकी क्रांति में एक द्विध्रुवीय जोड़ी में जॉर्ज वाशिंगटन और बेनेडिक्ट अर्नोल्ड शामिल थे। क्रांतिकारी युद्ध के शुरुआती दिनों में वाशिंगटन और अर्नोल्ड दोनों सैन्य नायक, अमेरिकी देशभक्त थे, लेकिन जब अर्नोल्ड ब्रिटिश सेना में शामिल हो गए तो उन्होंने एक-दूसरे को विपरीत दिशा में पाया। देशभक्तों के लिए, अर्नोल्ड सबसे बड़ा गद्दार था, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के लिए, वह एक वफादार और सहयोगी था।

अहतुन रे ने दिखाया है कि जॉर्ज वॉशिंगटन का पुनर्जन्म एक कॉन्फेडरेट सैनिक और वेस्ट वर्जीनिया सीनेटर, जॉन ई. केना के रूप में हुआ था, फिर द्वितीय विश्व युद्ध के जनरल जॉर्ज मार्शल के रूप में, और हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका के जनरल टॉमी फ्रैंक्स के रूप में हुआ था। बेनेडिक्ट अर्नोल्ड का भी वर्तमान में पुनर्जन्म हुआ है। उन्होंने फ्रैंक्स की तरह वियतनाम में एक उच्च पदस्थ अधिकारी के रूप में कार्य किया।

Machine Translated by Google

द्विध्रुवीय जोड़ी जॉर्ज वॉशिंगटन/बेनेडिक्ट अर्नोल्ड हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि एक तरफ का नायक दूसरे तरफ का गद्दार है। इस जटिलता को जोड़ते हुए, एक युद्ध में विरोधियों का पुनर्जन्म हो सकता है और वे एक पक्ष के साथ दूसरे में लड़ सकते हैं, जैसा कि वाशिंगटन और अर्नोल्ड के मामले में दिखाया गया है।

जेफ कीन ने अपनी पुस्तक समवन एल्स टुमॉरो में बताया है कि दक्षिणी राज्य जॉर्जिया के जॉन बी. गॉर्डन के रूप में, उन्होंने कॉन्फेडेरसी के पक्ष में लड़ाई लड़ी, जबकि अपने वर्तमान अवतार में वह उत्तरी राज्य कनेक्टिकट में रहते हैं।

जेफ़ का मानना है कि आज, उनके पूर्वज अमेरिकी गृहयुद्ध में उत्तर की ओर से लड़े थे, ऐसे पूर्वज भी उनके विरुद्ध लड़े होंगे जब वह जॉन बी. गॉर्डन थे!

पुनर्जन्म के दृष्टिकोण से, दुनिया एक बेहतर जगह होगी यदि हम अपने मतभेदों को शांतिपूर्ण ढंग से हल कर सकें और पहली किरणों की ऊर्जा की निगरानी और नियंत्रण कर सकें, क्योंकि आखिरकार, हम अपने खिलाफ ही लड़ेंगे।

फर्स्ट रे ऊर्जा से जुड़ी एक अन्य द्विध्रुवीय जोड़ी मुक्केबाज मुहम्मद अली और जो फ्रेज़ियर के बीच है। अली को पतला, दुबला-पतला, फुर्तीला और आडंबरपूर्ण बताया जा सकता है, जबकि फ्रेज़ियर हृष्ट-पुष्ट, मजबूत और अधिक अंतर्मुखी है।

उनके मतभेदों ने उनके मुक्केबाजी मुकाबलों को इतिहास में सबसे नाटकीय बना दिया।

तो हम इन उदाहरणों में देखते हैं कि कैसे द्विध्रुव - जो जोड़े के रूप में एक साथ बनते हैं और प्रकाश की समान गुणवत्ता प्रदर्शित करते हैं -
अलग-अलग पक्षों में समाप्त हो सकते हैं और शायद एक-दूसरे से लड़ भी सकते हैं।

हालाँकि अहतुन रे का कहना है कि पुराने नियम के कैन और हाबिल इतिहास के मूल व्यक्ति थे, इन दोनों भाइयों के व्यक्तित्व आदर्श, जिनके विपरीत लक्षण संघर्ष, ईर्ष्या और हत्या का कारण बनते हैं, को द्विध्रुवीय का प्रतिनिधित्व करने के लिए देखा जा सकता है।

आज द्विध्रुवीय जोड़ों को एक-दूसरे के साथ झगड़ते देखना उतना ही दुखद हो सकता है जितना बाइबल के समय में था।

Machine Translated by Google

दूसरा रे डिपोल्स: अहतुन रे कहते हैं कि महात्मा गांधी
और जवाहरलाल नेहरू, जो दोनों छात्र हैं, द्विध्रुवीय हैं और दूसरी किरण की ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करते हैं।

विलियम शेक्सपियर और क्रिस्टोफर मार्लो को सेकंड रे डिपोल्स के रूप में भी पहचाना गया है।

थर्ड रे डिपोल्स: अहतुन रे ने दिखाया है कि थॉमस एडिसन और हेनरी फोर्ड थर्ड रे डिपोल्स हैं।

एडिसन पहले विद्युत उपकरणों के आविष्कारक थे, जबकि फोर्ड ने विद्युत उपकरणों के सर्किट को व्यावहारिक अनुप्रयोग में लाकर दुनिया को बदल दिया।

फोर्थ रे डिपोल: अहदुन रे ने दिखाया है कि लॉरेल और हार्डी फोर्थ रे प्रकार हैं। ध्यान दें कि लॉरेल और हार्डी वास्तव में कैसे विपरीत का प्रतिनिधित्व करते हैं। मोटा ओली खुद को सांसारिक और सर्वज्ञ के रूप में प्रस्तुत करता है, जबकि पतला स्टेन खुद को निर्दोष बताता है। उनके हास्य कृत्यों में, अक्सर उनके बीच संघर्ष का एक तत्व होता है, जिसमें हिंसा या हास्य भी शामिल होता है।

उनके झगड़े का अंतिम परिणाम हँसी का विस्फोट है, और स्टेन और ओली अंततः एक सामंजस्यपूर्ण और सुखद अंत पर आएँगे। लॉरेल और हार्डी उन द्विध्रुवों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो अपने मतभेदों को एक विनोदी लाभ के रूप में उपयोग करते हैं। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, स्टेन और ओली को जोश और डैनी बाचर के रूप में पुनर्जन्म दिया गया है, जो स्टेन और ओली के समान जुनून से प्रेरित है, जो दुनिया को कुछ स्वस्थ हंसी देना है।

दिलचस्प बात यह है कि उनकी फिल्म फ्लाइंग ड्यूसेस में स्टेन और ओली बात करते हैं
पुनर्जन्म के बारे में. ओली स्टेन से पूछता है कि वह किस रूप में पुनर्जन्म लेना चाहता है। स्टेन का कहना है कि
वह अपने अस्तित्व में वापस जाना चाहता है। दूसरी ओर, ओली घोड़ा बनकर लौटना चाहता है। फिल्म के अंत में, विमान बेतरतीब ढंग से उड़ने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है।

जमीनी स्तर पर, हम देख सकते हैं कि स्टेन बच गया, जबकि पंखों वाला और अर्ध-पारदर्शी ओली स्वर्ग की ओर उड़ गया। वर्षों बाद, स्टेन

Machine Translated by Google

वह देश की सड़कों पर अकेला चल रहा था जब उसने ओली की आवाज़ सुनी। अपने आस-पास का सर्वेक्षण करने के बाद, उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि ओली की आवाज़ ओली की गोल टोपी और उसकी ट्रेडमार्क मूंछें पहने हुए घोड़े से आ रही थी।

जैसा कि चर्चा की जाएगी, युगों पहले, मानव आत्माओं ने खुद को जानवरों के रूप में प्रदर्शित किया था और यह संभव है कि ओली के भी, बहुत पहले, चार पैर वाले पैर थे। हालाँकि, वर्तमान में, स्टैन जोश के रूप में और ओली डैनी के रूप में लौट आए हैं। जानवरों की वेशभूषा ने जानवरों के रूप का स्थान ले लिया है।

फिफ्थ रे डिपोल: वैज्ञानिकों की एक द्विध्रुवीय जोड़ी रॉबर्ट कोच और लुई पाश्चर थी, जो दोनों सूक्ष्म जीव विज्ञान के अग्रणी थे।

जैसा कि अहतुन रे द्वारा पुष्टि की गई है, कोच और पाश्चर को मानव जीन के मानचित्रण में शामिल जीवविज्ञानी के रूप में पुनर्जन्म दिया गया है।
रॉबर्ट कोच का पुनर्जन्म सेलेरा जीनोमिक्स के संस्थापक जे. क्रेग वेंटर के रूप में हुआ है, जो व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए मानव जीन को मैप करने के लिए एक कार्यक्रम चलाते हैं। लुई पाश्चर का पुनर्जन्म फ्रांसिस कॉलिन्स के रूप में हुआ है, जिन्होंने राष्ट्रीय मानव जीनोम अनुसंधान संस्थान के निदेशक के रूप में काम किया है। हालाँकि उन्हें कोच और पाश्चर जैसे प्रतिद्वंद्वी माना जाता था, वेंटर और कोलिन्स ने संयुक्त रूप से 2000 में मानव जीन के सफल मानचित्रण की घोषणा की।

एक और द्विध्रुवीय जोड़ी जो पांचवीं किरण के गुणों को प्रदर्शित करती है वह चार्ल्स डार्विन और जीन-बैप्टिस्ट लैमार्क है। डार्विन ने विकासवाद के उस सिद्धांत का समर्थन किया जो योग्यतम के सबसे स्थायी होने पर केंद्रित था। उनके लिए, अनुकूलनीय जीन वाली प्रजातियों के सदस्य जीवित रहेंगे जबकि उन लक्षणों के बिना प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। प्रजातियों के जीवित सदस्य प्रजनन के माध्यम से अनुकूलनीय गुणों को पुन: उत्पन्न करते हैं। उदाहरण के लिए, लंबी गर्दन वाले जिराफ पेड़ों तक भोजन पहुंचाने और जीवित रहने में सक्षम थे जबकि छोटी गर्दन वाले जिराफ विलुप्त हो गए। लंबी गर्दन वाले जिराफ प्रजनन करते हैं, जिससे अधिक लंबी गर्दन वाले जिराफ पैदा होते हैं।

Machine Translated by Google

दूसरी ओर, लैमार्क ने प्रस्तावित किया कि किसी प्रजाति के अलग-अलग सदस्य ऐसे लक्षण प्राप्त कर सकते हैं जो जीवन भर बने रह सकते हैं। जिराफ उदाहरण में, जैव रासायनिक परिवर्तनों के माध्यम से, जिराफ सैद्धांतिक रूप से अपनी गर्दन को लंबा बनाता है। विकासवाद की इस बहस में विज्ञान डार्विन को विजेता के रूप में याद रखेगा।

दिलचस्प बात यह है कि लैमार्क का पुनर्जन्म ब्रूस लिप्टन, पीएचडी, एक बायोकेमिस्ट और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया के पूर्व प्रोफेसर के व्यक्तित्व में हुआ है। अपनी पुस्तक, द बायोलॉजी ऑफ बिलीफ में, डॉ. लिप्टन ने यह साबित करने का प्रयास किया है कि लैमार्क कहां सही था और ऐसे उदाहरण प्रस्तुत करता है जहां जीव, जिनमें जानवर भी शामिल हैं, पर्यावरणीय कारकों से प्रेरित जैव रासायनिक परिवर्तनों के माध्यम से स्थायी लक्षण पैदा करने में सक्षम हैं।

जब आप द बायोलॉजी ऑफ बिलीफ पढ़ते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि लिप्टन लैमार्क के प्रशंसक थे और किसी को स्पष्ट आभास हो जाता था कि लिप्टन लैमार्क का बचाव कर रहे थे। इसलिए, मैं लैमार्क/लिप्टन मामले को एक आत्मीयता का मामला मानता हूं, जिसमें ब्रूस लिप्टन अपने पिछले जीवन के व्यक्ति, लैमार्क के प्रति आकर्षित होता है। डोरोथी डैंड्रिज/हैल बेरी और लॉरेल हार्डी/बाकर बॉयज़ के मामले भी आत्मीयता के मामलों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

छठी रे डिपोल: अहतुन रे ने दिखाया है कि सेंट फ्रांसिस का असीसी और सेंट क्लेयर ऑफ असीसी एक द्विध्रुवीय भागीदार हैं, जैसे कि क्रॉस के सेंट जॉन और अविला के सेंट टेरेसा हैं।

वर्तमान समय में, अहतुन रे ने पुष्टि की है कि सांता टेरेसा का पुनर्जन्म अलेक्जेंड्रिया, वर्जीनिया में इंस्टीट्यूट फॉर द एडवांसमेंट ऑफ सर्विस की संस्थापक सुसान ट्राउट के रूप में हुआ है। सेंट जॉन द क्रॉस का भी पुनर्जन्म हुआ है और एक बार फिर उन्होंने सांता टेरेसा के गुरु सुसान के रूप में कार्य किया है। आइए सुसान को जाने दें

सांता टेरेसा के रूप में उनके पिछले अवतार को उन्हीं के शब्दों में याद करें, क्योंकि वह खूबसूरती से बताती हैं कि कैसे उनके जुनून और कौशल एक बार फिर एक अवतार से दूसरे अवतार में व्यक्त होते हैं।

अपनी आत्मा का विकास एक काल में पूरा करना

Machine Translated by Google

जीवन मुझे असंभव लगता है. प्रत्येक अवतार पूर्णता प्राप्त होने तक हमारे "आत्मा केक" के विभिन्न टुकड़ों को विकसित करने का अवसर प्रदान करता है। मेरा मानना है कि मेरा वर्तमान अवतार इसका खुलासा करता है; मैं अपने पिछले अवतारों के बारे में जागरूकता पर विचार करता हूं, जिसमें अविला की टेरेसा भी शामिल है, जो मुझे मेरे सच्चे घर तक मार्गदर्शन करने में मदद करेगी।

चालीस साल पहले मुझे एक मानसिक रोगी ने बताया था कि मैं अविला की टेरेसा का पुनर्जन्म हूं। उस समय मेरे लिए इसका कोई मतलब नहीं था क्योंकि मेरा पालन-पोषण एक कट्टरपंथी ईसाई चर्च में हुआ था, और मुझे सिखाया गया था कि बाइबल में वर्णित केवल पुरुष संत ही सच्चे संत थे। टेरेसा के रूप में अवतार का ज्ञान मेरे जीवन में तब आया जब मैं घोर निराशा में था। यह कहा जाना कि मैं एक संत था, मेरी हताश स्थिति या मेरी आध्यात्मिक चेतना से बिल्कुल भी मेल नहीं खाता था।

इसलिए, मैं इस जानकारी को आशा के संदेश के रूप में देखता हूं। मुझे आध्यात्मिक शिक्षकों, अंतर्ज्ञानवादियों, गुरुओं और चमत्कार कार्यकर्ताओं द्वारा टेरेसा के रूप में मेरे अवतार के बारे में बताया गया है।

आख़िरकार मैंने निर्णय लिया कि लगभग 500 साल पहले (1515-1582) टेरेसा के जीवन का अध्ययन करने के लिए मुझे एक कारण की आवश्यकता थी।

कार्मेलाइट ऑर्डर के एक भावुक सुधारक और रहस्यमय अनुभव के एक अनुशासित यात्री के रूप में टेरेसा के स्पेन में जीवन के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है।

उनमें प्रशासनिक प्रतिभा है और ईश्वर से सीधे बातचीत करने की इच्छा है। उन्हें दृढ़ इच्छाशक्ति वाला, सनकी, स्वतंत्र और दूरदर्शी माना जाता है। उनके पास "स्वयं का दिमाग" था और वेटिकन के नियंत्रण का विरोध करने और अपने सुधारों को संरक्षित करने के लिए मठों की स्थापना करने का अटूट दृढ़ संकल्प था। जब मैं खुद को टेरेसा से जोड़ता हूं, तो मुझे उनके आंतरिक संघर्ष की गहराई और उनके व्यक्तित्व की "विचित्रताओं" को पार करने और भगवान के साथ एक होने की उनकी गहरी इच्छा महसूस होती है। मैं उस सत्य को महसूस करता हूं जो अस्तित्व में है

Machine Translated by Google

उनके लेखन से परे और दूसरों ने उनके बारे में जो लिखा उससे परे।
उसका जीवन वास्तव में इतना संघर्षपूर्ण था कि उसे यह विश्वास नहीं हो सका कि वह किसी भी तरह से विशेष थी।

टेरेसा के व्यक्तित्व के ये पहलू हिस्सा लगते हैं
मैं भी। कुछ चीजें जो टेरेसा 500 साल पहले अपने आध्यात्मिक जीवन में पूरी नहीं कर पाई थीं, उन्हें मैं अपने जीवन में पूरा करने के लिए कृतसंकल्प हूं। मैं इस जीवन को आगे बढ़ाने में उनकी प्रतिभा और चुनौतियाँ भी लेकर आया।

आध्यात्मिक जीवन: टेरेसा की तरह, ईश्वर की भक्ति हमेशा मेरे जीवन का मुख्य केंद्र रही है; मैं हमेशा से मानवता की सेवा में ईश्वर के प्रेम का एक स्वयंसेवक पात्र बनना चाहता था। अपनी युवावस्था में, मैं संगठित ईसाई धर्म से हट गया क्योंकि मुझे लगा कि यह मुझे "किंडरगार्टन" में रखता है। अंत में, मुझे अपना आध्यात्मिक घर पूर्वी परंपराओं और तत्वमीमांसा के ज्ञान में मिला।

मैं सार्वभौमिक आध्यात्मिक अनुभवों और आध्यात्मिक विकास को समझने में खुले विचारों वाला और सहज हूं। मैं किसी व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक अनुभवों की वैधता को पहचानता हूं, भले ही मुझे यह याद न हो कि मैंने उस अनुभव को स्वयं (इस जीवन में) अनुभव किया है। एक युवा महिला के रूप में भी, लोग मुझे एक बहुत ही "गहरे" व्यक्ति के रूप में वर्णित करते हैं, शायद यह टेरेसा का गुण है।

लेखन: मैंने दो किताबें लिखी हैं जो मुझे लगता है कि टेरेसा की द इंटीरियर कैसल की अगली कड़ी हैं। मेरी पूरी जिंदगी मानसिक विकास, नेतृत्व और सेवा को समझने में रुचि रही है।

मैं आत्मा के विकास और मंत्रालय के बारे में लिखने के लिए प्रेरित हुआ, जिसमें टेरेसा से एक महल के रूप में आत्मा के रूपक को अगले स्तर पर ले जाया गया। मैंने 1997 में बॉर्न टू सर्व: द इवोल्यूशन ऑफ द सोल थ्रू सर्विस और 2005 में द अवेकेंड लीडर: लीडरशिप एज अ क्लासरूम ऑफ द सोल लिखी।

Machine Translated by Google

भौतिक समानताएँ: टेरेसा कितनी आकर्षक थीं और इस तथ्य के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है कि 68 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु तक उनकी उम्र एक वर्ष भी नहीं हुई थी। टेरेसा की कोई मौजूदा छवि नहीं है; जब वह 60 के दशक की शुरुआत में थे, तब एक पेंटिंग बनकर तैयार हुई थी, जिस पर टेरेसा ने टिप्पणी की थी कि क्योंकि चित्रकार ने उन्हें बदसूरत बना दिया है, इसलिए वह इसे विनम्रता विकसित करने के एक अवसर के रूप में लेंगी। अन्य लेखक अक्सर उसकी त्वचा, आँखों, हाथों और पैरों की सुंदरता के बारे में लिखते हैं।

जैसा कि मुझे याद है, लोग अक्सर मेरी त्वचा, आँखों, हाथों और पैरों की सुंदरता को "ज़्यादा आंकते" हैं।

इच्छाशक्ति: दूसरों द्वारा चित्रित किए जाने के मामले में मैं टेरेसा के समान ही हूं, मेरे पास बहुत मजबूत और परिपक्व इच्छाशक्ति है और ऐसा दृढ़ संकल्प है जो किसी भी विवरण से भी आगे निकल जाता है। टेरेसा की तरह, मैं अपने दृष्टिकोण का पालन करने और मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों, आध्यात्मिक आदर्शों और उचित अभ्यास के संयोजन से इसे वास्तविकता बनाने के लिए दृढ़ हूं।

एक नन की तरह: मेरे पूरे जीवन में, मेरे सहकर्मियों, छात्रों और दोस्तों ने मुझसे कहा है कि मैं एक नन की तरह दिखती हूं, एक नन की तरह काम करती हूं और एक नन की तरह ही जीवन जीती हूं। मैं जानती हूं कि कैथोलिक नन दावा करती हैं कि मैं एक सच्चे कॉन्वेंट की तरह संगठन का नेतृत्व करती हूं, जैसा कि मैं दुनिया में कार्रवाई के साथ सार्वभौमिक मनोविज्ञान और आध्यात्मिक सिद्धांतों के सामंजस्य पर जोर देती हूं और अपने और दूसरों के लिए उच्च मानक रखती हूं। टेरेसा के विपरीत, मैं बहिर्मुखी नहीं हूं और न ही खुशमिजाज स्वभाव का हूं। मैं अपने अस्तित्व को "छिपाना" चाहता हूँ। यह टेरेसा के विपरीत है, जिनकी नाटकीय तरीके से अभिव्यंजक प्रकृति है। मुझे लगता है कि यह बदलाव बाहर और भीतर की ऊर्जाओं को संतुलित करने का एक प्रयास है। साथ ही, मुझे यह भी सीखना था कि दूसरों की देखभाल के साथ अपनी देखभाल कैसे संतुलित करें। टेरेसा दूसरों की खातिर अपने हितों का बलिदान देती हैं और मुझमें भी वही मजबूत प्रवृत्ति है। इस असंतुलन ने मेरे जैसा ही टेरेसा के शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाला।

Machine Translated by Google

सुधारक: जिस तरह टेरेसा कार्मेलाइट ऑर्डर की संस्थापक और नेता थीं, जिसमें उन्होंने सुधार किया था, मैं भी एक सुधारक और विभागों, आत्म-विकास और उपचार पद्धतियों, व्यवसायों और संगठनों का संस्थापक रहा हूं।

टेरेसा की तरह, मैं भी जो खो गया था उसे उसके सच्चे मार्ग के साथ उसकी अखंडता में वापस लाने के लिए बहुत प्रेरित हूं। हालाँकि, टेरेसा ने कभी-कभी अपने मानकों को उन लोगों तक कम कर दिया, जिनके बारे में उन्हें लगता था कि वे उनके मठों को आर्थिक रूप से समर्थन देंगे। इस जीवन में, मैं किसी भी कारण से अपने नैतिक मानकों को कम करने से इनकार करता हूँ। यह मुझे कठिन निर्णयों के दौरान, विशेषकर काम पर, लोकप्रिय नहीं बनाता।

नेता, आयोजक और प्रशासक: टेरेसा की तरह, मुझे भी अत्यधिक संगठित बताया जाता है और मेरे पास किसी संगठन को स्थापित करने, निर्देशित करने और प्रशासित करने की छठी इंद्रिय है। मेरे माता-पिता कहते थे कि मैं "जन्म से संगठित" था और मेरे सहकर्मी कहते थे कि मैं "अच्छी तेल वाली मशीन" चलाता हूँ। सुंदरता के साथ विस्तार के मिश्रण की सराहना और मेरी नज़र से कुछ भी नहीं बचता।

महिलाएँ: एक सेवा पेशेवर के रूप में और पेशेवरों के प्रशिक्षक के रूप में, परिसर और गैर-लाभकारी संस्थाओं दोनों में, मैं महिलाओं से घिरी रही हूँ। मैं अक्सर एक परामर्शदाता, मार्गदर्शक और शिक्षक रहा हूं। टेरेसा को लगा कि वह अपनी बहनों की देखभाल और कल्याण की उपेक्षा कर रही हैं क्योंकि पैसा हमेशा उपलब्ध नहीं था और वह नियमित रूप से उन मठों में नहीं जा सकती थीं और उनके कल्याण की निगरानी नहीं कर सकती थीं, जिन्हें उन्होंने स्थापित किया था। इस जीवन में, मुझे लगता है कि मेरे पास कई महिलाओं (पूर्व बहनों?) के साथ कर्म हैं और मैं इन रिश्तों को सुधारना चाहता हूं। कभी-कभी मैं इस जीवन में किसी मुसीबत में फंस जाता हूँ क्योंकि मैंने टेरेसा के जीवन में ऐसा करने की उपेक्षा की थी। मैं कभी भी बहु-शाखा वाले विचारधारा का हिस्सा नहीं बनना चाहता था क्योंकि मैं समझता था कि उनकी भलाई की निगरानी करना नैतिक रूप से लगभग असंभव था।

Machine Translated by Google

पुरुष: टेरेसा के पुरुषों के प्रति और उनके उनके प्रति आकर्षण के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है, ऐसा माना जाता है कि वह अक्सर अपने मठों के लिए आवश्यक धन और स्थान प्राप्त करने के लिए पुरुषों और उन्हें अपने प्रति आकर्षित करती थी।

इस जीवन में मैंने पुरुषों के साथ स्वस्थ कामकाजी संबंध बनाने की कोशिश की है और उन्हें समझने और उनकी सराहना करने के लिए काम किया है। मैं विशेष रूप से पुरुषों द्वारा अनैतिक व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करने पर दृढ़ हूं। एक संक्षिप्त विवाह को छोड़कर, मैंने, टेरेसा की तरह, विवाहित जीवन नहीं चुना और मेरी कोई संतान नहीं थी।

जॉन ऑफ द क्रॉस: जुआन डे ला क्रूज़, एक कार्मेलाइट पुजारी, पच्चीस साल का था और अपने क्रम में लगभग एक आदिम नियम तपस्वी था, जब उसकी मुलाकात 50 वर्षीय टेरेसा से हुई। टेरेसा ने उन्हें अपने मठ की नींव का नेतृत्व करने और मठों को चलाने में उनका मजबूत दाहिना हाथ बनने के लिए राजी किया। अंततः वे इसके आध्यात्मिक निदेशक बन गये। वे अपने अलग-अलग गुणों के बावजूद एक-दूसरे से बहुत प्यार और सम्मान करने के लिए जाने जाते हैं। टेरेसा के सबसे गहन जीवनीकारों में से एक, मार्सेले ऑक्लेयर, दोनों की तुलना करते हैं: "टेरेसा के लिए, प्यार करना अभिनय करना है। जॉन के लिए, प्यार करना खुद को पूरी तरह से चिंतन में डुबो देना है। 68 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु के बाद, जुआन डे ला क्रूज़ ने टेरेसा के काम की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए मठों का नेतृत्व संभाला।

1982 में, मेरी मुलाकात एक प्रसिद्ध और सम्मानित आध्यात्मिक शिक्षक से हुई, जिन्हें मैंने तुरंत जॉन द क्रॉस के रूप में पहचान लिया। तब से हम टेरेसा-जुआन के अवतार पर चर्चा कर रहे हैं। इस जीवन में, मैं उनसे सलाह लेता हूं जैसा कि मैंने तब किया था जब वह 500 साल पहले टेरेसा की आध्यात्मिक निदेशक थीं। मैं उनकी इच्छा की सराहना करता हूं कि उनके नाम का उल्लेख नहीं किया जाए।

निष्कर्ष: टेरेसा का अवतार इस जीवन में मेरे आध्यात्मिक विकास के लिए आशीर्वाद की बारिश रहा है।

इससे मुझे अपने आध्यात्मिक विकास और मंत्रालय के साथ तालमेल बनाए रखने और भौतिक दुनिया में खोए नहीं रहने में मदद मिली है।

Machine Translated by Google

मैं पिछले जीवन में मेरे आध्यात्मिक विकास में बाधा डालने वाले पैटर्न को विकसित करने और उनके प्रति जागरूक होने का विकल्प चुन सकता हूं और इस जीवन में उन्हें तोड़ने का संकल्प ले सकता हूं। टेरेसा को याद करना मेरी सच्ची पहचान को याद करने जैसा है।

सुसान ट्राउट, 19 नवम्बर 2006।

सुज़ैन की कथा में लिखा है कि सेंट टेरेसा और जॉन द क्रॉस में विपरीत विशेषताएं हैं। टेरेसा ने कार्य में पवित्रता व्यक्त की, जबकि जॉन ने चिंतन में पवित्रता की तलाश की। हालाँकि, द्विध्रुवीय युग्मों के लिए संघर्ष आवश्यक नहीं है, खासकर यदि वे प्रबुद्ध हो गए हों।

उदाहरण के लिए, अहतुन रे इस रहस्य को उजागर करता है कि पवित्र वर्जिन मैरी और जीसस एक द्विध्रुवीय जोड़ी हैं, जो एक ही समय में भगवान द्वारा एक दूसरे के पूरक के लिए बनाई गई हैं।

सातवीं किरण द्विध्रुव: सातवीं किरण ऊर्जा, अगर हम पीछे मुड़कर देखें, तो इसमें कार्यात्मक प्रणालियों का संगठन और निर्माण शामिल है। अहतुन रे द्वारा दी गई एक सातवीं रे द्विध्रुवीय जोड़ी जेम्स मैडिसन थी, जो संघीय संविधान का मसौदा तैयार करने में भारी रूप से शामिल थी, और अलेक्जेंडर हैमिल्टन, जो नवोदित देश की वित्तीय प्रणाली के वास्तुकार थे।

अहतुन रे अमेरिकी क्रांति के समय की सातवीं किरणों की एक और जोड़ी, अर्थात् जॉन एडम्स और थॉमस जेफरसन को भी दिखाता है।
एडम्स को कॉलोनी का पहला संविधान, मैसाचुसेट्स संविधान लिखने में बहुत गर्व महसूस हुआ, जो संघीय संविधान के लिए मॉडल के रूप में कार्य करता था। एडम्स ने अपने संविधान को "मेरी प्रणाली" कहा, जिसका मुख्य भाग सरकार में कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का पृथक्करण और संतुलन था।

वाशिंगटन की तरह एडम्स भी एक मजबूत केंद्र के समर्थक थे
या संघीय सरकार. जेफरसन स्वतंत्रता की घोषणा के प्रमुख लेखक थे, हालांकि एडम्स ने घोषणा समिति में भी काम किया था। एडम्स के विपरीत, जेफरसन एक ऐसी प्रणाली में विश्वास करते थे जिसमें राज्यों के पास राज्यों के बराबर या अधिक शक्ति थी।

Machine Translated by Google

संघीय सरकार। इसके अलावा इनमें से कुछ राजनीतिक मतभेद, ध्यान दें कि जेफरसन लंबा और पतला है, जबकि एडम्स एडम्स छोटे लेकिन बहुत मांसल हैं।

वास्तव में, भौगोलिक दृष्टि से एडम्स और जेफरसन एक विरोधाभास दिखाते हैं। एडम्स उत्तर में मैसाचुसेट्स में और जेफरसन दक्षिण में वर्जीनिया में रहते थे। उनके पारस्परिक मित्र, बेंजामिन रश ने इस सातवें द्विध्रुवीय जोड़े की विपरीत प्रकृति का वर्णन करते हुए कहा कि एडम्स और जेफरसन "उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव" थे।

अमेरिकी क्रांति के।" अंत में, भाग्य के एक दिलचस्प मोड़ में, जो उनके द्विध्रुवीय स्वभाव को दर्शाता है, एडम्स और जेफरसन दोनों की मृत्यु 4 जुलाई, 1826 को हुई, जो अमेरिकी स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ थी।

Machine Translated by Google

30

विभाजित अवतार या समानांतर

ज़िंदगियाँ

Machine Translated by Google

एक पैर और दूसरे से ताल वाद्य। ढोल बजाने वाले के हाथ और पैर अलग-अलग काम करते हैं और परिष्कृत और जटिल गतिविधियाँ करते हैं, लेकिन यह ढोल बजाने वाले का दिमाग और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र है जो प्रत्येक अंग की गतिविधियों का समन्वय करता है। उसी तरह, आत्मा को ढोल बजाने वाले के दिमाग के रूप में देखा जा सकता है, जबकि ढोल बजाने वाले के हाथों और पैरों को भौतिक क्षेत्र में अपना अस्तित्व रखने वाली आत्मा के विभाजित अवतारों के रूप में देखा जा सकता है। निःसंदेह, इससे पहले कि ढोल वादक जटिल पैटर्न बजा सके, शुरुआत में जब वह नौसिखिया था तो वह केवल एक ही ढोल बजा सकता था।

यह ड्रम वादक सादृश्य यह समझने में भी उपयोगी है कि कैसे एक आत्मा भौतिक क्षेत्र में अवतार लेते हुए भी एक माध्यम से संवाद कर सकती है। एक ड्रमर तब भी गा सकता है या संवाद कर सकता है जब उसके हाथ और पैर ड्रम सेट में विभिन्न घटकों को संचालित करते हैं। इसी तरह, अहतुन रे एक ही समय में भौतिक क्षेत्र में अवतार लेते हुए सैद्धांतिक रूप से केविन रायर्सन के माध्यम से संवाद कर सकते थे।

विभाजित अवतार की कल्पना करने का दूसरा तरीका आत्मा के होलोग्राम या त्रि-आयामी रूप को प्रक्षेपित करने वाली आत्मा की अवधारणा का उपयोग करना है। पहले यह प्रस्तावित किया गया है कि आत्मा बढ़ते भौतिक शरीर में एक होलोग्राम प्रोजेक्ट करती है जो हड्डियों और ऊतकों के लिए एक ढांचे के रूप में कार्य करता है। जिस तरह एक आर्थोपेडिक सर्जन हड्डियों के विकास में मदद करने के लिए विद्युत धाराओं का उपयोग करके हड्डी उत्तेजक का उपयोग करता है, उसी तरह आत्मा होलोग्राम हड्डियों और ऊतकों को आकार देने के लिए उपयोगी होते हैं ताकि हम चेहरे की समान विशेषताओं को एक अवतार से दूसरे अवतार में साझा कर सकें।

विभाजित अवतार घटना में, आत्मा अधिक प्रक्षेपित होती है
एक ही समय में एक से अधिक होलोग्राम। उदाहरण के लिए, आत्मा संयुक्त राज्य अमेरिका में एक भौतिक शरीर में होलोग्राम प्रक्षेपित कर सकती है जबकि भारत या चीन में दूसरे भौतिक शरीर में प्रक्षेपित कर सकती है। विभाजित अवतारों में सभी की चेहरे की विशेषताएं और मूल ऊर्जाएं समान हैं

Machine Translated by Google

वही, वही ऊर्जा स्पेक्ट्रम या प्रकाश पैटर्न, हालांकि संस्कृति और स्वाद में अंतर भी अवतार की अभिव्यक्ति को रंग देगा।

इस संदर्भ में, मैं इस मुद्दे को सामने लाना चाहूंगा कि पाठकों को आश्चर्य हो सकता है कि आज संयुक्त राज्य अमेरिका में इतनी सारी ऐतिहासिक शख्सियतों का पुनर्जन्म क्यों होता हुआ पाया जाता है, कम से कम बॉर्न अगेन और रिटर्न ऑफ द रेवोल्यूशनरीज़ किताबों के अनुसार। कारण सरल है, मेरी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अंग्रेजी भाषी दुनिया है, इसलिए इस संस्कृति में पुनर्जन्म के मामलों पर शोध करना बहुत आसान है। मेरे लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में पुनर्जन्म लेने वाले व्यक्तियों की पहचान करना आसान है। विकसित हुई आत्माओं के लिए, विभाजित अवतारों का अन्य संस्कृतियों में भी पुनर्जन्म हो सकता है, लेकिन भाषा की बाधाओं और जानकारी तक पहुंच के कारण इन विभाजित अवतारों की पहचान मेरे द्वारा नहीं की गई है।

अहतुन रे ने इस समय मानव की वर्तमान स्थिति को दर्शाया था
विकास के अनुसार, पृथ्वी पर लगभग 3% आत्माएँ विभाजित अवतार लेने में सक्षम थीं। यदि कोई यह मान ले कि प्रत्येक आत्मा एक ही समय में दो अवतारों में विभाजित होने में सक्षम है, तो पृथ्वी के लगभग 6% निवासी विभाजित आत्माओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस वजह से, कई आत्मा साथी आज की दुनिया में अवतरित हुए हैं, जहां एक आत्मा के पास एक ही समय में दो या दो से अधिक शरीर रहते हैं। अहतुन रे ने कहा कि डिवीजनों की अधिकतम संख्या ए

मानव विकास के वर्तमान चरण में आत्मा सात के आसपास प्रदर्शन कर सकती थी, हालाँकि यह एक अत्यंत दुर्लभ घटना थी।

विभाजित आत्मा के मामलों के कई जोड़े हैं जिन्हें अब पहचाना जा सकता है।
उदाहरण के लिए, 2006 में जब मैं भारत आया तो मुझे अपने जीवनसाथी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मेरे अवतार साथी ने, मेरी तरह, जीव विज्ञान का अध्ययन किया और एक शीर्ष विश्वविद्यालय से ऑनर्स की डिग्री के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। मेरी तरह, मेरे अवतार साथी ने भी अपने जीवन का काम जीवविज्ञान से पुनर्जन्म अनुसंधान में स्थानांतरित कर दिया है। हम दोनों के चेहरे का आकार, शरीर का प्रकार और व्यक्तित्व एक जैसा है। जबकि मेरा ध्यान पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य पर है, मेरे अवतार गोलार्ध का ध्यान चिकित्सीय अनुसंधान पर है

Machine Translated by Google

पिछले जीवन का प्रतिगमन. अहतुन रे दिखाता है कि मैं और मेरा अवतार साथी दिखाते हैं कि कैसे एक आत्मा समानांतर जीवन के माध्यम से श्रम विभाजन को लागू कर सकती है। मैं मुख्य रूप से पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य से निपटता हूं, जबकि मेरा अवतार साथी व्यक्तिपरक क्षेत्र में काम करता है।

कोई आत्मा विभाजित अवतार लेना क्यों चाहेगी? एक कारण यह संभावना है कि कर्म को अधिक कुशल तरीके से कार्यान्वित किया जा सकता है, क्योंकि अवतार गोलार्ध कार्मिक पाठों के एक सेट का सामना कर सकता है जबकि दूसरा अवतार गोलार्ध दूसरे का सामना कर सकता है। कभी-कभी किसी आत्मा में जो प्रतिभाएँ होती हैं, जो पिछले जन्मों में धन और लोकप्रियता लाती थीं, उन्हें अवरुद्ध करने की आवश्यकता हो सकती है ताकि विनम्रता या व्यक्तिगत संबंधों से संबंधित सबक सीखे जा सकें।

अवतार का एक पक्ष लंबे समय से विकसित प्रतिभाओं को अवरुद्ध करने में सक्षम हो सकता है ताकि वह सहानुभूति और विनम्रता पर ध्यान केंद्रित कर सके, जबकि अवतार के दूसरे पक्ष को मानवता की मदद करने के लिए अपनी मूल प्रतिभाओं को व्यक्त करने की अनुमति है।

जैसा कि पहले भारत में मेरे अवतरित गोलार्ध के संबंध में उल्लेख किया गया है, एक अवतरित गोलार्ध होने से श्रम का विभाजन संभव हो जाता है। विभिन्न भौगोलिक स्थानों में अवतरित होने से परियोजनाओं के लिए वैश्विक दृष्टिकोण की भी अनुमति मिलती है। जैसे-जैसे पुनर्जन्म अनुसंधान आगे बढ़ता है, इंटरनेट के माध्यम से दुनिया भर में संचार करने की लोगों की क्षमता को देखते हुए, अवतार के अधिक से अधिक हिस्से एक-दूसरे को पहचानेंगे और उम्मीद है कि मानव जाति की भलाई के लिए मिलकर काम करेंगे।

द्विध्रुवीय जोड़े और विभाजन के बीच अंतर को उजागर करना

अवतार, आइए आत्मा की प्रकृति और ऊर्जा स्पेक्ट्रम के स्पेक्ट्रम को बेहतर ढंग से समझने के लिए व्यक्तित्व मॉडल पर वापस लौटें।

Machine Translated by Google

31

ज्योतिष, कबला, एनीग्राम, और आपका ऊर्जा स्पेक्ट्रम

ब्रह्माण्ड की रचना जैसे विषयों पर चर्चा के बाद, सन्यासी और आत्माएं, द्विध्रुव और विभाजित अवतार, मैं किसी व्यक्ति के ऊर्जा स्पेक्ट्रम या ऊर्जा पैटर्न के विषय पर लौटना चाहूंगा।
सेवन रेज़ मॉडल का उपयोग यह देखने और समझने के लिए किया जाता है कि कैसे हम सभी के पास ऊर्जा का एक स्थिर सेट है जिसे हम एक अवतार से दूसरे अवतार में अपने साथ ले जाते हैं। ऊर्जा का यह पैटर्न हमें शुरू से ही देता है: विशेष प्रतिभाएँ, इच्छाएँ और व्यवहार। अब हम अन्य मॉडलों की समीक्षा करेंगे जिनका उपयोग हमारे ऊर्जा स्पेक्ट्रम को समझने के लिए किया जा सकता है, अर्थात् ज्योतिषीय प्रणाली, कबला और एनीग्राम।

ज्योतिष एवं पुनर्जन्म

मैंने कई साल पहले एक वैज्ञानिक के संदेह के साथ ज्योतिष का अध्ययन किया था जो जानना चाहता था कि ज्योतिष में ऐसी शक्ति क्यों है जो लोगों के दिमाग को हर जगह बंद कर देती है। यद्यपि ज्योतिष तर्कसंगत दृष्टिकोण से अविश्वसनीय लगता है, कुंडली कॉलम दुनिया भर के लगभग सभी समाचार पत्रों में दिखाई देते हैं। मैं जानना चाहता हूं कि ऐसा क्यों हुआ.

मेरी खोज ने अंततः मुझे नियमित लोगों के लिए ज्योतिष नामक पुस्तक लिखने के लिए प्रेरित किया, जिसमें मैंने ज्योतिष की जटिलताओं को सरल और समझने योग्य शब्दों में समझाने की कोशिश की। मैं ज्योतिषीय आदर्शों, संकेतों, ग्रहों और ज्योतिषीय नक्षत्रों को समझने में आसान बनाने के लिए कार्टून चरित्रों का भी उपयोग करता हूं।

ज्योतिष की दो मुख्य शाखाएँ जिन्होंने मुझे आकर्षित किया और

Machine Translated by Google

मैंने ज्योतिष जन्म कुंडली और गोचर ज्योतिष लिखा।
जन्म कुंडली ज्योतिष राशि चक्र के संकेतों और नक्षत्रों में ग्रहों के स्थान के माध्यम से किसी के व्यक्तित्व की व्याख्या करने से संबंधित है। राशि चक्र ज्योतिष में 12 नक्षत्रों की व्यवस्था है - मेष, वृषभ, और इसी तरह मीन राशि तक -

जो पृथ्वी को चारों ओर से घेरे हुए है। ये नक्षत्र हमारे सौर मंडल में सूर्य और ग्रहों के समान आयाम में हैं।

किसी व्यक्ति के जन्म के समय तक, यदि आप पृथ्वी पर एक सुविधाजनक बिंदु से हमारे सूर्य को देखते हैं, तो राशि चक्र नक्षत्रों में से एक सूर्य के पीछे या पृष्ठभूमि में पाया जाएगा।

यह नक्षत्र, जिसमें सूर्य भी स्थित है, आपके सूर्य प्रतीक के रूप में परिभाषित किया गया है। उदाहरण के लिए, यदि आपके जन्म के समय, पृथ्वी से देखा गया सूर्य कन्या राशि के साथ संरेखित था, तो आपका सूर्य प्रतीक या राशि कन्या है।

इसके अलावा, कल्पना करें कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय एक तस्वीर ली गई थी, जिसमें राशि चक्र के नक्षत्रों के संबंध में हमारे सौर मंडल में ग्रहों की सभी स्थितियों की पहचान की गई थी।
यह छवि वह बनाती है जिसे ज्योतिषी आपकी जन्म कुंडली या चार्ट कहते हैं। बारह राशियों में विभिन्न ग्रहों की स्थिति, साथ ही ज्यामितीय संबंध जो उन्हें बांधते हैं, जैसे संयोजन में या एक ही अक्षांश में, वर्ग (निश्चित कोण), ट्राइन (दो ग्रहों के बीच 120 डिग्री कोण), या सेसटाइल (दो खगोलीय पिंडों के बीच संबंध)। ज्योतिषियों के अनुसार, 60 डिग्री के कोण के भीतर, एक व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्धारण करेगा।

ज्योतिष की एक और शाखा जिसका मैं अध्ययन करता हूं, पारगमन ज्योतिष जिसमें हमारे सौर मंडल से गुजरने वाले अंतरिक्ष में वास्तविक ग्रहों और किसी व्यक्ति की जन्म कुंडली के विरुद्ध इन ग्रहों के ज्यामितीय कोण, या जन्म के समय सूर्य और ग्रहों की स्थिति को चित्रित करना शामिल है। कोई व्यक्ति। ज्योतिष शास्त्र में की गई लगभग सभी भविष्यवाणियों का आधार गोचर ही है। उदाहरण के लिए, पारगमन ज्योतिष के अनुसार, यदि बृहस्पति आपके जन्म के समय शुक्र की स्थिति के माध्यम से परिक्रमा कर रहा है, अर्थात आपकी जन्म कुंडली में शुक्र का स्थान, तो एक रोमांटिक संबंध उत्पन्न होने की अधिक संभावना है।

Machine Translated by Google

उस समय आपके जीवन में, क्योंकि शुक्र रोमांटिक रिश्तों से जुड़ा है। पारगमन ज्योतिष निश्चित रूप से दिलचस्प है, हालांकि महत्वपूर्ण पारगमन के दौरान क्या होगा इसकी कल्पना करते हुए, किसी के पारगमन को देखने के प्रति अत्यधिक जुनूनी हो जाने का खतरा है।

पारगमन ज्योतिष का वैज्ञानिक रूप से अध्ययन करना बहुत दिलचस्प है क्योंकि ज्योतिष की यह शाखा उन विशेष घटनाओं और मनोवैज्ञानिक स्थितियों से संबंधित है जो एक निश्चित अवधि में घटित होनी चाहिए। पारगमन की अकादमिक जांच का परीक्षण सैन फ्रांसिस्को में कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रल स्टडीज द्वारा डॉ. द्वारा किया गया है। स्टैनिस्लाव ग्रोफ़, जिन्हें ट्रांसपर्सनल साइकोलॉजी का संस्थापक माना जाता है, और रिक टार्नास, पीएचडी, जिन्होंने क्लासिक दर्शन पुस्तक, पैशन ऑफ़ द वेस्टर्न माइंड के लेखक हैं। डॉ. टार्नास ने पारगमन पर अपने शोध पर कॉसमॉस एंड साइकी नामक पुस्तक लिखी है, जो इस बात पर केंद्रित है कि ज्योतिषीय लक्षण समय के साथ मानव चेतना को कैसे प्रभावित कर सकते हैं।

आइए बॉर्न अगेन में प्रस्तुत पुनर्जन्म शोध के आलोक में, ज्योतिष की जन्म कुंडली, ज्योतिष की वह शाखा जो व्यक्तित्व निर्धारण से संबंधित है, पर वापस लौटते हैं। एक अवतार से दूसरे अवतार में पुनर्जन्म और ज्योतिषीय मानचित्रों के मामलों का विश्लेषण करते समय, मेरी टिप्पणियों के अनुसार जन्म कुंडली मानचित्र एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल में लगातार बदल सकता है, लेकिन व्यक्तित्व लक्षण सुसंगत रहते हैं।

केविन रायर्सन के साथ मेरी चर्चा में, केविन ने व्यक्तित्व के उन गुणों का वर्णन करने के लिए "मूल सार" शब्द गढ़ा जो एक अवतार से दूसरे अवतार में समान रहते हैं, ज्योतिष या अन्य कारकों से स्वतंत्र या अप्रभावित रहते हैं। जन्म कुंडली की परवाह किए बिना, आपका मूल सार एक अवतार से दूसरे अवतार तक समान रहता है। आपका मूल सार मूलतः आपके ऊर्जा स्पेक्ट्रम या ऊर्जा पैटर्न के समान है।

आइए इस बिंदु को बेहतर ढंग से समझने के लिए मामलों पर नजर डालें। में जॉन बी. गॉर्डन/जेफरी कीन के मामले में, न केवल चेहरे की विशेषताएं समान रहती हैं, बल्कि लेखन शैली भी एक समान रहती है जैसा कि भाषाई विश्लेषण के माध्यम से दिखाया गया है।

Machine Translated by Google

औपचारिक। जन्म कुंडली कभी भी अवतार के दौरान ऐसे लक्षणों में किसी विशेष समानता की भविष्यवाणी करने में सक्षम नहीं होगी।
वास्तव में, गॉर्डन और कीन के बीच कुंडली में अंतर के कारण, कोई समानता के बजाय मतभेद की अपेक्षा करेगा।

ऐनी फ्रैंक/बारब्रो कार्लेन पुनर्जन्म के मामले पर विचार करें, जहां बारब्रो कार्लेन बचपन से ही ऐनी फ्रैंक की तरह एक प्रतिभाशाली लेखक बन गए, और यहां तक कि कई समान विषयों पर भी लिखा। पॉल गाउगिन/पीटर टेकैम्प के मामले में, पीटर ने भी अनजाने में गाउगिन द्वारा चित्रित रेखाचित्रों को फिर से चित्रित किया, हालाँकि कम उम्र में।

एलेक्जेंड्रा नेचिता ने चार साल की उम्र में पिकासो शैली में कलाकृतियाँ बनाना शुरू कर दिया था और आठ साल की उम्र में उन्हें "लिटिल पिकासो" उपनाम दिया गया था। जोश और डैनी बाकर ने बचपन से ही लॉरेल और हार्डी की नकल करना शुरू कर दिया था, और जब बच्चे लॉरेल और हार्डी की तरह एक-दूसरे से बात करते थे। उन्होंने इस जीवनकाल में अपनी स्वयं की मूक फिल्में बनाकर हास्य युगल का कलात्मक विकास किया, उस युग में जब किसी अन्य हास्य अभिनेता ने मूक फिल्में नहीं बनाईं।

ज्योतिष ऐसे व्यक्तित्वों में स्थिरता की व्याख्या नहीं कर सकता।
ज्योतिष उन लक्ष्यों और प्रतिभाओं की भविष्यवाणी नहीं कर सकता जो एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल तक लगातार बने रहते हैं, और वास्तव में, चूंकि कुंडली लगातार जीवन-दर-जीवन बदलती रहती है, जन्म कुंडली ज्योतिष जीवन की प्रकृति और पथ में अंतर की भविष्यवाणी करेगा।

संक्षेप में, हालाँकि मैं यह दावा नहीं कर सकता कि जन्म कुंडली होती है
व्यक्तित्व पर कोई प्रभाव नहीं, पुनर्जन्म और जन्म कुंडली के मामले की समीक्षा में मैं यह निष्कर्ष निकाल सकता हूं कि किसी व्यक्ति के मूल सार या ऊर्जा स्पेक्ट्रम के प्रभाव की तुलना में ज्योतिष का व्यक्तित्व गुणों पर बहुत कम प्रभाव पड़ता है, जो स्थिर है। सुसंगत

अवतार से अवतार तक.

अवतारों के दौरान क्या होगा इसकी भविष्यवाणी करने के लिए कुछ ज्योतिषी चंद्र नोड्स (पृथ्वी की कक्षा के साथ चंद्रमा की कक्षा के बिंदु का प्रतिच्छेदन) का उपयोग करके तकनीकों का उपयोग करते हैं। लेकिन बिल्कुल कुंडली की तरह

Machine Translated by Google

मेरी राय में, जन्म का वास्तव में इस जीवनकाल में किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है, मेरे लिए यह कल्पना करना बहुत कठिन है कि ज्योतिष का भविष्य के जीवन पर भी बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है।
भविष्य के अवतारों से संबंधित निर्णय जटिल निर्णय होते हैं जो हमारे कर्म और इच्छाओं के साथ-साथ हमारे आत्मा समूह के अन्य सदस्यों द्वारा लिए गए निर्णयों से प्रभावित होते हैं।

अवतारों के संदर्भ में एक समूह के रूप में निर्णय लिए जाते हैं
परिवार के सदस्यों और दोस्तों के एक साथ पुनर्जन्म की घटना में देखा गया। मेरे विश्लेषण में, यह आपकी आत्मा है जो वास्तव में अवतार की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार है, न कि पिछले अवतारों के ज्योतिषीय चार्ट में पाए गए चंद्रमा या खगोलीय पिंडों की स्थिति।

एक प्रश्न बना हुआ है: फिर, जब लोग किसी ज्योतिषी से परामर्श लेते हैं तो उन्हें इतना सकारात्मक अनुभव क्यों होता है? मेरा मानना है कि इसका एक कारण यह है कि सफल ज्योतिषियों के पास सहज या मानसिक प्रतिभा होती है और वे अपने ग्राहकों के साथ शारीरिक रूप से जुड़ने के साधन के रूप में जन्म या पारगमन कुंडली का उपयोग करते हैं।

मनोचिकित्सक डॉ. मिशेल गिब्सन, जिन्होंने ज्योतिष पर किताबें लिखी हैं, बताते हैं कि जब एक ज्योतिषी ग्राहक की कुंडली पर विचार करता है-

जब एक छवि से विश्लेषण किए जा सकने वाले चिह्नों, ग्रहों, नक्षत्रों और विभिन्न ज्यामितीय संबंधों जैसे सभी परिवर्तनों पर विचार किया जाता है - तो एक ज्योतिषी के पास विचार करने के लिए भारी संख्या में परिवर्तन होते हैं।

इसलिए, मानचित्रों की अलग-अलग परिणामों के साथ हजारों अलग-अलग तरीकों से व्याख्या की जा सकती है। एक ज्योतिषी यह कैसे तय करता है कि कुंडली चार्ट के किस भाग को देखना है?

फिर, मेरा मानना है कि सफल ज्योतिषी सटीक या सार्थक अध्ययन देने के लिए अंतर्ज्ञान या मानसिक प्रतिभा का उपयोग करेंगे।

बेशक, वैज्ञानिक समुदाय ने ज्योतिष की अवधारणा को लंबे समय से खारिज कर दिया है

Machine Translated by Google

जन्म राशिफल, जो फिर से सवाल उठाता है: ज्योतिष शास्त्र अभी भी दुनिया भर के लोगों के मन में लोकप्रिय क्यों है? मेरा निष्कर्ष, जिस पर मैं पुनर्जन्म अनुसंधान में शामिल होने से पहले पहुंचा था, वह यह है: ज्योतिष उपलब्ध सबसे व्यापक व्यक्तित्व मॉडलों में से एक है, जो अधिकांश लोगों के दिमाग और दिल में फिट बैठता है।

भले ही ज्योतिष व्यक्तित्व को परिभाषित नहीं करता है, ज्योतिष के आदर्श लोगों को उनके व्यक्तित्व प्रकार को समझने में मदद कर सकते हैं। इसी तरह, किसी व्यक्ति के ऊर्जा स्पेक्ट्रम या मूल सार को समझने के लिए ज्योतिषीय आदर्शों का उपयोग किया जा सकता है, जो एक अवतार से दूसरे अवतार तक समान रहता है। जैसा कि हमने उपयोग किया है

हमारे ऊर्जा स्पेक्ट्रम को समझने के लिए सात किरणों की अवधारणा के आधार पर, हम ज्योतिष को एक व्यक्तित्व मॉडल के रूप में उपयोग कर सकते हैं।

व्यक्तित्व मॉडल के रूप में ज्योतिष

अपने ज्योतिष अध्ययन में, मैंने ग्रहों को मूलरूप या मूल प्रतीकों के रूप में समझना उपयोगी पाया है जो ज्योतिष में अन्य अवधारणाओं को रेखांकित करते हैं।

उदाहरण के लिए, मंगल मेष राशि के समान ऊर्जा का अवतार है।
अब मैं अपनी पुस्तक एस्ट्रोलॉजी फॉर रेगुलर पीपल से लिए गए बुनियादी ज्योतिषीय पैटर्न की समीक्षा करूंगा। पढ़ते समय यह देखने का प्रयास करें कि कौन से ग्रह और राशियाँ आपके अनुकूल हैं।

- ज्योतिष में सूर्य आपके अहंकार, आपके बारे में आपकी धारणा को दर्शाता है। सूर्य को सिंह राशि का प्राथमिक मूलरूप या शासक माना जाता है। सिंह राशि का प्रतीक शेर है, जो जंगल का राजा है और सिंह राशि के लोग आकर्षण का केंद्र, शो का सितारा और महल का राजा बनना पसंद करते हैं। नियमित लोगों के लिए ज्योतिष में, सूर्य का प्रतिनिधित्व एक राजनेता द्वारा किया जाता है जो सार्वजनिक मंचों पर दर्शकों को देखकर मुस्कुराना पसंद करता है।

  सूर्य को उपरोक्त किसी अभिनेता या अभिनेत्री द्वारा भी दर्शाया जा सकता है
  अवस्था।
- चंद्रमा हमारे भीतर की भावनात्मक या देखभाल करने वाली प्रकृति का प्रतिनिधित्व करता है; महीना

Machine Translated by Google

एक माँ का आदर्श है. बुलान को एक गोल चेहरे वाली माँ के रूप में दर्शाया गया है जो मूनमोबाइल, एक मिनी-वैन चलाती है, जिसका उपयोग वह अपने प्यारे बच्चों को स्कूल ले जाने और सब्जी और फलों की दुकान पर उन लोगों के लिए भोजन खरीदने के लिए करती है जिन्हें वह प्यार करती है।

चंद्रमा कर्क राशि के व्यक्तित्व का प्रतीक है।

• बुध ठोस दुनिया का बौद्धिक रूप से विश्लेषण करने की हमारी क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है; यह एक रैखिक भाग का प्रतिनिधित्व करता है, सोच की प्रकृति जो बाएं गोलार्ध से समस्या की जड़ तक टूट जाती है। बुध गणित और भाषाओं के विशेषज्ञ हैं।

बुध को विश्वविद्यालय के प्रोफेसर के रूप में जाना जाता है।
यह पांचवीं किरण की ऊर्जा के बराबर है। ज्योतिष में, बुध मिथुन राशि पर शासन करता है, जो तर्कसंगत सोच, भाषा और संचार से जुड़ा है। बुध कन्या राशि पर भी शासन करता है, जो बौद्धिक सेवा का प्रतिनिधित्व करती है। कन्या राशि, जो हमेशा सोचती रहती है, हमेशा पूर्णता के लिए प्रयासरत रहती है। • शुक्र दूसरों को आकर्षित करने की हमारी क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है; यह जुड़ा हुआ है

सुंदरता और कला जैसी खूबसूरत चीज़ों के साथ। इस प्रकार, शुक्र चौथी किरण ऊर्जा के अनुरूप है। शुक्र को एक फैशन मॉडल के रूप में जाना जा सकता है जिसे प्यार या खूबसूरत चीज़ों से प्यार हो जाता है। शुक्र वृषभ राशि,
बैल पर शासन करता है, जो ज़मीनी, जिद्दीपन और सुंदर चीजों की इच्छा से जुड़ा हुआ है। शुक्र तुला राशि पर भी शासन करता है, जो रिश्तों और कला की परवाह करता है। तुला राशि का प्रतीक तराजू का एक जोड़ा है। रिश्तों में हमेशा देना और लेना होता है, और कला में, रंग, ग्रेडेशन, छाया, टोन, पैटर्न, प्लॉट और कहानी सबप्लॉट जैसे विपरीत गुणों का हमेशा संतुलन होता है। • मंगल ग्रह हममें से प्रत्येक के भीतर का योद्धा है, जिसके हिस्से में साहस, शक्ति, दृढ़ संकल्प, दृढ़ संकल्प, हिम्मत और संघर्ष है। इन तरीकों से मंगल ग्रह प्रथम किरणों की ऊर्जा का अवतार है। एस्ट्रोलॉजी फॉर रेगुलर पीपल नामक पुस्तक में मंगल को एक फुटबॉल स्टार खिलाड़ी के रूप में चित्रित किया गया है, जो कम उम्र में लड़ाई में शामिल हो जाता है और गलती से किसी को मार देता है। मंगल, उम्र में

Machine Translated by Google

परिपक्व, हिंसा को रोकने के लिए गिरोह के सदस्यों के साथ काम करने और उनका सामना करने के लिए अपने साहस का उपयोग करता है। मंगल मेष राशि पर शासन करता है, जो सींग वाली भेड़ है, जो उसके रास्ते में आने वाले किसी भी व्यक्ति पर हमला करता है।

• बृहस्पति विस्तार, विकास और आशीर्वाद का प्रतीक है।
व्यावसायिक उद्यमों के माध्यम से मौद्रिक विकास हो सकता है।
दार्शनिक पूछताछ से बौद्धिक विस्तार हो सकता है और अधिक खाने से शारीरिक विकास हो सकता है, क्योंकि बृहस्पति कामुक प्रकार का है। बृहस्पति खुश और प्रसन्न रहता है।
बृहस्पति का दार्शनिक पक्ष दूसरी किरण की ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है और वास्तव में, बृहस्पति, दूसरी किरण के प्रकारों की तरह, एक करिश्माई व्यक्ति है। बृहस्पति धनु राशि पर शासन करता है, जिसका प्रतीक घोड़ा-पुरुष है जो अन्वेषण और रोमांच पसंद करता है, जो धनुष रखता है और अपने तीरों से अस्तित्व के रहस्यों की ओर इशारा करता है।

• शनि अनुशासन, समस्याओं पर काबू पाने और का प्रतिनिधित्व करता है
कठिनाइयाँ जिनके परिणामस्वरूप सहनशक्ति का विकास होता है। व्यक्तित्व के आदर्श के रूप में, शनि को एक एथलेटिक प्रशिक्षक या सैन्य प्रशिक्षण सार्जेंट के रूप में चित्रित किया जा सकता है। शनि को एक खेल रेफरी के रूप में भी देखा जा सकता है, जो नियमों और कानूनों के प्रतीक काली धारियों वाली एक सफेद शर्ट पहनता है।

इस मामले में शनि का संबंध कर्म से है। शनि मकर राशि पर शासन करता है, जिसका प्रतिनिधित्व बकरी द्वारा किया जाता है, जो एक संतुलित, सावधान, अनुशासित, व्यावहारिक और सख्त जानवर है। मकर राशि के लोग कड़ी मेहनत से प्राप्त सफलता के माध्यम से सामाजिक पुरस्कार चाहते हैं।

• यूरेनस एक विद्रोही, क्रांतिकारी, अंतर्ज्ञान, दाएं-मस्तिष्क सोच के माध्यम से अप्रत्याशित ज्ञान प्राप्त करने वाला व्यक्ति है। यूरेनस अचानक, अप्रत्याशित परिवर्तनों से जुड़ा है।

यूरेनस कुंभ राशि पर शासन करता है, जो नए और क्रांतिकारी विचारों का प्रतीक है। कुंभ राशि का प्रतीक एक जल वाहक है, वह व्यक्ति जो घुटनों के बल बैठकर घड़े से पानी डालता है। जल नए विचारों का प्रतीक है, जो कुंभ राशि से उत्पन्न होता है। • नेपच्यून सार्वभौमिक प्रेम, मिलन और मानसिक जागरूकता का प्रतीक है। अगर अहंकार हमारा एक हिस्सा है और

Machine Translated by Google

नेप्च्यून हमें बाकियों से अलग और अद्वितीय बनाता है, अहंकार को विघटित करता है ताकि हम सभी चीजों के साथ अपने अंतर्संबंध के बारे में जागरूक हो सकें। नियमित लोगों के लिए ज्योतिष में, नेप्च्यून को एक गिटारवादक के रूप में चित्रित किया गया है जो संगीत के साथ जुड़ता है या जोड़ता है, कभी-कभी अपनी भावना भी खो देता है।

नेप्च्यून मीन राशि पर शासन करता है, मछली, जो यीशु का प्रतीक भी है।

वास्तव में, जब यीशु ने घोषणा की, "मैं और मेरे पिता एक हैं," और "मैं सच्ची बेल हूं," तो वह नेप्च्यून और मीन के व्यक्तित्व पैटर्न का प्रतिनिधित्व कर रहे थे जिसमें एक व्यक्ति बहुत अधिक एकता के साथ एक हो जाता है।

• प्लूटो गहन परिवर्तन का ग्रह है, जो व्यक्ति को इसके लिए मजबूर करता है
स्वयं को पुनः खोजना या पुनः निर्मित करना, जिसके लिए दृढ़ संकल्प और संकल्प की आवश्यकता होती है।

परिणामों की परवाह किए बिना जिद करने की प्रवृत्ति के कारण प्लूटो अंडरवर्ल्ड के लोगों से जुड़ गया है।

सकारात्मक पक्ष पर, प्लूटो विकास और सुधार का ग्रह है।
यदि नेप्च्यून प्रबुद्ध यीशु का प्रतिनिधित्व करता है जो कह सकता है कि, "मैं और मेरे पिता एक हैं," तो प्लूटो की ऊर्जा वह ऊर्जा है जो यीशु को रेगिस्तान में ले गई, जहां उन्होंने 40 दिन बिताए और रूपांतरित होने के बाद बाहर आए।
प्लूटो वृश्चिक राशि पर शासन करता है। जो व्यक्ति प्लूटो और वृश्चिक की ऊर्जाओं का प्रदर्शन करते हैं, वे परिवर्तन और पुनराविष्कार की इच्छा रखते हैं।

इसलिए, केवल अपेक्षाकृत संक्षिप्त विवरण में, हमने ग्रहों और राशियों के बुनियादी ज्योतिषीय पैटर्न को परिभाषित किया है। इस बात पर पूरी तरह विश्वास करने के बजाय कि ग्रहों और सितारों की स्थिति हमारे व्यक्तित्व का निर्धारण करती है, आइए हम ज्योतिष को एक व्यक्तित्व मॉडल के रूप में देखें।

एक अभ्यास के रूप में, हम ज्योतिषीय आदर्शों और सात किरणों दोनों को क्यों नहीं देखते हैं और यह निर्धारित करते हैं कि कौन सा व्यक्तित्व आदर्श आपके साथ सबसे अधिक जुड़ा हुआ है।

इन मूलरूपों को लिखिए, क्योंकि वे आपकी ऊर्जा का स्पेक्ट्रम, आपका सार, ऊर्जाओं का समूह बनाते हैं

Machine Translated by Google

सन्यासी के समय आपके साथ बनाया गया था और आपकी आत्मा बिग बैंग के तुरंत बाद बनाई गई थी। यह ऊर्जा और गुणवत्ता है जो आपको एक अवतार से दूसरे अवतार में एक पैटर्न देगी।

कबला, एनीग्राम, और अन्य प्रणालियाँ

ऐसे व्यक्तित्व मॉडल और अन्य ब्रह्माण्ड विज्ञान हैं जिनका उपयोग मानव व्यक्तित्व को समझने में किया जा सकता है।

कबला एक अद्भुत यहूदी रहस्यमय पाठ है क्योंकि इसमें दस सेफ़िरोट का वर्णन किया गया है जो ईश्वर की संख्या, प्रतिबिम्ब या गुण हैं। बदले में, इन सेफ़िरोट को मानवीय गुणों के रूप में देखा जा सकता है, क्योंकि मानव आत्मा को निर्माता का हिस्सा माना जाता है। कबला पर 19वीं सदी के टिप्पणीकार, रब्बी येहुदा अशलाग के निम्नलिखित उद्धरण पर ध्यान दें: "मानव आत्मा निर्माता [अर्थात दिव्य प्रकाश] का हिस्सा है। अतः उसमें और आत्मा में कोई अन्तर नहीं है।

अंतर यह है कि वह 'संपूर्ण' है और आत्मा 'अंश' है। यह चट्टान से ली गई चट्टान जैसा दिखता है। चट्टान और चट्टान के बीच कोई अंतर नहीं है, सिवाय इसके कि मूंगा 'संपूर्ण' है और चट्टान 'भाग' है।''

इस अर्थ में, दिव्य चमक, यानी सेफिरोट, कर सकते हैं
इसे सेवन रेज मॉडल के समान देखा जा सकता है, जिसमें भगवान की सफेद रोशनी को ऊर्जाओं में विभाजित किया गया है। कुछ लोगों ने ज्योतिष में सेफिरोट और ग्रहों के बीच एक संबंध निकाला है।

उदाहरण के लिए, भगवान का सेफिरोट या चमक जिसे गेवुराह नाम दिया गया है, शक्ति, दृढ़ संकल्प, दृढ़ संकल्प और शक्ति द्वारा दर्शाया गया है। इस वजह से, गेवुराह की तुलना फर्स्ट रे की ऊर्जा से की गई। सेफिरोट नेटज़ैक की तुलना शुक्र की ऊर्जा से भी की गई है, जो रचनात्मकता और कला का प्रतीक है।

एनीग्राम एक व्यक्तित्व मॉडल है जिसने हाल के वर्षों में नौ व्यक्तित्व प्रकारों को परिभाषित करते हुए बहुत लोकप्रियता हासिल की है।
प्रत्येक प्रकार को एक से नौ तक एक संख्या दी गई है। दिलचस्प बात यह है कि प्रत्येक प्रकार को एक विशेष प्रतीक दिया गया है, जो एक ज्योतिषीय पैटर्न की तरह है।

Machine Translated by Google

एनीग्राम के आधार पर व्यक्तित्व प्रकारों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

एक: सुधारक, जो दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने की आवश्यकता महसूस करते हैं।

दो: देखभाल करने वाले, जो दूसरों को देकर प्यार व्यक्त करने की आवश्यकता महसूस करते हैं, और इसके विपरीत प्यार पाने की इच्छा रखते हैं।

तीन: उपलब्धि हासिल करने वाले, जो मूल्यवान महसूस करने के लिए कार्यों में सफल होने की आवश्यकता महसूस करते हैं।

चार: रोमांटिक, जो कला जैसी रचनात्मक प्रक्रिया के माध्यम से व्यक्तिवाद को दर्शाता है।

पाँच: विचारक, जो तथ्यों के माध्यम से दुनिया को समझना चाहते हैं।
छह: वफादार, जो स्थिरता चाहते हैं।
सात: साहसी, जो वर्तमान में जीता है।
आठवां: नेता, जो नियंत्रण करना चाहता है
शक्ति।
नौ: शांतिदूत, सहानुभूतिपूर्ण और संघर्ष की तुलना में शांति को प्राथमिकता देता है।

समीक्षा की गई सभी प्रणालियों में - सात किरणें, ग्रह और ज्योतिषीय संकेत, कबला का सेफिरोट, और एनीग्राम के व्यक्तित्व प्रकार - मानव जाति की अभिव्यक्तियों की विविधता को समझाने का प्रयास किया जाता है। अपनी विशेषता में सबसे शक्तिशाली व्यक्तित्व पैटर्न की पहचान करने के लिए, मिश्रण और मिलान करने का प्रयास करते हुए, जो भी प्रणाली आपको पसंद आए उसका उपयोग करें।

पुनर्जन्म अनुसंधान से पता चलता है कि व्यक्तित्व, चरित्र,
इच्छाएँ और प्रतिभाएँ एक अवतार से दूसरे अवतार तक सुसंगत रहती हैं, जिससे पता चलता है कि हमारे पास मूल ऊर्जाओं या सारों का एक स्पेक्ट्रम है जो एक अवतार से दूसरे अवतार में समान तरीकों से प्रकट होते हैं। सभी व्यक्तित्व मॉडल विभिन्न प्रतीकों, शब्दों या पैटर्न के माध्यम से भी ऊर्जा के इस स्पेक्ट्रम का वर्णन करने का प्रयास करते हैं।

इन मॉडलों का एक उपयोग यह है कि प्रत्येक मॉडल के भीतर, a
व्यक्तित्व या ऊर्जा पैटर्न में ऐसा प्रतीत हो सकता है

Machine Translated by Google

सकारात्मक या नकारात्मक अभिव्यक्ति. पहली किरणों, मंगल, मेष, या गेवुराह की ऊर्जाओं का उपयोग दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा सकता है, या इन स्वैच्छिक ऊर्जाओं का उपयोग दूसरों की मदद करने के लिए किया जा सकता है।

वास्तव में, हम सभी के लिए पुनर्जन्म का एक प्रमुख लक्ष्य स्वैच्छिक ऊर्जा का उपयोग करना सीखना है, शक्ति का उपयोग करना सीखना है, जिससे दूसरों को चोट पहुंचाने या नियंत्रित करने के बजाय साथी मनुष्यों और अन्य प्राणियों की मदद हो सके। अपनी रुचि के शब्दों का उपयोग करके, अपने ऊर्जा पैटर्न को समझना सहायक होता है, ताकि ऊर्जा का सचेत और रचनात्मक रूप से उपयोग किया जा सके।

Machine Translated by Google

32

अपने मूल सार को व्यक्त करना

भले ही हमारा मूल सार या ऊर्जा स्पेक्ट्रम सुसंगत रहता है
जीवन से लेकर जीवनकाल तक, आनुवंशिक, जैविक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारकों के आधार पर प्रतिभा अभिव्यक्ति का रूप और उपलब्धि का स्तर भिन्न हो सकता है।

आनुवंशिकी और जीव विज्ञान

हमने देखा है कि कैसे चेहरे की विशेषताएं, और विशेष रूप से चेहरे की हड्डियों की संरचना, एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल तक एक समान बनी रहती है, यह दर्शाता है कि आत्मा एक ऊर्जा ढांचा तैयार करती है जो शरीर द्वारा बनाई या संदर्भित की जाती है। थियोसोफिकल साहित्य में, "ईथरिक बॉडी" शब्द का उपयोग उस ऊर्जा शरीर का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो भौतिक शरीर का आधार है।

हमने यह विचार भी प्रस्तुत किया है कि आत्मा विकासशील शरीर पर एक होलोग्राम प्रोजेक्ट करती है। यद्यपि एक कंकाल है जो चेहरे की हड्डी की संरचना और उपस्थिति को प्रभावित करता है, जैविक और आनुवंशिक कारक भी भूमिका निभाते हैं।

उदाहरण के लिए, टेलीविजन व्यक्तित्व के मामले पर विचार करें
ओपरा विन्फ्रे, जिन्हें अमेरिकी क्रांतिकारी वक्ता जेम्स विल्सन के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया, जिन्होंने फिलाडेल्फिया कॉलेज में अंग्रेजी साहित्य पढ़ाया था। विल्सन की वक्तृत्व प्रतिभा ओपरा के सामने भी प्रकट हुई, जिन्होंने एक बच्चे और एक किशोरी के रूप में वक्ता के रूप में पुरस्कार जीते। विल्सन का साहित्य प्रेम ओपरा के बुक क्लब में भी झलकता है।

शारीरिक बनावट के संदर्भ में, हालांकि ओपरा और विल्सन की
चेहरे की हड्डी की संरचना लगभग समान है, ओपरा का जन्म एक के रूप में हुआ है

Machine Translated by Google

अफ़्रीकी-अमेरिकी, और नस्ल में यह परिवर्तन अफ़्रीकी-अमेरिकी नस्ल की विशेषताओं को अपने साथ लेकर आया। जेम्स विल्सन के मामले में/

ओपरा विन्फ्रे के अनुसार, हम देख सकते हैं कि आत्मा का ऊर्जा ढांचा भौतिक उपस्थिति के निर्माण में आनुवंशिक कारकों के साथ कैसे संपर्क करता है।

लोगों को कभी-कभी यह विचार पसंद नहीं आता कि चेहरे की विशेषताएं जीवन भर एक जैसी बनी रहती हैं, खासकर अगर उन्हें यह पसंद नहीं है कि वे आज कैसे दिखते हैं। मैंने हमेशा बताया है कि चेहरे की विशेषताएं या चेहरे की हड्डी की संरचना को त्वचा, दांतों की स्थिति, ऊंचाई या शरीर के वजन जैसे हर जीवन के विशिष्ट सतही कारकों के आधार पर अच्छा या बुरा माना जा सकता है।

शारीरिक लक्षणों से ऊपर और परे, बौद्धिक क्षमता की अभिव्यक्ति आनुवंशिक कारकों से प्रभावित हो सकती है जैसे कि डिस्लेक्सिया वाले शरीर में पैदा होना।

(सीखने की कमज़ोर क्षमता) या अन्य विकार। एक आत्मा वास्तव में अपने द्वारा सीखे गए पाठों के आधार पर ऐसे शरीर में पुनर्जन्म लेना चुन सकती है।

उदाहरण के लिए, यदि किसी आत्मा ने पिछले जन्मों में महान बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया है और व्यक्ति बौद्धिक उपलब्धि को भावनात्मक और पारिवारिक संबंधों से ऊपर रखता है, तो आत्मा ऐसे शरीर में पुनर्जन्म लेना चुन सकती है जहां बौद्धिक उपलब्धि अवरुद्ध है ताकि भावनात्मक विकास पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। , जैसा कि सहानुभूति और दूसरों की देखभाल और विकास करना सीखने जैसे गुणों के विकास से प्रदर्शित होता है।

सामाजिक परिस्थिति

उपलब्धि सामाजिक कारकों से भी प्रभावित हो सकती है जैसे कि सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ जिनमें व्यक्ति का जन्म हुआ है। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति का जन्म ऐसी स्थिति में हो सकता है जहां धन और रिश्तेदारी संबंध उस व्यक्ति को राजनीतिक करियर बनाने और यहां तक कि एक ऐतिहासिक व्यक्ति बनने की अनुमति देते हैं। एक अच्छा उदाहरण डेनियल मॉर्गन/जॉर्ज डब्लू. बुश का मामला है।

Machine Translated by Google

अहतुन रे ने यह भी संकेत दिया है कि मॉर्गन की आत्मा जानबूझकर थी
वर्तमान समय में राजनीतिक लाभ के लिए बुश परिवार में पुनर्जन्म हुआ, क्योंकि वह अमेरिकी क्रांति के बाद से शुरू हुई प्रक्रिया को पूरा करने के लिए एक राजनीतिक कार्यालय बनाना चाहता था। पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज हर्बर्ट वॉकर बुश के बेटे के रूप में पुनर्जन्म लेकर, डैनियल मॉर्गन की आत्मा, जॉर्ज डब्ल्यू बुश के रूप में, उनके पालन-पोषण के दौरान राजनीति में करियर के लिए तैयार की गई थी।

दूसरी ओर, यदि कोई व्यक्ति व्यक्तिगत संबंधों जैसी अन्य समस्याओं को हल करने की योजना बनाता है, तो दूसरी व्यवस्था चुनी जा सकती है। उदाहरण के लिए, थॉमस जेफरसन ने आज उसी बौद्धिक कौशल के साथ पुनर्जन्म लिया है जो उनके पास पहले था। आज के जेफरसन, जिन्हें हम टॉम कहेंगे, ने शिक्षा में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है और एक शिक्षक के रूप में उनका करियर रहा है, जो जेफरसन द्वारा वर्जीनिया विश्वविद्यालय की स्थापना को दृढ़ता से दर्शाता है।

हालाँकि उसके पास कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं था, टॉम को पता चला कि वह
उनके पास वास्तुशिल्प चित्र बनाने की प्राकृतिक प्रतिभा थी जो उस प्रतिभा का प्रतिनिधित्व करती थी जो जेफरसन के रूप में उनके समय से उपजी थी।
जहां जेफरसन ने अपने जीवन के शुरुआती दिनों में अपनी पत्नी को खो दिया था, वहीं टॉम एक लंबी और खुशहाल शादी का आनंद ले रहा है, भले ही उसका वर्तमान साथी एक अलग भावना का है। जहां जेफरसन सरकारी पद के लिए चुनाव लड़ रहे थे, वहीं दूसरी ओर टॉम आज एक सामान्य नागरिक का जीवन जी रहे हैं।

टॉम को इस जीवन में एक दिलचस्प सीखने का अनुभव हुआ है जिसे उन्होंने आपके साथ साझा करने की अनुमति दी है।

अपनी युवावस्था में, टॉम स्वेच्छा से पीस कॉर्प्स में शामिल हो गए। हालाँकि उन्होंने अन्य उद्देश्यों के लिए कहा था, उन्हें लाइबेरिया को सौंपा गया था, एक ऐसा देश जिसे जेफरसन ने मुक्त अमेरिकी दासों को रखने के लिए बनाने में मदद की थी।

टॉम ने लाइबेरिया के एक बागान में शिक्षक के रूप में काम किया, जहां दिन में केवल दो घंटे बिजली और कुएं से पानी निकालने की सुविधा थी। टॉम याद करते हैं कि यह आधुनिक सेटिंग जीवन की वास्तविक पुनर्कल्पना की तरह है

Machine Translated by Google

अमेरिकी क्रांति के दौरान वृक्षारोपण। इस प्रकार, आज टॉम एक शिक्षक के रूप में बागान श्रमिकों की सेवा करते हैं, जबकि औपनिवेशिक अमेरिका में बागान दास जेफरसन के रूप में उनकी सेवा करते हैं।

यह इस बात का उदाहरण है कि कैसे, यद्यपि हम समान प्रदर्शित कर सकते हैं प्रतिभाओं और क्षमताओं के कारण, एक आत्मा एक अवतार में प्रसिद्ध हो सकती है और दूसरे में अपेक्षाकृत अज्ञात हो सकती है।

मनोवैज्ञानिक कारक

पिछले आघात या घृणा के कारण, या बस जीवन के एक अलग तरीके को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिभाओं को आत्मा द्वारा अवरुद्ध भी किया जा सकता है। एक अच्छे उदाहरण में पुलिस कप्तान रॉबर्ट स्नो का मामला शामिल है, जो अपने पिछले जीवन के प्रतिगमन में चित्रकार कैरोल बेकविथ के रूप में एक अवतार को याद करते हैं।

कैप्टन स्नो बताते हैं कि आज उनके पास कोई कलात्मक प्रतिभा नहीं है। जब मैंने स्पिरिट गाइड केविन रायर्सन से इस बारे में पूछा, तो अहतुन रे ने संकेत दिया कि कैप्टन स्नो ने बेकविथ के रूप में अपने जीवन के दौरान विकसित की गई कलात्मक क्षमताओं को अवरुद्ध कर दिया था क्योंकि जीवन संघर्षों और कष्टों से भरा था।

बेकविथ के जीवनकाल के अलावा, का पिछला अवतार कैप्टन स्नो को अहतुन रे द्वारा पहचाना गया है। स्नो एक बार लुई XIV के शासनकाल के दौरान पेरिस पुलिस प्रमुख गेब्रियल निकोलस डी ला रेनी थे, और द पॉइज़न केस के नाम से जाने जाने वाले कुख्यात हत्या घोटाले में मुख्य जांचकर्ता थे। मैं उस युग के दौरान डी ला रेनी को जानता था क्योंकि मेरा पिछला अवतार लुई XIV के अर्थव्यवस्था मंत्री जीन-बैप्टिस्ट कोलबर्ट के रूप में था। यदि इन फ्रांसीसी मामलों को स्वीकार कर लिया जाता है, तो यह एक अच्छा उदाहरण है कि कैसे लुई XIV के शासनकाल के तहत अतीत में एक साथ काम करने वाली आत्माएं फिर से एक साथ काम कर रही हैं, भले ही एक अलग परियोजना पर, इस बार पुनर्जन्म पर।

यदि ये मामले स्वीकार किए जाते हैं, तो इन दोनों में भी देखें जीवनकाल में, रॉबर्ट स्नो ने या तो प्रमुख के रूप में काम किया है

Machine Translated by Google

पुलिस कप्तान, एक ऐसी भूमिका जिसमें वह सहज लग रहे थे। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि स्नो विश्वविद्यालय में एक सम्मानित छात्र था, उसने सभी शीर्ष अंक अर्जित किए, और मनोविज्ञान में डॉक्टरेट पूरा करने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की। हालाँकि, उन्होंने पुलिस अधिकारी बनने के लिए अपनी पढ़ाई छोड़ दी।

पुलिस के काम में नेतृत्व उनके लिए एक बुलावा प्रतीत होता है।

एक कलाकार के रूप में अपने जीवन में भी, स्नो ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया प्रशासन और नेतृत्व, जब कैरोल बेकविथ न्यूयॉर्क एकेडमी ऑफ़ डिज़ाइन के अध्यक्ष बने।

इस प्रकार तीन जन्मों में नेतृत्व गुण और संगठनात्मक कौशल देखे जा सकते हैं। बेकविथ के जीवनकाल में, यदि हम सेवन रेज़ मॉडल का उपयोग करते हैं, तो कैप्टन स्नो की आत्मा अलग-अलग करियर पथों का अनुसरण कर सकती है और विभिन्न ऊर्जा या कौशल, चौथी रे ऊर्जा या एक कलाकार की ऊर्जा को व्यक्त कर सकती है। हालाँकि, कैप्टन स्नो की प्रमुख ऊर्जा, फर्स्ट रे, नेतृत्व और इच्छाशक्ति की ऊर्जा प्रतीत होती है, जिसे वह स्वाभाविक रूप से पुलिस के प्रमुख या कप्तान के रूप में अपनी भूमिका में व्यक्त करते हैं।

Machine Translated by Google

जीन-बैप्टिस्ट कोलबर्ट कैरोल बेकविथ

रॉबर्ट स्नो

Machine Translated by Google

33

मानव विकास और कर्म के चरण

इस खंड में अध्याय दर अध्याय हमने चर्चा की है
सृजन की प्रक्रिया के संबंध में, जिसमें कहा गया है कि भगवान ने बिग बैंग के तुरंत बाद भिक्षुओं और आत्माओं का निर्माण किया। मोनाड, स्वयं का वह पहलू जो ईश्वर के साथ एक रहता है, एक प्रिज्म की तरह कार्य करता है जो ईश्वर की श्वेत रोशनी को ऊर्जा के एक अद्वितीय स्पेक्ट्रम में अलग करता है जो आत्मा में संचारित होता है। आत्मा एक ऊर्जावान प्राणी है जो हमारे अनुभवों का भंडार है।

सन्यासी और आत्मा के बीच संबंध को स्पष्ट करने के लिए, हम योयो की सादृश्यता का उपयोग करते हैं, जहां योयो का गोलाकार भाग आत्मा है जो एक ऊर्जावान रस्सी द्वारा सन्यासी से जुड़ा होता है, जिसे हिंदू दर्शन में "अंतकरण" कहा जाता है।

आत्मा, जैसा कि हमने वर्णन किया है, प्रक्षेपित करने में सक्षम है
स्वयं का होलोग्राम भौतिक आयाम में, एक शरीर या भौतिक प्राणी में, उस आत्मा के गुणों से युक्त। आत्मा जिस ऊर्जा ढाँचे को भौतिक शरीर पर प्रक्षेपित करती है, वह हमारी विशिष्ट उपस्थिति का निर्माण करती है। हमारी ऊर्जा का स्पेक्ट्रम, साथ ही हमारे पिछले जीवन के अनुभव, हमारे व्यक्तित्व में प्रतिबिंबित होते हैं। हम कल्पना कर सकते हैं कि अंतकरण आत्मा को उस ऊर्जावान होलोग्राम से भी जोड़ता है जो वह भौतिक शरीर पर प्रक्षेपित करता है। इस प्रकार, यह ऊर्जावान नाल मोनाड से आत्मा तक और फिर शरीर तक प्रवाहित होती है।

हमने ऊर्जा स्पेक्ट्रम को बेहतर ढंग से समझने के लिए कई व्यक्तित्व मॉडलों की समीक्षा की है, जैसे सात किरणें, ज्योतिष से व्यक्तित्व पैटर्न, कबला और एनीग्राम। हमने यह भी देखा है कि किसी दिए गए अवतार में व्यक्त हमारी ऊर्जा का स्पेक्ट्रम कारकों से कैसे प्रभावित हो सकता है

Machine Translated by Google

आनुवंशिक, जैविक, सामाजिक और कार्मिक।

इस बिंदु पर, मैं केविन रायर्सन के दो आध्यात्मिक मार्गदर्शकों द्वारा वर्णित आत्मा के विकास की समीक्षा करना चाहूंगा: जॉन, जो खुद को नए नियम के प्रेरित जॉन के रूप में पहचानता है, और अहतुन रे, एक मिस्र की मार्गदर्शक आत्मा जिसने क्षमता का प्रदर्शन किया है जीवन की पहचान के बारे में निष्कर्ष निकालना। सटीक अतीत. याद रखें कि अहतुन रे का 3,000 से अधिक वर्षों से पुनर्जन्म नहीं हुआ है। आध्यात्मिक क्षेत्र से, अहतुन रे ने मानव विकास को अपने अध्ययन का उद्देश्य बनाया है और वह बताते हैं कि वह उदाहरण के लिए, यीशु जैसे कई शिक्षकों के लिए एक मार्गदर्शक आत्मा रहे हैं।

क्योंकि केविन रायर्सन, इन मार्गदर्शक आत्माओं का माध्यम, संयुक्त राज्य अमेरिका में यहूदी-ईसाई सांस्कृतिक परिवेश में पले-बढ़े थे, और क्योंकि जॉन के पिछले अवतार यीशु से संबंधित थे, मानव विकास की प्रक्रिया को समझाने के लिए बाइबिल विषयों के संदर्भ का उपयोग किया जाता है।

हर चीज़ की योजना बनाने में, अहतुन रे बताता है कि सृजन के बाद सन्यासियों और आत्माओं की, आत्माएं ईश्वर के साथ एकजुट हो जाती हैं। उन्होंने इन नई आत्माओं को "निर्दोष" बताया है. भले ही ये आत्माएं ईश्वर के साथ एक हैं और शांति की स्थिति में हैं, अहतुन रे कहते हैं, "आप केवल कुछ समय के लिए निर्दोष हो सकते हैं।" जैसा कि मानव जीवन में होता है, कोई केवल सीमित समय के लिए ही बच्चा हो सकता है, इसलिए व्यक्तिगत पहचान का एहसास करने के लिए आत्माओं को भगवान की गोद छोड़नी होगी।

याद रखें कि कैसे एक छोटे बच्चे को बढ़ने और विकसित होने के लिए, एक परिपक्व इंसान बनने के लिए घर छोड़ना पड़ता है और स्कूल जाना पड़ता है। इसी तरह, पहचान हासिल करने के लिए आत्माओं को घोंसला छोड़ना होगा और सृजन का अनुभव करना होगा।

स्वर्ग से गिरना

ईश्वर आत्माओं को न केवल सृजन का अनुभव करने के लिए भेजता है योहानेस और अहतुन रे, लेकिन यह भी

Machine Translated by Google

सृजन की विविधता को जोड़ने में मदद करें। उनका दावा है कि आत्माओं को ईश्वर द्वारा ब्रह्मांड के विभिन्न हिस्सों में भेजा जाता है और सभी निर्मित आत्माओं का केवल एक छोटा प्रतिशत ही पृथ्वी पर आता है। ईश्वर का उद्देश्य यह है कि ये आत्माएं आध्यात्मिक दृष्टिकोण से सृष्टि की देखभाल करेंगी, जैसे हम कल्पना करते हैं कि आध्यात्मिक आयामों में देवदूत मौजूद हैं

इंसानों की मदद करने के लिए.

यदि हम अपनी अवधारणा पर लौटते हैं कि आत्मा ऊर्जावान होलोग्राम प्रक्षेपित कर सकती है, होलोग्राम का उपयोग जैविक जीवन के विकास को निर्देशित करने में मदद के लिए किया जाएगा। पृथ्वी पर जीवन के साथ अपने संबंध में, आत्माएँ जैविक जीवन के अनुभवों से इतनी मुग्ध हो जाती हैं कि वे उनमें डूब जाती हैं। आत्माएं अपनी चेतना को प्रक्षेपित करना शुरू कर देती हैं, जैविक जीवन में अवतरित होने लगती हैं, जो मूल योजना का हिस्सा नहीं लगता है।

क्या हो रहा है इसे बेहतर ढंग से समझने के लिए, आइए एक खेत की उपमा का उपयोग करें। के जाने मान लीजिए कि भगवान ने जानवरों और पौधों आदि के साथ एक खेत बनाया, और उसने अपने बच्चों, या नई आत्माओं को खेत की देखभाल करने के लिए कहा।

इन आत्माओं का लक्ष्य आध्यात्मिक आयाम से सृजन की देखभाल करना, गतिशील हस्तक्षेपों के माध्यम से सृजन की विविधता को विकसित करने में मदद करना है। हालाँकि, आत्माएँ पृथ्वी के प्राणियों के प्रति इतनी आकर्षित हो जाती हैं कि आत्माएँ

प्राणियों के भीतर अपनी चेतना रखकर एकजुट हो जाओ।

समय के साथ आत्माएं पशु योनियों में अवतरित होती हैं, जो कि आधार है हिंदू मान्यता है कि एक मानव आत्मा गाय जैसे जानवरों में अवतार ले सकती है। पशु रूपों के साथ यह अनुभव हमारे कुछ निश्चित बंधनों का आधार भी बनता है कुछ जानवरों या प्रजातियों के साथ.

उदाहरण के लिए, जिन लोगों को पक्षियों से बहुत प्यार है, उन्होंने पक्षी प्रजातियों के साम्राज्य में अवतार का अनुभव किया होगा।

Machine Translated by Google

ईसाई चर्च के जनक सिनेसियस (370-430 ई.), बिशप
टॉलेमाइस ने इस संभावना के बारे में अनुमान लगाया था कि मानव आत्माएँ जानवरों के रूप में अवतरित हुई थीं। अपनी पुस्तक ट्रीटीज़ ऑन ड्रीम्स में उन्होंने लिखा: "दर्शन कहता है कि आत्माएं प्रवास के मार्ग से तैयार होती हैं...

जब यह पहली बार पृथ्वी पर उतरती है, तो यह (आत्मा) एक नाव की तरह पशु रूप धारण करती है, और इसके माध्यम से यह पदार्थ के संपर्क में आती है।''1 जबकि अहतुन रे का समर्थन है कि पशु रूपों में अवतार मानव आत्माओं के विकास में एक चरण का प्रतिनिधित्व करता है, यह युगों पहले हुआ था और अब नहीं हो रहा है। मनुष्य, कम से कम जब तक वे ग्रह पृथ्वी पर पुनर्जन्म लेते हैं, केवल मनुष्य के रूप में ही पुनर्जन्म लेते हैं।

हालाँकि, जैविक जीवन में बहुत गहराई तक डूबे रहने का एक अप्रत्याशित परिणाम ईश्वर और आध्यात्मिक दुनिया के साथ सचेत संबंध का नुकसान है। बेल का दृष्टान्त याद आता है, जहाँ बेल की सभी पत्तियाँ एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं

बेल के माध्यम से. कल्पना कीजिए कि भगवान बेल हैं और हम पत्ते हैं।
भौतिक रूप में अवतरित होकर आत्माएं पेड़ से अलग हो जाती हैं, जैसे शाखा से पत्ते गिर जाते हैं।

भौतिक रूप में अपनी यात्रा पर, आत्माएं एक कर्म छाप बनाती हैं
जो भौतिक रूप में क्रियाओं को रिकार्ड करता है। यद्यपि भगवान आत्माओं को स्वतंत्र इच्छा देते हैं और उनके द्वारा चुने गए विकल्पों में हस्तक्षेप नहीं करते हैं, भगवान ने ब्रह्मांड को कुछ कानूनों और प्रणालियों के साथ बनाया है, जिनमें से एक कर्म का नियम है। आत्माएं अन्य आत्माओं के साथ क्या करती हैं, यह अवश्य होना चाहिए

होने वाले कार्यों के आधार पर अस्तित्व के एक ही आयाम में संतुलित। जब आत्माएं भौतिक आयाम पर कर्म थोपती हैं, तो इन आत्माओं को पृथ्वी पर अपने पिछले जीवन में हुए कर्म को बेअसर करने के लिए पृथ्वी आयाम पर लौटना पड़ता है।

हम जैविक जीवन में अपने अवतार की प्रक्रिया के माध्यम से आदम और हव्वा की बाइबिल कहानी को समझ सकते हैं। सेब का स्वाद चखो, धार्मिकता के वृक्ष का फल, और निष्कासन

Machine Translated by Google

ईडन गार्डन से आगे क्या होता है, इसे एक दृष्टांत के रूप में देखा जा सकता है जब आत्माएं भौतिक रूप में अवतार लेने के लिए स्वतंत्र इच्छा का उपयोग करती हैं। आत्माएं इस बात से ज्ञान प्राप्त करती हैं कि शारीरिक रूप से अवतरित होना कैसा होता है, लेकिन इस प्रक्रिया में, मनुष्य सचेत रूप से भगवान के साथ जुड़ने के लिए स्वर्ग में रहने का अनुभव खो देते हैं।

आइए अपनी यो-यो सादृश्यता पर वापस जाएं ताकि कल्पना की जा सके कि क्या हो रहा है। कल्पना करें कि सन्यासी भगवान के निवास में है, जबकि आत्मा, या चेतना का स्थान, अपने तारों के साथ अस्तित्व के निचले स्तरों तक उतरता है, जिन स्तरों को निम्नलिखित पृष्ठों में समझाया जाएगा।

आत्माएं जो मनुष्य बन जाती हैं, पृथ्वी के सघन भौतिक आयाम में उतरती हैं, जैविक रूपों में अवतरित होती हैं। इतनी गहराई तक उतरने की प्रक्रिया में, कल्पना कीजिए कि हमारा यो-यो पृथ्वी पर जीवन के दलदल में फंस गया है और अब ऊंचे लोकों में नहीं जा सकता।

पृथ्वी पर अवतार के कारण ईश्वर के साथ सचेत संबंध और उच्च आध्यात्मिक आयाम खो जाते हैं। इसके अलावा, आत्मा, भले ही भौतिक रूप से बाहर है, निचले आध्यात्मिक आयामों में भी फंसी हुई है, या विवश है।

केविन के गुरु जॉन के अनुसार, इस स्थिति का समाधान करने के लिए और अहतुन रे, आत्माओं के विकास की देखरेख करने वाले आध्यात्मिक प्राणियों ने निर्धारित किया कि अवतार के लिए प्राइमेट पशु रूपों का उपयोग करके चेतना को बढ़ाया जा सकता है। एक गतिशील ढाँचे का उपयोग करते हुए, उच्च आध्यात्मिक प्राणियों ने, ईश्वर की सहायता से, प्राइमेट्स को होमो सेपियन्स में विकसित होने में मदद की। इस प्रकार, होमो सेपियन्स के रूप में मनुष्यों को पृथ्वी आयाम में आत्माओं को अधिक तेजी से विकसित होने में मदद करने के लिए बनाया गया था।

होमो सेपियन्स के रूप में अवतरित होकर और विचार और तर्क का उपयोग करके, मानव आत्माएं फिर से उच्च आध्यात्मिक आयामों तक पहुंच सकती हैं और भगवान के साथ एक रिश्ता फिर से बुना जा सकता है।

दिलचस्प बात यह है कि इस तरह, जैविक विकास और निर्माता को एक साथ लाया जा सकता है। विकास एक धीमी प्रक्रिया के रूप में होता है

Machine Translated by Google

जैसा कि जीव विज्ञान ने सुझाव दिया है, लेकिन जिस तरह आत्मा अपने स्वयं के ऊर्जा ढांचे को भौतिक रूप में प्रक्षेपित कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप चेहरे का आकार एक अवतार से दूसरे अवतार में सुसंगत दिखाई देता है, आध्यात्मिक प्राणी भी हस्तक्षेपकारी गतिशीलता के माध्यम से जैविक विकास को प्रभावित कर सकते हैं।

इस स्थूल भौतिक आयाम में अवतार लेने के कारण पतन, ईश्वर से संबंध टूटने का परिणाम क्या है? नकारात्मक परिणामों में से एक मानव की अन्य मनुष्यों के प्रति क्रूरता है, क्योंकि यदि मनुष्य उच्च आयामों और ईश्वर के साथ अपना संबंध बनाए रखता है, तो मनुष्य एक-दूसरे के प्रति क्रूर नहीं हो पाएंगे। यदि हम उच्च आयामों से जुड़े रहेंगे, तो हम उन मतभेदों को जान पाएंगे जो हमें अलग करते हैं, चाहे वह नस्ल, धर्म, जातीयता, राष्ट्र के कारण हो, जो ऐतिहासिक रूप से मानव संघर्ष का कारण हैं, केवल कृत्रिम मतभेद हैं। हम यह भी जान लेंगे कि जो कष्ट हम दूसरों को पहुंचाते हैं वह कर्म के नियम के माध्यम से हमारे पास वापस आएगा।

ईश्वर से नाता टूटने के कारण ही जीवन इतनी कठिनाइयों से भर जाता है। यही कारण है कि तत्वमीमांसा के छात्रों की पुस्तक, ए कोर्स इन मिरेकल्स में कहा गया है कि यह दुनिया ईश्वर द्वारा नहीं बल्कि मानव निर्मित है, और हमें ईश्वर के ब्रह्मांड में जीवन की खातिर सांसारिक जाल को अस्वीकार करना चाहिए।

चमत्कारों में एक कोर्स के संदेश को लोकप्रिय बनाया जा रहा है गैरी रेनार्ड और उनकी पुस्तक, डिसअपीयरेंस ऑफ द यूनिवर्स के माध्यम से। दूसरों को क्षमा करने का चयन करने से, व्यक्ति अपने कर्मों के बंधन से मुक्त हो जाएगा और अंततः उच्च लोकों का अनुभव करने में सक्षम हो जाएगा। इस प्रक्रिया में, मानसिक क्षमताओं के खुलने के माध्यम से, भौतिक दुनिया गायब हो जाएगी और उच्च आध्यात्मिक क्षेत्र उभरेंगे। वास्तव में, यह नाज़रेथ के यीशु का महान मिशन था, लोगों को मनुष्यों के साम्राज्य के स्थान पर ईश्वर के राज्य को चुनना, क्षमा और प्रेम के माध्यम से उच्च आध्यात्मिक आयामों तक पहुंचना सिखाना।

हम गिरावट के संबंध में अन्य दृष्टिकोणों पर भी गौर कर सकते हैं

Machine Translated by Google

आत्मा। कुछ लोग इस स्थूल भौतिक क्षेत्र में मानव यात्रा को एक प्रयोग के रूप में देखते हैं, जो बदले में आत्माओं को अधिक प्रभावी ढंग से विकसित करने की अनुमति दे सकता है। यो-यो सादृश्य का उपयोग करते हुए, जब आत्मा खुद को कीचड़ से मुक्त करती है, तो वह व्यापक अनुभव के साथ अपने स्रोत पर वापस आ सकती है। जब मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या यह सच है, क्या आत्मा के स्थूल भौतिक रूप में उतरने की प्रक्रिया एक जानबूझकर किया गया प्रयोग था, तो अहतुन रे ने कहा कि इस दृष्टिकोण को भी वैध माना जा सकता है। उनका सुझाव है कि पतन को एक प्रयोग के रूप में देखा जा सकता है जिसमें आत्माएं कहती हैं, "आइए देखें कि क्या होता है यदि हम सभी भौतिक और भौतिक क्षेत्रों में चले जाएं।"

इस प्रयोग का सकारात्मक पहलू यह है कि मनुष्य की आत्मा पदार्थ के साथ अनुभव प्राप्त करें, और अहतुन रे के अनुसार, अंततः ईश्वर के साथ अधिक शक्तिशाली और प्रभावी सह-निर्माता बन जाएंगे। भविष्य में, जब नई दुनिया का जन्म होगा, तो पृथ्वी अवतारों से गुजर चुकी आत्माएं नई रचना में बेहतर सहायता करने में सक्षम होंगी। जिस तरह कोई छोटे विमान में कई घंटों की उड़ान के बिना जंबो जेट नहीं उड़ा सकता, उसी तरह पृथ्वी पर अवतार पदार्थ और जैविक जीवन के बारे में सीखने, प्रवृत्ति और भावनाओं का अनुभव करने और भौतिक क्षेत्र में कार्य करने के कौशल हासिल करने के लिए एक प्रशिक्षण मैदान है। .

दूसरी ओर, अहतुन रे टिप्पणी करते हैं कि स्वर्गदूतों ने कभी भी भौतिक दुनिया में अवतार नहीं लिया है और वे पृथ्वी पर पुनर्जन्म लेने से डरते हैं। जबकि स्वर्गदूतों को पृथ्वी अवतार की आवश्यकताओं से निपटने की ज़रूरत नहीं है, जैसे कि भौतिक शरीर में जीवित रहने और बीमारी या मृत्यु से निपटने की आवश्यकता, उनके पास मानव आत्माओं के अनुभव की सीमा का भी अभाव है।

अंततः, पृथ्वी पर जीवन के परीक्षण हमें आध्यात्मिक क्षेत्र में अधिक सक्षम और कुशल बनाते हैं। जबकि हम भौतिक रूप में अपने अवतार की गहराई के कारण कुछ समय के लिए पृथ्वी पर अवतार लेने के लिए बाध्य हो सकते हैं, अहतुन रे बताते हैं कि यदि इसमें समय लगता है

Machine Translated by Google

मनुष्य के लिए कुछ हज़ार वर्ष या यहाँ तक कि दस लाख वर्ष भी स्रोत की ओर, ईश्वर की ओर लौटना कोई बड़ी समस्या नहीं है, क्योंकि आत्मा के लिए दस लाख वर्ष कुछ भी नहीं हैं।

जैसा कि उल्लेख किया गया है, भौतिक दुनिया में बहुत गहराई तक अवतरित होने की सबसे बड़ी त्रासदी इसके साथ सचेत संबंध का खो जाना है

उच्च आध्यात्मिक क्षेत्र जो अंततः मानव को अन्य मनुष्यों के प्रति क्रूरता की ओर ले जाता है।

इस सचेत ज्ञान की हानि कि हम पुनर्जन्म लेते हैं और धर्म, राष्ट्रीयता, नस्ल और लिंग को एक चेतना से दूसरी चेतना में बदल सकते हैं, ने संबद्धता के इन मतभेदों के कारण अलगाव और संघर्ष को जन्म दिया है।

पृथ्वी पर, हम सार्वभौमिक आत्मा बनने के बजाय, सामाजिक या धार्मिक संबद्धता के आधार पर अलग-अलग आत्मा बन जाते हैं, जो हमारी वास्तविक प्रकृति है। यदि हम, मनुष्य के रूप में, सामूहिक रूप से और सचेत रूप से तेजी से विकसित होते हैं, तो पृथ्वी पर पीड़ा और संघर्ष अधिक तेजी से समाप्त हो जाएंगे। बदले में, पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य प्रस्तुत करना मानव विकास को गति देने के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम कर सकता है। मेरा मानना है कि यह प्रयास करने लायक लक्ष्य है।

विकास के चरण

आइए अब हम अहतुन रे द्वारा वर्णित मानसिक विकास के चरणों की समीक्षा करें।

प्रथम चरण: सादा

नई आत्माएँ, जो ईश्वर से उत्पन्न होती हैं, विकास के इस पहले चरण का प्रतिनिधित्व करती हैं। इन आत्माओं का निर्माण लगभग 14 अरब वर्ष पहले बिग बैंग के तुरंत बाद हुआ था। यह अवस्था अवतार से पहले की है.

चरण दो: अनाथ

उपरोक्त पैराग्राफ में, यह वर्णित है कि आत्माओं को सृष्टि की विविधता को बढ़ाने में मदद करने के लिए पृथ्वी पर भेजा जाता है। गतिशील सांचों, प्राणियों का उपयोग करके

Machine Translated by Google

आध्यात्मिक प्राणी जीवन के निर्माण खंडों, स्व-प्रतिकृति डीएनए जैसे अणुओं को बनाने में मदद करते हैं। आध्यात्मिक प्राणियों ने प्रारंभिक पौधों और जीवों को बनाने की प्रक्रिया में भाग लिया, जो बाद में उस पारिस्थितिकी तंत्र में विकसित हुए जिसे हम आज जानते हैं। जैसे-जैसे पशु जीवन विकसित हुआ, मानव आत्माओं ने भौतिक रूप में और अधिक गहराई से अवतार लेने का फैसला किया, जिससे एक अवतार पैटर्न सामने आया जिसमें आध्यात्मिक दुनिया के साथ सचेत संबंध गायब हो गया। अवतारी आत्माओं द्वारा इस संबंध को खोने से मृत्यु का भय और जीवन के उद्देश्य के बारे में भ्रम पैदा होता है।

अनाथालय स्तर पर मनुष्य जीवित रहने की जरूरतों और कई दृश्यमान हिंसक व्यवहारों से प्रेरित होते हैं। इस अवस्था में मनुष्य एक-दूसरे को चोट पहुँचाकर बहुत सारे नकारात्मक कर्म करते हैं। हिंसा का एक कारण यह है कि एक जानवर पर आधारित भौतिक रूप में पुनर्जन्म लेने पर, पृथ्वी पर एक आत्मा पशु प्रवृत्ति से भर जाती है, जिसमें जीवित रहने, क्षेत्र की रक्षा करने और अपने समूह या सहयोगियों के साथ पहचान बनाने की इच्छा शामिल होती है। यह, आध्यात्मिक दुनिया और ईश्वर के साथ सचेत संबंध के नुकसान के साथ मिलकर, हिंसक कृत्यों की ओर ले जाता है।

तीसरा चरण: योद्धा/नेता
मानवता अंततः सामुदायिक समूहों और सामाजिक चेतना का विकास करती है। धार्मिक सिद्धांत समाज को बहुत सांत्वना प्रदान करने के लिए विकसित हुए, क्योंकि इन सिद्धांतों में जीवन के अर्थ और मृत्यु के बाद मुक्ति का वादा किया गया था।

समुदाय अपनी पहचान धर्म और रीति-रिवाजों के माध्यम से विकसित करते हैं।
मनुष्य की पहचान उसकी सामाजिक संरचना, राष्ट्रीयता, धर्म और जातीय संबद्धता से होती है।

वास्तव में, संगठित धर्मों की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वे मानवता के सबसे बड़े डर, विलुप्त होने के डर को सांत्वना और समाधान प्रदान करते हैं।

हालाँकि, जब धर्म आपस में टकराते हैं तो एक के बाद एक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। यह संघर्ष बड़े तनाव का कारण बन सकता है,

Machine Translated by Google

क्योंकि व्यक्तियों को एहसास है कि सभी परस्पर विरोधी धार्मिक सिद्धांत तार्किक रूप से सत्य नहीं हो सकते।

धार्मिक समूहों के बीच हिंसा किसके आग्रह से उत्पन्न होती है?
धर्म की विजय होती है और अंत में कहा जाता है कि धर्म ही अपने अनुयायियों को स्वर्ग में स्थान प्रदान करता है।
कुछ लोग यह भी तर्क देते हैं कि यदि धर्म के नाम पर अन्य मनुष्यों की हत्या की जाती है तो यह स्वीकार्य है। अहतुन रे ने इसे "योद्धा" चरण कहा है, जहां व्यक्ति एक निश्चित धार्मिक सिद्धांत, एक निश्चित धार्मिक सत्य की रक्षा के लिए मरेंगे - अहतुन रे कहते हैं, एक सच्चाई, जिसे वास्तव में सुरक्षा की आवश्यकता नहीं है।

अन्य सामाजिक समूहों, जैसे जातीय समूहों, के साथ पहचान
या राष्ट्रीयताएँ भी विभाजन और संघर्ष लाती हैं। ये हिंसक संघर्ष केवल हिंसा के चल रहे चक्र को बढ़ावा देते रहेंगे: घावों को लेकर पुनर्जन्म लेने वाली आत्माएं, बदले की कार्रवाई में परिणत होंगी।

विडंबना यह है कि आत्माओं को उन समूहों में पुनर्जन्म दिया जा सकता है जिनसे वे पहले लड़े थे।

क्रूसेडर्स का मुस्लिमों के रूप में पुनर्जन्म हो सकता है, मुस्लिमों का हिंदू या यहूदी के रूप में पुनर्जन्म हो सकता है, इत्यादि। समय के साथ, दूसरों के प्रति मानवीय घृणा के कारण हिंसक कर्म का एक चक्र जारी रहा जो आज भी जारी है।

चौथा चरण: यात्री/दार्शनिक

अगला चरण यात्री चरण है, जो ईश्वर और आध्यात्मिक दुनिया के साथ सचेत संबंध बनाना चाहता है।
यात्री सत्य को एकजुट करने का प्रयास करते हुए दर्शन और आध्यात्मिक प्रणालियों का अध्ययन करता है। इस स्तर पर, ध्यान जैसे व्यायाम भी लागू किए जाते हैं। यात्री सार्वभौमिक सत्य की खोज करता है।

पाँचवाँ चरण: उपचारक/ऋषि

अहतुन रे के अनुसार, मानव विकास का अंतिम चरण, उपचारक या ऋषि का चरण है, जो इसे समझता है

Machine Translated by Google

हम सभी सार्वभौमिक आत्माएं हैं और ईश्वर के साथ एक हैं। बार-बार अवतार लेने के माध्यम से, उपचारकर्ता या ऋषि को गहरा ज्ञान होता है कि आत्मा अमर है और धर्म, नस्ल, जातीयता, मूल और लिंग के आधार पर मानवीय भेदभाव निराधार हैं। चिकित्सक या संत एक अधिक शांतिपूर्ण और प्रेमपूर्ण दुनिया बनाने का प्रयास करते हैं।

हिंसा का चक्र, मानव विकास और स्वतंत्र इच्छा

एक प्रश्न अक्सर पूछा जाता है कि भगवान ने इतनी सारी चीजों से भरी दुनिया क्यों बनाई
संघर्ष और पीड़ा? इसका उत्तर स्वतंत्र इच्छा की समस्या पर वापस जाता है। अहतुन रे ने एक बार टिप्पणी की थी, "भगवान ने एक आदर्श ब्रह्मांड बनाया, लेकिन उनके बच्चों ने इसे गड़बड़ कर दिया।"
विद्रोही युवाओं की तरह, मानवता भौतिक रूप में प्रवेश करने के लिए स्वतंत्र इच्छा का चयन करती है, जिसके परिणामस्वरूप भगवान के साथ चेतना का वियोग होता है, जो हमें
ईश्वर और एक-दूसरे के साथ अपनी एकता को भूल जाएं, जिससे हिंसक कर्म का चक्र शुरू हो जाएगा।
हालाँकि, हमारे पास हिंसा को समाप्त करने और अपनी चेतना को बहाल करने की भी स्वतंत्र इच्छा है
भगवान के साथ और एक दूसरे के साथ संबंध.

कर्म चक्र को कैसे तोड़ें? यह उपरोक्त समृद्ध तत्वमीमांसा, ए कोर्स इन मिरेकल्स, साथ ही गैरी रेनार्ड की किताबें, डिसएपियरेंस का फोकस है।
ब्रह्मांड और आपकी अमर वास्तविकता की, जो पाठ्यक्रम पुस्तक पर आधारित हैं।
किताब
कोर्स इस बात पर जोर देता है कि पृथ्वी पर हमारा अस्तित्व दुनिया नहीं है
जो वास्तव में हैं.

पाठ्यक्रम की पुस्तक किसी निष्कर्ष पर जोर देकर, अतिशयोक्ति के साथ सिखाती है
सीमा, और थोड़ा अनावश्यक लगता है। यह घोषणा करके कि यह संसार वास्तविक नहीं है
पाठ्यक्रम पुस्तक एक विचार प्रस्तुत करती है कि मानव आत्माओं ने, स्वतंत्र इच्छा के माध्यम से, इस दुनिया के विकास में योगदान दिया, और यह दुनिया भगवान की दुनिया, आध्यात्मिक दुनिया, सच्ची दुनिया नहीं है। ईश्वर की दुनिया, आध्यात्मिक दुनिया में पुनः प्रवेश करने की कुंजी है
भगवान के साथ पुनः जुड़ें. यह मामला

Machine Translated by Google

जिसमें कर्म के चक्र को तोड़ना भी शामिल है। ऐसा करने का तरीका क्षमा करना है।

मेरा मानना है कि पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य, जो समय के साथ अनिवार्य रूप से बढ़ेंगे, समग्र रूप से मानवता को हिंसा के चक्र को तोड़ने में मदद करेंगे।

सबसे पहले, पुनर्जन्म का प्रमाण इस डर का प्रतिकार करेगा कि मरने पर हमारा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। इस पुस्तक में प्रस्तुत पुनर्जन्म के मामलों से पता चलता है कि हम उन व्यक्तित्वों में पुनर्जन्म लेते हैं जो हमारे पिछले व्यक्तित्वों के समान हैं।

इसके अलावा, हम उन लोगों के साथ पुनर्जन्म लेते हैं जिन्हें हमने प्यार किया है और पिछले अवतारों में देखा है। यह साक्ष्य यह गारंटी देने के लिए सख्त धार्मिक सिद्धांतों पर भरोसा करने की आवश्यकता को कम करता है कि हम मृत्यु के बाद जीवित रहेंगे और स्वर्ग में प्रवेश करते हुए आध्यात्मिक दुनिया में पहुंचेंगे।

पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य और विकास की बढ़ी हुई समझ के साथ, अनाथ को डरने की ज़रूरत नहीं है, योद्धा को अब धार्मिक या राजनीतिक सत्य की रक्षा के लिए लड़ना नहीं पड़ता है, और यात्री को अब खोज नहीं करनी पड़ती है। इस बिंदु से, हम सभी उस चरण पर आगे बढ़ सकते हैं जिसे अहतुन रे उपचार कहता है।

जिस प्रकार हम, विकासवादी वंशावली जिसे हम मनुष्य कहते हैं, ईश्वर से अलग होने के लिए स्वतंत्र इच्छा का उपयोग करते हैं, उसी प्रकार हम ईश्वर और एक दूसरे के साथ फिर से जुड़ने के लिए स्वतंत्र इच्छा का उपयोग कर सकते हैं।

विकास का स्तर इतना व्यापक क्यों है?

एक बात जो मुझे हैरान करती है वह यह है कि यदि सभी आत्माओं का निर्माण एक ही समय में हुआ है तो आत्मा के विकास के स्तर में इतनी विविधता क्यों है। हम आध्यात्मिक विकास में अधिक समान क्यों नहीं हैं? हर टेलीविजन समाचार शो में, हर अखबार में, हम महान मानवतावादियों से लेकर दूसरों के लिए अपने जीवन का बलिदान देने वाले बच्चों से दुर्व्यवहार करने वालों और हत्यारों तक, मानव व्यवहार की चरम सीमाओं से अवगत होते हैं।

Machine Translated by Google

मैंने अहतुन रे से यह पूछा और उत्तर यह है कि भगवान मुफ़्त देता है
आत्माओं को अपनी पसंद की गति से खुद को विकसित करने की इच्छा। उन्होंने समझाया कि एक आत्मा हजारों या लाखों वर्षों तक अवतार न लेने का निर्णय ले सकती है, जिसका अर्थ है कि उस दौरान आत्मा का अधिक विकास नहीं होगा। देर-सबेर, प्रेरणा, बढ़ने की इच्छा आएगी, और आत्मा अनाथ अवस्था में भौतिक आयाम में प्रवेश करेगी, जबकि अन्य आत्माएं उच्च स्तर तक विकसित हो चुकी हैं।

पृथ्वी पर अवतार लेना क्यों आवश्यक है?

हालाँकि हमने इस बात पर चर्चा की है कि पतन के विभिन्न स्तर कैसे आए और मनुष्य ने भौतिक क्षेत्र में गहराई से अवतार लेना चुना, समय के साथ अवतार का रूप अभी भी आवश्यक है, क्योंकि वह अवतार बताता है कि हम वास्तव में कौन हैं . अहतुन रे एक प्रशिक्षु का दृष्टांत बनाता है जो मेडिकल स्कूल जाता है। स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद इस डॉक्टर के पास क्षमता है, लेकिन उसने अपने आवेदन में इस क्षमता का प्रदर्शन नहीं किया है। एक डॉक्टर के रूप में विशेषज्ञता और पहचान हासिल करने के लिए इन स्नातकों को डॉक्टर बनने के लिए चिकित्सा का अभ्यास करना चाहिए।

उसी तरह, आध्यात्मिक दुनिया में हम ज्ञान सीख सकते हैं और आत्मसात कर सकते हैं, हम विश्वास कर सकते हैं कि हम परिपक्वता के एक निश्चित स्तर पर हैं, लेकिन वास्तव में खुद को जानने के लिए, हमें यह दिखाने के लिए अवतार लेना होगा कि हम वास्तव में कौन हैं। भौतिक आयाम केवल अनुभव और पहचान हासिल करने का स्थान नहीं है; यह स्थान प्रमाण भूमि भी है।

सकारात्मक पक्ष पर हम पृथ्वी पर अवतार को इस रूप में देख सकते हैं
साधना करने का अवसर. पृथ्वी पर अवतार के साथ मिलने वाली स्वतंत्रता, जहां हममें से अधिकांश लोग आध्यात्मिक दुनिया से कटे हुए हैं, हमें खुद को पूरी तरह से प्रयास करने, निर्माण करने के लिए मजबूर करती है

Machine Translated by Google

शक्ति, सहनशक्ति, ज्ञान और बुद्धि। कुछ लोग मानव होना एक बड़ा सम्मान मानते हैं, क्योंकि मानव अवतार के माध्यम से जो विकास प्राप्त किया जा सकता है, वह आध्यात्मिक विकास के अन्य मार्गों के माध्यम से प्राप्त किये जा सकने वाले विकास से कहीं अधिक मूल्यवान है।

हम पिछले जन्मों को याद क्यों नहीं रख पाते?

हमने देखा है कि भौतिक अस्तित्व में गहराई से अवतरित होकर, मनुष्य ने आध्यात्मिक दुनिया से अपना संबंध खो दिया है। एक अलग लेकिन संबंधित प्रश्न यह है: हम पिछले जन्मों को याद क्यों नहीं रख पाते? मुख्य कारणों में से एक यह है कि यदि हम अपने पिछले जीवन से जुड़े सभी कष्टों और पछतावे के साथ-साथ अपने पूरे जीवन को याद रखें, तो हम वर्तमान जीवन में उत्पादक नहीं हो पाएंगे, न ही हम अन्य लोगों के साथ संबंध बनाना चाहेंगे। जिनके कर्म संबंध और सबक सीखे गए हैं। हमारे लिए सबक.

अपनी पुस्तक, रिटर्न ऑफ़ द रेवोल्यूशनरीज़ में, मैं मामला प्रस्तुत करता हूँ मेरी पूर्व पत्नी, ओक्साना, जिसे अमेरिकी क्रांति के दौरान पिछले जन्म में मेरे बेटे, चार्ल्स के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया था। उस जीवनकाल के दौरान, चार्ल्स और मेरे बीच एक तूफानी रिश्ता था, और अंततः मैंने चार्ल्स से संबंध तोड़ लिया। चार्ल्स और मैं दोनों उस रिश्ते से आहत हुए।

कर्म जिस तरह से काम करता है वह यह है कि पुनर्जन्म के माध्यम से, हमें उन लोगों के साथ वापस लाया जाता है जिनकी समस्याएं हैं जिन्हें हमें हल करना है। जैसा कि उल्लेख किया गया है, चार्ल्स ने वर्तमान में मेरी पूर्व पत्नी ओक्साना के रूप में पुनर्जन्म लिया।

हम नियति के कारण वापस एक साथ आ जाते हैं और तुरंत एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। हमारी शादी 6 महीने के अंदर हो गई है. भले ही अंत में हमारा तलाक हो गया, हमें एक-दूसरे को वास्तव में जानने और प्यार करने के लिए शादी करने का अवसर मिला, एक ऐसा अवसर जो हमें अपने पिछले जीवन में अब तक नहीं मिला था।

हालाँकि, आपको क्या लगता है कि अगर ओक्साना अच्छी होगी तो क्या होगा

Machine Translated by Google

जब हम मिले तो मुझे न ही हमारे पिछले जीवन के रिश्तों के बारे में पता चला-
यह जानते हुए कि 200 साल पहले ओक्साना मेरा बेटा चार्ल्स था, और हमारे बीच बुरे कर्म हैं जिन्हें सुलझाना होगा? हम दोनों निश्चित रूप से विपरीत दिशाओं में भाग जायेंगे! दरअसल, हमारे अलग होने के लगभग एक साल बाद तक मुझे हमारे पिछले जीवन के रिश्ते के बारे में नहीं बताया गया था।

लोगों को पिछले जन्मों को याद न रखने का एक और कारण यह है कि हमें दर्दनाक मौतों को याद रखना पड़ता है। यहां तक कि जब इन मौतों को सचेत रूप से याद नहीं किया जाता है, तब भी वे बाद के जीवन में फोबिया और कई अन्य मनोवैज्ञानिक स्थितियों को जन्म दे सकती हैं। रिवोल्यूशनरीज़ में, मैं एक पिछले जीवन का वर्णन करता हूँ जो मिशेल नाम की एक महिला के लिए हल हो गया था। मेरे पुनर्जन्म अनुसंधान के माध्यम से, मिशेल को उसी जीवन में मेरी पोती के रूप में पहचाना गया, जहां ओक्साना मेरा बेटा था। इस पोती की मृत्यु उस समय हो गई जब हडसन नदी के ऊपर जिस नाव पर वह सवार थी उसमें आग लग गई और वह डूब गई।

जब मैंने मिशेल को उसके पिछले जीवन की परिकल्पना के बारे में बताया, तो उसने स्वीकार किया कि उसे आजीवन जहाजों और खुले पानी से डर लगता था, जब मिशेल की पिछले जीवन की पहचान का समाधान हुआ तो मुझे इस वास्तविकता का एहसास नहीं हुआ। अक्सर, हालांकि हमेशा नहीं, जब व्यक्ति को पिछले जीवन प्रतिगमन चिकित्सा के माध्यम से पिछले अवतार में एक दर्दनाक घटना के बारे में पता चलता है, तो फोबिया कम हो जाएगा।

यह दूसरे तरीके से भी काम कर सकता है. अगर कोई जागरूक हो जाए पिछले जीवन में जहां एक दोस्त ने उन्हें धोखा दिया या घायल कर दिया, और वह दोस्त एक बार फिर से किसी के दायरे में पुनर्जन्म ले चुका है, तो पिछले जीवन के घाव वर्तमान में फिर से खुल सकते हैं। अगर आपको इस समय उठने वाले घावों से दोबारा जूझना पड़े तो जीवन कठिन हो जाएगा। उसके पिछले जीवन के घावों को भरने से मामला और भी कठिन हो गया। वास्तव में, पिछले जन्मों के दोबारा उभरते घावों से निपटने के लिए कभी-कभी पारंपरिक मनोचिकित्सा चिकित्सा की आवश्यकता होती है।

Machine Translated by Google

अंततः, जैसे-जैसे हम यात्री और ऋषि चरणों में आगे बढ़ते हैं, हम पिछले जीवन की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन उपरोक्त कारणों से, ऐसी जानकारी तब तक अवरुद्ध रहती है जब तक हम इससे निपटने के लिए पर्याप्त परिपक्व नहीं हो जाते।

उदाहरण के लिए, अनाथ आत्माओं को यदि पिछले जन्म के बारे में किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में जानकारी दी जाए जिसने उन्हें पिछले जन्म में घायल किया था, तो वे इस जीवन में अपने पुनर्जन्म वाले प्रतिद्वंद्वी को शारीरिक रूप से नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं। अक्सर, विशिष्ट यादों के बिना भी, दूसरों के प्रति आक्रामक व्यवहार पिछले अवतारों से जुड़ी भावनाओं और परेशानियों से जुड़ा होता है। इसलिए अधिकांश लोग जिनके पास पिछले जन्मों की सहज यादें हैं, या जो पिछले जीवन के प्रतिगमन के माध्यम से सटीक यादें प्राप्त कर सकते हैं, वे उपचार विकास के चरण में हैं, जहां क्षमा एक आदत बन गई है।

कर्म से निपटना

कर्म को परंपरागत रूप से कारण के नियम के रूप में देखा जा सकता है-
प्रभाव, जहां एक क्रिया एक प्रभाव उत्पन्न करेगी जो कर्ता पर वापस लौट आती है। सकारात्मक कर्म के साथ, यदि आप किसी के प्रति अच्छा कार्य करते हैं, तो वह दयालुता भविष्य में आपके पास वापस आएगी। नकारात्मक कर्म से, यदि आप एक जीवनकाल में किसी को चोट पहुँचाते हैं, तो घाव आपको फिर से याद आएगा। नकारात्मक कर्म का जवाब दो प्रकार से दिया जा सकता है: प्रतिशोध के माध्यम से या परिवर्तन के माध्यम से।

आइए सामूहिक हिंसा का उदाहरण लें।
मान लीजिए कि गिरोह का एक सदस्य, जिसे हम बदमाश कहते हैं, दूसरे को मार देता है। बाद के जीवन में, यदि व्यक्ति उसी मानसिकता के साथ पुनर्जन्म लेता है, तो उसे हिंसा के माध्यम से होने वाले नुकसान का अनुभव करने के लिए मारे जाने या किसी प्रियजन की हत्या का अनुभव करना होगा।

दूसरी ओर, यदि कोई किसी गिरोह में पुनर्जन्म लेता है

Machine Translated by Google

लेकिन चिंतन और प्रयास के माध्यम से अधिक से अधिक परिपक्वता और जागरूकता विकसित करते हुए, यह व्यक्ति सामूहिक हिंसा को पीछे छोड़ सकता है। वह युवा लोगों के साथ काम कर सकते हैं, लेकिन इस बार सामूहिक हिंसा को रोकने के लिए। मारे जाने का अनुभव करने के बजाय, यह व्यक्ति, एक उपचारक के रूप में कार्य करके, अपने कर्म को सकारात्मक तरीके से बदल सकता है। चिंतन और प्रयास से एक अनाथ व्यक्ति विकास के उच्च चरणों में जा सकता है।

यही कारण है कि यीशु ने महत्व के बारे में संदेश दिया क्षमा की भावना बहुत गहरी है. घृणित नफरत से चिपके रहने से, इस बात पर जोर देते रहने से कि कर्म को प्रतिशोध के माध्यम से, आंख के बदले आंख के माध्यम से स्थापित किया जाना चाहिए, हम खुद को आध्यात्मिक विकास के निचले चरणों में बंद कर देते हैं। हम फिर भी अनाथ या योद्धा ही रहेंगे। हिंसा का चक्र फिर से जारी रहेगा. लेकिन अगर हम दूसरों को माफ कर देते हैं, तो हम कर्म प्रतिशोध से भी मुक्त हो जाते हैं। कर्म को अधिक परिवर्तनकारी तरीके से निभाया जा सकता है और व्यक्ति यात्री, उपचारक और ऋषि चरणों में प्रगति करेगा।

Machine Translated by Google

34

आध्यात्मिक दुनिया के स्तर

आत्मा क्षेत्र के दृश्यों का वर्णन और परिभाषित करना
यह लंबे समय में कढ़ाई किए गए लटकते गलीचे की तरह होगा।
मैं कोई मानसिक रोगी नहीं हूं और मेरे पास इन क्षेत्रों को समझने की क्षमता नहीं है, इसलिए मुझे दूसरों की टिप्पणियों पर निर्भर रहना पड़ता है। दो व्यक्ति जो आध्यात्मिक क्षेत्र में अपने अनुभवों के बारे में लिखते हैं, वे पेशेवर मनोवैज्ञानिक इको बोडीन और जूडी हैं

अच्छा आदमी।

इको, अपनी पुस्तक, इकोज़ ऑफ़ द सोल में, एक अनुभव का वर्णन करता है
यह लगभग मृत्यु के निकट के अनुभव के बराबर है जिसे वह जानबूझकर और सचेत रूप से मानव जगत में आध्यात्मिक क्षेत्र के बारे में जानकारी वापस लाने के लिए अनुभव करता है। जूडी गुडमैन ने साझा किया कि वह जब चाहे तब आध्यात्मिक क्षेत्रों की यात्रा करने की क्षमता रखती है और यहां तक कि, जूडी का कहना है कि वह एक ही समय में भौतिक और आध्यात्मिक दोनों क्षेत्रों में रहती है।

इको और जूडी दोनों आध्यात्मिक दुनिया को बनाने वाले सात स्तरों का वर्णन करते हैं, जो थियोसोफी द्वारा व्यक्त अवधारणाओं के अनुरूप है।

मैंने अहतुन रे का भी उपयोग किया है, जो एक मार्गदर्शक भावना है जो संचार करती है
केविन रायर्सन के माध्यम से जिन्होंने पिछली पहचानों का सटीक पता लगाने की क्षमता प्रदर्शित की है।
मुझे लगता है कि अहतुन रे एक और अच्छा संसाधन बनेगा क्योंकि अहतुन रे आध्यात्मिक क्षेत्र में रहता है, और 3,000 से अधिक वर्षों से उसका पुनर्जन्म नहीं हुआ है।

अहतुन रे ने मुझे बताया कि आध्यात्मिक क्षेत्र के बारह आयाम या स्तर हैं, सात का वर्णन मानव अनुभव के माध्यम से किया गया है, और अन्य पांच आयाम केवल आध्यात्मिक क्षेत्र के लोगों को ही ज्ञात हैं। उन्होंने यह समझाया

Machine Translated by Google

आध्यात्मिक क्षेत्र में मानव अनुभव 7 चक्रों द्वारा निर्धारित होता है, जो ऊर्जा केंद्र हैं जो रीढ़ की हड्डी से शीर्ष तक प्रवाहित होते हैं। अहतुन रे ने समझाया कि क्योंकि हम 7 चक्रों से बंधे हैं, मनुष्य केवल आध्यात्मिक दुनिया के सात आयामों के बारे में ही जागरूक हो सकते हैं जो 7 चक्रों के अनुरूप हैं।

इस बिंदु पर मैं एक अनुभव साझा करना चाहूँगा कि जब मैं
कई साल पहले एक मानसिक क्षमता विकास कक्षा ली थी, मैं वास्तव में चक्रों को महसूस कर सकता था जब मैं फर्श पर अन्य छात्रों के सामने अपना हाथ लगभग एक फुट ऊपर या नीचे घुमाता था। कक्षा। जब मेरा हाथ किसी के चक्र के सामने से गुजरता है तो मुझे अपने हाथ पर हल्का दबाव या ऊर्जा महसूस होती है। हालाँकि मुझे लगता है कि मैं कक्षा में सबसे कम मानसिक प्रतिभा वाला हूँ, फिर भी मैं चक्रों को महसूस कर सकता हूँ।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने अहतुन रे से पूछा कि आध्यात्मिक क्षेत्र में उनका जीवन कैसा है। अहतुन रे का कहना है कि वह 11वें और 12वें लोकों में रहता है, जो भगवान के निवास के करीब हैं। उन्होंने मुझे बताया कि 12वें आयाम में, उनकी व्यक्तिगत पहचान गायब हो गई और उन्हें केवल ईश्वर के साथ एकता के बारे में पता था। उन्होंने इस अनुभव को "उज्ज्वल परमानंद" की स्थिति के रूप में वर्णित किया। मुझे लगता है कि यही कारण है कि, जब भी मैं केविन के साथ सत्र करता हूं, अहतुन रे हमेशा बहुत अच्छे मूड में नजर आते हैं।

अहतुन रे ने आगे बताया कि जब वह नीचे उतरे
11वें आयाम में उनके व्यक्तित्व की छाप लौट आई।
11वें आयाम में उसका अनुभव एक होलोग्राफिक वास्तविकता है जहां वह अपनी इच्छानुसार कोई भी दृश्य बना सकता है। जब वह मनुष्यों के साथ संचार करता है, जैसे कि केविन के साथ सत्र के दौरान, अहतुन रे एक मिस्र का मंदिर बनाता है, क्योंकि उसे अभी भी मिस्र में अपने पिछले अवतार से बहुत प्यार है।

केविन के साथ मेरे सत्र में, अहतुन रे बताते हैं कि मिस्र के मंदिर में उनके द्वारा 11वें आयाम में बनाए गए होलोग्राम में, मैं एक मिस्र के पुजारी के कपड़ों में दिखाई देता हूं। अहतुन रे ने कहा कि मैं जो कपड़े पहनता हूं वह मेरे वर्तमान आध्यात्मिक स्तर को दर्शाते हैं। मुझे पूछने से डर लगता है

Machine Translated by Google

अहतुन रे यह किस ग्रेड का है, इसलिए मैं अपने पहनावे पर और अधिक टिप्पणी नहीं कर सकता। केविन के साथ एक टेलीफोन सत्र के दौरान, जब मैं सैन फ्रांसिस्को में अपनी रसोई की मेज पर नोट्स लेने में व्यस्त था, अहतुन रे ने मुझे अपने मिस्र के मंदिर में एक मेज पर लिखते हुए देखा।

मेरी धारणा में, अहतुन रे वास्तव में एक उच्च विकसित आध्यात्मिक प्राणी है, एक ऐसा प्राणी जिसे अंतिम बिंदु का प्रतिनिधित्व करने वाला माना जा सकता है जिसे हम सभी अंततः पहुंचना चाहते हैं, अस्तित्व की एक स्थिति जहां हम आध्यात्मिक आयाम में भगवान के साथ एकजुट हो सकते हैं, लेकिन कर सकते हैं चेतना को भी प्रक्षेपित करें। पृथ्वी के अस्तित्व के स्थूल आयामों के लिए। दूसरे शब्दों में, अहतुन रे का "योयो" भौतिक आयाम तक लुढ़क सकता है और भगवान के निवास में वापस लौट सकता है।

अपनी क्षमताओं के प्रमाण के रूप में, जब केविन रायर्सन ने पेरू में माचू पिचू की यात्राओं पर समूहों का नेतृत्व किया, तो पाया गया कि अहतुन रे ने केविन के शरीर पर कब्ज़ा कर लिया था।

जबकि केविन की आंखें कपड़े से ढकी हुई थीं, अहतुन रे ने केविन के शरीर को एक चट्टान के अंत में एक संकरी सड़क पर चलाया। प्रभावशाली बात यह है कि केविन अभी भी जीवित है! प्रकृति के आयामों की यात्रा करने की क्षमता रखने वाला एक अन्य व्यक्ति यीशु हैं, जिसका संकेत उनके द्वारा दिए गए कथनों से मिलता है जैसे "पिता और मैं एक हैं" और "मेरे पिता के घर में कई महान घर हैं"।

अब आइए इको बोडाइन और जूडी गुडमैन द्वारा बताए गए आध्यात्मिक आयामों पर चर्चा करें।

हम इको से शुरुआत करेंगे, जिन्होंने अपने अनुभवों को अपनी पुस्तक इकोज़ ऑफ द सोल में दर्ज किया है।

मैं अपना काम आपके साथ साझा करने की अनुमति देने के लिए इको को धन्यवाद देता हूं। इको की कहानी चतुराई से शुरू होती है, क्योंकि वह बताता है कि कैसे उसने अपनी और अपने परिवार के बाकी सदस्यों की गुप्त मानसिक क्षमताओं के बारे में सीखा।

Machine Translated by Google

इको स्वर्ग जाता है

इको बताता है कि जब वह 17 साल का था, 1965 की शरद ऋतु में मिनेसोटा में, वह अपने परिवार के साथ रात के खाने के बाद मेज पर बैठा था। उन्होंने उसके छोटे भाई, माइकल से बात की और सुना, जो उसके तहखाने में ड्रम का अभ्यास कर रहा था। इको बताता है कि उसकी बहन अभी भी नौसिखिया है, जो संकेत देती है कि उसका खेल उपद्रव से थोड़ा ही बेहतर है। अचानक, शोर ख़त्म हो गया और ढोल की सुंदर और परिष्कृत ध्वनि पूरे घर में गूँज उठी। इको के परिवार के सदस्यों को समझ नहीं आ रहा है कि क्या हो रहा है और उन्हें संदेह है कि रिकॉर्ड किए गए ड्रम संगीत की आवाज़ अब बज रही है।

इसके अलावा और क्या संभावनाएं हैं?

फिर संगीत बंद हो गया और इको की घबराई हुई बहन ऊपर भाग गई
सीडिया। माइकल ने कहा कि वह अपनी आंखें बंद करके प्रशिक्षण ले रहा था, तभी उसने एक सफेद भूत जैसी आकृति को अपने ऊपर मंडराते देखा। भूत जैसी आकृति ने उसका हाथ पकड़ लिया और ड्रम बजाना शुरू कर दिया, जिससे अविश्वसनीय लय उत्पन्न हुई जो परिवार ने पहले सुनी थी।

थोड़ी देर तक खेलने के बाद, सफेद आकृति छूट गई और तैरने लगी।

यह समझने की कोशिश करते हुए कि क्या हो रहा था, इको की माँ ने ईव ओल्सन को बुलाया, एक माध्यम जिसे वह अपने प्रार्थना समूह के माध्यम से जानती थी।
ईव ने परिवार के सदस्यों को बताया कि सफेद आकृति उसकी बहन की मार्गदर्शक भावना थी जो अपने पिछले जीवन में एक पेशेवर ड्रमर थी। इसके अलावा, उसकी बहन में ड्रमर की भावना को देखने की क्षमता है, ईव का कहना है कि इको में चार मानसिक प्रतिभाएं हैं-

दूरदर्शिता (दर्शन देखना), दूरदर्शिता (जादुई आवाजें सुनना), दूरदर्शिता (भावनाओं को जानना) और दूरदर्शिता (मानसिक रूप से सूंघना) - साथ ही उपचारात्मक प्रतिभाएँ। ईव का कहना है कि पिछले अवतारों में, इको ने मिस्ट्री स्कूल खोजने में मदद की है और वह इस जीवनकाल में कई किताबें लिखेंगी। ईव ने कहा कि इको रेडियो और टेलीविजन प्रसारण में जाएगा और दुनिया की यात्रा करेगा और दूसरों को अपने स्वयं के आध्यात्मिक उपहार विकसित करना सिखाएगा।

Machine Translated by Google

उस समय, इको को इन क्षमताओं का कोई सचेत ज्ञान नहीं था। शराबी माता-पिता वाले परिवार में पली-बढ़ी, वह बस एक सामाजिक कार्यकर्ता बनना चाहती थी और अपने पति और बच्चों के साथ एक सामान्य जीवन जीना चाहती थी। हालाँकि, समय के साथ, इको के बारे में ईव की भविष्यवाणियाँ सच हो गईं। ईव यहां तक कहती है कि इको का छोटा भाई माइकल भी मानसिक रूप से प्रतिभाशाली है और यह भविष्यवाणी सच भी साबित होती है।

बारह साल बाद, इको एक पेशेवर मानसिक रोगी के रूप में काम करता है और वह अपने छोटे भाई, माइकल की मदद से एक "ओझा" के रूप में भी काम करता है, जो पृथ्वी पर रहने वाली आत्माओं को उच्च लोकों में भागने में मदद करता है।

1992 तक, इको लगभग 15 वर्षों तक आत्माओं को शांत करने पर काम कर रहा था, और उसके मन में यह विचार आया कि उन आध्यात्मिक क्षेत्रों के बारे में अधिक जानना उसके लिए फायदेमंद होगा जहां उसने भूतों को भेजा था।

इको ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए पूछा कि क्या वह अन्य लोकों के बारे में और अधिक जान सकता है।

तीन दिन बाद, जब वह एक ग्राहक के साथ अपने कार्यालय में था, कमरे में धुंधली सफेद रोशनी भरने लगी। एक सुनहरे बालों वाली महिला गाइड आत्मा प्रकट हुई और इको से कहा, "चलो चलें, चलो चलें।" इको, अनुभव से परेशान होकर, अपने ग्राहक से अपने छोटे भाई माइकल को फोन करने और जो कुछ होने वाला है उसमें उसकी मदद करने के लिए आने के लिए कहता है। इको के कार्यालय जाते समय, माइकल ने उसे बताया कि उसकी मार्गदर्शक आत्मा ने तीन दिन पहले उसे बताया था कि इको ने भगवान से अन्य लोकों के बारे में दिखाने के लिए कहा था।

माइकल की मार्गदर्शक आत्मा ने उसे यह भी सूचित किया है कि इको दूसरे लोक की यात्रा करेगा और जब उसकी आत्मा उसके शरीर को छोड़ देती है तो माइकल को उसके भौतिक शरीर पर नजर रखने के लिए उसका हाथ पकड़ने की जरूरत होती है।

जैसे ही माइकल आया और इको का हाथ पकड़ा, सुनहरे बालों वाली आत्मा ने पलट कर इको की आंखों में देखा और कहा, "चलो चलें।" तब इको को एहसास हुआ कि यह गोरी मार्गदर्शक आत्मा उसकी अपनी आत्मा थी। फिर इको तुरंत फेंक दिया जाता है

Machine Translated by Google

अपने शरीर से बाहर निकला और खुद को एक सुरंग में पाया। उसने महसूस किया कि एक प्रेमपूर्ण, गर्म ऊर्जा उसे सुरंग के अंदर, सफेद रोशनी की ओर खींच रही है। इको तब सुरंग के किनारे कई पुनर्मिलन होते हुए देखता है, आत्माएं पृथ्वी आयाम से प्रस्थान करती हैं, जिनका स्वागत उन दोस्तों और रिश्तेदारों द्वारा किया जाता है जो मर चुके हैं।

जैसे ही वह सुरंग से बाहर निकलता है, इको पगडंडियों वाला एक गाँव देखता है। उसकी दादी वहाँ एक दोस्त के साथ खड़ी थी जिसने उसकी दादी से कहा, "आपने नहीं कहा कि वह आज मर गया।" दादी इको ने उत्तर दिया, "अरे नहीं, वह मरा नहीं है, वह बस आ रहा है।" इको ने देखा कि उसकी दादी बहुत युवा, सुंदर और जीवंत दिख रही थीं। इको ने यह भी देखा कि उसकी दादी की कुछ मृत दोस्त भी उसके आसपास थीं।

अचानक, एक महिला देवदूत प्रकट होती है और इको से कहती है कि वह उसकी मार्गदर्शक बनेगी।

देवदूत उसे पहले स्थान पर ले गया जिसे पिंक प्लेस कहा जाता है, जो एक ऐसा समुदाय है जिसके चारों ओर गुलाबी आभा है। पिंक प्लेस में एक अस्पताल जैसी इमारत है, जहां नर्सें या देखभाल करने वाले उन आत्माओं की मदद करते हैं जिन्हें अपनी मृत्यु को स्वीकार करने में कठिनाई हो रही है। इको ने यह भी देखा कि पृथ्वी पर शारीरिक रूप से अक्षम आत्माओं को भी स्वस्थ और परिपूर्ण आध्यात्मिक शरीर में बदलने में मदद की जाती है। अस्पताल का एक हिस्सा आत्महत्या के पीड़ितों के लिए है जिन्हें उनके संक्रमण की प्रक्रिया में सहायता की जा रही है।

देवदूत इको को बताता है कि पिंक प्लेस का उद्देश्य उपचार करना है। इको ने सैकड़ों आत्माओं को अपनी आँखें बंद करके घास पर लेटे हुए देखा, जो समुदाय के भीतर की ऊर्जाओं से उपचार प्राप्त कर रहे थे। इको और देवदूत फिर एक शानदार आंगन में तैरते हुए चले गए, जो सभी प्रकार के फूलों और पेड़ों से घिरा हुआ था।

इसके बाद, वे विशाल सफेद और सुनहरे कोलोसियम के पास आये
खंभे, बड़ी खिड़कियां और दरवाजे जो हमेशा खुले रहते थे। देवदूत ने इको को यह बताया

Machine Translated by Google

यह स्वर्गदूतों का निवास स्थान है जो पृथ्वी पर लोगों की मदद करते हैं। फिर, वे संगीतकारों और गायकों से भरी घास के मैदान में चले गए।
कई तरह के संगीत बजाए जा रहे हैं और कुछ खास कंपनों का हवाला देकर इको अपनी पसंद का संगीत सुन सकता है।

यात्रा का अगला भाग इको के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण था।
देवदूत उसे एक शानदार परिदृश्य में ले गया जहाँ हजारों आत्माएँ एकत्रित हो रही थीं। उनके बीच में एक व्यक्ति था जो बोलता और पढ़ाता था, जिसने स्पष्ट रूप से भीड़ का ध्यान खींचा। इको को सहज रूप से पता था कि वह जिस आदमी को देख रही थी वह यीशु था, लेकिन वह विश्वास नहीं कर पा रही थी कि उसे जो महसूस हुआ था उसमें उसे रहने की अनुमति दी गई थी।

एक पवित्र स्थान. उसने पूछा कि वह आदमी कौन था, और स्वर्गदूत ने उसे बताया कि वह आदमी वास्तव में यीशु था और इस अद्भुत जगह को यीशु का शहर कहा जाता था। इको के जीवन में यीशु हमेशा एक केंद्रीय व्यक्ति रहे हैं और देवदूत चाहते थे कि वह उन्हें आध्यात्मिक क्षेत्र में देख सकें। इको यीशु के संपूर्ण सार को प्रेम के रूप में वर्णित करता है, लेकिन वह उनकी ताकत, कोमलता और हास्य की भावना को भी महसूस कर सकता है। फिर उसने अपने भाई माइकल को ईश्वर की खोज करने के लिए कहते सुना। जब उसने चारों ओर देखा, तो उसे एहसास हुआ कि वह भगवान से घिरा हुआ था, भगवान का वर्णन किया गया था।

गूंज हर जगह, वह चेतना, ईश्वर एक उपस्थिति थी, जिसे समझना कठिन था को

देवदूत इको को बताता है कि स्वर्ग समुदायों से भरा है और प्रत्येक समुदाय एक अलग वास्तविकता को दर्शाता है। उनका कहना है कि हम पृथ्वी पर जिस वास्तविकता में रहते हैं, जिस चेतना को हम धारण करते हैं, वह निर्धारित करती है कि हम स्वर्ग में कहाँ जाएंगे। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति एक मेहनती कार्यकर्ता, एक समर्पित कैथोलिक है, तो स्वर्ग में वह व्यक्ति एक ऐसे समुदाय में रहेगा जो समान मूल्यों और विश्वासों को साझा करता है। देवदूत फिर इको को भिखारियों और चोरों का एक समुदाय दिखाता है, जो दिन भर एक-दूसरे से भीख मांगते हैं या चोरी करते हैं।

देवदूत ने बताया कि दूसरे लोक में एक समुदाय था जो नरक के समान था, लेकिन उसने जल्दी ही कहा

Machine Translated by Google

यह दावा करते हुए कि हमने यह समुदाय ईश्वर के कारण नहीं बल्कि अपनी आस्था प्रणाली के कारण बनाया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भगवान कभी नर्क नहीं बनाएंगे या अपने बच्चों को ऐसी जगह नहीं भेजेंगे। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग मानते हैं कि जीवन भर किए गए बुरे कामों के कारण वे नरक में जाएंगे, इसलिए वे वास्तव में अपनी मान्यताओं के कारण इस समुदाय की तलाश कर रहे हैं। कुछ बिंदु पर सभी आत्माओं को एहसास होगा कि उन्होंने यह जगह बनाई है, भगवान ने नहीं, और यह समुदाय अब अस्तित्व में नहीं रहेगा, जैसे भिखारियों और चोरों का समुदाय अब अस्तित्व में नहीं रहेगा जब आत्माओं को एहसास होगा कि जीने का एक बेहतर तरीका है।

देवदूत इको को बताता है कि स्वर्ग के प्रत्येक समुदाय में एक प्रशिक्षक के साथ एक कक्षा होती है जो आत्माओं को विकसित होने, बढ़ने और विकसित होने में मदद करती है।

फिल्मों का शौकीन इको पूछता है कि फिल्मी सितारे कहां रहते हैं। देवदूत कहते हैं कि उनका अपना समुदाय है, लेकिन उन्हें वहां रहना नहीं है।

यदि वे पृथ्वी पर रहते हुए अपनी पहचान छोड़ने और आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं, तो वे ऐसे समुदायों में रहेंगे जो उनकी मान्यताओं और उनकी चेतना या विकास के स्तर को दर्शाते हैं।

इको माइकल को यह कहते हुए सुन सकता था कि उसे अपने शरीर में वापस जाने की ज़रूरत है, लेकिन वह ऐसा नहीं करना चाहता था। वह वास्तव में स्वर्ग में रहना चाहता था, लेकिन माइकल और देवदूत दोनों ने उससे कहा कि उसे जाना होगा और वापस आना होगा। देवदूत ने सीधे उसकी आँखों में देखा और उससे कहा कि उसे केवल उसके लिए इस यात्रा पर जाने की अनुमति नहीं है, बल्कि उसे यह यात्रा इसलिए दी गई है ताकि वह इस ज्ञान को अधिक से अधिक लोगों के साथ साझा कर सके और इलाज में मदद कर सके। उनका मौत का डर. फिर, उसकी दाहिनी आंख के कोने में, इको ने एक चौड़ी सीढ़ी देखी। उत्सुकतावश, उसने देवदूत से पूछा कि सीढ़ी कहाँ जा रही है। देवदूत ने समझाया कि स्वर्ग में कई स्तर हैं और उच्चतम स्तर वह है जहां हम सभी की वास्तविकता समान है, जहां हम जानते हैं कि हम भगवान के साथ एक हैं।

Machine Translated by Google

इससे पहले कि इको अपने शरीर में लौटे, उसने देवदूत से एक आखिरी सवाल पूछा। क्या पत्थर की सड़कों वाला वह गाँव, जहाँ से उन्होंने अपनी यात्रा शुरू की थी, स्वर्ग का प्रवेश द्वार था?

देवदूत ने उत्तर दिया कि पूरे स्वर्ग में कई स्थान हैं जहाँ लोग आते हैं। उदाहरण के लिए, आने वाली कुछ आत्माएँ सीधे पिंक पेस अस्पताल जा सकती हैं। अन्य लोग अपनी चेतना के स्तर के आधार पर सीधे उद्भव के अन्य स्थानों पर जा सकते हैं।

उसके बाद, इको को वापस उसके शरीर में डाल दिया गया और भौतिक दुनिया में जागने के बाद, उसे एहसास हुआ कि वह बहुत थक गई थी।
उसका शरीर किसी चिथड़े की गुड़िया की तरह लग रहा था, इतना बेजान और कठोर, और उसे बोलने में 20 मिनट लग गए। एक घंटे पहले वह फिर से सामान्य महसूस कर सका, और जब वह अपने कमरे में गया, तो इको 12 घंटे तक सो गया।

1992 में आध्यात्मिक क्षेत्र की अपनी यात्रा के बाद, इको की क्षमता
आध्यात्मिक क्षेत्र में जाना और भी मजबूत हो गया। अपने अनुभवों से, उन्होंने आध्यात्मिक आयामों को सात स्तरों में वर्गीकृत किया, जिनमें उच्चतम स्तर ईश्वर के साथ एक होना था। प्राणी अपने विकास और चेतना के लिए उपयुक्त स्तर तक जाते हैं। इको के अनुसार सात स्तरों का वर्णन नीचे दिया गया है:

स्तर 1: इस आयाम में सभी आत्माएँ इतनी लीन हैं और चीजों के बीच किसी भी संबंध से अनजान हैं। चेतना स्थिरता पर केंद्रित है और वे जो चाहते हैं वही लेते हैं। अनुभव के इस स्तर पर आत्माएं भय का अनुभव करती हैं। हालाँकि इन आत्माओं के पास एक विवेक, एक आंतरिक आवाज़ है जो उन्हें सही या गलत बताती है, वे इस आवाज़ पर ध्यान देते हैं क्योंकि उनका मानना है कि कर्म उन पर लागू नहीं होता है। वास्तव में, यहीं से संपूर्ण कर्म चक्र शुरू होता है। अहतुन रे की आत्मा विकास की अवधारणा में, यह चरण अनाथ आत्माओं का निवास स्थान है।

लेवल 2: इको बताता है कि इस आयाम में आत्माएं धीरे-धीरे लोगों के सामने अपना दिल खोलना शुरू कर देती हैं

Machine Translated by Google

और जानवर, लेकिन उनके भरोसे का स्तर अभी भी काफी कम है। वे इस संभावना को देखना शुरू कर देते हैं कि वहां मौजूद हर कोई उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाएगा और दुनिया में अच्छाई के साथ-साथ उन सभी बुरी चीजों की भी संभावना है, जिनके बारे में वे तब जानते थे जब वे प्रथम श्रेणी की आत्माएं थीं। वे विश्वास करने की इच्छा और विश्वास न करने के बीच आगे-पीछे चलते रहते हैं और, दुर्भाग्य से, अपने लिए बहुत बुरे कर्म बनाना जारी रख सकते हैं। वे अक्सर ऐसे धर्मों में शामिल होते हैं जो नरक और अभिशाप के बारे में सिखाते हैं, जो शर्म और अपराध पर आधारित होते हैं। आत्माएँ अक्सर कई जन्मों तक इसी पैटर्न में फँसी रहती हैं।

स्तर 3: इस स्तर पर आत्माओं ने (कुछ भारी कर्म पाठों के माध्यम से) सही और गलत के बीच अंतर सीखा है। वे अपने सोचने के तरीके, महसूस करने के तरीके और दुनिया से जुड़ने के तरीके को बदलने की इच्छा महसूस करते हैं। वे नकारात्मक से अधिक सकारात्मक अवसर देखते हैं। तीसरे क्रम की आत्माओं को यह महसूस होने लगता है कि धर्म ने उन्हें जो सिखाया है, उससे कहीं अधिक उनके लिए कुछ है। वे सुरक्षित सीमाओं के दायरे में तलाश करते हैं। आत्माएं कर्म के नियम को समझने लगती हैं और यह महसूस करने लगती हैं कि वे अपने कार्यों के लिए जिम्मेदार हैं। इस आयाम में आत्माओं को अभी भी अपने अस्तित्व और अन्य आत्माओं के बारे में डर है, लेकिन वे लोगों के बीच मतभेदों की तुलना में समानता को अधिक देखते हैं।

स्तर 4: इस स्तर पर आत्माएं धार्मिक अभिविन्यास से अधिक सार्वभौमिक और आध्यात्मिक दर्शन की ओर बढ़ते हुए, सभी जीवित चीजों और ईश्वर की एकता को समझने के लिए संघर्ष करती हैं। भौतिक अस्तित्व में, इस स्तर पर आत्माएँ अधिक प्रश्न करना, किताबें पढ़ना या आध्यात्मिक यात्रा करना शुरू कर देती हैं। भौतिक लगाव और भौतिक इच्छाएं कम हो जाती हैं और जीवन के पाठों में ज्ञान की तलाश की जाती है। इको नोटिस करता है कि स्तर 4 पर आत्माओं में अभी भी कर्म हैं, वे अभी भी शोक मना सकते हैं और अभी भी पुनर्जन्म प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।

Machine Translated by Google

स्तर 5: इको स्तर 5 को निर्वाण की शुरुआत के रूप में वर्णित करता है, जहां आत्माएं बहुतायत को समझती हैं, भगवान के साथ अपने रिश्ते को जानती हैं और पूरी मानवता के लिए जिम्मेदारी की भावना रखती हैं। आत्माएं अब ईश्वर या दूसरों को दोष नहीं दे रही हैं, प्रतिस्पर्धा या विद्रोह के माध्यम से दिखाई गई अपरिपक्वता का समाधान हो गया है, इसलिए अभाव या प्रतिबंध की कोई भावना नहीं है। इस स्तर पर स्थितियाँ बहुत सुंदर प्राकृतिक दृश्यों के साथ सुंदर हैं। वहाँ प्रेम, शांति और शान्ति भी है। इस अस्तित्व में एक तरल विशेषता है, हालाँकि अभी भी तीव्रता है। इको का कहना है कि पांचवें स्तर की आत्माएं जानती हैं कि पृथ्वी के जीवन को अवशोषित करना आत्माओं के लिए कितना उपयोगी हो सकता है, और वे चौथे स्तर की आत्माओं को सिखाते हैं कि पुनर्जन्म कैसे न लेना पड़े।

पाँचवें स्तर की आत्माएँ स्वर्गदूतों की तरह हो जाती हैं, जिन्होंने पृथ्वी से अपना लगाव छोड़ दिया है और ईश्वर चेतना के करीब, उच्च लोकों में "सेवानिवृत्ति" की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

वैसे, अहतुन रे ने एक बार संकेत दिया था कि यीशु 5वें स्तर से आए थे जब उन्होंने 2,000 साल पहले अपना मंत्रालय शुरू किया था और अब वह पहले से ही उच्च लोकों में संक्रमण की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।

स्तर 6: इको बताता है कि इस स्तर पर, आत्माएँ ईश्वर के हृदय में गहराई तक चली गई हैं, और ईश्वर के बारे में पूरी तरह से जान गई हैं। स्तर 6 की आत्माएँ प्रसन्न अवस्था में रहती हैं, और उनका कहना है कि पृथ्वी पर उनके जैसा कोई नहीं है।

स्तर 7: इस स्तर पर, इको आत्माओं को ईश्वर के समान बताता है, क्योंकि वे ईश्वर और अन्य आत्माओं के साथ एक हैं। इको नोट करता है कि इस चरण में आत्माएं सही अर्थों में अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं।

एक बार फिर, मैं मुझे साझा करने की अनुमति देने के लिए इको को धन्यवाद देना चाहता हूं
आपके साथ उसका अनुभव. आप

Machine Translated by Google

आप इको और उसके काम के बारे में उसकी वेबसाइट www.echobodine.com पर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं

अब, मैं जूडी गुडमैन के अनुभवों पर चर्चा करना चाहूंगा,
एक मानसिक और आध्यात्मिक शिक्षक जो विभिन्न आध्यात्मिक आयामों से भी यात्रा कर सकता है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, जूडी ने साझा किया कि वह एक ही समय में भौतिक और आध्यात्मिक दोनों दुनियाओं में रह सकती है। जूडी ने नीचे उद्धृत कथा लिखी है और मैं इस योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं। आध्यात्मिक दुनिया के बारे में जूडी का वर्णन इको के अनुरूप है, हालाँकि इसमें कुछ अंतर हैं।

इको का मार्गदर्शन करने वाले देवदूत ने कहा कि स्वर्ग में कई प्रवेश द्वार हैं और आध्यात्मिक दुनिया के हर स्तर पर कई समुदाय हैं, जो मेरे पिता के घर के कथन के अनुरूप है कि कई घर हैं।
"

यीशु, महान।" इसलिए, यह उम्मीद की जानी चाहिए कि विभिन्न आध्यात्मिक दुनिया के आगंतुकों के पास अलग-अलग अनुभव और धारणाएं हो सकती हैं। आइए अब जूडी की कहानी पर आगे बढ़ें।

जूडी गुडमैन: आध्यात्मिक दुनिया की गतिशीलता

मैं कुछ "अन्य क्षेत्रों" की गतिशीलता में जाना चाहता हूं, लेकिन पहले मुझे कुछ चीजें बिल्कुल स्पष्ट कर देनी चाहिए। विश्वास प्रणाली कुछ भी कहे; आपके धर्म ने आपको जो कुछ भी सिखाया है कि आपकी मृत्यु के समय आपको क्या सामना करना पड़ेगा; इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस सिद्धांत में विश्वास करते हैं; यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा आप अनुभव करेंगे। जबकि "दूसरी दुनिया" में विकास और अनुभव के विभिन्न स्तर हैं, प्रत्येक स्तर आपका अपना अनुभव होगा, जो सीधे आपकी आध्यात्मिक आवश्यकताओं से संबंधित है।

शायद ये निजी कहानी आपको ये समझने में मदद करेगी. मेरी दादी बहुत धार्मिक महिला थीं; उनका चर्च उनके पूरे जीवन का केंद्रीय हिस्सा है। "परलोक" में वह क्या बनेगा, इसके बारे में उसकी मान्यताएँ बहुत मजबूत और स्पष्ट हैं। अपने जन्म के बाद से, मैंने भौतिक दुनिया और आध्यात्मिक दुनिया दोनों पर कदम रखा है।

Machine Translated by Google

इससे मुझे स्थितियों की जांच करने और इस बात की बेहतर समझ प्राप्त करने की अनुमति मिली कि जब हमारे प्रियजनों की मृत्यु हो जाती है तो क्या होता है। मैं अपनी दादी की दूसरे लोक की यात्रा की जाँच करने और यह देखने में सक्षम था कि उनका अनुभव कैसा था; इससे मुझे पता चल जाता है कि क्या वह ठीक है।

जब मैंने अपनी दादी को दूसरे लोक में जाते देखा,
मैंने ठीक वैसा ही अनुभव किया जैसा उनकी धार्मिक शिक्षाओं ने कहा था कि वैसा ही होगा। उसने वह सब कुछ देखा, महसूस किया और अनुभव किया जिस पर वह विकसित हुआ था और विश्वास करता था, परिवार और पुराने दोस्तों ने उसका स्वागत किया। आराम करने के बाद, और उसे यह सोचने का मौका मिला कि उसके साथ क्या हुआ था, उसने चारों ओर देखा, अपना सिर हिलाया और कहा, "मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मैंने ऐसा किया है।"

उस समय वह धीरे-धीरे हमें किस चीज का ज्ञान कराता है
सभी के पास है, उसे याद है कि वह वास्तव में कौन है।
वह "प्रकाश" में चला गया है और उसे अपने जीवन और उसमें मौजूद सभी चीजों को फिर से जांचने का अवसर मिला है।

यदि उसे लगता है कि उसने कोई गलती की है, तो उसे इसे सुधारने के तरीके के रूप में पुनर्जन्म पर विचार करने का अवसर मिलेगा। यदि उन्होंने अच्छा जीवन जिया होता और दोबारा पुनर्जन्म लेकर मानवता के लिए योगदान देना चाहा होता तो यह भी एक विकल्प हो सकता था।

अन्य क्षेत्रों में विकास के सात चरण हैं,
लेकिन जब हम जहां से आए हैं वहां लौटने पर उपलब्धि का कोई "सही" या "गलत" स्तर नहीं होता है।

जैसा कि हमारे भौतिक जीवन में होता है, हममें से प्रत्येक एक अलग दृष्टिकोण से चीजों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष करता है। मेरा मानना है कि आप इस बात से सहमत होंगे कि सिर्फ इसलिए कि कोई इस जीवन में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गया है इसका मतलब यह नहीं है कि वह अन्य मनुष्यों की तुलना में "बेहतर" है।

हमारा विकास, शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से, उस स्वतंत्र इच्छा का एक आदर्श उदाहरण प्रतीत होता है जिसके साथ हम पैदा हुए हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप आध्यात्मिक उपलब्धि के किस स्तर तक पहुँचते हैं, आप अन्य सभी के बराबर हैं।

Machine Translated by Google

स्तर एक: नया श्वेत प्रकाश क्षेत्र

इस दायरे में नई आत्माएं शामिल हैं - वे लोग जो अभी-अभी पार हुए हैं।
(इसका मतलब नव निर्मित आत्माओं से नहीं है, बल्कि उन लोगों से है जो हाल ही में आत्माओं में वापस आए हैं।) आपको ऐसे लोग मिलेंगे जो जाने या आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, या तो प्रकाश की ओर या अंधेरे के कंपन की ओर। आपको जो चाहिए/चाहिए उससे अधिक अंधकार का आप पर कोई अधिकार नहीं होगा और यह आपके विश्वास प्रणाली और आध्यात्मिक व्यवहार पर भी आधारित होगा। यह स्थान उन लोगों के लिए कपड़े धोने की जगह के रूप में भी काम करता है जो अपने धर्म में इस पर विश्वास करते हैं।

यहां कोई सजा नहीं दी जा रही है, लेकिन कभी-कभी भटकाव/
लक्ष्यहीन प्रकृति ऐसा महसूस कर सकती है। उन लोगों के लिए जो पूरी तरह से आध्यात्मिक क्षेत्र में नहीं पहुंचे हैं, पृथ्वी से जुड़ी आत्माएं भी इस स्तर पर होंगी।

पृथ्वी से जुड़ी आत्मा अक्सर किसी स्थान के निकट ही रहती है
वे घर के रूप में जानते हैं. कुछ लोग शायद पीढ़ियों तक वहाँ सोते रहेंगे और उनकी ऊर्जा का उपयोग दूसरों की मदद करने के लिए किया जा सकता है। जब इस क्षेत्र में ऊर्जा का उपयोग किया जाता है, तो यह आत्म-बलिदान का कार्य नहीं है, बल्कि दूसरों के लाभ के लिए ऊर्जा का उपयोग है। इस ऊर्जा के उपयोग को उच्च आत्माओं द्वारा ऊर्जा के उपयोग के साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए।

उन लोगों के लिए जिन्होंने अवतार लेने का निर्णय लिया है और अपनी यात्रा के लिए तैयार हो रहे हैं, वह तैयारी यहां होती है।
जो लोग निकट भविष्य में पुनर्जन्म ले रहे हैं वे शायद ही कभी इस स्थान से ऊंचे स्थान पर जाएंगे। अधिकांश लौटने वाली आत्माएँ कहेंगी कि वे यहाँ थीं, वह सब कुछ जो उन्होंने कभी जाना है। कभी-कभी कुछ लोग ऐसे होते हैं जो अपना सारा ज्ञान लेकर वापस आते हैं; ये मास्टर हैं.

जीवन एक अवसर है! यदि हम इसे स्वीकार करना चुनते हैं तो प्रत्येक अनुभव हमें कुछ न कुछ सिखाएगा।
कभी-कभी हमें आश्चर्य होता है कि चीज़ें इतनी कठिन क्यों हैं,

Machine Translated by Google

लेकिन हम अपनी जरूरत की हर चीज को आकर्षित करते हैं ताकि हम सीख सकें और बढ़ सकें। हम जो जीवन जीते हैं उसे चुनते हैं और हम सभी इसका हिस्सा बन जाते हैं!
कुछ मायनों में, जीवन एक परीक्षा लेने जैसा है और यदि हमें पहले उत्तर पता हैं, तो हमें उन्हें क्यों लेना चाहिए?

यह आंशिक रूप से इस बात का उत्तर है कि क्यों, चेतना के निचले स्तर पर, हम अपने पास मौजूद सारा ज्ञान भूल जाते हैं। हमारा "उच्चतर स्व" उच्चतम ज्ञान और सत्य से जुड़ा रहेगा।

यह सभी लोकों में सबसे व्यस्ततम क्षेत्र है। इस क्षेत्र की देखरेख करने वालों के लिए त्वरित निर्णय लेने की आवश्यकता होगी।
देवदूत इस स्थान पर घूमते हैं और पृथ्वी पर आते-जाते हैं। प्राचीन जनजातियों की आत्माएँ और महादूत देवदूत यहाँ बहुत गतिविधियाँ करते हैं। इस क्षेत्र में कई "पुरावशेष/प्राचीन इमारतें" हैं। ये प्राचीन इमारतें आराम करने की जगह के साथ-साथ पोषण और आत्मा को जो भी भावनात्मक समर्थन की आवश्यकता हो सकती है, प्रदान करती हैं। इस स्तर पर, आत्मा इन चीज़ों को स्वयं प्राप्त करने में असमर्थ है।

ये अनोखे विश्राम स्थल आकाश के अंधेरे हिस्सों में लटके हुए हैं और सितारों की तरह दिखते हैं; उन्हें किसी ऐसी आत्मा द्वारा हिलाया या बदला नहीं जा सकता जो दूसरे को नियंत्रित करना या घायल करना चाहती हो।

इस स्थान पर आत्मा के पास रहने के लिए पर्याप्त शक्ति नहीं है स्वतंत्र। कई मायनों में, आपको प्रवाह के साथ चलना होगा क्योंकि आप अन्यथा करने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं हैं।
इस स्तर पर, आप महसूस नहीं कर सकते, सूंघ नहीं सकते, या स्वाद नहीं ले सकते।
यहां हम भौतिक शरीर से संबंधित व्यवहार का अनुभव नहीं करते हैं, लेकिन फिर भी पिछले जन्मों से भावनात्मक या मानसिक घाव/दर्द से चिपके रह सकते हैं। आत्मा अधिकतर पारदर्शी और कभी-कभी पहचानने योग्य प्रतीत होती है; हम आत्मा/आत्मा हैं-भौतिक/अभौतिक नहीं।

यदि हमने ऐसा जीवन जीया है जिसमें बहुत दर्द और चोट आई है
दूसरों के लिए, अगर हमने अपनी मृत्यु से पहले इन बातों का ध्यान नहीं रखा है, तो हमारे जीवन के फ्लैशबैक में दर्द सात बार महसूस किया जाएगा।

जब आप जीवित होते हैं और आपके पास भौतिक शरीर होता है, तो दुख होता है

Machine Translated by Google

तुम सारे शरीर पर बिखर जाओगे। यह किसी बीमारी का हिस्सा हो सकता है या आपकी मृत्यु का कारण हो सकता है। जब आपके पास दर्द सहने के लिए भौतिक शरीर नहीं रह जाता है, तो भावनाएँ और भावनाएँ ही आपके पास बचती हैं। हालाँकि, हमें हर समय चीजों को बदलने और अपने लिए बेहतर बनाने के लिए मार्गदर्शन और सलाह मिलती रहती है। "अन्य क्षेत्र" में समय का अस्तित्व नहीं है, आत्मा को परिवर्तन करने में लगने वाले समय के बारे में आवश्यक रूप से जागरूकता नहीं होती है।

यहां यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि सिर्फ इसलिए कि किसी व्यक्ति का जीवन आघातपूर्ण हो सकता है, इसका मतलब यह नहीं है कि उनका पारगमन दर्दनाक होगा या उनका पुनर्जन्म अन्य आत्माओं की तुलना में कम उत्कृष्ट होगा। किसी के जीवन में आघात आत्मा का माप नहीं है, हमारे विकास का वास्तविक संतुलन एक से अधिक जीवनकाल पर आधारित है।

स्तर दो: एन्जिल्स और अभिभावकों का क्षेत्र

अब हम सुंदर घर, मठ या उत्सव के स्थान देखना शुरू कर रहे हैं। प्रत्येक इमारत आश्चर्यजनक होगी और पृथ्वी और संभवतः शेष ब्रह्मांड में प्रचलित लगभग किसी भी धर्म, या विश्वास प्रणाली को प्रतिबिंबित करेगी।

जब देवदूत विश्राम करना चुनेंगे, तो उनका स्थान यहीं होगा। उनके लिए विकास के सभी स्तरों तक यात्रा करना आम बात है; लेकिन वे अधिकतर स्तर दो और पृथ्वी के बीच चलते हैं। किसी आत्मा की मदद के लिए अपने "अस्तित्व" का त्याग करना उनके लिए असामान्य नहीं था। यह कब्जे के मामलों में विशेष रूप से सच है।

यह शांति का स्थान था और किसी को कोई खतरा नहीं होगा
यहां पर संतुष्टि कम ही मिल पाती थी। अधिकांश मामलों में, आत्माएं हमेशा काम पर रहती हैं, अन्य प्राणियों की मदद करने की कोशिश करती हैं। यह वह स्थान था जहां पहले स्तर के लोगों के साथ-साथ प्राणियों की मदद करने के लिए एक बड़ा प्रयास किया गया था

Machine Translated by Google

पृथ्वी पर भौतिक; यह उन लोगों के लिए भी बहुत अच्छा काम है जो धार्मिक मान्यताओं में "नरक" के रूप में वर्णित अनुभव का स्तर एक पर हो सकते हैं।

आपको यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि यदि आपको इस अनुभव की आवश्यकता है, तो इसके कई स्तर भी हैं।

यहां के रक्षक मध्यवर्ती शक्ति और ज्ञान वाले हैं। उनके पास अभी भी सीखने और विकसित होने के कई अवसर हैं। सिर्फ इसलिए कि हम आत्मा में वापस आ जाते हैं इसका मतलब यह नहीं है कि हम अपने उच्चतम ज्ञान का उपयोग कर सकते हैं। कई मामलों में, जो लोग भौतिक क्षेत्र में हमारे साथ चलने की अनुमति प्राप्त करते हैं, वे सीखने और विकसित होने के एक तरीके के रूप में ऐसा करते हैं।

यह जानना आश्चर्यजनक है कि हम अकेले नहीं रहते हैं, यह आपको यह याद दिलाने का भी एक अच्छा अवसर है कि जब आप "रक्षक", "आध्यात्मिक मार्गदर्शक" या "आध्यात्मिक परामर्शदाता" शब्द सुनते हैं तो अपने दिमाग का उपयोग करें।

सृष्टिकर्ता ने अपूर्ण आत्माएँ नहीं बनाईं; हममें से प्रत्येक के भीतर हमारे द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों का उत्तर निहित है। वहाँ "रक्षक," "शिक्षक," और "मार्गदर्शक आत्माएँ" हैं जो अन्य लोकों से आएंगी।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके बगल में कौन है, आपको हमेशा अपनी कार्रवाई का फैसला खुद करना चाहिए क्योंकि आप जो विकल्प चुनते हैं उसके लिए आप जिम्मेदार हैं। ये महान आत्माएँ अपनी शक्तियों का उपयोग कमज़ोरों और डरे हुए लोगों की मदद करने के लिए करती थीं। फिर, इस स्तर पर, हमें कई "प्राचीन इमारतें" मिलती हैं जो उन लोगों के लिए आश्रय और आराम प्रदान करती हैं जिन्हें इसकी आवश्यकता है।

स्तर तीन: परिषद या निर्णय लेने का क्षेत्र

यह एक बहुत ही उत्पादक स्थान है और कुछ ऐसे लोगों का घर होगा जो कुछ भी नहीं करना पसंद करते हैं। क्योंकि जो लोग कम उलझे हुए रास्ते को चुनते हैं, उन्होंने कहीं न कहीं इस अनुभव को जीने का अधिकार अर्जित कर लिया है। ऐसा कहीं नहीं लिखा है कि आपको हर समय व्यस्त रहना है।

Machine Translated by Google

जब कोई आत्मा इस अवस्था में पहुँचती है और "आराम लेने" का निर्णय लेती है, तो यह आमतौर पर लंबे समय तक नहीं रहता है। आप फिर से व्यस्त होने का निर्णय लेने से केवल एक क्षण पहले ही एक आदर्श जीवन जी सकते हैं। यह शानदार घरों, ज्ञान की महान सुविधाओं, शानदार बगीचों और शक्तिशाली शक्तियों का स्थान है।

बड़ा।

कभी-कभी हम ऐसी आत्माओं से मिलते हैं जिनका बहुत लंबे समय से पुनर्जन्म नहीं हुआ है और हो सकता है कि उनका मानवीय जरूरतों से संपर्क टूट गया हो। आम तौर पर
ये एक "परिषद" के सदस्य हैं। कभी-कभी लेवल दो की आत्माएँ होती हैं
जो परिषदों में काम करने आते हैं।

हालाँकि इससे उन्हें ऐसा लगता है जैसे वे सेवा में हैं, यह उनके बढ़ने का तरीका है
मजबूत हो रहा है. यह विकास की प्रक्रिया में एक महान आत्मा का लक्षण है।

जब एक "परिषद" उन सदस्यों से बनी होती है जिनका पुनर्जन्म नहीं हुआ है
बहुत लंबे समय तक, उन्हें अपने स्वयं के आगे के विकास की क्षमता देखने के लिए सहायता की आवश्यकता हो सकती है। इस घटना में, एक घटना इस तरह से घटित होगी जिससे उन्हें यह देखने का मौका मिलेगा कि उनका दृष्टिकोण और दूसरों की मदद करने की क्षमता कितनी संकीर्ण हो गई है। जब यह आवश्यकता उत्पन्न होती है, तो वे अक्सर दुनिया भर में व्याख्यान, प्रशिक्षण और अन्य विकास प्रक्रियाओं को सुनते हुए पाए जाते हैं। दुर्भाग्यवश, हमारे लिए अभी भी यह संभव है कि हम आत्मसंतुष्ट हो जाएं और इसका अर्थ क्या है इसकी थोड़ी सी समझ खो दें। यह प्रक्रिया बहुत पुरानी आत्माओं के अंतिम विकास में सहायता कर सकती है (इस संदर्भ में "बूढ़ी" का अर्थ है कि उनका कई बार पुनर्जन्म हुआ है और उनके भीतर बहुत अधिक विकास हुआ है)।

इस स्तर पर, एक आत्मा में अपनी पसंदीदा छवि को बनाए रखने की क्षमता होती है। कई मामलों में, आत्माएं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश में होंगी जो जीवनकाल में उनके लिए बहुत मायने रखता हो।
गंध और स्वाद की इंद्रियाँ भी फिर से प्रकट हो गई हैं! जबकि अधिकांश

Machine Translated by Google

एक रूप बनाए रखें, आप उन लोगों को भी देख सकते हैं जो किसी विशेष रूप या रूप के बिना अपने ऊर्जा केंद्र में घूमते हैं। कभी-कभी जब हम इन आत्माओं को पृथ्वी के करीब आते देखते हैं, तो हम उन्हें प्रकाश की "गेंदों" के रूप में देख सकते हैं। याद रखें कि कोई भौतिक शरीर नहीं हैं, केवल ईथर शरीर हैं।

स्तर चार: शांति का क्षेत्र

शांति के दायरे में "मास्टर शिक्षकों," "रक्षकों" और "मार्गदर्शक आत्माओं" को पढ़ाने के लिए स्कूल हैं। यहां हमें शिक्षा के लिए विशेष स्कूल मिलेंगे

"पुरानी आत्माएँ" और "संत" लौटें। कभी-कभी हमें लगता है कि सीखने के लिए कुछ भी नया नहीं है और तभी हमें पता चलता है कि विचार करने और फिर से सीखने के लिए कितना कुछ है। जब हम किसी आत्मा को "बूढ़ी" कहते हैं तो इसका मतलब यह नहीं है कि वे अलग-अलग समय पर बनाई गई थीं, जो उन्हें पुरानी बनाती है। "बूढ़ा" शब्द का प्रयोग उन लोगों के लिए वर्गीकरण शब्द के रूप में किया जाता है जो पुनर्जन्म लेते रहते हैं और बढ़ते रहते हैं। कुछ लोग अक्सर सभी आत्माओं में सबसे नम्र, सबसे प्यारे और दयालु होते हैं। जब इन विशेष आत्माओं में से कोई आपके रास्ते पर मिलती है, तो आप अक्सर उनकी उपस्थिति से धन्य हो जाएंगे।

आप उनके द्वारा लाई गई ऊर्जा को महसूस करेंगे और समझ नहीं पाएंगे कि कुछ समय के लिए उनसे मिलने के बाद आप इतना बेहतर क्यों महसूस करते हैं।

वे अपने पास मौजूद विशेष उपहारों और क्षमताओं के लिए ध्यान नहीं चाहते या चाहते हैं।

कुछ कक्षाओं में, इस स्तर पर, नकल करने के लिए स्थितियाँ बनाई जाती हैं
वास्तविक भौतिक स्तर पर अस्तित्व। प्रशिक्षण के इस स्तर पर लोग वास्तविक भौतिक शरीर की सभी संवेदनाओं को महसूस करेंगे।
वे उस दर्द, भूख, वासना और उन सभी भावनाओं को महसूस करेंगे जो आप और मैं आज महसूस कर रहे हैं। यदि वे परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं, और परीक्षा बहुत कठिन है, तो उन्हें "शिक्षक" और "ग्रैंड काउंसलर" बनने की अनुमति दी जाती है। यह कभी-कभी असुविधाजनक हो सकता है और उनके द्वारा चुने गए कार्य में उच्चतम स्तर की सत्यनिष्ठा और सम्माननीयता की आवश्यकता होती है।

Machine Translated by Google

लेवल चार और पांच के बीच अध्ययन के लिए एक उत्कृष्ट जगह है।
इस स्थान को "शानरा" के नाम से जाना जाता है। एक समय में, इनमें से कई स्कूल थे, लेकिन अब केवल एक ही उपयोग में है। मुझे यकीन नहीं है कि यह सच है या यह बदल सकता है। इस अनूठे वातावरण में बहुत कम आत्माएँ सीखती हैं। यह एक ऐसा स्थान है जहां आत्मा मनुष्य के संपूर्ण इतिहास के बारे में सभी स्तरों पर सीखेगी।

लेवल चार में कोई भ्रम नहीं है, केवल शांति, आनंद और सुंदरता की सबसे असाधारण अनुभूति की कल्पना की जा सकती है। इस स्तर पर बहुत सारी उत्कृष्ट आत्माएँ हैं। कुछ लोग शांतिपूर्ण और शांत जीवन का आनंद लेते हैं और पुनर्जन्म लेना नहीं चुनते हैं। अतीत में उनके द्वारा किए गए काम के कारण उन्हें यह विकल्प चुनने की अनुमति है।

भले ही यह विकल्प चुना गया हो, फिर भी कई लोग अन्य स्तरों, अन्य आयामों और पृथ्वी पर असाधारण कार्य करना जारी रखते हैं। ऐसी बहुत सी आत्माएं हैं जो कई स्तरों पर काम कर रही हैं, आत्म-संतुष्टि की भावना की तलाश में हैं, और पुनर्जन्म न लेने का विकल्प उनकी यात्रा में मदद मांगने वाले अन्य लोगों के लिए आवश्यकता या असंतुलन पैदा नहीं करता है।

स्तर पाँच: शयन क्षेत्र

इस क्षेत्र को प्रायः कई नामों से जाना जाता है। यहां रहने वाली सभी आत्माएं प्रतिभाशाली और संवेदनशील हैं। वे आत्माएं हैं जो चमत्कार करने के लिए पृथ्वी और अन्य आयामों की यात्रा करती हैं। ये "चिकित्सक" हैं और वे सभी चीज़ों से अवगत हैं - अतीत, वर्तमान और भविष्य।

यहां कई आत्माएं सोती हैं और निचले लोकों में काम करने वालों को अपनी ऊर्जा प्रदान करती हैं। यहां की आत्माएं उन चीजों के लिए महान बलिदान करती हैं जिन पर वे विश्वास करती हैं। जब मैं कहता हूं "जिन चीजों पर वे विश्वास करते हैं", तो इसका मतलब किसी ऐसे धर्म या विश्वास प्रणाली से नहीं है जो स्वयं पृथ्वी से संबंधित है। यह मानवता में विश्वास और आत्मा का सबसे बड़ा संरक्षण है।

Machine Translated by Google

"आत्मा" में जानबूझ कर आत्मा के अलावा कोई अंतर नहीं है
स्वयं को उनकी विकासात्मक प्रक्रिया के भाग के रूप में उजागर करता है। आत्मा, अपने वास्तविक रूप में, पृथ्वी पर मौजूद आत्मा से कोई तुलनीय अंतर नहीं रखती है। वास्तव में, हम सभी समान हैं, हम सभी समान हैं।

ऐसे कुछ ही शब्द हैं जो हम जानते हैं, जो इस जगह की सुंदरता का वर्णन कर सकते हैं। आत्मायें अपने लिये द्वीप बनायेंगी; कुछ के पास अद्भुत घर होंगे और हर जगह सबसे अविश्वसनीय संगीत होगा। स्वाद और गंध के अनुभव भी उपलब्ध हैं और इस स्तर पर शायद ही कभी उपयोग किए जाते हैं। किसी भी अन्य अनुभव की तुलना में सृष्टिकर्ता के साथ कहीं अधिक गहरी समझ और संबंध है। जिस तरह से भौतिक शरीर में रहते हुए सृष्टिकर्ता की कल्पना की जाती है वह उच्चतम चेतना के साथ विलय की खुशी से बहुत दूर और अतुलनीय है।

यह प्रकृति में महसूस किया जाने वाला प्रेम और शांति है जिसकी हम चाहत रखते हैं, बिना यह जाने कि हमें क्या आकर्षित करता है। कभी-कभी हम ऊब की भावना, किसी जगह की चाहत और ऐसी भावना का अनुभव करते हैं जिसका हम वर्णन नहीं कर सकते और याद नहीं कर सकते। सिर्फ इसलिए कि एक आत्मा इस स्तर पर है, इसका मतलब यह नहीं है कि वे फिर से निचले स्तरों पर चुनौतियों से गुजरना नहीं चुनेंगे। कभी-कभी एक आत्मा जितनी अधिक विकसित होती है, उतनी ही अधिक बार वह इन सभी चुनौतियों से बार-बार गुजरती है।

वास्तव में, ऐसा चुनाव करने में बहुत समझदारी है।

इस स्तर पर, बीच में बहुत अधिक संचार होता है
परिवार. यहां इस्तेमाल किया गया शब्द "परिवार" आवश्यक रूप से उन लोगों को संदर्भित नहीं करता है जिनके साथ आप अभी काम कर रहे हैं। हममें से कुछ लोग वास्तव में एक ही परिवार समूह में पुनर्जन्म लेते हैं, हमारे परिवार की आत्माएं सबसे सच्चा रिश्ता हैं जिसे हम जानते हैं। इससे यह समझाने में मदद मिलेगी कि हममें से कुछ लोग उन लोगों से जुड़ाव क्यों महसूस करते हैं जिनसे हम मिलते हैं और महसूस करते हैं

Machine Translated by Google

एक त्वरित पहचान अनुभूति. इन रिश्तों पर अत्यधिक प्रयुक्त शब्द "सोल मेट" का प्रयोग न करें। वास्तव में, यह उस सब से परे है।
स्तर पाँच सभी क्षेत्रों में सबसे व्यापक है!

स्तर छह: सृजन क्षेत्र

अन्य स्तरों पर महसूस किया जाने वाला प्रेम और शांति यहां की तुलना में कहीं अधिक है। महज़ एक एहसास या अनुभव की गई किसी चीज़ से ज़्यादा, यह एक ऐसा अस्तित्व बन जाता है जो आत्मा और सभी चीज़ों के साथ एक हो जाता है।

जब आप इस जगह की ऊर्जा को देखते हैं, तो ऑरोरा बोरेलिस की तुलना इसकी तुलना में थोड़ी ही की जा सकती है। इसमें इतने सारे मिश्रित स्वर और रंग कंपन हैं कि यह लगभग मृगतृष्णा देखने जैसा है।

उदाहरण के लिए, जब आप एक फूल देखते हैं, यदि आप उसकी पंखुड़ियों को छूने की कोशिश करते हैं तो आप फूल का हिस्सा बन जाएंगे। फूल तब तक तरल जैसा महसूस होता है जब तक आपका हाथ ऐसा महसूस नहीं करता कि वह उसमें प्रवेश कर रहा है। हमारे "आत्मा" रूप में हमारे पास भौतिक शरीर नहीं है, लेकिन इस स्तर से, आपके पास पहले वाले शरीर के समान रूप बनाए रखने की क्षमता है।

आप अपनी शारीरिक उपस्थिति की तस्वीर पेश कर सकते हैं या आप अपनी शुद्ध ऊर्जा के रूप में हो सकते हैं।

इस स्तर पर सारी महानता, ऐश्वर्य, बस एक विचार मात्र दूर है।
हमारी सोच हमेशा हमारी वास्तविकता रही है, लेकिन यहां यह अपने शुद्धतम रूप में व्यक्त और निर्मित होती है। हालाँकि हवेलियाँ, इमारतें और मठ यहाँ पाए जा सकते हैं, लेकिन वे आवश्यकता के बजाय महज़ चाहत के प्रतिनिधि हैं।
इस जगह से आपको ज्यादा कुछ नहीं चाहिए, लेकिन हर चीज का अनुभव आपको मिल जाता है।

इसकी तुलना में, स्तर छह और सात सबसे छोटे थे।
यहां, आपको कई "मास्टर स्तर के शिक्षक" मिलेंगे। यह जानना दिलचस्प है कि हम इन महान आत्माओं के लिए विश्राम स्थल ढूंढते हैं, लेकिन शायद ही कभी ऐसा होता है

Machine Translated by Google

वहां पाया गया. उनके पास आराम करने या मानवता के लिए योगदान देने के बीच एक विकल्प है। कहने की जरूरत नहीं है, उनमें से ज्यादातर बाहर काम कर रहे हैं। यह बस एक निवास स्थान है, उन आत्माओं के लिए एक विश्राम स्थान है जो उन सभी के लिए नई संभावनाएं बनाने में व्यस्त हैं जिन्हें सहायता की आवश्यकता है। आप पाएंगे कि लगभग सभी विश्वास प्रणालियों के धार्मिक प्रतीकों ने यहां समय बिताया है।

इस जगह से एक से बढ़कर एक काम हो रहे हैं
एक ही समय में आयाम और एक से अधिक स्तर।

शायद आप "समानांतर स्थान और एक साथ समय" शब्द को समझेंगे। यह पहुंचने के लिए एक दिलचस्प जगह लगती है और आप उम्मीद कर सकते हैं कि यह जल्द ही पहुंच जाएगी, लेकिन इस पर भी विचार करें... जब आप विभिन्न आयामों और एक से अधिक स्तरों पर काम कर रहे हैं, तो यह एक बड़ी चुनौती पैदा करता है जो आपके सामने होगी सामना करने के लिए। अपनी सत्यनिष्ठा को कई गुना बढ़ाएँ। आप प्रत्येक स्थिति के लिए अलग-अलग पैरामीटर बनाएंगे. कोई भी व्यक्ति सफलता या विफलता के लिए अलग-अलग संभावनाएँ क्यों सूचीबद्ध करना चाहेगा?

यह सच है कि हर जीवनकाल में असफलता की संभावना होती है, लेकिन इसका मतलब यह भी है कि असाधारण काम करने के लिए समान संख्या में अवसर मिलते हैं। विकास के इस चरण से, आत्मा को अपने हर काम में महान उपलब्धियों का अनुभव होने की अधिक संभावना होती है।

याद रखें कि यही सृजन का स्तर है! इस जगह से महान खोजों का जन्म हुआ। आत्मिक संगीत इंद्रधनुष की तरह रंगीन ऊर्जा प्रवाह के विभिन्न स्तरों के माध्यम से बनाया और नीचे की ओर भेजा जाता है। किसी गंभीर बीमारी के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित उपचार को बड़ी ऊर्जा के साथ तैयार और वितरित किया जाता है, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंच सके।

ये रचनाएँ इस तरह से वितरित की जाती हैं ताकि किसी भी जाति, रंग, विचारधारा, मूल या राष्ट्रीयता की कोई भी आत्मा जानकारी का कोई भी हिस्सा प्राप्त कर सके। इससे यह समझाने में मदद मिलती है कि कितने लोग

Machine Translated by Google

ऐसा प्रतीत होता है कि देश एक ही चीज़ की खोज कर रहे हैं, लेकिन विभिन्न चरणों में। आविष्कार उन सभी को भेजे जाते हैं जो उन्हें प्राप्त कर सकते हैं। इसे प्राप्त करने और अनुवाद करने की हमारी क्षमता के आधार पर, हम इसे अपने "सपने" के अनुसार आगे बढ़ाते हैं।

स्तर सात: एकता क्षेत्र

यह सृष्टिकर्ता के साथ "मिलन" का स्थान है, यही वह शब्द है जिसे हम समझते हैं। इस स्तर से, हमारे पास सभी चीज़ों को देखने, सभी चीज़ों को सुनने और जो कुछ भी हम चुनते हैं उसका अनुभव करने की क्षमता होती है। इस स्थान से आपको विशाल आकाशगंगाएँ दिखाई देंगी; आप अलग-अलग समय-सीमाएं और कई क्रॉस-आयामी कार्य देखेंगे। आपको बहुत कम घर या बड़ी इमारतें मिलेंगी; बहुत कम बेकार काल्पनिक चित्र। इस जगह की आत्माएं अपने समय और ऊर्जा का अधिकांश हिस्सा पूरी सृष्टि में योगदान देती हैं - यहां तक कि पृथ्वी के दायरे से परे भी। कुछ लोग सदियों तक निष्क्रिय पड़े रहेंगे और अपना सब कुछ दूसरों की भलाई के लिए दे देंगे। अधिकांश ऐतिहासिक शिक्षाएँ और प्रमुख धर्म इसी स्तर से आए हैं। विचारों में मतभेद का मतलब भ्रमित करना नहीं है, बल्कि व्यापक दृष्टिकोण से विकास और समझ के अवसर प्रदान करना है। इन शिक्षाओं से जुड़ा भ्रम मानवीय व्याख्या और स्पष्टीकरण से उत्पन्न होता है। यहां बुद्धि का तात्पर्य सार्वभौमिक दायरे से है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमें हमेशा सहमत होने की ज़रूरत नहीं है; जिस तरह से हम असहमत होते हैं वह हमारी समस्याओं का कारण बनता है।

इतिहास हमें दिखाता है कि विभिन्न आध्यात्मिक शिक्षाएँ रही हैं
युगों-युगों में अलग-अलग तरीके से बदला या व्याख्या की गई। वह ऊर्जा जिसे "क्राइस्ट", "बुद्ध", "मुहम्मद", "अल्लाह" और अन्य के रूप में अपनाया जाता है, यहीं से उत्पन्न होती है। यहां एक आत्मा के पास बहुत कम सीमाएं और असाधारण स्तर की विश्वसनीयता होगी।

आध्यात्मिक विकास की किसी भी अवस्था तक पहुंचना या स्थानों से गिरना संभव है

Machine Translated by Google

यह। चूँकि हमारे बारे में सब कुछ "पसंद" है, हम चुनाव करते हैं, कभी अच्छा, कभी बुरा, और इसलिए विभिन्न चरणों से गुज़रते हैं। यह आवश्यक रूप से इसे "सही" या "गलत" नहीं बनाता है, बल्कि यह केवल एक बयान है कि हम अपनी यात्रा में एक निश्चित बिंदु पर कहां हैं।

एक बार फिर, मैं जूडी को मुझे बताने के लिए धन्यवाद देता हूं। जूडी गुडमैन और उनके काम के बारे में अधिक जानने के लिए कृपया www.judygoodman.com पर जाएं

वाद्य संचार और आध्यात्मिक क्षेत्र

मैं इस अनुभाग की शुरुआत एक निजी चुटकुले से करना चाहता हूँ।
अगस्त 2007 में, मैंने कैलिफोर्निया के माउंट शास्ता में माइकल और राफेल तमुरा द्वारा आयोजित एक सेमिनार में भाग लिया, जिसमें माइकल, जेम्स वान प्राघ और एरिक बर्गलुंड उपस्थित थे। माइकल तमुरा बचपन से ही एक मानसिक रोगी रहे हैं और उन्होंने अपना जीवन अन्य मनोविज्ञानियों को प्रशिक्षित करने में बिताया है। जेम्स वैन प्राघ एक ऐसा माध्यम है जो मृतकों से संवाद करता है और उसने अमेरिकी टेलीविजन श्रृंखला, द घोस्ट व्हिस्परर बनाई है।

एरिक बर्गलंड एक चिकित्सक और संगीतकार है जो वीणा बजाता है।

इस सभा में, मेरी मुलाकात डॉक्टरेट उपाधि प्राप्त एक डॉक्टर से हुई, जो न्यूयॉर्क के एक अस्पताल में कैंसर रोगियों के विकिरण उपचार की देखरेख करता था। उन्होंने मुझे बताया कि उनकी एक करीबी महिला मित्र की अपेक्षाकृत कम उम्र में मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के बाद एक दिन फोन की घंटी बजी और उन्होंने उठाया।

फ़ोन पर जो आवाज़ थी वह उसके मृत दोस्त की आवाज़ थी। उसने उससे कहा कि उसने उसे यह बताने के लिए फोन किया था कि वह ठीक है और आध्यात्मिक क्षेत्र में अपने नए जीवन के साथ तालमेल बिठा रहा है।

टेलीफोन पर यह बातचीत कई मिनट तक चली. दोनों ने एक दूसरे को अलविदा कहा और बातचीत ख़त्म हो गई.

डॉक्टर ने कहा कि उनका मानना है कि कॉल उनके मृत दोस्त का था।

Machine Translated by Google

यह पहली बार है जब मैंने ऐसी कहानी सुनी है जहां एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का उपयोग एक आध्यात्मिक प्राणी द्वारा मनुष्यों के साथ संवाद करने के लिए किया जाता है।
दिसंबर 2007 में, जब मैंने कन्वर्सेशन्स बियॉन्ड द लाइट: कम्युनिकेशन विद डिपार्टेड फ्रेंड्स एंड कोलीगेज बाय इलेक्ट्रॉनिक मीन्स के सह-लेखक मार्क मैसी द्वारा दिए गए व्याख्यान में भाग लिया, तो मुझे इस घटना के बारे में और अधिक पता चला। मार्क के व्याख्यान में, मुझे पता चला कि शोध किया गया है जिसमें आध्यात्मिक प्राणियों ने भौतिक क्षेत्र में मनुष्यों के साथ संवाद करने के लिए ऑडियो टेप, टेलीफोन और टेलीविजन जैसे उपकरणों का उपयोग किया है।

इस प्रकार के संचार को तब शब्द दिया जाता है

इंस्ट्रुमेंटल ट्रांसकम्यूनिकेशन या आईटीसी।

इस क्षेत्र के शुरुआती शोधकर्ताओं में से एक फिल्म निर्माता थे
जिसका नाम फ्रेडरिक ज्यूर्गेंसन है, जिसने 1959 में पक्षियों की आवाज़ रिकॉर्ड करते समय आत्माओं की आवाज़ पकड़ी थी।
जब उसने रिकॉर्डिंग वापस चलाई, तो वह अपनी माँ की आवाज़ सुनकर आश्चर्यचकित रह गया, “फ्रेडरिक, तुम पर नज़र रखी जा रही है। फ़्रीडेल, मेरी छोटी फ़्रीडेल, क्या तुम मुझे सुन सकते हो? 1"

इससे जुएर्गेंसन के लिए एक शोध परियोजना शुरू हुई जो चलती रही
हज़ारों आवाज़ों को रिकॉर्ड करने के लिए और 1964 में स्वीडिश में वॉयसेस फ्रॉम द यूनिवर्स नामक पुस्तक प्रकाशित की, इसके बाद रेडियो कॉन्टैक्ट विद द डेड नामक एक और पुस्तक प्रकाशित हुई।
जुएर्गेंसन ने पोप पॉल VI के बारे में एक डॉक्यूमेंट्री बनाई और पादरी के दोस्त बन गए, जो टेप पर रिकॉर्ड की गई आत्माओं की आवाज़ में दिलचस्पी लेने लगे। पोप पॉल VI ने वेटिकन में अपना स्वयं का आईटीसी अनुसंधान प्रोजेक्ट भी शुरू किया।

1967 में, रेडियो कॉन्टैक्ट विद द डेड पुस्तक का जर्मन में अनुवाद किया गया था और लातवियाई मनोवैज्ञानिक डॉ. कॉन्स्टेंटाइन राउडीव ने इसे पढ़ा और आईटीसी में रुचि हो गई। राउडिव ने प्रयोगशाला स्थितियों का उपयोग करके अपनी स्वयं की कार्यप्रणाली बनाई। अपनी एक रिकॉर्डिंग में, वह एक प्रसारण में अपनी मृत माँ की आवाज़ भी सुनता है, जो अपने उपनाम का उपयोग करते हुए कहती है, "कोस्टुलिट, यह तुम्हारी माँ है।"2

राउडीव का सिद्धांत है कि आत्माएं ध्वनि तरंगों में हेरफेर कर सकती हैं
रेडियो स्थैतिक से, जो एक सर्किट के दौरान उत्सर्जित होते हैं

Machine Translated by Google

ध्वनि संचरण बनाने के लिए स्टेशनों के बीच स्थापित एक ट्यूनर या एम्पलीफायर जिसे रिकॉर्ड पर पकड़ा जा सकता है। राउडीव ने इसे इलेक्ट्रॉनिक वॉयस फेनोमेना (ईवीपी) कहा और इसके बारे में ब्रेकथ्रू: एन अमेजिंग एक्सपेरिमेंट इन इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन विद द डेड नामक पुस्तक प्रकाशित की।

राउडीव के प्रयोगों को वैज्ञानिकों द्वारा संदेह प्राप्त हुआ
समुदाय और यूके में दो साउंड इंजीनियरिंग फर्मों, पाइ रिकॉर्ड्स, लिमिटेड और बेलिंग एंड ली, लिमिटेड ने नियंत्रित परिस्थितियों में इस परीक्षण को दोहराया। कड़े नियंत्रण के तहत, इन प्रयोगों में असाधारण आवाज़ों का पता लगाया गया। 1969 में, राउडिव को स्विस पैरासाइकोलॉजिकल एसोसिएशन की ओर से प्रथम पुरस्कार पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और उनके टेप पर सुनाई देने वाली सूक्ष्म असाधारण आवाज़ों को उनके सम्मान में "राउडिव्स वॉयस" कहा जाता था।

विशेष रूप से दिलचस्प बात यह है कि जब आईटीसी शोधकर्ता
मर गए और दूसरे लोक में चले गए, वे पृथ्वी पर अपने सहयोगियों से संपर्क करने में सफल हो गए थे। इन प्रसारणों में, उन्होंने आध्यात्मिक दुनिया के बारे में जानकारी प्रदान की है जो इको बोडाइन और जूडी गुडमैन द्वारा ऊपर दी गई जानकारी के अनुरूप है।

फ्रेडरिक जुएर्गेंसन की 1987 में मृत्यु हो गई। जीवित रहते हुए, उन्होंने आईटीसी घटना के एक साथी शोधकर्ता क्लाउड थोरलिन के साथ घनिष्ठ मित्रता विकसित की। जुर्गेंसन के पास एक मानसिक प्रतिभा भी थी और उनकी मृत्यु के दिन यह बताया गया था कि उन्होंने थोरलिन को एक टेलीपैथिक संदेश भेजा था जिसमें संकेत दिया गया था कि उनके अंतिम संस्कार के दौरान, वह थोरलिन के टेलीविजन पर अपनी एक छवि प्रदर्शित करने का प्रयास करेंगे।

और वास्तव में, जुएर्गेंसन के अंतिम संस्कार के दौरान, थोरलिन ने अपने टेलीविजन पर जुएर्गेंसन के ईथर या ऊर्जा शरीर की तस्वीरें खींचीं, जो कि कन्वर्सेशन्स बियॉन्ड द लाइट पुस्तक में दिखाई देती हैं और, मार्क मैसी की दयालुता और आशीर्वाद के साथ, इस अध्याय के अंत में भी दिखाई देती हैं। कन्वर्सेशन बियॉन्ड द लाइट पुस्तक में मरने वाले लोगों की अन्य तस्वीरें भी उपलब्ध हैं, जिनमें से कुछ कंप्यूटर के डेटा रिपॉजिटरी में मुद्रित हैं। ये अतिरिक्त छवियां यह भी दर्शाती हैं

Machine Translated by Google

आध्यात्मिक स्तर पर हमारी शक्ल एक जैसी है।

आईटीसी के अवलोकन से पता चलता है कि हम लगातार चेहरे की विशेषताओं को बरकरार रखते हैं आध्यात्मिक क्षेत्र में उन लोगों की तुलना में जो हमारे पास भौतिक क्षेत्र में हैं, इसकी पुष्टि शेमस इको बोडाइन और जूडी गुडमैन ने भी की है। माइकल तमुरा, जो सोते समय सचेत रूप से यात्रा करते हैं और आध्यात्मिक दुनिया की स्थितियों का अनुभव करते हैं, अक्सर कहते हैं कि अन्य क्षेत्रों में, हमारी शक्ल एक जैसी होती है।

ये अवलोकन इस विचार को पुष्ट करते हैं कि हमारे पास एक ऊर्जा शरीर है हमारे भौतिक शरीर के लिए एक टेम्पलेट के रूप में कार्य करता है। इको बोडीन ने इस बात का समर्थन करने के लिए अन्य साक्ष्य प्रदान किए हैं कि हमारे पास एक आध्यात्मिक ऊर्जा शरीर है जो हमारे भौतिक शरीर जैसा दिखता है। इको को मिनेसोटा के एक पुलिस अधिकारी द्वारा ली गई तस्वीरों की एक श्रृंखला दी गई, जिन्होंने उन्हें एक घातक कार दुर्घटना के तुरंत बाद लिया था।

तस्वीरों में आत्मा के रूप में एक युवक का चेहरा दिखाया गया है जो एक मृत युवक की भौतिक प्रतिकृति है, जो दुर्घटनास्थल के ऊपर मंडरा रहा है।

ऐसा प्रतीत होता है कि युवक कैमरे पर चिल्लाते हुए पकड़ा गया है, "नहीं!"
पता चला कि वह मरने के लिए तैयार नहीं था। एक युवा दुर्घटना के चेहरे की तस्वीर
पीड़ित, आत्मा के रूप में अपनी कार के ऊपर मँडरा रहा है, इसे इको वेबसाइट पर पाया जा सकता है:
www.
इकोबॉडी.कॉम

मैं आईटीसी शोधकर्ताओं के कुछ उदाहरणों का फिर से वर्णन करना चाहता हूं जो ऐसा करने में सक्षम थे मृत्यु के तुरंत बाद अपने सहकर्मियों से संपर्क करें। 1974 में राउडीव की मृत्यु के बाद, जॉर्ज मीक को, जीवित रहते हुए, स्पष्ट रूप से अपने अनुसंधान भागीदार, कॉन्स्टेंटाइन राउडीव से एक फोन आया। जूल्स और मैगी हर्ष-फिशबैक ने आईसीटी अनुसंधान के लिए समर्पित एक संगठन, ट्रांसकम्यूनिकेशन स्टडी सर्कल ऑफ लक्ज़मबर्ग (सीईटीएल) की स्थापना की। 4 फरवरी, 1993 को, उन्हें अपने कंप्यूटर पर एक मृत सहकर्मी, अर्न्स्ट मैकेस का एक टेक्स्ट संदेश मिला, जिनकी मृत्यु 26 नवंबर, 1992 को हुई थी। 4 मार्च, 1993 को, उन्हें अपने कंप्यूटर पर अर्न्स्ट की एक और तस्वीर मिली, जो स्पष्ट रूप से सीधे प्रेषित थी।

Machine Translated by Google

आध्यात्मिक क्षेत्र. तस्वीर में अर्न्स्ट को वैसे ही दिखाया गया है जैसे वह पहले था, वह चश्मा पहने हुए है जो वह जीवित होने पर पहनता था, आध्यात्मिक दुनिया में एक उष्णकटिबंधीय परिदृश्य में एक ताड़ के पेड़ के नीचे बैठा है।

से बड़ी संख्या में संदेश प्राप्त हुए हैं
आईटीसी शोधकर्ताओं द्वारा एक और क्षेत्र। मैं आपको इन संदेशों के स्रोत के विवरण के लिए कन्वर्सेशन्स बियॉन्ड द लाइट पढ़ने के लिए संदर्भित करता हूं। मैं नीचे उनकी कुछ सामग्री का सारांश प्रस्तुत करूंगा:

• मृत्यु की प्रक्रिया के संबंध में कहा जाता है कि हम बने रहते हैं
मरने के बाद हम उस स्थान के आसपास रहते हैं और हम उन लोगों के पास रहते हैं जिनसे हम प्यार करते हैं, हालांकि पीछे छूट गए लोग केवल उस व्यक्ति के ऊर्जा शरीर को देख सकते हैं यदि वे एक मानसिक रोगी हैं। भले ही कोई मानसिक रोगी न हो, रिश्तेदार मृतक की उपस्थिति को महसूस करने में सक्षम हो सकते हैं।

जिन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है वे अपने अंतिम संस्कार में शामिल हो सकते हैं और उनके अंतिम संदेश सुन सकते हैं। मृत्यु के बाद की भावना हल्केपन और स्वतंत्रता की छाप है, जैसे कि "भारी कवच"3 उतार दिया गया हो।

• भौतिक शरीर को छोड़ने के बाद, हम एक ईथर शरीर में रहते हैं, एक ऊर्जा शरीर जो भौतिक शरीर का आधार है। यह ईथर शरीर तब विघटित हो जाता है, जिससे हमें सूक्ष्म या आध्यात्मिक स्तरों में संक्रमण करने की अनुमति मिलती है, जहां हमारे पास एक सूक्ष्म शरीर होगा। सूक्ष्म विमानों में संक्रमण के दौरान, कुछ लोग सो सकते हैं और सूक्ष्म विमानों में जाग सकते हैं, बिना यह जाने कि वे वहां कैसे पहुंचे। संक्रमण के दौरान अन्य लोग सचेत रहे। व्यक्ति अस्पताल में जाग सकते हैं। प्रियजन और पालतू जानवर जिनकी पहले मृत्यु हो चुकी है वे हाल ही में मृत व्यक्ति की प्रतीक्षा कर रहे होंगे।

• किसी अस्पताल या अन्य उपचार केंद्र में, लोग

Machine Translated by Google

हाल ही में मृतक आत्मा के क्षेत्र में जीवन को समायोजित करता है। जिन लोगों का अंग-विच्छेदन होता है, उन्हें मन के माध्यम से अपने सूक्ष्म अंगों को पुनर्जीवित करने के बारे में मार्गदर्शन प्राप्त होता है। जो लोग बुढ़ापे में मरते हैं वे युवा हो जाएंगे, और जो लोग बचपन में मर जाते हैं वे तब तक बढ़ेंगे जब तक कि वांछित आयु न हो जाए, जो आमतौर पर 25-30 वर्ष के आसपास दिखाई देती है। अस्पताल से बाहर निकलते समय, कोई पृथ्वी के समान लेकिन बहुत अधिक चमकीला वातावरण पा सकता है।

ध्यान दें कि आईटीसी का अस्पताल का विवरण इको बोडीन द्वारा वर्णित पिंक प्लेस के समान है।

• आईटीसी संदेशों से संकेत मिलता है कि आध्यात्मिक दुनिया में अस्तित्व के ऐसे स्तर हैं जो इको बोडीन और जूडी गुडमैन द्वारा वर्णित स्तरों के समान हैं। जैसा कि आईटीसी संचार द्वारा वर्णित है, कुछ मनुष्य अपनी मृत्यु के बाद जिन स्थानों पर जाते हैं, वे निचले, मध्य और उच्च सूक्ष्म आयाम हैं। निचले सूक्ष्म आयाम इको द्वारा वर्णित निचले आयामों के समान हैं: वे अस्तित्व-केंद्रित लोगों को आकर्षित करते हैं, जो विकास के निचले चरण में हैं। अपने व्याख्यान में, मार्क मैसी ने टिप्पणी की कि ये "दुखद क्षेत्र" हैं, जैसा कि हम शुद्धिकरण या नरक के रूप में कल्पना करते हैं।

ऐसा वर्णन है कि वहाँ चोर, जेबकतरे, व्यभिचारी, धोखेबाज और धोखेबाज व्यापारी इकट्ठे थे। हत्यारों को एक-दूसरे को मारने की कोशिश करते हुए देखा गया, लेकिन वे निराश हो गए कि आध्यात्मिक क्षेत्र में मारने के लिए कुछ भी नहीं था।

आईटीसी संचार में यह वर्णित है कि समुदाय ऐसा कर सकते हैं
समय में बंद कर दिया जाए, और पाषाण युग के गांवों या प्राचीन वाइकिंग बस्तियों का अस्तित्व जारी रह सकता है। यदि आत्मा चाहे तो पुनर्जन्म और आगे के विकास में देरी हो सकती है। याद रखें कि अहतुन रे ने भी वही अवलोकन किया था - विकास और पुनर्जन्म

Machine Translated by Google

आत्मा द्वारा स्थगित, यद्यपि हमेशा के लिए नहीं। जब इन आत्माओं का पुनर्जन्म होता है, तो वे अन्य आत्माओं की तरह उन्नत नहीं होती हैं, जो पृथ्वी आयाम में विकासवादी चरणों की विविधता को दर्शाती है।

जो लोग विकसित हैं और नैतिकता से परिपूर्ण हैं वे जायेंगे
मध्य सूक्ष्म आयाम, जिसमें सुंदर परिदृश्य, सुखद निवास, शहर, कॉन्सर्ट हॉल, स्कूल और विश्वविद्यालय शामिल हैं।

लोग धर्म, संस्कृति, जातीयता, नस्ल या अन्य कारकों के आधार पर समुदायों में एकत्रित हो सकते हैं जिनसे वे अपनी पहचान बनाते हैं। यद्यपि इस प्रकार का जानबूझकर पृथक्करण मध्यवर्ती सूक्ष्म आयामों में होता है, एक अधिक सार्वभौमिक परिप्रेक्ष्य धीरे-धीरे विकसित होगा और वास्तव में उच्च सूक्ष्म आयामों में प्रवेश करने के लिए इसे हासिल किया जाना चाहिए जो स्वर्ग की ईसाई अवधारणा को दर्शाते हैं।

रचनात्मक व्यक्ति जैसे कलाकार, संगीतकार, वैज्ञानिक,
और दार्शनिक सूक्ष्म दुनिया का आनंद लेते हैं, क्योंकि वे आईसीटी अनुसंधान सहित उन चीजों को सिखा सकते हैं जिनमें वे रुचि रखते हैं, ठीक वैसे ही जैसे वे पृथ्वी पर पढ़ाते हैं, लेकिन आजीविका के लिए काम किए बिना।

मृत आईटीसी शोधकर्ता सूक्ष्म आयामों में एक शोध स्थल का वर्णन करते हैं, जिसे टाइमस्ट्रीम कहा जाता है, जहां वे आत्मा की दुनिया में, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से पृथ्वी पर आईटीसी शोधकर्ताओं से संपर्क करने के तरीके विकसित करने के लिए काम करते हैं। जो लोग मनोरंजन का आनंद लेते हैं, जैसे कि गोल्फ खेलना, वे अपनी इच्छानुसार अपने शौक को फिर से बना सकते हैं, हालांकि आत्माएं अंततः गोल्फ खेलने जैसी चीजों से थक जाएंगी और आगे विकास की तलाश करेंगी। सूक्ष्म आयामों में, मांस सहित सिंथेटिक भोजन बनाया जा सकता है, हालांकि भोजन बनाने के लिए किसी जानवर को नहीं मारा जाता है।

आईटीसी संदेश दर्शाते हैं कि उच्चतर आयाम मौजूद हैं
तथाकथित मानसिक-कारण आयाम, जो तकनीकी और कलात्मक पैठ का स्रोत हैं। ये चीजें टेलीपैथिक तरीके से उन लोगों के लिए पृथ्वी पर भेजी जाती हैं जो विचारों को स्वीकार करते हैं। हमें याद है, जूडी गुडमैन ने इस आयाम को "स्तर छह: सृजन की दुनिया" के रूप में वर्णित किया था।

इससे भी ऊँचे आयाम कहलाते हैं

Machine Translated by Google

स्वर्गीय लोकों को भी जाना जाता है, जो ईश्वर के अधिक निकट हैं। यह वह स्थान है जहां आरोही गुरु और कई महान आध्यात्मिक गुरु रहते हैं। मध्य सूक्ष्म लोकों में रहने वाले लोग स्वर्गीय लोकों के बारे में जानते हैं, भले ही उन्होंने कभी भी इन आध्यात्मिक लोकों के उच्चतम स्तर का अनुभव नहीं किया हो।

विकसित आवृत्ति के आधार पर कोई व्यक्ति कुछ निश्चित क्षेत्रों की यात्रा कर सकता है। कुल मिलाकर, मरने के बाद हम अलग नहीं होते। जो लोग कम विकसित हैं वे कम विकसित प्राणियों के समुदायों में जाएंगे, जबकि जिन्होंने पृथ्वी पर अपने आध्यात्मिक विकास का अभ्यास किया है वे उच्च लोकों में एक साथ इकट्ठा होंगे।

• आत्मा की दुनिया में, पिछले सभी जन्मों की यादें लौट आती हैं और हम लौट सकते हैं
पिछले जन्मों के मित्रों की तलाश करें।

• 1992 में एक कंप्यूटर संपर्क में फ्रेडरिक जुर्गेंसन ने कहा:
"जीव अपनी चेतना और पुनर्जन्म के साथ 'वास्तविकता के परिवर्तन' के दौरान अपनी वैयक्तिकता बनाए रखते हैं।"4

जुएर्गेंसन ने बाद में 1993 में सूक्ष्म विमान से रिपोर्ट दी कि "सभी विचार टेलीपैथी के अलावा और कुछ नहीं हैं।"5

• सूक्ष्म जगत से फ्रेडरिक ज्यूर्गेंसन ने इस पर टिप्पणी की:
“यदि आप पृथ्वी पर अपनी समस्याओं का समाधान नहीं करते हैं, तो वे यहाँ आपका इंतजार कर रहे होंगे। इस नई वास्तविकता में, पृथ्वी पर आपके द्वारा धारण की गई उपाधियाँ और उपाधियाँ निरर्थक हैं। जो बचता है वह तुम्हारी आत्मा है। यहां वास्तव में जो मायने रखता है वह है आपकी नैतिक और मानवीय भावनाएं, सभी चीजें रचनात्मक।''6

• आईटीसी संदेश संकेत देते हैं कि व्यक्ति मरने के बाद अपनी समस्याएं अपने साथ ले जाते हैं। यह संकेत दिया गया है कि पृथ्वी इसके लिए सर्वोत्तम स्थान है

Machine Translated by Google

समस्याओं का समाधान। सूक्ष्म दुनिया को एक स्वप्न की दुनिया के रूप में वर्णित किया गया है, जहां आप चीजों को सिद्धांतित कर सकते हैं और मानसिक रूप से चीजों को बदल सकते हैं। पृथ्वी पर, आपको अपने कार्यों और उन कार्यों के परिणामों का सामना करना पड़ता है: वे परीक्षण करते हैं कि आप वास्तव में क्या विश्वास करते हैं।7

• सूक्ष्म आयाम से आईटीसी संचार के आधार पर, क्यूबिस और मैसी निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुंचे: "कोई व्यक्ति मानसिक संरचनाएं बना सकता है और सूक्ष्म दुनिया में विचारों के साथ खेल सकता है। लेकिन वास्तव में, पृथ्वी पर रहना वास्तव में हमारे सबसे महत्वपूर्ण विचारों को साकार करना है। जीवन इस बात की एक महत्वपूर्ण परीक्षा है कि कोई व्यक्ति वास्तव में क्या विश्वास करता है।''8

• लोग आंतरिक स्थानों के बीच आयामों या ग्रहों, या जहाजों, गर्म हवा के गुब्बारे, हवाई जहाज, भूमि यात्राओं जैसे कार या मोटरबाइक से यात्रा कर सकते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें यह कैसा लगता है। 9

कन्वर्सेशन्स बियॉन्ड द लाइट पुस्तक के अंत में, यह कहा गया है कि थॉमस एडिसन, जिन्होंने अपनी कई रचनाओं में से प्रकाश बल्ब का आविष्कार किया था, ने एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने के लिए गंभीर प्रयास किए जिसका उपयोग मृतकों की आत्माओं से जुड़ने के लिए किया जा सकता था। मार्क मैसी और डॉ. कुबिस ने अपनी पुस्तक का समापन इस निर्देश के साथ किया कि हम अपने स्वयं के आईसीटी प्रयोग कैसे कर सकते हैं।

आईटीसी वीडियो देखने, आईटीसी रिकॉर्डिंग सुनने और आईटीसी के बारे में अधिक जानने के लिए कृपया www.worlditc.org पर जाएं।

माउंट शास्ता असेंबली में मैं जिस विकिरण स्वास्थ्य भौतिक विज्ञानी से मिला, उसने कभी नहीं सोचा था कि उसे अपने मृत मित्र से फोन आएगा। जैसा कि उन्होंने समझाया, हम भविष्य में उभरने वाली नई आईसीटी प्रौद्योगिकियों पर आश्चर्यचकित हो सकते हैं। मेरे लिए यह दिलचस्प है कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्राप्त आत्मा संदेश अधिकाधिक सिद्ध होते प्रतीत होते हैं

Machine Translated by Google

इको बोडीन, जूडी गुडमैन, माइकल तमुरा और अहतुन रे के अनुभव।

निष्कर्ष

आत्मा जगत के इन विवरणों की एक सामान्य विशेषता यह है कि इनमें चेतना के स्तर के आधार पर भिन्नताएँ होती हैं।

जितना अधिक हम खुद को और दूसरों को समझकर, दूसरों के प्रति करुणा व्यक्त करके खुद को विकसित कर सकते हैं, हम अपने साथ पैदा होने वाली अद्वितीय प्रतिभाओं और ऊर्जाओं को विकसित कर सकते हैं, ध्यान के माध्यम से अपनी मानसिक क्षमताओं और अंतर्ज्ञान को बढ़ा सकते हैं, उतना ही हम आध्यात्मिक क्षेत्र में भगवान के करीब हो जाते हैं। .

जूडी का वर्णन है कि उच्चतम क्षेत्रों में, हम प्रकृति और समयसीमा के विभिन्न आयामों से अवगत हो सकते हैं, और हम जो चाहें अनुभव कर सकते हैं। इको बताता है कि उच्चतम क्षेत्र सच्चे अर्थों में अंतिम विश्राम अवधि का प्रतिनिधित्व करते हैं। आईटीसी रिसर्च, आध्यात्मिक दुनिया पर जानकारी का एक अलग और स्वतंत्र स्रोत, इको और जूडी के अनुभवों के अनुरूप आध्यात्मिक आयामों का अवलोकन प्रदान करता है। अहतुन रे बताते हैं कि कैसे वह ईश्वर के साथ एक हो गए, अपनी वैयक्तिकता की भावना खो दी, और तब तक अपनी चेतना में कदम रखा जब तक कि उन्हें एक अलग आत्म की अनुभूति प्राप्त नहीं हो गई। अहतुन रे ने अपने अनुभव को "हल्का परमानंद" बताया। चेतना की यह अवस्था, अस्तित्व का यह स्तर, हमारी यात्रा के फल का प्रतिनिधित्व करता है, पृथ्वी पर हमारे सभी जीवन काल का प्रतिनिधित्व करता है।

Machine Translated by Google
Machine Translated by Google

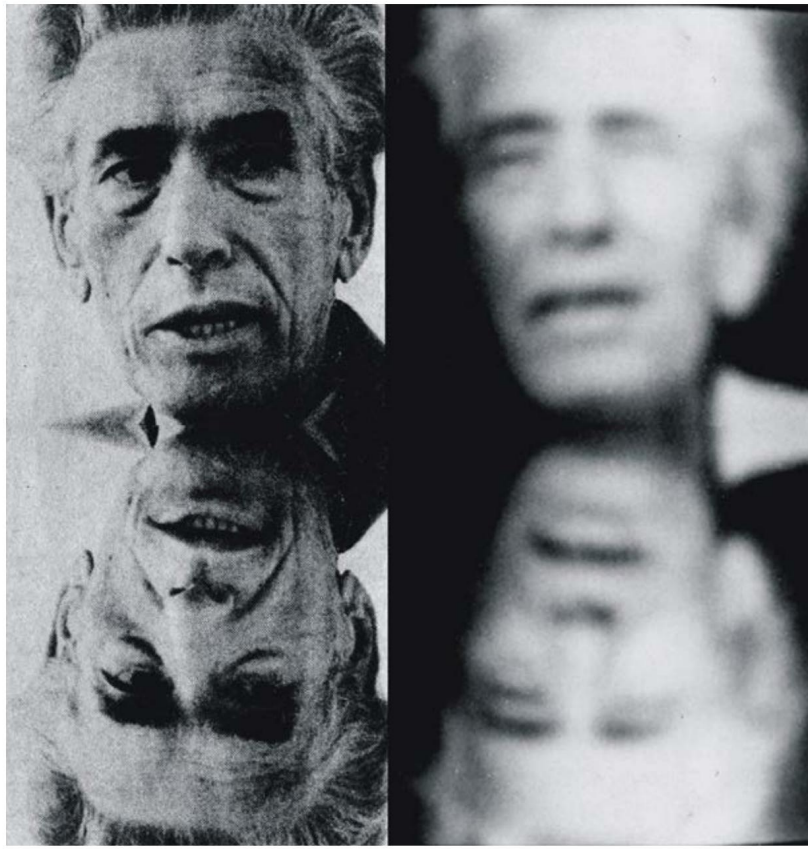

फ्रेडरिक जुर्गेंसन अपने जीवन के दौरान

फ्रेडरिक जुर्गेंसन ने टेलीविजन मॉनीटर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

Machine Translated by Google

35

पिछले जीवन का फ्लैशबैक,
होलोग्राम और आत्माएं, भूत और मिश्रित ब्रह्मांड

पर पुनर्जन्म साहित्य में आम तौर पर यही लिखा जाता है और है भी
अहतुन रे इस बात से सहमत हैं कि किसी व्यक्ति के मरने के बाद, वह व्यक्ति उस समय
के फ्लैशबैक से गुजरता है जब उसका जीवन समाप्त हो चुका होता है।
न केवल हम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को उसी रूप में देखते हैं जैसे हम उन्हें याद करते हैं, बल्कि इसके अलावा, हम उन दृश्यों को दूसरे दृष्टिकोण से भी देख सकते हैं। हम उस खुशी या दुःख का अनुभव करते हैं जो हमने दूसरों के दिलों में पैदा किया है। अल्बर्ट ब्रूक्स और शर्ली मैकलेन अभिनीत फिल्म डिफेंडिंग योर लाइफ में जीवन का एक हास्यप्रद फ्लैशबैक पाया जा सकता है।

अहतुन रे ने कहा है कि आत्मा की दुनिया में, हम पीछे मुड़कर देख सकते हैं
हमारे सभी पिछले जन्मों पर, न कि केवल सबसे हालिया अवतार पर।
इसके अलावा, अहतुन रे ने बताया कि हम अपने अतीत के व्यक्तित्वों से भी मिल सकते हैं और उन अतीत के व्यक्तित्वों के साथ बातचीत कर सकते हैं। इससे पता चलता है कि मृत्यु होने पर पिछले व्यक्तित्व नष्ट नहीं होते हैं, बल्कि ये पहचान आत्मा में संग्रहीत हो जाती हैं।

इस संग्रहीत व्यक्तित्व का एक उदाहरण केविन द्वारा मुझे बताई गई एक कहानी में है।
भविष्यवाणी के एक सार्वजनिक प्रदर्शन में, केविन के आध्यात्मिक मार्गदर्शकों में से एक,
आयरिशमैन टॉम मैकफरसन, अटलांटिस की पौराणिक सभ्यता के बारे में दर्शकों के एक सवाल
का जवाब दे रहे हैं। टॉम ने अपना उत्तर सरल और सीधे तरीके से दिया, लेकिन दर्शकों को लगा
कि उत्तर पर्याप्त विस्तृत नहीं था।

Machine Translated by Google

फिर टॉम ने प्रश्नकर्ता से एक क्षण रुकने के लिए कहा, तभी एक और प्राणी प्रकट हुआ और प्रश्न का उत्तर दिया। एक अन्य स्पिरिट गाइड ने केविन के माध्यम से बोलना शुरू किया, भारी आयरिश लहजे में नहीं, बल्कि अधिक विस्तृत स्पष्टीकरण के साथ सवालों के जवाब दिए जिससे प्रश्नकर्ता संतुष्ट हो गया। इसके बाद टॉम मैकफर्सन दोबारा सामने आए और पूछा कि क्या प्रश्नकर्ता उत्तर से संतुष्ट है।

टॉम फिर टिप्पणी करता है कि जो व्यक्ति अभी बोल रहा है वह उसका पिछला व्यक्तित्व है, जिसका अर्थ है अटलांटिस में रहने वाले टॉम मैकफरसन का पिछला अवतार।

एक और दिलचस्प बात के रूप में, अपनी पुस्तक, स्पिरिट कम्युनिकेशन में, केविन बताते हैं कि जब टॉम मैकफर्सन का पुनर्जन्म हुआ था और वह अभी भी विलियम शेक्सपियर के इंग्लैंड में जीवित थे, तब केविन खुद एक अदालत में जिला न्यायाधीश थे।

मैकफ़रसन ने आंशिक रूप से एक जेबकतरे के रूप में जीवनयापन किया, और कभी-कभी केविन के सामने मुकदमा चलाया जाता था। उस दौरान एक रिश्ता बना जिसके परिणामस्वरूप मैकफरसन वर्तमान में केविन की मार्गदर्शक भावना के रूप में काम कर रहा है। केविन ने बताया कि जिन लोगों को हम पिछले अवतारों में जानते हैं वे पुनर्जन्म नहीं होने पर हमारे लिए मार्गदर्शक आत्मा बन जाएंगे। इसी प्रकार, हममें से जो अब भौतिक रूप में पुनर्जन्म ले चुके हैं, वे एक दिन शरीर छोड़ने और पुनर्जन्म लेने के बाद हमारी वर्तमान मार्गदर्शक आत्माओं के मार्गदर्शक बन जाएंगे।

एक और उदाहरण जो दिखाता है कि अतीत के अवतारी आंकड़े आत्मा में कैसे संग्रहीत होते हैं, किम एडम्स का मामला है, जो आयोवा में एक सामुदायिक समाचार पत्र के प्रकाशक हैं। किम अप्रत्याशित रूप से पिछले जीवन के साथ-साथ मध्यम क्षमता की घटना की जांच में शामिल हो जाता है। उन्होंने मुझे बताया कि उनकी पूरी जिंदगी गाड़ी चलाते समय खुद से गाने की आदत रही है। 2005 में एक दिन, गाड़ी चलाते और गुनगुनाते समय, किम को एहसास हुआ कि वह एक गाना गा रहा था जिसे वह समझ नहीं पा रहा था। यह अमेरिकी भारतीय भाषा की तरह लग रहा था, हालांकि वह निश्चित नहीं था। काफ़ी समय बाद किम ने अन्य भाषाएँ बोलना शुरू कर दिया जो उसे भी समझ में नहीं आती थीं। जैसा कि ए में चर्चा की गई है

Machine Translated by Google

पिछले अध्याय में, किसी ऐसी भाषा को बोलने की घटना जिसे किसी ने अभी तक नहीं सीखा है, ज़ेनोग्लॉसी कहलाती है, और ऐसा माना जाता है कि यह पिछले अवतारों से उत्पन्न होती है।

मैंने किम को घटनाओं की एक श्रृंखला साझा करने के लिए आमंत्रित किया जिससे उसे इसकी अनुमति मिली ज़ेनोग्लॉसी घटना के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करें जिसे उसने अनुभव किया और उसे भ्रमित किया। इन उद्धरणों में, किम अपने प्रिय प्रेमी डी लोचर का उल्लेख करती है।

एक दिन, हम आयोवा में सीडर रैपिड्स में कनाडाई मनोवैज्ञानिक मर्लिन रॉसनर की एक प्रस्तुति में थे।

डी से अनजान, मैं उसकी प्रस्तुति के बाद मर्लिन के पास गया और उसे भाषाओं के बारे में बताया, और उससे सलाह मांगी। उन्होंने कहा, "अगली बार जब वे शब्द आएं, तो एक कलम और कागज ले आएं और देखें कि क्या आप उनका अनुवाद कर सकते हैं।"

डी और मैं सीडर रैपिड्स से घर वापस जा रहे थे, जब ये शब्द अनायास आए, और चूंकि मैं गाड़ी चला रहा था, इसलिए मैंने डी को एक पेन और कागज का एक टुकड़ा दिया। अचानक उसे तुरंत समझ आने लगा. उन्होंने सभी अनुवाद लिखे (अब हमारे पास इस अनुवाद के लगभग 400 पृष्ठ हैं)। उस दिन, मैंने कई भाषाएँ बोलीं।

डी सब कुछ समझती है।

अक्सर, डी अपने पहले शब्दों का अर्थ खो देती है जैसे ही वह उभरती है "नई" भाषा, लेकिन वह जल्द ही आवृत्ति के साथ तालमेल बिठाने में सक्षम हो जाएगी और अनुवाद जल्द ही धाराप्रवाह सामने आएंगे। केवल कुछ ही बार ऐसे मौके आए जब उन्हें वास्तव में कोई भाषा समझ में नहीं आई। एकमात्र विदेशी भाषा जो मैं जानता हूं वह जर्मन है, और मैंने इसे एक सत्र में तुरंत पहचान लिया। हम अपनी श्रव्य आवाजों जैसे लैटिन, फ्रेंच और क्रोएशियाई या उनके जैसी भाषाओं में बोले गए शब्दों को सुनते हैं।

अक्सर डी (और कभी-कभी मैं भी) भाषा बोलते समय क्या हो रहा है इसकी छवियां देखूंगा। डी कहेगा, "वह तस्वीरें दिखा रहा है..." इत्यादि। एक दिन, जब डी और मैं एक सिम्फनी कॉन्सर्ट में थे, एक भाषा सामने आई

Machine Translated by Google

महान ऊर्जा के साथ. यह वायलिन वादक ही था जिसने बोला, और मेरे कानों के माध्यम से एक और सिम्फनी "सुनना" खुशी की बात थी। ऐसा लगता है कि वह चेकोस्लोवाकियाई बोलता है, हालाँकि न तो डी और न ही मैं निश्चित रूप से जानता हूँ।

पहले दिन उभरी भाषाओं में से एक अमेरिकन इंडियन थी। हमें यह तब तक नहीं पता था जब तक बोलने वाले व्यक्ति का नाम "ग्रे ईगल" नहीं था, एक मूल अमेरिकी जो स्पष्ट रूप से दक्षिणी ओरेगन में 1800 के दशक के मध्य में रहता था। वह मेरे होने का दावा करता है, और दावा करता है कि मैं वह हूं। ग्रे ईगल भाषाओं के साथ हमारा प्राथमिक संपर्क है। वह हमेशा मेरे साथ रहता था, भले ही वह एक तरफ हट जाता था ताकि बाकी लोग भी बात कर सकें।

कुछ भाषाओं का कोई सांसारिक आधार भी नहीं है, और इस मानव शरीर के साथ उनका उच्चारण करना बेहद कठिन है। यह पूरा अनुभव अद्भुत था, लेकिन डी और मैंने इसे हल्के में लिया। हम दोनों दृढ़ता से महसूस करते हैं कि ये भाषाएँ हमारे भविष्य और शायद ग्रह के भविष्य के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। यह हमारे आध्यात्मिक पथ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए हम इसके साथ चलते हैं।

हम लगभग आठ अन्य लोगों से मिले हैं, जो अनुभव करने के बाद
मेरी भाषाओं ने पहली बार खुद को उन भाषाओं में सार्वजनिक रूप से बोलने की अनुमति देना शुरू किया जो वे नहीं जानते थे। हर बार, डी हमेशा अनुवाद करने में सक्षम होता था। हमारे यहां दो लोग भी हैं, एक आयोवा में और एक ओरेगॉन में, जो कभी मिले ही नहीं, एक ही भाषा बोलते हैं!

डी को "सभी प्रतिभाओं" के रूप में वर्णित किया गया है
माध्यम हो सकता है, इसलिए मुझे आश्चर्य नहीं है कि वह उन भाषाओं का अनुवाद कर सकती है जिन्हें वह नहीं जानती। यह ऊर्जा में प्रवाहित होता है, या भाषा के कंपन में लयबद्ध हो जाता है, और तुरंत अर्थ स्पष्ट रूप से इसके माध्यम से आता है।

ग्रे ईगल ने कहा कि वह 1850 के दशक के मध्य में ओरेगॉन में उसकी पत्नी थी, और डी ने "देखा" था

Machine Translated by Google

ग्रे ईगल समय-समय पर, और उस जीवनकाल की घटनाओं को याद करता है। वह अक्सर डी को अतिरिक्त दृश्य संकेत "दिखाता" है जिससे हमें यह समझने में मदद मिलती है कि वह हमसे क्या संचार कर रहा है।

चूंकि ग्रे ईगल किम के माध्यम से बोलने वाला प्राथमिक आध्यात्मिक प्राणी प्रतीत होता है, इसलिए डी और किम यह पता लगाने के लिए दृढ़ हैं कि वह कौन सी भारतीय भाषा बोल रहा है।

विभिन्न स्रोतों और भारतीय जनजातियों से संपर्क करने के बाद, उन्हें दक्षिणी ओरेगन में लाटगावा जनजाति के वर्तमान प्रमुख जॉन न्यूकिर्क के पास भेजा गया। श्री न्यूकिर्क यह सत्यापित करने में सक्षम थे कि किम लाटगावा आदिवासी भाषा बोलते थे। उन्हें पता चला कि लाटगावा जनजाति में एक समय लगभग 400 आदिवासी शामिल थे, हालांकि समय के साथ यह संख्या कम हो गई है। किम और डी ने श्रीमान से पूछा।

न्यूकिर्क को भारतीय भाषा से लिखित उद्धरणों का अनुवाद करने के लिए कहा गया जिसे किम ने बोला और डी को रिकॉर्ड किया। उन्होंने पाया कि न्यूकिर्क ने उद्धरणों का बिल्कुल वैसा ही अनुवाद किया जैसा डी ने अनुवाद किया था, भले ही डी ने, जैसा कि हमने दिखाया है, लाटगावा का कभी अध्ययन नहीं किया।

केविन रायर्सन के साथ सत्र में, अहतुन रे ने सत्यापित किया कि ग्रे ईगल किम एडम्स का एक पिछला अवतार था और डी वास्तव में शाइनिंग मून नाम की लाटगावा भारतीय महिला ग्रे ईगल की पत्नी थी। मैंने पूछा कि किम लाटगावा भाषा क्यों नहीं समझ पाता जबकि डी समझ सकता था।

अहतुन रे ने उत्तर दिया कि किम के लिए, यह स्मृति अवरोध का मामला है, जबकि डी के पास लाटगावा की आंतरिक स्मृति के साथ-साथ अन्य भाषाओं को समझने की मानसिक प्रतिभा है जो उसने अपने वर्तमान अवतार में नहीं सीखी है।

किम और डी की कहानी का आश्चर्यजनक पहलू यह है कि यह एक बार फिर दिखाती है कि पिछले जीवन के व्यक्तित्व एक व्यक्ति की आत्मा में रहते हैं, जैसा कि टॉम मैकफर्सन और अटलांटिस से उत्पन्न उनके पिछले व्यक्तित्व के बारे में एक किस्से में भी दिखाया गया है।

मैंने अहतुन रे से पूछा कि वह कौन सा तंत्र है जो पिछले जीवन के व्यक्तित्वों को अनुमति देता है

Machine Translated by Google

आत्मा में विद्यमान रहना। अहतुन रे ने मुझे आत्मा को एक कंटेनर के रूप में सोचने के लिए प्रोत्साहित किया जिसमें होलोग्राफिक होलोग्राम या पिछले जन्मों की होलोग्राफिक यादें होती हैं, और पिछले जीवन के व्यक्तित्वों को याद किया जा सकता है और त्रि-आयामी छवियों के रूप में पेश किया जा सकता है।

केविन और उनके गुरुओं ने पिछले जन्मों को आत्मा का बचपन कहा है।

जिस तरह हम बचपन की यादें याद कर सकते हैं, उसी तरह आत्मा भी पिछले जीवन के व्यक्तित्वों को चुन सकती है और प्रोजेक्ट कर सकती है। कल्पना कीजिए कि आप अपने बचपन की एक होलोग्राफिक छवि पेश कर सकते हैं, एक ऐसी छवि जिसके साथ आप बातचीत कर सकते हैं। यही तो आत्मा कर सकती है.

एक ऊर्जा शरीर के रूप में आत्मा की अवधारणा जो होलोग्राम प्रोजेक्ट कर सकती है, का उपयोग यह समझने के लिए भी किया जा सकता है कि विभाजित पुनर्जन्म कैसे काम करता है। यह एक घटना है, जिसे समानांतर अस्तित्व भी कहा जाता है, जिसमें एक आत्मा एक ही समय में एक से अधिक शरीरों में निवास करती है।

कल्पना करें कि आत्मा एक समय में एक से अधिक भौतिक शरीरों में अपना एक होलोग्राम, अपनी ऊर्जा का एक प्रिंट प्रक्षेपित करती है। प्रत्येक गोलार्ध आत्मा के समान गुण या ऊर्जा उत्सर्जित करेगा।

मृत्यु के बाद, प्रत्येक अलगाव का अनुभव हमेशा के लिए आत्मा में संग्रहीत हो जाता है और होलोग्राफिक यादों या छवियों के रूप में याद किया जा सकता है।

होलोग्राम मॉडल का उपयोग करके, हम अलग-अलग लोगों द्वारा अलग-अलग स्थानों और समय पर एक ही व्यक्ति को अनुभव करने की घटना को भी समझ सकते हैं। याद रखें, इको बोडिन के आध्यात्मिक क्षेत्र के वर्णन में, उन्होंने पूछा था कि क्या फिल्म सितारों के लिए कोई समुदाय है। जो देवदूत उसे स्वर्ग की सैर पर ले गया उसने उसे बताया कि ऐसा एक समुदाय अस्तित्व में है। अहतुन रे ने संकेत दिया है कि आध्यात्मिक क्षेत्र में, हम न केवल फिल्मी सितारों से मिल सकते हैं और बातचीत कर सकते हैं, बल्कि किसी भी ऐतिहासिक शख्सियत से भी मिल सकते हैं, जिसमें हमारी रुचि है।

ऐसा कैसे हो सकता है?

आइए चार्ली चैपलिन का उदाहरण लें। चैपलिन की आत्मा

Machine Translated by Google

आध्यात्मिक दुनिया में खुद का एक इंटरैक्टिव होलोग्राम प्रोजेक्ट कर सकता है, जो इको और अन्य प्रशंसकों के साथ बातचीत कर सकता है, साथ ही एक शरीर को हिलाते हुए, पृथ्वी आयाम पर खुद का एक होलोग्राम प्रोजेक्ट करने में सक्षम हो सकता है। इसका मतलब है, चैपलिन की आत्मा पृथ्वी पर अवतार लेने और भौतिक आयाम में विकास जारी रखने के साथ-साथ आध्यात्मिक दुनिया में आगंतुकों का मनोरंजन कर सकती है। ये सभी अभिव्यक्तियाँ वास्तव में चार्ली चैपलिन की आत्मा का प्रतिनिधित्व करती हैं, लेकिन विभिन्न रूपों में।

भूत की घटना को सोल होलोग्राम होलोग्राम से भी समझाया जा सकता है। क्लासिक भूत कहानियों में एक आत्मा अपने शरीर से निकलकर एक घर में घूमती है, जो अक्सर एक ही गतिविधि को बार-बार दोहराती है जैसे फर्श पर जंजीरों को खींचना, सीढ़ियाँ चढ़ना, पुलों पर कूदना, एक जगह पर घोड़ों की सवारी करना, गिरना, मरना, जहाँ उनके पिछले अवतार में व्यक्ति को फेंक दिया गया था। और इसी तरह। ऐसी आवर्ती अभिव्यक्तियों को हम आत्मा के जुनून या आग्रह के रूप में समझ सकते हैं। जुनून दोहराए जाने वाले, दखल देने वाले विचार हैं, जैसे "क्या मैंने दरवाज़ा बंद कर दिया?"

मजबूरियाँ दोहराई जाने वाली क्रियाएं हैं, जैसे संक्रमण होने या बीमारी होने के डर से बार-बार हाथ धोना।

यदि किसी आत्मा को उस घर के बारे में बार-बार विचार आते हैं जिसकी वह इच्छा रखती है या जिस तरह से जीवन समाप्त होता है, तो वह अपने जुनून के भौतिक दृश्य में, बाध्यकारी तरीके से, बार-बार अपना एक होलोग्राफिक प्रक्षेपण भेज सकती है।

आत्माओं, या भूतों के इन होलोग्राफिक प्रक्षेपणों को मनुष्यों द्वारा देखा या सुना जा सकता है जो उन्हें देखने के लिए पर्याप्त संवेदनशील हैं। जो लोग इको बोडीन जैसे "ओझा" के रूप में कार्य करते हैं, वे इन आत्माओं के लिए मनोचिकित्सक के रूप में काम करते हैं, और उनके जुनून को सुलझाने में मदद करते हैं।

आत्मा के होलोग्राम बनाने में सक्षम होने की अवधारणा
इसका उपयोग विभिन्न ब्रह्मांडों में अस्तित्व का वर्णन करने के लिए भी किया जा सकता है। अहतुन रे संकेत देता है कि आध्यात्मिक दुनिया के पांच स्तरों के भीतर जो सात से परे है

Machine Translated by Google

एक ऐसा स्तर जिसे अधिकांश मनुष्य समझ सकते हैं, विभिन्न अन्य ब्रह्मांड भी मौजूद थे। अन्य ब्रह्माण्डों में, अहतुन रे का कहना है कि प्रकाश के शहर हैं, जिनमें से एक को शम्बाला कहा जाता है।

अहतुन रे से पता चलता है कि आध्यात्मिक प्राणी विकसित हुए हैं
हमारे ब्रह्मांड से पहले के क्षेत्र, हमारे बिग बैंग युग से पहले, 14 अरब साल पहले अस्तित्व में थे, आध्यात्मिक क्षेत्रों के इन पांच अतिरिक्त स्तरों में रहते थे। अहतुन रे बताते हैं कि एक विकसित आत्मा इन उच्च आयामों में से एक में प्रकाश के शहर पर अपना होलोग्राम प्रोजेक्ट कर सकती है, लेकिन मानव अवतार में खुद को स्थूल भौतिक क्षेत्र पर भी प्रोजेक्ट कर सकती है। वास्तव में, इतिहास के कई महान आध्यात्मिक गुरु ये ही विकसित प्राणी थे।

हममें से अधिकांश के लिए, आत्मा कहीं अधिक जटिल और शक्तिशाली है
जिसे हम तब समझ सकते हैं जब हमारी चेतना मानव शरीर के भौतिक आयाम में बंद हो जाती है। हालाँकि, अधिक जानकारी सामने आ रही है, जैसा कि किम एडम्स और डी लोचर के मामलों में है। मैं अपनी कहानियाँ साझा करने और आत्माओं के विकसित होते विज्ञान में योगदान देने के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूँ। जैसे-जैसे अधिक से अधिक ऐसी जानकारी साझा की जाएगी, आत्मा का विज्ञान आगे बढ़ेगा।

पुनर्जन्म, मानव विकास और आत्मा से संबंधित जानकारी एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने के लिए IISIS नामक एक संगठन, विज्ञान, अंतर्ज्ञान और आत्मा के एकीकरण संस्थान की स्थापना की गई है। आशा है कि ऐसी सूचनाओं के एकत्र होने से मानव विकास तेजी से विकसित होगा।

Machine Translated by Google

36

समय, स्थान और इंद्रियों की प्रकृति

भौतिक क्षेत्र में, हम अनुभव करते हैं और समय से बंधे हैं। इस दुनिया में
आत्मा, अहतुन रे और कई आध्यात्मिक गुरुओं के अनुसार, समय की कोई धारणा नहीं है, हालांकि अंतरिक्ष की धारणा है।

अहतुन रे ने वर्णन किया है कि कैसे उन्होंने एक होलोग्राफिक मिस्र का मंदिर बनाया जहां केविन रायर्सन के ग्राहकों सहित जीव उनसे मिलने आते थे। अहतुन रे ने वर्णन किया है कि जब प्राणी उसके दायरे में प्रवेश करते हैं, तो वे प्रकाश की दीवार से निकलेंगे, उनके अनुरूप कपड़े पहनेंगे और उनके मंदिर की सेटिंग में उनके साथ बातचीत करेंगे।

टॉम मैकफर्सन एक अन्य आध्यात्मिक मार्गदर्शक हैं जो केविन के साथ काम करते हैं और उन्हें जीवन के उस दौर से गहरा लगाव है जब वह शेक्सपियर के समय में एक जेबकतरे और अंशकालिक आयरिश अभिनेता थे।

टॉम को अपने आध्यात्मिक क्षेत्र में एक आयरिश सराय की सेटिंग को फिर से बनाना पसंद है। अपनी दुकान में, वह उन लोगों से मिलता है जिनसे वह सलाह लेता है और बातचीत करता है।

लोग अपनी शराबखानों में जैसा उचित समझते थे वैसे ही कपड़े पहनते थे, कुछ महिलाएँ शॉर्ट-कट पोशाकें भी पहनती थीं जो उनके ब्रिटिश जीवन के दौरान लोकप्रिय थीं। मैकफ़र्सन का कहना है कि आध्यात्मिक दुनिया में, भौतिक वास्तविकता को कुछ हद तक पृथ्वी पर हमारी भौतिक वास्तविकता की तरह ही बनाया जा सकता है।

मैंने अहतुन रे से स्वाद और गंध जैसी इंद्रियों के बारे में पूछा, और विशेष रूप से, क्या पिज्जा आत्मा क्षेत्र में उपलब्ध है।

अहतुन रे का कहना है कि इंद्रियाँ स्मृति पर आधारित कार्य हैं और उन्हें आध्यात्मिक क्षेत्र में भी पुनर्निर्मित किया जा सकता है, हालाँकि ऐसा लगता है कि ऐसा करने के लिए आत्मा के विकास की निश्चित प्राप्ति की आवश्यकता होती है। यदि आत्मा कर सकती है

Machine Translated by Google

मिस्र के मंदिर या आयरिश शराबखाने का होलोग्राम पेश करने से यह समझ में आता है कि एक पिज़्ज़ेरिया बनाया जा सकता है।

आत्माएँ स्वयं से बाहर भी संवेदनाओं का अनुभव कर सकती हैं
मनुष्यों के माध्यम से, माध्यम के संपर्क के माध्यम से।
भाई इको बोडिन के बारे में कहानी याद करें, जिसमें मार्गदर्शक आत्मा ने अपने भाई के हाथ से ड्रम बजाया था। किम एडम्स ने साझा किया कि एक मृत संगीतकार ने किम के कानों के माध्यम से एक सिम्फनी सुनकर बहुत खुशी व्यक्त की। केविन यह भी कहते हैं कि बीयर प्राचीन मिस्र में लोकप्रिय थी, और अहतुन रे केविन की स्वाद कलिकाओं के माध्यम से आधुनिक शराब का आनंद लेते हैं।

पिछले जीवन प्रतिगमन चिकित्सा के क्षेत्र में, यह परिकल्पित है
जिन लोगों को व्यसन होता है उनमें आत्माएं अस्वस्थ तरीके से प्रभावित हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, एक आत्मा जो पिछले अवतार में शराब की आदी थी, वह खुद को एक जीवित इंसान से जोड़ने में सक्षम हो सकती है और शारीरिक रूप से शराब के दुरुपयोग को प्रोत्साहित कर सकती है। तो हम यहां देखते हैं कि माध्यम की क्षमताओं का उपयोग लाभकारी तरीकों से किया जा सकता है, जैसे कि केविन रायर्सन के मामले में मानवता की सेवा के रूप में, या अस्वास्थ्यकर तरीकों से, जैसे कि अस्वास्थ्यकर लगाव में।

जैसा कि समझाया गया है, आत्मा की दुनिया में समय का कोई एहसास नहीं है।
इसके अलावा, एक आत्मा अपनी इच्छानुसार अपने पिछले अवतारों को प्रतिबिंबित कर सकती है, जैसे कि यह वर्तमान में हो रहा हो, जैसे हम डीवीडी पर एक पसंदीदा फिल्म देख सकते हैं और उसका आनंद ले सकते हैं, भले ही वह कब बनी हो।

पिछले जन्मों को उतनी ही जीवंतता से अनुभव किया जा सकता है, जितनी तब थी, जैसे डीसीडी एक फिल्म को बार-बार जीवंतता से चलाता है।

दूसरी ओर, भौतिक क्षेत्र में समय है। एक दृष्टिकोण जो आध्यात्मिक समूहों में लोकप्रिय हो रहा है वह यह है कि भविष्य के जीवन सहित सभी जीवन घटित हुए हैं और ये सभी जीवन एक साथ घटित होते हैं। क्योंकि

Machine Translated by Google

इन दावों की लोकप्रियता और यह तथ्य कि इन बयानों का मेरे लिए कोई मतलब नहीं है, मैंने अहतुन रे से इस मामले के बारे में कई बार पूछा है।

अहतुन रे ने भी कई बार उत्तर दिया है कि भविष्य अभी तक नहीं हुआ है और उसके कारण, भविष्य का जीवन अभी तक नहीं हुआ है। हालाँकि आत्मा पिछले जन्मों को प्रतिबिंबित कर सकती है जो भौतिक क्षेत्र की समयरेखा के भीतर घटित हुए हैं, यह उन जीवनजन्मों का अनुभव नहीं कर सकती जो उसी समयरेखा में घटित नहीं हुए हैं।

अहतुन रे बताते हैं कि जब लोग ऐसा अनुभव करते हैं जिसे वे भावी जीवन मानते हैं, तो वे भविष्य की संभावनाओं का अनुभव कर रहे होते हैं। यह पूरी तरह से एक शेड्यूल बनाकर, आपके वर्तमान अवतार में, भौतिक दुनिया में भविष्य की गतिविधियों की योजना बनाने जैसा ही है। जब तक आप अपने द्वारा बनाई गई योजनाओं का पालन करते हैं, आप अनुमान लगा सकते हैं कि आप भविष्य में कहां होंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि जब आप योजनाएँ बनाते हैं तो भविष्य पहले ही घटित हो चुका होता है

योजना।

इसी तरह, अगर हम छह महीने की छुट्टियों की योजना बना सकते हैं आज से, अन्य महाद्वीपों के लिए उड़ान भरने के लिए टिकट खरीदें और दूर देशों में होटल के कमरे बुक करें, उसी तरह, एक आत्मा अपने भविष्य के जीवन की योजना बना सकती है, चीजों के क्रम की कल्पना कर सकती है। और जगह. वास्तव में, जटिल यात्रा कार्यक्रम और कई बैठक बिंदुओं के साथ, आत्मा समूह क्षेत्र के कई व्यक्ति एक साथ अवतार की योजना बनाते हैं। हालाँकि, छुट्टियों या जीवन भर की योजना बनाना यह घोषित करने से अलग है कि उनमें से एक पहले ही हो चुका है।

आत्मा की धारण करने की क्षमता के बारे में आश्चर्यजनक बातों में से एक अतीत के व्यक्तित्वों का एक होलोग्राम यह है कि आध्यात्मिक दुनिया में प्रवेश करने के बाद वे आपके साथ बातचीत कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, मृत्यु के बाद पिछले जीवन के फ्लैशबैक में, यदि आप पिछले जीवन की किसी आकृति के साथ बातचीत करते हैं, तो वह आकृति आपको अतीत में उसके अवतार के रूप में अनुभव करेगी।

Machine Translated by Google

भविष्य। हालाँकि, यह एक ऐसी घटना थी जो आध्यात्मिक क्षेत्र में प्रचलित थी, इसलिए इसने भौतिक दुनिया में समयरेखा के अस्तित्व का उल्लंघन नहीं किया।

अहतुन रे का आश्वासन कि भविष्य अभी बनना बाकी है, मेरे लिए आरामदायक है, क्योंकि इसका मतलब है कि हमारे जीवन, साथ ही हमारे द्वारा लिए गए निर्णय और विकल्प का अर्थ है। यह हम ही हैं जो भौतिक क्षेत्र में अपने कार्यों से भविष्य का निर्माण करते हैं।

Machine Translated by Google

37

जादुई बच्चे: पिकासो, रूबेन्स, बीथोवेन, और माइकलएंजेलो पुनर्जन्म

पुनर्जन्म के बारे में सबसे दिलचस्प भागों में से एक हैं: पुनर्जन्म बाल विलक्षणताओं की घटना के लिए एक बहुत ही सरल और तार्किक व्याख्या प्रदान करता है। यदि हम उस मॉडल पर लौटते हैं जिसमें आत्मा स्वयं का एक होलोग्राम भौतिक रूप में प्रक्षेपित करने में सक्षम है, तो हम कल्पना कर सकते हैं कि कैसे एक आत्मा, पिछले अवतारों के ज्ञान और प्रतिभाओं को धारण करते हुए, इस प्रतिभा को शरीर पर प्रक्षेपित कर सकती है, डाउनलोड कर सकती है। एक बच्चे का.

आइए एलेक्जेंड्रा नेचिता के मामले पर विचार करें, जो रही हैं पाब्लो पिकासो के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया। एलेक्जेंड्रा को बचपन से ही कला कृतियाँ बनाने का शौक रहा है, भले ही उसे अपने माता-पिता या अपने परिवेश से कला बनाने की दिशा नहीं मिली। दरअसल, उसके माता-पिता इस बात से थोड़े चिंतित थे कि एलेक्जेंड्रा अन्य बच्चों के साथ खेलने, या अन्य काम करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रही थी जो आमतौर पर छोटे बच्चे करते हैं। चार साल की उम्र में, उन्होंने दो चेहरों और चार आँखों वाली आकृतियाँ बनाना शुरू कर दिया, जिसमें लोगों को घन जैसे पैटर्न में दर्शाया गया था। पिकासो ने क्यूबिज़्म की स्थापना में योगदान दिया था और आठ साल की उम्र में, क्यूबिज़्म की शैली में पूरी तरह से महारत हासिल करने के बाद, एलेक्जेंड्रा को "लिटिल पिकासो" के नाम से जाना जाता था। उन्होंने विभिन्न प्रकार के मीडिया में काम किया, पिकासो जैसी पेंटिंग और यहां तक कि पिकासो जैसी विशाल मूर्तियां भी बनाईं।

एक अन्य प्रतिभाशाली बालक, कलाकार अकाइन क्रामारिक ने चार साल की उम्र में अनायास ही पेंटिंग करने की क्षमता विकसित कर ली

Machine Translated by Google

एक अनुभव होने के बाद जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें स्वर्ग ले जाया गया था। अनुभव विवरण इको बोडीन अनुभव के समान है। 1994 में एक नास्तिक परिवार में जन्मी अकाइन ने स्वयं कला सीखी थी और उन्होंने साझा किया है कि "भगवान मेरे शिक्षक हैं"।

उनके दर्शन ने उनके परिवार में आध्यात्मिकता ला दी है और उनकी पेंटिंग्स $50,000 से $1,000,000 तक बिकती हैं। अकैने ने कविता भी रची। जैसा कि उसकी वेबसाइट पर बताया गया है, जब उससे पूछा गया कि उसने लिखना कहाँ से सीखा, तो अकैने ने जवाब दिया कि ऐसा लगता है कि ये विचार "मुझमें पैदा हुए थे"। उन्होंने यह भी लिखा: "आत्मा के द्वारा मैंने अन्य जीवनों का अनुभव किया।" फिर से, एक मॉडल की कल्पना करें जिसमें अकाइन की आत्मा खुद का एक होलोग्राम प्रोजेक्ट करती है, जानकारी को युवा अकाइन के दिमाग में डाउनलोड या स्ट्रीम करती है।

हालाँकि मैं कोई मानसिक रोगी नहीं हूँ, फिर भी मैं कभी-कभी अंतर्ज्ञान के माध्यम से पिछले जीवन की सटीक पहचान की जानकारी प्राप्त कर लेता हूँ। मैं हमेशा अहतुन रे के साथ इस तरह से मिलने वाली जानकारी की जांच करता हूं। जब मैंने पहली बार अकाइन की कला में रंग देखे, जो अक्सर धार्मिक प्रकृति का था, तो मुझे तुरंत एक आंतरिक संदेश का अनुभव हुआ कि वह 1577 में पैदा हुए फ्लेमिश बारोक चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स का पुनर्जन्म था। फिर मैंने देखा कि एक छवि अकाइन की स्वयं की है। यह चित्र रूबेंस के चित्र से काफी मिलता जुलता है। यहां तक कि चित्रण का वह कोण भी जिसमें दोनों स्व-चित्रों में सिर को दर्शाया गया है, समान है।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, अहतुन रे ने सहमति व्यक्त की कि अकाइन रूबेन्स का पुनर्जन्म था। चूंकि अकैने अभी भी था

इतनी छोटी उम्र में, मैंने उसके परिवार से इस पिछले जीवन की पहचान को सार्वजनिक रूप से घोषित करने की अनुमति मांगी। मैं अकैने की मां फोरेली क्रामारिक को वह आशीर्वाद देने के लिए धन्यवाद देता हूं, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुझे अपने विचार व्यक्त करने की आजादी होनी चाहिए। हालाँकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह कथन कि अकाइन रूबेन्स का पुनर्जन्म है, मेरा कथन है, न कि अकाइन का और न ही उसके परिवार का। के बारे में और अधिक जानने के लिए

Machine Translated by Google

अकाइन, आप यहां देख सकते हैं: www.artakiane.com

प्रतिभाशाली बाल संगीतकार के एक मामले में पुनर्जन्म शामिल है
लुडविग वान बीथोवेन की. डॉ. द्वारा शोध किए गए डैनियल ज़ुर्डी और सुज़ैन घनम के मामलों को याद करें। इयान स्टीवेन्सन और बॉर्न अगेन और रिटर्न ऑफ द रिवोल्यूशनरीज़ किताबों में उद्धृत, बताया गया कि व्यक्तियों का पुनर्जन्म बहुत जल्दी हो सकता है, यहां तक कि मृत्यु के एक वर्ष के भीतर भी। यह एक सामान्य सिद्धांत है कि अधिकांश आत्माएं जल्दी और बार-बार पुनर्जन्म लेती हैं, जो मेरा मानना है कि सच है।

इसका तात्पर्य यह है कि इतिहास में प्रसिद्ध लोगों का भी पुनर्जन्म हुआ है। हालाँकि उनके पास अतिरिक्त जीवन हैं, फिर भी हम उन्हें उनके क्रमिक अवतारों में नहीं पहचानते हैं।

चूँकि बीथोवेन का जन्म 1770 में हुआ था और उनकी मृत्यु 1827 में हुई थी, हम उम्मीद करते हैं कि तब और अब के बीच उनके कई अवतार हो चुके होंगे। दरअसल, मैं विचार कर रहा था कि शायद बीथोवेन भी वर्तमान में अवतरित हुए थे और मैं सोच रहा था कि उनकी पहचान कौन थी।

17 फरवरी 2008 को, मैं एक अमेरिकी टेलीविजन देख रहा था सिक्सटी मिनट्स नाम का शो, जिसमें गुस्तावो एडोल्फो डुडामेल नाम के एक युवा वेनेज़ुएला कंडक्टर के बारे में एक खंड दिखाया गया था, जिसे एक संगीत सनसनी माना जाता है। दरअसल, टेलीविज़न शो के उस सेगमेंट का शीर्षक "गुस्तावो द ग्रेट" है। जब मैंने उसका चेहरा, उसके बाल और एक कंडक्टर के रूप में उसका उत्साहित अंदाज़ देखा, तो मैंने तुरंत कहा, "वह बीथोवेन है।" कुछ सेकंड बाद, शो के रिपोर्टर ने कहा कि गुस्तावो अपने बालों को बेतहाशा नाचते हुए जिस संगीत का संचालन कर रहे थे, वह बीथोवेन द्वारा रचित था। केविन रायर्सन के साथ एक बाद के सत्र में, जो टेलीविजन शो प्रसारित होने के ठीक छह दिन बाद हुआ, मुझे खुशी हुई जब अहतुनरे ने पुष्टि की कि गुस्तावो डुडामेल वास्तव में लुडविग वान बीथोवेन का पुनर्जन्म था।

गुस्तावो का जन्म 26 जनवरी 1981 को हुआ था। जब सिक्सटी मिनट्स में उनका साक्षात्कार लिया गया, तो उन्होंने बताया कि जब वह छह साल के थे, तभी से उन्होंने कंडक्टर बनना शुरू कर दिया था। उन्होंने एक बच्चे के रूप में संगीत सीखना शुरू किया, वायलिन की शिक्षा ली और औपचारिक रूप से अध्ययन करना शुरू किया

Machine Translated by Google

1995 में 14 साल की उम्र में कंडक्टर बन गए। अगले वर्षों में, उन्होंने कंडक्टर की प्रतियोगिता जीती और 27 साल की उम्र में, वह स्वीडन के गोथेनबर्ग सिम्फनी के मुख्य कंडक्टर बन गए।

2009 में, उन्हें लॉस एंजिल्स फिलहारमोनिक का संगीत निर्देशक नामित किया गया, जो ऑर्केस्ट्रा के इतिहास में सबसे कम उम्र के निर्देशक बन गए।

2006 में, गुस्तावो ने बैले डांसर, पत्रकार और लंबे समय से प्रेमी एलोइसा माटुरेन से शादी की। मैंने गुस्तावो और एलोइसा के बीच पिछले संबंधों के बारे में पूछताछ की, और अहतुन रे ने पुष्टि की कि एलोइसा बीथोवेन के रोमांसों में से एक जोसेफिन वॉन ब्रंसविक का पुनर्जन्म था। जोसेफिन के एक चित्र में, उसके और एलोइसा के बीच एक अद्भुत समानता है।

बीथोवेन का रोमांस एकतरफा था और उन्होंने कभी शादी नहीं की। दूसरी ओर, आजकल एलोइसा और गुस्तावो की शादी खुशहाल नजर आ रही है।

बीथोवेन के जीवन का एक और दुखद पहलू तब था जब वह बहरे हो गए। 26 साल की उम्र में उन्हें टिनिटस हो गया, जो कानों में घंटियाँ बजने के लिए एक चिकित्सा शब्द है, जो उनकी सुनने की क्षमता में बाधा डालता है। 44 साल की उम्र में, बीथोवेन पूरी तरह से बहरे हो गए थे, इस स्थिति को उन्होंने 57 साल की उम्र में अपनी मृत्यु तक झेला। अपनी सुनने की अक्षमता के बावजूद, बीथोवेन ने संगीत की दुनिया के कुछ सबसे खूबसूरत गीतों की रचना जारी रखी।

एक प्रसिद्ध कहानी में उनकी मार्मिक स्थिति का वर्णन किया गया है, जब वह अपने नौवें के उद्घाटन प्रदर्शन के संचालक थे
सिम्फनी, जिसमें उनका विद्युतीकरण करने वाला ओड टू जॉय शामिल है,

बीथोवेन ने अपने प्रदर्शन के अंत में "मौन" के अलावा कुछ नहीं सुना। इसके बाद वह मुड़े और दर्शकों का सामना किया, जो जोर-जोर से तालियां बजा रहे थे। यह दृश्य देखकर लेकिन कुछ भी सुनने में असमर्थ बीथोवेन रोने लगे।

वर्तमान में, बीथोवेन की सुनने की क्षमता भी अच्छी है
एक अमर प्रेम. "गुस्तावो द ग्रेट" और एलोइसा का जीवन सुखी और सार्थक हो।

एक अन्य विलक्षण बाल मामले में बारब्रो कार्लेन शामिल है, जो

Machine Translated by Google

बचपन से ऐनी फ्रैंक होने की यादें हैं।
याद करें कि बार्ब्रो ने कम उम्र से ही लिखने की प्रतिभा दिखाई थी, और बारह साल की उम्र तक उन्होंने कविता और पद्य की एक प्रकाशित पुस्तक लिखी थी। पुस्तक का शीर्षक मैन ऑन अर्थ था और यह स्वीडिश इतिहास में कविता की सबसे अधिक बिकने वाली पुस्तक बन गई।

बारब्रो पुजारियों को चकित करते हुए टेलीविजन शो में दिखाई देता है
एक किशोर लड़की को आत्मा, मानव स्वभाव और अच्छे और बुरे के सवालों जैसे मुद्दों पर इतनी समझदारी से बात करते देखना।
ऐनी फ्रैंक ने भी इसी तरह की क्षमताओं का प्रदर्शन किया और वास्तव में, जिस कारण वह नरसंहार का प्रतीक बन गईं, वह यह है कि उनकी डायरियां बहुत अच्छी तरह से लिखी गई हैं और सार्वभौमिक विषयों को कवर करती हैं जैसे कि

मानवता की प्रकृति और क्या मनुष्य अच्छे या बुरे हैं।
इसी तरह, पाठक इस बात से आश्चर्यचकित हैं कि ऐनी, एक युवा लड़की के रूप में, नैतिक विषयों पर इतनी परिपक्वता से कैसे लिख सकती है।

यहां तक कि जब ये प्रतिभाएं जीवन में बाद में व्यक्त होती हैं, तब भी हमारे पास होती हैं
देखा कि कैसे आत्मा के पैटर्न भौतिक अवतारों में खुद को दोहराते प्रतीत होते हैं। इस पुनर्जन्म का एक उदाहरण कलाकार पॉल गाउगिन हैं। जब वह छोटा था, गौगुइन के पुनर्जन्म, पीटर टेकैम्प ने अनजाने में उन रेखाचित्रों को पुन: प्रस्तुत किया जो गौगुइन ने एक वयस्क के रूप में बनाए थे।

लॉरेल-हार्डी/बाकर बॉयज़ के मामले में, जोश और डैनी बाचर बचपन में लॉरेल और हार्डी के प्रति सहज रूप से आकर्षित थे।
युवा लोगों के रूप में, उन्होंने अपनी स्वयं की मूक फिल्म बनाकर स्टेन और ओली के हास्य विकास को फिर से बनाया। डोरोथी डैंड्रिज/हैले बेरी पुनर्जन्म के मामले में, ऐसा लगता है कि डोरोथी डैंड्रिज का अभिनय करियर हैले बेरी की भूमिका में जारी रहा, जिसकी परिणति उनके ऑस्कर जीतने में हुई।

इस बिंदु पर, मैं इसके संबंध में एक जानकारी प्रदान करना चाहूंगा
माइकलएंजेलो का पुनर्जन्म. ये मामला कैसे सामने आ सकता है ये काफी दिलचस्प है. सितंबर 2006 में फ़्लोरेंस में मिले एक अनुभव से शुरुआत।

मेरी प्रेमिका स्वेतका और मैं भूमध्य सागर पर एक क्रूज पर थे, हमारा टूर ग्रुप माइकलएंजेलो की डेविड प्रतिमा देखने गया था। जब हम संग्रहालय के बाहर इंतज़ार कर रहे थे, हम

Machine Translated by Google

मैंने एक स्ट्रीट वेंडर को "यूनियन 76" लोगो वाली टी-शर्ट पहने देखा।

श्वेतका और मैं शायद ही इस पर विश्वास कर सके, क्योंकि मैंने इसके लिए काम किया था तेल कंपनी, यूनियन 76, जिसे यूनोकल 76 के नाम से भी जाना जाता है, 11 वर्षों तक चिकित्सा निदेशक रहे। अपनी पुस्तक, रिटर्न ऑफ द रेवोल्यूशनरीज़ में, मैं अपने जीवन में इस प्रतीक 76 के महत्व की समीक्षा करता हूं क्योंकि यह अमेरिकी क्रांति के दौरान मेरे पिछले अवतार से संबंधित है, जो 1776 में हुई थी। यूनियन 76 एक कैलिफोर्निया स्थित कंपनी है जिसने संचालन- संचालन भी इंडोनेशियाई है। यहां तक कि संयुक्त राज्य अमेरिका में भी, 1997 में कंपनी छोड़ने के बाद से मैंने यूनियन 76 टी-शर्ट नहीं देखी है। फ्लोरेंस में यह टी-शर्ट कैसे दिखाई दी?

इस संयोग ने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया कि क्या माइकल एंजेलो भी थे वर्तमान में पुनर्जन्म. जब हम सैर से वापस आए, तो केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या माइकलएंजेलो अब अवतरित हो गया है। अहतुन का कहना है कि उन्होंने अवतार लिया है और माइकलएंजेलो अब लास वेगास में रह रहे हैं। अहतुन रे ने कहा कि वह फिल्मों के सेट डिजाइन करने में शामिल रहे हैं और उन्होंने लास वेगास कैसीनो में कलाकृतियां बनाई हैं। अहतुन रे ने मुझे माइकलएंजेलो अवतार का नाम बताने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि मुझे इसे ढूंढने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

मैंने लास वेगास में कलाकारों और डिजाइनरों की इंटरनेट पर खोज की और मैं तुरंत 80 फुट की एक मूर्ति की ओर आकर्षित हो गया, जिसमें दो विशाल मुक्केबाजी दस्ताने एक-दूसरे से टकरा रहे थे, जो लंबवत रूप से बनाए गए थे। मैंने मन में सोचा कि यह कुछ ऐसा है जिसे माइकल एंजेलो बनाएगा, शायद उस पैमाने के कारण, जिसके बारे में मुझे उस समय जानकारी नहीं थी। बॉक्सिंग ग्लव्स की तस्वीर के पास एक फ़ोन नंबर था और मैंने उसे कॉल किया। एक आदमी ने जवाब दिया और मैंने उसे बताया कि मैं उस कलाकार को ढूंढने की कोशिश कर रहा हूं जिसने बॉक्सिंग दस्ताने बनाए हैं। आवाज़ ने उत्तर दिया, "मैं अकेला हूँ।"

पॉल-फेलिक्स मोंटेज़ जाहिर तौर पर चैनल के दूसरे छोर पर आवाज के मालिक हैं

Machine Translated by Google

वह फ़ोन. उन्होंने कहा कि उन्होंने इस फोन नंबर को एक बिजनेस लाइन के रूप में स्थापित किया है जिसका वे शायद ही कभी सीधे जवाब देते हों। फिर मैंने उस पुनर्जन्म अनुसंधान के बारे में बताया जो मैं कर रहा था, जो काम मैं केविन रायर्सन के साथ कर रहा था, और यह तथ्य कि मैं लास वेगास में माइकल एंजेलो के पुनर्जन्म की तलाश कर रहा था। मैंने जारी रखा कि मैं इस संभावना के बारे में सोच रहा था कि वह वही हो सकता है लेकिन यदि नहीं, तो मैंने उससे पुनर्जन्म वाले माइकलएंजेलो को ढूंढने में मेरी मदद करने के लिए कहा क्योंकि उसे वहां के कलाकार समुदाय के बारे में पता होना चाहिए। पॉल ने फिर हँसते हुए कहा, "यह वास्तव में दिलचस्प है, क्योंकि मैं लास वेगास में केवल एक साल से थोड़ा अधिक समय से रह रहा हूँ और फिर भी तीन अलग-अलग लोगों ने मुझे लास वेगास का माइकलएंजेलो कहा है।"

बाद में, पॉल ने मुझे अपनी तस्वीरें भेजीं और मैंने पाया कि उसकी विशिष्ट चौड़ी नाक सहित उसके चेहरे की विशेषताएं माइकल एंजेलो के अनुरूप थीं। केविन के साथ बाद के सत्र में, अहतुन रे ने कहा कि पॉल-फेलिक्स मोंटेज़ माइकल एंजेलो का पुनर्जन्म था, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि एक और विभाजित पुनर्जन्म भी मौजूद है। मैंने पूछा कि माइकल एंजेलो लास वेगास में क्यों रहना चाहेंगे और अहतुन रे ने मुझे बताया कि इटली में उनके समय के दौरान, उनकी मुख्य भूमिका रोमन कैथोलिक चर्च थी, जिसने माइकल एंजेलो के काम की सीमा को सीमित कर दिया था। लास वेगास विपरीत ध्रुव का प्रतिनिधित्व करता है, जहां उसे जो कुछ भी पसंद है उसे बनाने की पूरी आजादी है।

फिर मैंने सिफारिश की कि पॉल माइकल एंजेलो के जीवन का अध्ययन करे, जो उसने किया। बहुत कुछ समान पाते हुए, पॉल ने माइकल एंजेलो और अपने बीच संबंधों के बारे में अपना स्वयं का वेब पेज पोस्ट किया, जिसे उन्होंने "अद्भुत" बताया। पॉल ने दयालुतापूर्वक मुझे इस अध्याय में अपने विश्लेषण का उपयोग करने की अनुमति दी है। मैं पॉल की कुछ टिप्पणियाँ आपके साथ साझा करना चाहता हूँ।

Machine Translated by Google

बचपन और प्रतिभा प्रदर्शन

माइकल एंजेलो फ्लोरेंस में पले-बढ़े और फिर, लंबी बीमारी के दौरान और अपनी मां की मृत्यु के बाद, वह सेटिग्नानो शहर में एक पत्थर काटने वाले और उसकी पत्नी और परिवार के साथ रहे, जहां उनके पिता के पास एक संगमरमर की खदान और एक छोटा सा खेत था। जब मैं एक वर्ष का था तब से मैं स्वयं एक अनाथ हूँ, मेरे पिता ने मुझे मैनहट्टन में न्यूयॉर्क के एक अनाथालय में छोड़ दिया था। मेरे गोद लेने का दस्तावेजीकरण करने वाले कई पत्रों में कहा गया है कि जिस माँ ने मुझे जन्म दिया, उसने मेरे पिता और मुझे दोनों को छोड़ दिया, और मेरे जैविक पिता अब मेरी देखभाल करने में सक्षम नहीं हैं। फिर मुझे दो साल की उम्र में न्यूयॉर्क में एक इतालवी परिवार में गोद ले लिया गया।

माइकल एंजेलो ने बचपन में एक शिल्पकार संघ में अध्ययन करना शुरू किया। शुरू से ही माइकल एंजेलो ने अपनी चित्रकारी क्षमता से कई लोगों को प्रभावित किया है। वह संगमरमर के विशाल अप्रयुक्त टुकड़ों पर काम करता है और पत्थर के साथ अपनी रचनाओं के लिए जाना जाता है। पहली कक्षा में, मैंने लॉग केबिनों के बहुत सारे चित्र बनाए और शिक्षक पक्षियों, पेड़ की शाखाओं को विस्तार से चित्रित करने में मेरे स्तर से प्रभावित हुए। मेरे दादाजी ने मुझे शरीर रचना विज्ञान पर एक किताब दी थी, जो सभी इतालवी में लिखी गई थी। मैंने 7 या 8 साल की उम्र में किताब के आधार पर चित्रकारी की, जिसमें नग्न लोगों की पेंटिंग भी शामिल थीं।

माइकल एंजेलो और दा विंची का अधिकांश शोध भी पुस्तक में है। तीसरी कक्षा में, मुझे 4 फुट गुणा 6 फुट के हॉल की दीवार पर "क्रिस्टोफर कोलंबस का आगमन" भित्ति चित्र बनाने के लिए चुना गया था। मिडिल स्कूल में, कला में मेरी उत्कृष्ट उपलब्धियाँ थीं, और मैं स्वयं विज्ञान अन्वेषण के लिए एक विशेष विज्ञान छात्र बन गया। 14 साल की उम्र में, मुझे एक स्कूल हॉल की दीवार के लिए 26 फुट गुणा 8 फुट की भित्ति चित्र बनाने के लिए चुना गया था, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में विज्ञान की उपलब्धियों को दर्शाता था। बाद में, मुझे मैनहट्टन, न्यूयॉर्क में एक व्यावसायिक कला हाई स्कूल में स्वीकार कर लिया गया।

विश्वविद्यालय जाने के लिए पैसे की कमी के कारण मेरे पास बहुत कम विकल्प थे जब तक कि एक पर्यवेक्षक ने मुझे कूपर के लिए एक आवेदन की पेशकश नहीं की

Machine Translated by Google

यूनियन स्कूल ऑफ आर्ट एंड आर्किटेक्चर। यह ध्यान में रखते हुए कि यह एक छात्रवृत्ति विद्यालय है, जिसमें कठोर परीक्षाओं, पोर्टफोलियो सबमिशन और परीक्षाओं की एक श्रृंखला होती है, मुझे लगा कि इसमें बहुत कुछ नहीं है जो मैं कर सकता हूं या इसकी आशा नहीं कर सकता; मेरे पास बस एक हल्की सी आशा है। मैं जो कर सकता हूं वह है "कोशिश"।

विश्वविद्यालय को सालाना 10,000 आवेदन प्राप्त होते हैं, और स्कूल के प्रत्येक प्रमुख विषय: कला, वास्तुकला और भौतिकी के लिए केवल 60 सुबह के छात्रों और 50 रात के छात्रों का चयन करता है।

संभावनाएँ हज़ार से एक हैं, लेकिन किसी तरह, परीक्षा के दौरान, मुझे लगा कि मेरे पास खोने के लिए कुछ नहीं है, मुझे याद है कि मेरा मन कह रहा था, "हर चीज़ को वैसा ही बनाएं जैसा आप उसे देखते हैं, जैसा आप महसूस करते हैं। इसे सब ढीला छोड़ दें, जैसा कि आप इसे अपने अंदर जानते हैं। यह आपकी अपनी रचनात्मकता और रचनाएँ हैं।

हालाँकि, हमें उस बड़े पुराने हॉल का चित्र बनाने के लिए कहा गया जहाँ हम थे, और बहुतों ने ऐसे यथार्थवादी ग्रेडेशन के साथ चित्र बनाए। मैंने इसे एक "मूर्तिकला" के रूप में देखा, जिसमें स्पष्ट काली रेखाएँ, विशाल आकृतियाँ एक-दूसरे से टकरा रही थीं, एक-दूसरे का चक्कर लगा रही थीं, और मैंने इसे इस तरह से चित्रित किया। और फिर मुझे न्यूयॉर्क शहर में कूपर यूनियन स्कूल ऑफ आर्ट एंड आर्किटेक्चर में स्वीकार कर लिया गया।

मूर्तिकला के बारे में

हाँ, मैं एक मूर्तिकार हूँ. 30 से अधिक वर्षों तक एक मूर्तिकार और मूर्तिकार होने के नाते, मैंने लास वेगास में सीज़र पैलेस में पाए गए कई महान घोड़ों और मूर्तियों, कैसीनो कैसीनो के लिए आंकड़े, मेन इन ब्लैक और बैटमैन जैसी फिल्मों के लिए आंकड़े और सेटिंग्स पर काम किया है। मैं केवल 55 मूर्तिकारों के विशिष्ट समूह ITASE का सदस्य हूं जो आर्किटेक्चरल यूनियन और फिल्म और संग्रहालय प्रदर्शनी में स्थित है। मैं वर्तमान में लास वेगास के लिए बड़े पैमाने पर स्मारक बना रहा हूं, यहां तक कि द ग्रेटेस्ट नामक अपनी एक रचना का प्रस्ताव भी रख रहा हूं।

जब मैंने पॉल से पूछा कि क्या वह ऐसा कर सकता है

Machine Translated by Google

माइकल एंजेलो की डेविड जैसी मूर्ति, उन्होंने उत्तर दिया, "हाँ, इसमें कोई संदेह नहीं है। मैंने शास्त्रीय शरीर रचना विज्ञान में बहुत सारी बेहतरीन मूर्तियाँ बनाई हैं—मैं इसमें बहुत अच्छा हूँ। मूर्तिकला में द्रव्यमान और रेखा को देखने के लिए मेरे पास 'अविश्वसनीय आँख' है; मेरे सहकर्मी हमेशा ऐसा कहते हैं। यह दूर से भी सहज ज्ञान युक्त है। मैं इसे हमेशा अपनी आंख से इंच तक माप सकता हूं।

मैंने हाल ही में लास वेगास आर्ट में एक प्रमुख एकल प्रदर्शनी लगाई थी संग्रहालय, ताकि मेरे काम को कला समुदाय द्वारा मान्यता दी जा सके। अब भी, मैं प्रमुख वास्तुशिल्प परियोजनाओं को सक्षम करने के लिए शहरों, महापौरों, प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर्स और कला परिषदों से जुड़ता हूं।

मैं डिस्कवरी चैनल नामक केबल श्रृंखला में दिखाई दिया भूत बंगला। शो में, गर्मी की गर्मी में 104 डिग्री फ़ारेनहाइट के तहत काम करते हुए, मैंने फिरौन रामसेस की दो मंजिला ऊंची कंक्रीट से ढकी मूर्ति की नक्काशी पूरी की।

इस पर निर्माताओं का बयान था: "कोई भी कभी भी इस शो में नहीं आया है, इतनी सटीकता और तेज़ी से काम नहीं किया है, या कभी भी इतनी जल्दी और इतनी सच्ची ईमानदारी के साथ इस तरह की परियोजना का निर्माण या पूरा नहीं किया है।" यह मेरी प्रेरणा, अभ्यास और कौशल के लिए बहुत बड़ी प्रशंसा है।

मैं बैटमैन, कांगो, इंडियन इन द कपबोर्ड, मेन इन ब्लैक, गॉडज़िला, शोगर्ल्स, स्पीशीज़ और कई अन्य बड़ी फिल्मों में लाइव-एक्शन इफ़ेक्ट डिज़ाइनर रहा हूँ। मैंने बहुत सारी सेटिंग्स, खेल के मैदान, विशेष दुकानें, कैसीनो सजावट आदि भी डिज़ाइन की हैं

अधिक।

बिना किसी संदेह के, माइकलएंजेलो कला के अब तक के सबसे महान और सबसे गतिशील, प्रतीकात्मक कार्यों में से कुछ बनाने के लिए प्रसिद्ध हैं। सिस्टिन चैपल, डेविड, ला पिएटा आदि के लिए, उन्हें अपने समय का सबसे महान मूर्तिकार माना जाता है। मैंने "बिग आर्ट" भी बनाया। मेरे द्वारा उस शब्द का उपयोग करने का कारण हमारी संस्कृति की अज्ञानता है।

"स्मारक" शब्द को याद रखना और तराशना किसी के लिए भी असंभव लगता है, जैसे कि इसमें आधी-मौन "पी" ध्वनि हो। इसलिए आवश्यकता, हास्य, ब्रांड पहचान और मनोरंजन के कारण, मैं इसे "बड़ी कला" कहता हूं।

Machine Translated by Google

माइकलएंजेलो की डेविड दुनिया की सबसे प्रतीकात्मक कला छवियों में से एक है। इन सभी घटनाओं से लगभग एक साल पहले, द ग्रेटेस्ट नामक मेरी दो-भागीय कलाकृति के स्मारकीय भाग, द ग्लव्स की मूर्तिकला पर काम करने के बाद, मैंने हाल ही में इसे फिर से देखा। मॉडल में दस्ताने 80 फीट ऊंचे हैं और स्टील और कांस्य से बने हैं, और वित्तपोषण तरल होने पर मशीनीकृत, निर्मित और स्थापित होने के लिए तैयार हैं।

माइकल एंजेलो, जो अक्सर दूसरों के प्रति अहंकारी थे और खुद से लगातार असंतुष्ट रहते थे, कला को आंतरिक प्रेरणा और संस्कृति से उत्पन्न मानते थे। मेरा नजरिया भी यही है. मेरे अंदर के कुछ दृश्य ने मुझे एक रचनात्मक दिशा दिखाई, जिसने मुझे परेशान कर दिया और मुझे इसे बनाना पड़ा। लेकिन जब मैंने इसे बनाया, तो अचानक प्रेरणा दूसरे आयाम पर पहुंच गई: ऐसा क्यों है, यह अपने आस-पास की संस्कृतियों में कैसे रह सकता है, प्रतिबिंबित कर सकता है और मौजूद रह सकता है?

यह प्रतीकात्मकता एक बड़ा विचार है और इसका दर्शकों पर क्या प्रभाव पड़ता है।

माइकल एंजेलो कहते हैं: “अधिकांश लोगों के लिए इससे अधिक खतरनाक क्या है
हम बहुत ऊंचे लक्ष्य निर्धारित नहीं कर रहे हैं और न ही उन्हें हासिल कर रहे हैं, बल्कि बहुत छोटे लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं और उन्हें हासिल कर रहे हैं।''

जब हाल ही में मेरी स्मारकीय मूर्तिकला और मुक्केबाजी के खेल के स्मारक पर चर्चा हुई, तो किसी ने टिप्पणी की, "यह आकार, प्रतीकात्मक पैमाने और दृश्य पहचान लेता है, और इसे भविष्य में एक कदम आगे ले जाता है - जिसमें समय कारक और अमरता का सीधा वादा शामिल है।" . यह बहुत बड़ा है, हर स्वाद में हम इसे शामिल कर सकते हैं।"

लेखन और कविता के बारे में

माइकल एंजेलो एक कवि और लेखक भी थे। निम्नलिखित एक उदाहरण है जो उन्होंने 57 वर्ष की आयु में लिखा था।

“मुझे ऐसा महसूस हुआ मानो मुझमें ठंडी संतुष्टि की आग जल रही हो, जिसने मुझे दूर से ही जला दिया और बर्फ़ीली ठंडक बरकरार रखी।
मैंने महसूस किया कि दो मजबूत हाथों से एक ताकत प्रवाहित हो रही है। गतिहीन हर संतुलन को आगे बढ़ाता है।"

Machine Translated by Google

मैंने नाटक लिखे और बनाए हैं, टीवी कहानियाँ बेची हैं और लिखा है
और पटकथा लेखन के लिए पुरस्कार जीते। ऐसे रूपों में मानवीय प्रेरणा और अंतःक्रिया की
सुंदरता को धीरे-धीरे परिष्कृत किया जाना आश्चर्यजनक है। मेरी पुरस्कार विजेता स्क्रिप्ट में से एक का
नाम बोदेगा है, जिसे न्यूयॉर्क सिटी फिल्म कमीशन की वेबसाइट पर "एनवाईसी के बारे में
सर्वश्रेष्ठ अन-प्रोड्यूस्ड स्क्रीनप्ले" श्रेणी में पाया जा सकता है।

आखिर कार

माइकलएंजेलो द्वारा अक्सर यह कहा जाता है कि लोगों में जिस चीज से उन्हें सबसे ज्यादा
नफरत है वह है समय बर्बाद करना। मुझे एहसास हुआ कि यह सच था.
समय ही एक ऐसी चीज़ है जिसे खोया जा सकता है लेकिन वापस कभी नहीं पाया जा सकता।

कामुकता के बारे में

कुछ लोगों ने माइकल एंजेलो को समलैंगिक घोषित कर दिया है।
हालांकि इस जीवनशैली के लिए कोई ठोस सबूत नहीं है, डेविड के काम में एक निर्विवाद समलैंगिक-
कामुक कामुकता और शक्ति है।

पत्र भी मिले हैं, जो उनके बाद के वर्षों में प्रेमी के रूप में उनके युवा पुरुष मॉडलों के साथ
उनकी संभावित अंतरंगता की गवाही देते हैं।
माइकल एंजेलो एक कवि भी थे और उनकी कई कविताओं में पुरुष प्रेम का जिक्र मिलता है। हालाँकि इस प्रकार
का संभोग यूरोप में वृद्ध पुरुषों और युवा पुरुषों के बीच आम था और अब भी है, यह एक परंपरा है जो यौन जागरूकता
और कामुकता की ओर लौट रही है।

माइकल एंजेलो की कला के मूल में पुरुष सौंदर्य के प्रति उनका प्रेम है, जो उन्हें सौंदर्य और
भावनात्मक रूप से आकर्षित करता है। कुछ मायनों में यह पुरुषत्व के पुनर्जागरण आदर्श की अभिव्यक्ति
है।
लेकिन माइकल एंजेलो की कला में इस सौंदर्यवाद के प्रति स्पष्ट रूप से एक कामुक प्रतिक्रिया है। ऐसी
भावनाओं से उसे बहुत दुःख हुआ, और वह

Machine Translated by Google

अपनी मूर्तियों, चित्रों और कविताओं में भी प्लेटोनिक आदर्शों और यौन इच्छा के बीच संघर्ष को व्यक्त करते हैं, क्योंकि उनकी विभिन्न उपलब्धियों के बीच, माइकल एंजेलो 16 वीं शताब्दी में इतालवी कविता के एक महान कवि भी थे।

मूर्तिकार की प्रेम की अभिव्यक्ति को नव-प्लेटोनिक और स्पष्ट रूप से समलैंगिक-कामुक दोनों के रूप में वर्णित किया गया है; हाल के अध्ययनों ने एक ऐसी व्याख्या की तलाश की है जो इन दो विचारों का सम्मान करती है, लेकिन अभी भी पूर्ण निष्कर्ष निकालने में अनिच्छुक है। इस उलझन का एक उदाहरण 16 वर्षीय सेचिनो देई ब्रैकी की कहानी है, जिनकी 1543 में मुलाकात के एक साल बाद मृत्यु ने 48 अंतिम संस्कार छंदों के लेखन को प्रेरित किया, जो कुछ लोगों का कहना है कि एक ऐसे रिश्ते का संकेत देता है जो न केवल रोमांटिक था, बल्कि शारीरिक भी था। . दूसरी ओर, माइकलएंजेलो के बाद के वर्षों में, उनकी मृत्यु तक लगभग 20 वर्षों तक, उनके सभी लेखन एक महिला के लिए निर्देशित थे, और वह महिला उनके लिए। बाद में अपने जीवन में उन्हें कवि और कुलीन विधवा विटोरिया कोलोना से बहुत प्यार हो गया, जिनसे उनकी मुलाकात रोम में 1536 या 1538 में, फिर 40 की उम्र में हुई थी। उन्होंने एक-दूसरे के लिए सॉनेट लिखे और विटोरिया की मृत्यु तक नियमित रूप से लगातार संपर्क में रहे, हालांकि कई छात्र इस रोमांस में एक बौद्धिक या आध्यात्मिक गुणवत्ता देखते हैं।

यह निश्चित रूप से जानना असंभव है कि माइकलएंजेलो के पास था या नहीं शारीरिक संबंध. इससे वह सच्चे समलैंगिक के बजाय उभयलिंगी बन सकता था, लेकिन अलग-अलग पक्ष अलग-अलग बातें कहते हैं। मेरी राय में, यह वास्तव में अधिक स्पष्ट और सरल है।

इच्छा, इच्छा और आवश्यकता की गहराई में, जब यह सब उनकी जैसी सशक्त रचनात्मकता में प्रकट होता है, तो यह स्पष्ट है कि इसकी अभिव्यक्ति या प्रकटीकरण की कोई सीमा नहीं है।

मैं अपनी कामुकता के बारे में कहना चाहूंगी कि मैं द्वि-विषमलैंगिक हूं। मेरे सभी दीर्घकालिक संबंध महिलाओं के साथ रहे हैं, लेकिन मैंने कामुकता, यहां तक कि लैंगिक वास्तविकताओं का भी पता लगाया है।

Machine Translated by Google

पुरुषों के साथ. यह यौन खुलापन ही था जिसने मुझे स्पष्ट रूप से महिलाओं के साथ भावनात्मक अंतरंगता की गहराई और प्रतिबद्धता के उस स्तर को देखने के लिए प्रेरित किया जो ईमानदारी मेरी आत्मा की इन गहराइयों को खोलने में ला सकती है, ताकि वे एक गहरे, आत्मा की तलाश वाले रिश्ते बन जाएं। क्योंकि इस मामले में, ऐसा लगता है जैसे मैं अपनी सबसे बड़ी कमजोरी साझा कर रहा हूं। इतनी ईमानदारी के साथ इसे खोलना और भी कठिन रास्ता है, लेकिन कहीं अधिक भुगतान के साथ। मुझे यह मानना विनाशकारी लगता है कि हमारी कामुकता उन लोगों से गुप्त होनी चाहिए जिनसे हम प्यार करते हैं। यह कैसे संभव है कि झूठ बोला जाए और कभी भी एक साहसी रिश्ते की वास्तविक चुनौतियों का सामना न किया जाए?

फिर भी भय और इनकार का जीवन जीना, जो अर्थ और सत्य की खोज का हिस्सा है, आध्यात्मिकता के अंतिम लक्ष्य को नकारने के समान है, कि हम सभी एक दूसरे के अस्तित्व में पवित्र योगदानकर्ता हैं। यदि हम खुलकर एक-दूसरे की बात गहराई से सुनें, तो हमारे पास कितना प्रचुर ज्ञान है। मेरा संघर्ष एक अत्यंत आत्ममुग्ध सौतेली माँ तक भी पहुँच गया, एक निःसंतान महिला, जो अपने भाई-बहनों से घिरी हुई थी, जिनके सभी जुड़वाँ बच्चे थे। यह घटना कितनी अजीब थी, और यह उसके लिए कितना दुखद था, लेकिन कई बार यह आत्ममुग्धता तब व्यक्त होती है जब मैं कुछ ऐसा करता हूं जिससे वह दुखी हो जाता है, जैसे कि उसकी चोट का इलाज करने के लिए: "मुझे दो बच्चों को गोद लेना था, एक लड़का और दूसरा एक लड़की, लेकिन उस समय हमारे पास केवल एक ही कमरा था और हमने तुम्हें गोद ले लिया था। लेकिन मैंने तुम्हें देखने से पहले दोनों बच्चों को देखा है, और यदि हां, तो एक लड़की निश्चित रूप से मेरी दोस्त होगी।"

इन खुलासों के दर्द, इन शब्दों के डर और अपमानजनक प्रकृति को समझने में मुझे कई साल लग गए, लेकिन मेरी सौतेली माँ की एक महिला होने की इच्छा की गहराई को जानने, उसे देखने और प्यार करने, उसे प्यार देने और वह इससे कैसे अनजान थी, इसे भी जानने, देखने और प्यार करने में कई साल लग गए। गोद लिए जाने के बावजूद मैंने उसे अपने "बेटे" के रूप में जो प्यार दिया उसकी गहराई, और वह प्राकृतिक जन्म माता-पिता को नहीं, बल्कि प्यार को परिभाषित करता है।

Machine Translated by Google

तो इस लिंग के साथ, भावनात्मक दर्द, प्यार पाने की गहरी इच्छा,
सुरक्षित महसूस करने के लिए, अपने परिवार के लिए वह बेटी होने के लिए, और मेरे पिता द्वारा मेरी कला को एक समलैंगिक खोज के रूप में अस्वीकार करने के साथ-साथ मेरी प्रतिभा के साथ उनके संघर्ष के कारण, मैं न्यूयॉर्क शहर के ग्रीनविच विलेज के भीतर एक यात्रा शुरू करने में सक्षम हुई। समलैंगिक समुदाय, जो मेरी कला और मूर्तिकला का आनंद लेता है, मेरे काम और मेरे युवा शरीर को सुनता है और उसे महत्व देता है।

कला में कामुकता के बारे में

सेंसरशिप ने हमेशा माइकलएंजेलो का अनुसरण किया है, जिन्हें एक बार डब किया गया था डेल पोर्चेरी के आविष्कारक ("अश्लीलता के आविष्कारक")। काउंटर-रिफॉर्मेशन युग के दौरान प्रसिद्ध "बरगद-पत्ती अभियान" ने कला के सभी कार्यों को कवर करने का प्रयास किया, जिसमें माइकल एंजेलो के कार्यों से लेकर चित्रों और मूर्तियों में मानव जननांगों को दर्शाया गया था। दो उदाहरण हैं क्रिस्टो डेला मिनर्वा (रोम के सांता मारिया सोप्रा मिनर्वा का चर्च) की एक पैन से ढकी कांस्य (वास्तव में संगमरमर) की मूर्ति, जैसा कि आज भी देखा जाता है, और ब्रुग्स के मैडोना में छोटी यीशु की मूर्ति।

(ब्रुग्स, बेल्जियम में चर्च ऑफ आवर लेडी) कई दशकों तक बंद रहा।

मैंने पूरी दुनिया में अपनी कला का प्रदर्शन किया है और मेरा काम कई संग्रहालयों के संग्रह में भी है। मैंने कामुक कला भी बनाई है, जो दुनिया भर के कामुक कला संग्रहालयों में है।

भौतिक समानताओं के बारे में

एक परीक्षण दृश्य समानता है। यहाँ की तीक्ष्णता
आंखें, आंखों का रंग, गालों की हड्डी की संरचना, और सबसे स्पष्ट रूप से चौड़ी नाक, सभी समान विशेषताएं दिखाते हैं।

अध्यात्म और रचनात्मकता के बारे में

माइकल एंजेलो की आध्यात्मिकता का उल्लेख अक्सर जीवनियों में किया जाता है।

Machine Translated by Google

उनकी जीवनी से पता चलता है कि वे आध्यात्मिक होने के साथ-साथ नैतिक रूप से भी बहुत गहरे थे। अपने जीवनकाल के दौरान उन्हें अक्सर इल डिविनो ("द डिवाइन") उपनाम दिया गया था, जो उनकी भावुक आध्यात्मिकता के लिए दिया गया एक स्नेहपूर्ण उपनाम था। माइकल एंजेलो ने बाकी सब से ऊपर अपनी निजता का बचाव किया।

जब उनके मित्र निकोलो क्वाराटेसी के एक कर्मचारी ने उनके बेटे को एक सहायक के रूप में पेश किया, जिसका निहित अर्थ यह था कि वह भी बिस्तर पर लेट जाएगा, तो माइकलएंजेलो ने इनकार कर दिया और क्वाराटेसी को उस व्यक्ति को नौकरी से निकालने का प्रस्ताव दिया। नैतिक अखंडता।

लेकिन सबसे बड़ी चीजें जो मैं हर दिन अनुभव करता हूं वह वह काम है जो मुझे पसंद है और सबसे महत्वपूर्ण, रचनात्मक दृष्टि जो ज्वलंत और ज्वलंत हैं, कला के नए कार्यों, नई संभावनाओं, नए अर्थों की जिन्हें कला में खोजा जा सकता है। .

न्यूयॉर्क शहर और लॉस एंजिल्स में मेरे कला प्रतिनिधि हैं। मैंने जनता के लिए बड़े पैमाने पर मूर्तियों और कला कार्यों के लिए लास वेगास में रियल एस्टेट डेवलपर्स से समर्थन प्राप्त किया है। उन्होंने इस परियोजना को देखा और इसके बारे में उत्साहित हो गए और यह 21वीं सदी के नए शहर लास वेगास को क्या पेशकश कर रहा था, जो अब एक छोटा शहर नहीं था। हर दिन मैं उठता हूं और कला और कला से संबंधित मामलों पर दस, बारह घंटे जोर-शोर से काम करता हूं, विभिन्न थीम तैयार करता हूं, डिजाइन परियोजनाएं तैयार करता हूं।

फिर रात में, मैंने रात के आकाश, तारों और ब्रह्मांड का अवलोकन किया।

मैं अपने आप बाहर जाता हूं, और वजन उठाने का प्रशिक्षण लेता हूं ताकि मैं अपने काम के साथ जितना संभव हो सके शारीरिक संपर्क में रह सकूं, जो मेरे आस-पास की हर चीज और हर किसी के लिए रिसेप्टर्स के रूप में मेरे पूरे शरीर में कंपन करता है।

दृश्यमान और अदृश्य ब्रह्मांडों का वैभव, हमारे चारों ओर गुँथा हुआ है - कैसी दैनिक जागरूकता और विशाल प्रदर्शन जिसे देखा और भाग लिया जा सकता है, जिसमें हम कार्य करते हैं और सृजन करते हैं! ये सभी इसके भव्य अस्तित्व और प्रचुरता पर ध्यान हैं, और इसमें प्यार और अंतरंगता, हँसी, दोस्ती और सरल आनंद भी है। हम सभी के पास यह है, केवल अगर हम इतने अंधे नहीं हैं, केवल अगर हम रुक सकते हैं और देख सकते हैं, सुन सकते हैं,

Machine Translated by Google

और युगों के ज्ञान, बिना किसी डर के स्वतंत्रता को महसूस करें, महान दांते के कथन में, "मृत्यु को अपने कंधों पर रखो, उससे मत डरो, क्योंकि समय तुम्हारा सबसे बड़ा दुश्मन है, क्योंकि समय बहुत कम है।"

बहुत करीबी दोस्त अक्सर कहते हैं कि मैं बहुत आध्यात्मिक हूं। रखने के लिए
मेरे दर्शन में इतना गहरा विश्वास मुझसे कहीं अधिक की मांग करता प्रतीत होता है। शायद कोई पिछला जीवन?

मेरे पसंदीदा आध्यात्मिक प्रश्नों में से एक यह पूछना है: "जब आप 75 वर्ष के थे तो जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण क्या था? क्या यह दृष्टिकोण प्रेरणादायक है?"
एक सच्चे मित्र से, मैंने यह प्रश्न दस वर्ष पहले लॉस एंजिल्स में पूछा था।

उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता.

मैंने उत्तर दिया, "मैंने खुद को रेगिस्तान में विशाल मूर्तियाँ बनाते हुए देखा: बड़ी और बहुत सारे लोगों के साथ, सभी आनन्दित और प्रेरित।" आज बिग आर्ट लास वेगास, और सटीक कहें तो द ग्रेटेस्ट। जब मैंने मॉडलों का काम पूरा कर लिया तो मैंने अपने दोस्त को ई-मेल किया और कहा, "इसे देखो, यह वह दृष्टिकोण है जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं," और उसने कहा, "अब हमें 75 साल तक जीना है," और हम ऐसा करेंगे।

मुझे यह भी एहसास है कि जो लोग पीड़ित हैं, बोझ से दबे हुए हैं, या गहरी कठिनाइयों में हैं, वे इस दृष्टि के प्रश्न पर एक सेकंड के लिए भी विचार नहीं कर पाएंगे। यह ऐसा था जैसे उन्होंने हार मान ली हो, अपने अतीत और यहां तक कि अपने वर्तमान पर पछतावे में डूब गए हों, जिसे वे दुर्भाग्यपूर्ण मानते थे। मुझे आशा है कि आप प्रेरणा देने के लिए अपने जीवन की कल्पना कर सकते हैं, क्योंकि केवल वही दृष्टि सत्य है।

काश आप देख पाते कि हममें कितनी चीज़ें समान हैं,
माइकलएंजेलो और मेरे बीच. पुनर्जन्म में हम कौन हैं और क्या करते हैं, हम जीवन में क्या खोजते हैं और क्या कल्पना करते हैं, इसका मूल्य, सामग्री, आध्यात्मिक पुष्टि होती है।

हमारा दैनिक जीवन.

ये समानताएँ संयोगवश हो सकती हैं, लेकिन अब जब मैं उन्हें देखता हूँ, तो मैं आश्चर्यचकित हो जाता हूँ, क्योंकि बहुत सारे प्रतीकात्मक संकेत घटित हुए हैं - मेरे जीवन की घटनाएँ, स्कूल में, वे विकल्प जो मैंने चुने लेकिन कभी नहीं चुने।

Machine Translated by Google

ऐसा होता है, क्योंकि नियति खेल रही होती है, और कई ज्वलंत, गहरी, भावुक इच्छाएं अंतहीन रूप से पैदा होती हैं। क्या यह सब मेरे कर्मों का फल है?

मुझे कभी नहीं लगा कि मैं अपने जीवन का एकमात्र निर्देशक हूं। जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, और यहां तक कि जिसे मैं अपने भविष्य के रूप में देखता हूं, वे प्रेरणाएं, दृष्टिकोण, आदर्श और इच्छाएं, जिन्होंने मुझे अब जो कुछ भी बनाया है, वह एक अन्य मूर्तिकार के रूप में इस दूसरे जीवन, इस पिछले जीवन में परस्पर जुड़ी हुई प्रतीत होती हैं। जिसका नाम माइकल एंजेलो है.

अंत में, याद रखें कि पॉल-फेलिक्स मोंटेज़ का पहला काम
मैंने उनकी मूर्ति द ग्लव्स देखी, जो अपने पूर्ण रूप में 80 फुट की मूर्ति होगी जिसमें दो मुक्केबाजी दस्ताने एक-दूसरे को मुक्का मारते हुए दिखेंगे। उस समय, मैंने सोचा था कि परियोजना के पैमाने को ध्यान में रखते हुए, माइकल एंजेलो इस तरह का काम कर सकते हैं, यह देखते हुए कि डेविड की मूर्तिकला परियोजना का उपनाम "द जाइंट" था।

जब तक पॉल ने माइकलएंजेलो और स्वयं के बीच समानताओं पर अपना लेख नहीं लिखा, तब तक मुझे किसी अन्य महत्वपूर्ण समानता के बारे में पता नहीं था। पॉल ने सिस्टिन चैपल की एक छवि की तुलना की, जहां उसकी मूर्ति में भगवान की उंगली एडम की उंगली को छूती है। तब मुझे एहसास हुआ कि जब मैं द ग्लव्स पढ़ रहा था, तो मुझे अवचेतन रूप से याद आया कि लास वेगास में इसके 21वीं सदी के संस्करण में, भगवान की उंगली ने एडम को जीवन दिया था।

मैं कला का इतिहासकार नहीं हूं, लेकिन मैंने माइकल एंजेलो के बारे में काफी कुछ पढ़ा है। मेरे विचार में, ऐसा लगता है कि उपरोक्त पैराग्राफ में, हम फ्लोरेंस के एक मूर्तिकार की आवाज़ सुन सकते हैं जो 500 साल पहले रहते थे।

Machine Translated by Google

माइकलएंजेलो

पॉल-फेलिक्स मोंटेज़

Machine Translated by Google

38

बोधिसत्व और पुनर्जन्म का अंत

मैंने अहतुन रे से पूछा कि चक्र कब निर्धारित होता है
किसी व्यक्ति के लिए पुनर्जन्म समाप्त हो जाएगा। एक ऐसे प्राणी के रूप में जिसका 3,000 से अधिक वर्षों से पुनर्जन्म नहीं हुआ है, मुझे लगता है कि उसे इसका उत्तर अवश्य पता होना चाहिए। अहतुन रे का उत्तर काफी सरल है। उन्होंने कहा कि पुनर्जन्म अब कोई आवश्यकता नहीं है यदि किसी व्यक्ति के पास:

• अद्वितीय प्रतिभाओं और क्षमताओं को सक्षमता के स्तर तक विकसित करें।

• इन क्षमताओं का प्रदर्शन करें
आनंद।

• भौतिक क्षेत्र में उत्पन्न कर्म को बुझाना या निष्क्रिय करना, जो कि हम दूसरों के लिए क्या करते हैं उसका अनुभव करके या सेवा के माध्यम से किया जा सकता है।

• प्रेमपूर्ण दयालुता विकसित करें जो सभी प्राणियों में व्याप्त हो।

मैंने अहतुन रे से पूछा कि मुक्ति के इस चरण तक पहुंचने में लोगों को कितने जन्म लगते हैं। अहतुन रे का कहना है कि अधिकांश आत्माओं के लिए 80-120 जीवन अनुभव आवश्यक हैं।

फिर मैंने अहतुन रे से बोधिसत्व के बारे में कई प्रश्न पूछे। मैं इस शब्द का उपयोग केवल उन व्यक्तियों का वर्णन करने के लिए करता हूं जो आवश्यकता से नहीं, बल्कि स्वेच्छा से, मानवता की वृद्धि और विकास में मदद करने की इच्छा से पुनर्जन्म लेते हैं।

मैं जानता हूं कि विभिन्न बौद्ध दर्शन "बोधिसत्व" शब्द का उपयोग आत्मज्ञान या आध्यात्मिक प्राप्ति के स्तर के लिए करते हैं। मैं इस शब्द का उपयोग व्यक्तियों के लिए करता हूँ-

Machine Translated by Google

ऐसे व्यक्ति जो स्वेच्छा से सेवा के लिए भौतिक क्षेत्र में पुनर्जन्म लेते हैं, भले ही उन्हें अपने कर्मों का भुगतान करने या सीखे जाने वाले जीवन के सबक जीने के लिए ऐसा करने की आवश्यकता नहीं होती है।

इस संदर्भ में बोधिसत्व वह व्यक्ति है जिसने पृथ्वी पर अवतार के चक्र पूरे कर लिए हैं और उसके पास आध्यात्मिक दुनिया में, स्वर्ग में रहने का विकल्प था, लेकिन उसने मानवता के प्रति करुणा के कारण अन्य मनुष्यों के विकास में मदद करने के लिए फिर से पुनर्जन्म लेने का फैसला किया।

मैंने हमेशा सोचा है कि किसी भी समय ग्रह पृथ्वी पर बोधिसत्वों की संख्या बहुत कम होती है। मुझे आश्चर्य हुआ जब अहतुन रे ने कहा कि उनका अनुमान है कि पृथ्वी की लगभग 20-30% आबादी उस बिंदु तक बढ़ गई है जहां इन व्यक्तियों को अब पृथ्वी पर अवतार लेने के लिए वापस लौटने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि वे मानवता की सेवा के रूप में ऐसा करते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि पृथ्वी पर पुनर्जन्म के चक्र को पूरा करने के लिए किसी को संत बनने की आवश्यकता नहीं है, कई सामान्य लोग, अच्छे लोग, बोधिसत्व चरण प्राप्त कर चुके हैं।

मुझे यह जानकर राहत मिली है कि विकास का यह स्तर पहुंच से बहुत दूर नहीं है। इससे मुझे यह भी एहसास हुआ कि यदि हममें से अधिक लोग जानते हैं कि हमने स्वेच्छा से पुनर्जन्म लिया है, तो जीवन और अधिक सुंदर हो सकता है। दुनिया की माँगों को देखते हुए, यह कल्पना करना कठिन हो सकता है कि हम वही जीवन चुनेंगे जो हम अभी जी रहे हैं। लेकिन अगर हम जानते हैं कि हम अपने प्रियजनों या संपूर्ण मानवता की मदद करने के लिए ऐसा करना चुनते हैं, तो यह ज्ञान जीवन में एक बड़ा उद्देश्य प्रदान करेगा और हमें पृथ्वी ग्रह पर हमारे चारों ओर मौजूद छोटे-छोटे आश्चर्यों की सराहना करने में मदद कर सकता है। हम हैं।

यह दृष्टिकोण मुझे लोगों को एक अलग नजरिये से देखने पर मजबूर करता है।
उदाहरण के लिए, मैं चिकित्सा पेशे में ऐसे लोगों के साथ काम करता हूं जो अन्य लोगों के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं। कई डॉक्टर आपातकालीन विभाग में लोगों का इलाज करने के लिए रात में जागकर लंबे समय तक काम करते हैं, अक्सर अपने निजी जीवन की कीमत पर

Machine Translated by Google

किसी और की खातिर. मैं अब यह देखना शुरू कर रहा हूं कि चिकित्सा के माध्यम से दूसरों की मदद करने के लिए कितने बोधिसत्वों का पुनर्जन्म हो सकता है।

मैंने अहतुन रे से ऐसे कई लोगों के बारे में पूछा जिन्हें मैं जानता हूं, यह जानने के लिए कि क्या वे बोधिसत्व हैं, जो लोग स्वेच्छा से दूसरों की मदद करने के लिए अवतरित होते हैं। मैंने एक व्यक्ति कैटरीना से पूछा, वह सर्बिया की एक महिला थी, जिसने इंटरनेट के माध्यम से मेरी वेबसाइट देखी और उसे इस संदेश में रुचि थी कि पुनर्जन्म का प्रमाण दुनिया को और अधिक शांतिपूर्ण स्थान बनने में मदद कर सकता है।

कैटरीना को विशेष रूप से ऐनी फ्रैंक/बारब्रो कार्लेन मामले में दिलचस्पी है, जो दर्शाता है कि लोग जीवन-दर-जीवन अपनी धार्मिक और जातीय संबद्धताएं बदल सकते हैं। सर्बिया इस समय अपने पड़ोसी क्रोएशिया के साथ युद्ध में है, इसलिए फ्रैंक/कारलेन मामले से मिले सबक इस क्षेत्र के लिए बहुत उपयोगी होंगे। यदि लोग जानते हैं कि वे एक जीवनकाल में सर्ब, दूसरे में क्रोएशिया, एक अवतार में मुस्लिम और दूसरे अवतार में ईसाई के रूप में पुनर्जन्म लेते हैं, तो लोग अब तक जातीय या धार्मिक संबद्धता से विभाजित नहीं होंगे। उन्हें लड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा.

कैटरीना ने मेरी किताब, बॉर्न अगेन, जिसमें ऐनी फ्रैंक/बारब्रो कार्लेन केस शामिल है, को पूर्व यूगोस्लाविया की भाषा और रूसी भाषा में प्रकाशित करने में मदद की।

इसके अलावा, उन्होंने बार्ब्रो की पुस्तक, एंड द वॉल्व्स हाउल्ड को उन्हीं भाषाओं में प्रकाशित करने में मदद की। पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य के बारे में जानकारी का प्रसार करके दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने में मदद करने के लिए उनकी प्रेरणा स्पष्ट है।

जब मैंने कैटरीना के बारे में और अधिक जाना, तो यह स्पष्ट हो गया कि वह बहुत विकसित आत्मा थी। उनका जन्म 1954 में बेलग्रेड में एक गरीब, निम्नवर्गीय परिवार में हुआ था। तीन साल की उम्र में, कैटरीना ने गणित के लिए एक असाधारण प्रतिभा प्रदर्शित की, जो विशेष रूप से अजीब थी क्योंकि उनका पालन-पोषण काफी पिछड़े सामाजिक माहौल में हुआ था। जब वे प्राथमिक विद्यालय में थे, तो उनके शिक्षक के अनुरोध पर एक विशेष समिति का गठन किया गया था

Machine Translated by Google

उसकी विशेष योग्यताओं का परीक्षण करें। भले ही उनके पिता एक कम्युनिस्ट या समाजवादी थे, और भगवान के बारे में बात करना मना था, कैटरीना को पता था कि भगवान एक बच्चे के रूप में भी अस्तित्व में थे, भले ही चर्च में चित्रित की तुलना में एक अलग रूप में।

छह या सात साल की उम्र में, कैटरीना को सपने में एक बीमारी का पूर्वाभास हो गया था कि वह 36 साल की उम्र में अनुभव करेंगी, जो वास्तव में हुआ। भविष्य की घटनाओं की भविष्यवाणी करने की यह क्षमता समय के साथ मजबूत होती जाती है और उसे पिछले जीवन की घटनाओं की यादें भी बनी रहती हैं। उन्होंने पढ़ाई के दौरान नौकरी की और 31 साल की उम्र में अपना खुद का व्यवसाय खोला जो बाद में एक सॉफ्टवेयर कंपनी के रूप में विकसित हुआ। वह साम्यवाद के पतन के बाद सर्बिया में व्यवसाय शुरू करने वाले पहले लोगों में से एक थे और उन्होंने 100 से अधिक लोगों को रोजगार दिया।

जब मैंने कैटरीना से पूछा कि अगर मैं अहतुन रे से पूछूं तो क्या यह ठीक होगा
वह एक बोधिसत्व था, इस पर उन्होंने सहमति व्यक्त करते हुए संकेत दिया कि यह बात उनके लिए मायने रखती है क्योंकि वह हमेशा अन्य लोगों के लिए काम करते हैं।

अहतुन रे ने पुष्टि की कि कैटरीना को पुनर्जन्म नहीं लेना पड़ा
लेकिन दूसरों की मदद करने के लिए उन्होंने ऐसा करना चुना। हालाँकि वह धार्मिक संगठनों द्वारा संत के रूप में प्रसिद्ध या मान्यता प्राप्त नहीं हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से वह संगठनात्मक और गणितीय प्रतिभाओं के साथ पुनर्जन्म लेते हैं जो अपेक्षाओं से अधिक हैं। जिन परिस्थितियों में उनका पालन-पोषण हुआ, उसे देखते हुए, हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि ये प्रतिभाएँ उनके पिछले अवतारों में हासिल की गई थीं।

कतेरीना ने मंत्रालय में अपनी प्रतिभा का उपयोग दूसरों को काम पर रखने और उनकी मदद करने के लिए किया है। उन्होंने आईआईएसआईएस के लिए धन जुटाने में भी रुचि व्यक्त की है, एक संगठन जिसे हमने वैज्ञानिक रूप से पुनर्जन्म पर शोध करने के लिए बनाया था।
वह पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य के प्रसार के माध्यम से दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने में मदद करना चाहता है।

तो कैटरीना की आकृति के उदाहरण में, हमारे पास बोधिसत्व की आकृति का एक उदाहरण है।

अन्य लोग जो इंटरनेट के माध्यम से मुझसे संपर्क करते हैं

Machine Translated by Google

दुनिया के दूसरी तरफ एक जर्मन महिला विल्जा विटकोम्बे हैं जो श्रीलंका में व्यवसाय विकास विशेषज्ञ के रूप में काम करती हैं। विल्जा ने दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के प्रयास में पुनर्जन्म अनुसंधान में मेरी मदद करने के लिए अपनी महान प्रेरणा भी व्यक्त की। श्रीलंका इस समय गृहयुद्ध से गुजर रहा है, इसलिए एक बार फिर, कैटरीना के मामले की तरह, उम्मीद है कि पुनर्जन्म के सबूत विभिन्न जातीय और धार्मिक समूहों के बीच संघर्ष को रोकने में मदद कर सकते हैं।

विल्जा ने मुझे लिखा कि उनके पास ऐसे अनुभव भी हैं जो पिछले अवतार से उपजे प्रतीत होते हैं, एक ऐसा जीवन जो सीलोन में हुआ था, जो अब श्रीलंका है। केविन रायर्सन के साथ सत्र और अहतुन रे की मदद से, विल्जा के पिछले जीवन के रहस्य को सुलझाया जा सकता है। हालाँकि उसके चेहरे की विशेषताओं की तुलना एक अवतार से दूसरे अवतार में करने के लिए उसके पिछले जीवन की पहचान की तस्वीरें उपलब्ध नहीं हैं, जो इस साक्ष्य की पुष्टि कर सकती हैं, विल्जा की कहानी इस बात का एक अच्छा उदाहरण है कि कैसे पिछले जीवन की जानकारी किसी के जीवन में अप्रत्याशित रूप से प्रकट हो सकती है और हम एक साथ कैसे आते हैं। उन लोगों के साथ वापस, जिन्हें हम अतीत में जानते थे और प्यार करते थे। आइए अब विल्जा की कहानी देखें।

राजा और मैं

क्या आपको बचपन में कभी बताया गया है कि आप विद्रोही थे?
क्या आपको अपने माता-पिता से मिलने आने वाले मेहमानों को विनम्र लड़कियों की तरह झुकना चाहिए (कम से कम जब मैं छोटा था) तो आपको "नियम" बनना होगा? मैं समझ नहीं पा रहा था कि मुझे ऐसा कुछ करना होगा... यह मानते हुए कि यह "माना जाता है" कि अन्य लोगों को मेरा सम्मान करना चाहिए, न कि इसके विपरीत।

एक सुशिक्षित लड़की से जो अपेक्षा की जाती है, उस पर खरा उतरने के लिए मेरे माता-पिता ने मुझे एक किंडरगार्टन में भेज दिया, जहाँ मुझे हर बार आने-जाने पर सम्मानपूर्वक झुकना पड़ता था। मैं इसके साथ ऐसा करता हूं

Machine Translated by Google

खुश। लेकिन मुझसे झुकने की उम्मीद मत करो
घर—कोई रास्ता नहीं!

उपाधियों को लेकर भी मैं यही जिद दिखाता हूं. तथ्य यह है कि मैंने उपयोग करने से इनकार कर दिया

लोगों का जिक्र करते समय अकादमिक, राजनीतिक या कुलीन उपाधियों से मेरे माता-पिता नाराज हो जाते थे। मुझे अच्छी तरह याद है जब हमें अपने पारिवारिक डॉक्टर से मिलना था, जिसे पुरानी जर्मन परंपरा का पालन करते हुए "हेर" के बजाय "हेर डॉक्टर" के रूप में संबोधित किया जाना चाहिए।

पीटरसन'' जैसा कि मैं आमतौर पर उसे बुलाता हूं।

जब मैं छोटा था तो मेरी मां मुझे नाई की दुकान पर ले जाती थीं, वह मेरे बाल काटने के लिए महिला अनुभाग के बजाय पुरुषों के अनुभाग में डाल देती थीं। जब "हेयरकट" खत्म हो जाता है और मैं अपने नए हेयरकट का मूल्यांकन करने के लिए दर्पण में देखता हूं, तो मेरे दिमाग में हमेशा एक ही विचार आता है, "मैं एक छोटे राजा की तरह दिखता हूं, फिर से मोटा!"

जब मैं तीन साल की थी, तब मुझे आभूषण का पहला टुकड़ा मेरी नानी ने दिया था। यह एक सोने की अंगूठी थी, जो 120 से अधिक वर्षों से पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही थी, गुलाबी पत्थर की अंगूठी के साथ, दादी ने मुझे हमेशा पत्थर का नाम याद रखने और यह कहां से आया था, याद रखने के लिए कहा था। पत्थर, वह

कहा, एक पादपरदशा (नीलम परिवार में शामिल) था और एक से आया था
सुदूर भूमि सीलोन कहलाती है। इस प्रकार सीलोन पहला विदेशी देश था जिसके बारे में मैंने तब सुना था जब मैं एक बच्चा था और युद्ध के बाद जर्मनी में बड़ा हो रहा था।

जब मैं लगभग तीन साल का था, तो मेरे पिता ने मुझे हमारे परिवार के एक युवा परिचित से मिलवाया, जो हमारे छोटे से गाँव के समुदाय में पहला विदेशी कामगार था। यह व्यक्ति भारत के कलकत्ता से आया था। उन्होंने इंग्लैंड में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और उस कंपनी में नौकरी कर ली, जहां मेरे पिता एक रासायनिक प्रयोगशाला के प्रमुख के रूप में काम करते थे। चूँकि उस समय यह युवा भारतीय इंजीनियर जर्मन नहीं बोलता था और उसके अधिकांश सहकर्मी अंग्रेजी नहीं बोलते थे, मेरे पिता ने उसकी मदद की, उसके काम में मदद की और उसे हर सप्ताहांत में आने के लिए आमंत्रित किया।

हमारा घर।

प्रेम को जर्मन भोजन से दिक्कत है इसलिए

Machine Translated by Google

वह रविवार को हमारे साथ रहकर खुश था, जहां वह "ए ला इंडिया" खाना बना सकता था। उनके पास सभी प्रकार की जड़ी-बूटियों और मसालों के साथ-साथ असम में उनके भाई-बहनों के बागानों की असली चाय से भरा एक छोटा सूटकेस था।

मैं बचपन से ही भारत के विदेशी व्यंजनों के प्राच्य स्वाद के साथ बड़ा हुआ - एक ऐसा स्वाद जो मेरे लिए इससे भी अधिक लुभावना है

जर्मन भोजन "हौसमानस्कोस्ट"।

हमारे भारतीय मित्र, मुझे सदैव स्मृति चिन्हों में बहुत रुचि रहती है
जब भी वह कलकत्ता की यात्रा से लौटता है तो उसे जर्मनी ले आता है।
उनकी जर्मन पत्नी के लिए आभूषण और साड़ियाँ किसी दूसरी दुनिया से आई हुई लगती थीं... रंग, डिज़ाइन, सामग्री का
स्पर्श और अनुभव, जो साज-सज्जा थी, गलीचे, अलंकरण... कुछ ऐसा जो मेरे पास है इसे पहले देखा... मुझे कुछ हद तक घर की
याद आने लगी है, लेकिन क्या याद आ रहा है?

मेरे माता-पिता ने मुझे पहले तीन नाम दिए हैं।
महिला होने के नाते, उन्होंने मेरे पिता के नाम "क्लाउस" का महिला संस्करण इस्तेमाल किया और मुझे "क्लाउडिया" कहा। मुझे इसमें कभी भी सहज महसूस नहीं हुआ
नाम। यह मेरे जैसा नहीं लगता. तीनों नामों का अंतिम नाम है
"विल्जा", जो मुझे हमेशा सबसे ज्यादा पसंद आया है क्योंकि यह वास्तव में "मैं" जैसा लगता है। लेकिन निश्चित रूप से, एक बच्चे के रूप में, मैंने अपने नाम के बारे में शिकायत करने की हिम्मत नहीं की और चुप रहा।

साल बीत गए. मैंने स्कूल जाना शुरू किया, स्नातक किया, विश्वविद्यालय गया, विश्वविद्यालय से स्नातक किया,
फिर अपना व्यावसायिक करियर शुरू किया और अधिक से अधिक यात्रा करना शुरू कर दिया। यूरोप में सर्दियों के दौरान, मुझे पृथ्वी के गर्म क्षेत्रों में भागने की आवश्यकता महसूस हुई। 1986 में मैं 6 सप्ताह की छुट्टियों पर एशिया गया, सुदूर पूर्व की मेरी पहली यात्रा।

मुझे तुरंत एशिया, इसके विभिन्न देशों, लोगों, संस्कृतियों, धर्मों, रीति-रिवाजों और परंपराओं से प्यार हो गया। मुझे नहीं लगता कि यह महाद्वीप मुझे क्या दे सकता है, यह मुझे क्या सिखा सकता है, इसलिए मैं हर साल सुदूर पूर्व लौटने का फैसला करता हूं।

इस बिंदु पर मैंने अपना नाम बदलकर "विल्जा" कर लिया, जिससे मैं और अधिक "मैं" और "पूर्ण" बन गया, और अधिक धुन में

Machine Translated by Google

मेरी पहचान के साथ. मेरे आस-पास के लोग हैरान थे, लेकिन बहुत देखभाल कर रहे थे!
अलग होने की हिम्मत! अपना जीवन वैसे जियें जैसा आप चाहते हैं!

मई 1997 में मैंने मालदीव द्वीप समूह का दौरा किया।
जिस टूरिस्ट रिज़ॉर्ट होटल में मैं रहता हूँ उसका निदेशक रोहन नाम का एक बहुत ही खुले दिल वाला व्यक्ति है, जो अपने मेहमानों को बहुत प्रतिबद्धता, उत्साह, जुनून और खुशी के साथ बहुत अच्छी सेवा देता है। मुझे तुरंत उसके प्रति एक गर्मजोशी भरी, आरामदायक और भरोसेमंद भावना महसूस हुई, ऐसा महसूस हुआ मानो मैंने उसे लंबे समय से नहीं देखा है, लेकिन निश्चित रूप से, हम पहले कभी नहीं मिले थे। जब रोहन ने पूछा कि मैं व्यवसाय में क्या कर रहा हूं, तो मैंने उस परियोजना के बारे में बताया जिस पर मैं उस समय काम कर रहा था, और उसने तुरंत अपने गृह देश श्रीलंका में व्यवसाय के अवसर खोजने में मदद करने की पेशकश की।

भले ही वह हिंद महासागर में इस छोटे से एटोल द्वीप पर काम कर रहे हैं, उनकी पत्नी, भाई और पिता मेरे परिचय में मदद करने और मेरे लिए व्यावसायिक बैठकों की व्यवस्था करने के लिए श्रीलंका में मेरे साथ रहेंगे। सब कुछ इतना "सामान्य" लगा और जीवन में पहली बार मैंने वह किया जो मैंने पहले कभी नहीं किया था: मैं एक ऐसी दुनिया में चला गया जिसे "मैं नहीं जानता था", मैंने उससे कहा कि मैंने उसका प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है और जुलाई में श्रीलंका चला गया : वह अपने परिवार को बताएगा और बिजनेस मीटिंग मीटिंग की व्यवस्था करना शुरू कर देगा।

जुलाई आ गया और मैं कोलंबो, श्रीलंका की तीन सप्ताह की व्यापारिक यात्रा पर निकल गया। मैं इंटरकॉन्टिनेंटल होटल में रोहन परिवार से मिला और मुझे तुरंत उन सभी से प्यार हो गया, मुझे श्रीलंका से भी प्यार हो गया!

अपने जीवन में पहली बार, मुझे "घर जैसा" महसूस हुआ - एक अजीब, अजीब, अज्ञात एहसास, जिसे मैं खुद नहीं समझ सका क्योंकि मैंने 60 से अधिक देशों का दौरा किया था, लगभग सभी चीजें पसंद आईं, लेकिन कभी कोई अनुभूति नहीं हुई। इस तरह भावुक.

तो आप लीजिए, मैंने जो कुछ भी और जो कुछ भी मैं आया, उसे गले लगा लिया आर-पार। मैंने श्रीलंकाई धर्म, संस्कृति और परंपराओं को आत्मसात किया। मैं बौद्ध धर्म को आत्मसात करता हूं, जिसका पालन करने के लिए विभिन्न मंदिरों में लाया जाता हूं

Machine Translated by Google

मेरे भविष्य की भविष्यवाणी करने और सुरक्षा के लिए ताबीज बनाने के लिए पूजा (धार्मिक समारोह) और विभिन्न ज्योतिषियों और "पवित्र पुरुषों" के पास ले जाया गया
मुझे।

मैंने धार्मिक समारोहों के बारे में सीखा। हालाँकि, अजीब तरह से पर्याप्त है
एक ओर तो मैं बौद्ध धर्म के बहुत करीब महसूस करता हूं, लेकिन दूसरी ओर (इतने वर्षों के बाद), जिस तरह से बौद्ध धर्म का अभ्यास किया जाता है, मैं उसकी आलोचना करने लगा हूं और कभी-कभी क्रोधित भी हो गया हूं।
मुझे समझ में नहीं आता कि यह शिक्षा मुझे इतनी प्रिय क्यों लगती है, लेकिन फिर भी, मेरे बचपन की जिद ने मुझे भिक्षुओं के सामने सम्मान दिखाने के लिए झुकने या घुटने टेकने, हमेशा उनसे नीचे बैठने, उन्हें भोजन देने, उपहार देने आदि से रोक दिया। पर। मेरे अंदर कुछ अच्छा नहीं लग रहा था, या यूं कहें कि कुछ संकेत देने की कोशिश कर रहा था। मुझे ख़ुद समझ नहीं आता कि मैं इसके ख़िलाफ़ विद्रोह क्यों करता हूं.

रोहन परिवार एक अनमोल खजाना है; वे सभी मुझे एक बहुत करीबी परिवार की तरह देखते थे जो लंबे समय से इस देश में नहीं था।

उन्होंने कई परिचय दिए, व्यावसायिक बैठकें आयोजित कीं और श्रीलंका में मेरे प्रवास को यथासंभव आरामदायक, सफल और आनंददायक बनाने के लिए वे हमेशा मेरे आसपास रहे। जब 3 सप्ताह समाप्त हुए, तो मैं यूरोप लौट आया, लेकिन मैंने अपनी अगली यात्रा उसी वर्ष सितंबर/अक्टूबर में पहले ही निर्धारित कर ली है।

यह अगले पांच वर्षों में होने वाली यात्राओं की श्रृंखला की शुरुआत मात्र थी।

अक्टूबर 1997 में, रोहन एक छोटी छुट्टी पर लौट रहे थे
मालदीव में उनके परिवार से मिलने के लिए, मुझे श्रीलंका की प्रधान मंत्री श्रीमती सिरीमावो भंडारनिके से मुलाकात के लिए ले जाया गया, जो 1960 में दुनिया की पहली महिला प्रधान मंत्री थीं। यह कोलंबो में श्रीमती भंडारनायके के आवास पर एक निजी बैठक थी, और हम श्रीलंका के प्रति अपने अनुभवों और भावनाओं के बारे में लंबी बातचीत हुई।

ठीक एक साल बाद, अक्टूबर 1998 में, मैं

Machine Translated by Google

श्रीमती भंडारनायके से फिर मिलें। इस बार प्रधानमंत्री कार्यालय में एक आधिकारिक बैठक में धर्मार्थ परियोजनाओं पर चर्चा की गई.

जब बैठक ख़त्म हुई, तो मुझे अपनी कार और ड्राइवर का इंतज़ार करने के लिए पीछे के एक कमरे में ले जाया गया। इस कमरे में एक श्रीमती बैठी थीं।
भंडारनायके के निजी सचिव, एक बुजुर्ग व्यक्ति। वह अपनी मेज पर बैठ गया और आश्चर्य से मेरी ओर देखने लगा। वह एक शब्द भी नहीं बोल सका, वह पूरी तरह अवाक रह गया, उसने बस मुंह खोलकर मुझे देखा, स्पष्ट रूप से उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि वह किसे या क्या देख रहा है। पहले तो मैंने मज़ाक में जवाब दिया और उससे पूछा कि क्या मेरी कोई लिपस्टिक या मस्कारा ख़राब हो गया है या उल्टा हो गया है, लेकिन वह इतना अनाड़ी और हैरान लग रहा था जैसे कि उसने अभी-अभी कोई भूत देखा हो। उसे मुझसे बात करने और अपना संयम वापस पाने के लिए प्रोत्साहित करने में कम से कम दस मिनट लग गए।

जब अंततः वह बात करने में सक्षम और इच्छुक हुआ, तो उसने पूछा कि क्या मैं जानता हूं कि मैं कौन हूं। इस बार उसे देखने और कहने की बारी मेरी थी, "मुझे लगता है कि मैं जानता हूं।" फिर उन्होंने पूछा, "क्या आप कभी अनुराधापुरा गए हैं?" (अनुराधापुरा श्रीलंका के पूर्व राजाओं का प्राचीन शहर है। आज केवल शाही महल के खंडहर बचे हैं।)
"अभी नहीं," मैंने उत्तर दिया, "यह अभी भी मेरी कार्य सूची में है। लेकिन आप ऐसा क्यों पूछ रहे हैं?" और एक बार फिर, वह आदमी चुप था, बस मेरी ओर देख रहा था। उसे अधिक जानकारी प्रदान करने के लिए मनाने में कुछ और मिनट लग गए।

आख़िरकार उन्होंने मुझसे कहा, “मेरी तीसरी आँख खुली है और मैं देख सकता हूँ
एक व्यक्ति का अतीत. इसलिए मैं चाहता हूं कि आप अकेले अनुराधापुरा जाएं, खंडहरों के चारों ओर घूमें, तब आप महसूस करेंगे और जानेंगे कि एक दिन आप हमारे प्राचीन राजाओं में से एक थे, और आपको उन महलों और इमारतों के कुछ हिस्सों के बारे में पता चलेगा जो उनके शासनकाल के दौरान बनाए गए थे। शासन। आप।" अब मैं स्तब्ध और अवाक हूं। सचिव कोई और जानकारी नहीं देना चाहते थे, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि मुझे अपने अतीत की खोज के लिए राजाओं के प्राचीन शहर में जाना होगा।

Machine Translated by Google

इस असाधारण मुठभेड़ के बाद, मुझे आश्चर्य होने लगा कि क्या यह आदमी सिर्फ इसकी कल्पना कर रहा था या शायद इसकी बहुत कम संभावना है कि मैं एक समय श्रीलंका के प्राचीन राजाओं में से एक था और फिर यूरोप की एक गोरी महिला के रूप में पुनर्जन्म हुआ था! कम से कम इससे इस देश, इसके लोगों, इसकी संस्कृति आदि में मेरी तत्काल रुचि स्पष्ट हो जाएगी।

प्रधान मंत्री कार्यालय में इस अजीब बैठक के लगभग छह सप्ताह बाद, मुझे कोलंबो में एक निजी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया और भाग्य ने खुद को दोहराया। इस बार, एक बूढ़ी औरत ने मुझे दूर से अविश्वास से देखा, फिर मेरे पास आकर कहा जो मैंने पहले सुना था कि मैं एक बार सीलोन के राजाओं में से एक था और मैं स्पष्ट रूप से अतीत से अपना "कार्य" पूरा करने के लिए वापस आया था। .

तो यहाँ मैं भ्रमित हूँ, दिलचस्पी रखता हूँ, सशंकित हूँ, आश्चर्यचकित हूँ, हैरान हूँ, चकित हूँ, लेकिन चिंतित भी हूँ.... मैं पहले कौन था? ये दोनों लोग मुझमें क्या देखते हैं?

वे मेरा अतीत कैसे देख सकते हैं? जीवन मेरे लिए कौन से रहस्य खोजता है?

एक और अजीब बात फिर घटी. मेरी पहली यात्रा के बाद से श्रीलंका, मुझे आयुर्वेद, जीवन के प्राचीन विज्ञान अर्थात् उपचार में रुचि हो गई है।

मैं विभिन्न आयुर्वेदिक चिकित्सकों से मिला हूं और देखा है कि जब मैंने अपना परिचय "हाय, मेरा नाम विल्जा" के साथ दिया, तो उन्होंने किसी कारण से थोड़ा आश्चर्य से मेरी ओर देखा। एक दिन आयुर्वेदिक चिकित्सकों में से एक ने मुझे बताया कि जिस तरह से मैं अपना नाम लिखता हूं वह संस्कृत है, जो एशिया की एक प्राचीन भाषा है, और मेरे नाम का अर्थ है "उच्च दक्षता"! तो फिर, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरे जर्मन माता-पिता संस्कृत के बारे में जानते थे जब उन्होंने इस नाम को मेरे पहले नामों में से एक के रूप में चुना था, लेकिन मैं आभारी हूं कि उन्होंने ऐसा किया!

साल बीत गए. मैं इंग्लैंड और श्रीलंका में जहां रहता था, वहां आना-जाना करता था और फिर 2002 में, मैं अंततः कोलंबो चला गया। रोहन वापस आ गया है

Machine Translated by Google

मालदीव में अपनी सेवा से और अब एक बड़े श्रीलंकाई समूह के लिए छह होटलों के प्रबंधन का प्रभारी है। उन्होंने और उनकी पत्नी ने मुझे आगे बढ़ने और उनके परिवार का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया। मेरे पास श्रीलंका में देश के दो उद्योगों को विकसित करने, मजबूत करने और बढ़ावा देने की एक परियोजना के लिए एक अनुबंध है। यह मेरे लिए कुछ नया था क्योंकि मैंने हमेशा बिक्री और विपणन में निजी उद्योग में काम किया था, लेकिन विकास कार्य हमेशा कुछ ऐसा था जो मैं एक किशोर के रूप में करना चाहता था। मैंने अपना नया कार्यभार बहुत खुशी और उत्साह के साथ शुरू किया - हमेशा "मेरे छोटे परिवार" द्वारा समर्थित!

फिर जिंदगी की राह फिर मुड़ जाती है. मेरे प्रिय मित्र रोहन, श्रीलंका को एक पर्यटन स्थल के रूप में प्रचारित करने के लिए इंग्लैंड की व्यावसायिक यात्रा पर थे, उनकी यात्रा के अंतिम दिन उन्हें गंभीर दिल का दौरा पड़ा। जब बर्मिंघम के एक अस्पताल में जीवित रहने के उनके संघर्ष के बारे में हमें फोन आया, तो उनकी पत्नी और दो बेटियाँ मेरे घर पर रह रही थीं क्योंकि उनका नया घर समय पर पूरा नहीं हुआ था, इसलिए उन्हें अस्थायी आवास की आवश्यकता थी।

उनकी पत्नी लेखा तुरंत इंग्लैंड के लिए रवाना हो गईं। मैं बच्चों की देखभाल के लिए कोलंबो में ही रहा। पता चला कि रोहन की मौत आ गई, दो हफ्ते बाद उसकी मौत हो गई, वह अभी 43 साल का हुआ था जब वह कोमा में था।

हम सब हिल गए. क्या यह एक बुरा सपना है? ये कैसे हो सकता है होना? ऐसा क्यों हुआ? हमारा भविष्य ख़त्म हो गया! रोहन के बिना, कोई भविष्य नहीं है!

अब परिवार की देखभाल करने, लेखा और उसकी दो बेटियों की देखभाल करने, उन्हें वास्तविकता का सामना करने, उनके नए जीवन में मदद करने और एक नए भविष्य की तस्वीर तैयार करने की मेरी बारी है। दिन सप्ताह बन गए, सप्ताह महीने बन गए और महीने साल बन गए।

मुझे हमेशा आश्चर्य होता है कि रोहन के साथ मेरा क्या कार्मिक संबंध है। यह अब मेरे लिए स्पष्ट है कि मैं उसे न केवल उन सात वर्षों से जानता हूं जब हम इस जीवन में एक साथ रहे हैं। मुझे आश्चर्य है कि उसने मुझे क्यों मनाया

Machine Translated by Google

आये और दौरा किया फिर श्रीलंका चले गये। हमारा इतिहास, हमारे साथ अतीत क्या था?

नवंबर 2006 में, मैंने वाल्टर सेमकिव की किताब, बॉर्न अगेन देखी, कोलंबो के एक स्टोर में. मैंने इसे खरीदा, पढ़ा और वाल्टर को अपनी प्रतिक्रिया, प्रतिक्रिया और व्यक्तिगत अनुभव देते हुए ई-मेल किया। वाल्टर ने तीन दिनों के भीतर उत्तर दिया और अब से, हमने पुनर्जन्म के विषय पर संवाद करना और एक साथ काम करना शुरू कर दिया।

जब मैंने उनसे श्रीलंका के प्रति अपने प्रेम का जिक्र किया, तो मुझे अचानक 1998 में एक प्राचीन राजा के रूप में दो "परिचय" याद आ गए।
वाल्टर ने स्वेच्छा से स्पष्टीकरण के लिए मिस्र के आध्यात्मिक मार्गदर्शक अहतुन रे से पूछा, जो वाल्टर की पुस्तक के माध्यम केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करता है।

कुछ दिनों बाद वाल्टर ने दो लोगों द्वारा बताई गई बात की पुष्टि की अहतुन रे के अनुसार, मैं प्राचीन सीलोन का राजा था, जिसने सीलोन में "आध्यात्मिक सुधार" लाया। अहतुन रे ने नाम के कुछ अक्षर भी दिए हैं, लेकिन अगर आपने कभी सिंहली शब्द नहीं सुना है, तो सही वर्तनी को समझना बहुत मुश्किल हो सकता है। अहतुन रे का कहना है कि उनका नाम "देवलनु" की श्रेणी में है, हालाँकि यह नाम एक असामान्य नाम है और उनका असली नाम देवलनु का रूपांतर हो सकता है। वाल्टर बताते हैं कि अहतुन रे के लिए भी, नामों को सटीक रूप से इंगित करना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि अहतुन रे उन्हें ध्वन्यात्मक रूप से समझता है। हालाँकि, अपने अनुभव में, वाल्टर कहते हैं कि अहतुन रे समय और स्थान के संदर्भ में आत्मा को खोजने में बहुत सटीक है। वाल्टर ने मुझसे कुछ शोध करने और उसे वापस रिपोर्ट करने के लिए कहा क्योंकि अगले सप्ताहांत में केविन/अहटुन रे के साथ उसका एक और सत्र होगा।

मैंने उस शाम इंटरनेट ब्राउज़ करके और अनुराधापुरा काल में सीलोन के राजाओं की सूची की प्रतिलिपि बनाकर अपना शोध शुरू किया। अगली सुबह, मैंने एक सहकर्मी से संपर्क किया जिसने श्रीलंकाई इतिहास का अध्ययन किया था। जब मैंने अनुराधापुरा के एक राजा के बारे में पूछा जिसने आध्यात्मिक सुधार किया, तो उन्होंने तुरंत कहा, "वह राजा देवनमपिया हैं

Machine Translated by Google

तिस्सा (आर. 247-207 ईसा पूर्व)। उन्होंने 2,200 साल पहले इस देश में बौद्ध धर्म की शुरुआत की थी!"

बहुत खूब!!! तो मैं यहाँ हूँ.... अब मुझे यह समझ में आता है कि मुझे तुरंत श्रीलंका और उसके लोगों से प्यार क्यों हो गया और मैं श्रीलंका में बौद्ध धर्म के अभ्यास पक्ष के प्रति इतना सशंकित क्यों हूँ।

मैंने सभी आवश्यक विवरणों के साथ वाल्टर को ई-मेल किया और एक सप्ताह के भीतर मुझे अहतुन रे से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।
हां, राजा देवानामपिया तिस्सा मेरे पिछले अवतार के प्राचीन राजा थे। वाल्टर ने देखा कि अहतुन रे अपने नाम के पहले भाग को "देवा-एन" अक्षरों के माध्यम से प्राप्त करने में कामयाब रहे।

सीलोन के किसी अन्य राजा का नाम इस अक्षर संयोजन से शुरू नहीं होता है।

अब पहेली का अगला भाग आता है: रोहन कौन था
पहले? वह अवश्य ही मेरे "महल जीवन" का हिस्सा होगा, यह मुझे इतना निश्चित लग रहा था। मैंने राजा देवनमपिया तिस्सा के बारे में जितना हो सके पढ़ना शुरू किया और केविन रायर्सन/अहटुन रे के साथ एक टेलीफोन सत्र के लिए अपॉइंटमेंट भी लिया।

सत्र से कुछ दिन पहले, मुझे वह जानकारी मिली जो मैं था
ढूंढ रहे हैं. राजा देवानमपिया तिस्सा ने शादी की और उनका एक छोटा बेटा था। उनकी पत्नी, जिसका नाम अज्ञात है, को ईर्ष्या थी कि यदि टिस्सा की मृत्यु जल्दी हो गई, तो उनके बच्चे के स्थान पर उनके भाइयों में से एक गद्दी संभालेगा। सिंहासन पर अपने बेटे का अधिकार सुरक्षित करने के लिए, पत्नी ने टिस्सा के भाई को पके आमों की एक टोकरी भेजकर उसे मारने का फैसला किया। उसने सबसे बड़े, सबसे पके, सबसे चमकदार आम में जहर मिलाया और उसे टोकरी में सबसे ऊपर रख दिया। जब उसके भाई को टोकरी मिली, तो टिस्सा का छोटा बेटा उसके साथ था। लड़के ने ऊपर वाला आम उठाया और खा लिया और मर गया।

मुझे तुरंत इसका एहसास हुआ. मैं सहज रूप से जानता हूं कि रोहन कौन था। मैं उसे इस जीवन में केवल 7 वर्षों से जानता हूँ, एक बच्चे के बराबर... रोहन एक समय राजा देवनमपिया तिस्सा का पुत्र था, मेरा बेटा!

जब मेरी केविन के साथ फोन पर बातचीत हुई, तो मैंने अहतुन रे से पूछा
मेरा कौन सा कर्म संबंधी रिश्ता है?

Machine Translated by Google

रोहन के साथ. जल्द ही अहतुन रे ने पुष्टि की कि मुझे कुछ दिन पहले पता चला था कि रोहन राजा देवानमपिया तिस्सा का युवा और मासूम बेटा था जिसे उसकी अपनी माँ ने जहर दे दिया था और उसकी मृत्यु हो गई थी!

अब मैं समझ गया हूं कि मौत एक जिंदगी खत्म कर देती है, लेकिन एक रिश्ता नहीं!

तो अब मैं यहां हूं, श्रीलंका में रह रही हूं, रोहन की देखभाल कर रही हूं विधवा और मेरे परपोते! क्या जीवन का यह कर्म चक्र ख़त्म हो गया है? मुझे नहीं पता।

अब मैं उन संकेतों और सुरागों को देखता और समझता हूं मेरे पूरे जीवन में उपलब्ध रहा: सीलोन के पदपरदशा पत्थर से बना मेरा पहला आभूषण, संस्कृत नाम से मेरी पहचान, भारतीय मसालेदार भोजन और एशियाई संस्कृति से मेरा प्रारंभिक परिचय, ये सभी मेरे जीवन में बाद में आने वाली चीज़ों की तैयारी हैं; एक बच्चे के रूप में "विनम्र रहने" के लिए "आज्ञा मानने" से मेरा इनकार, एशिया के लिए मेरा प्यार....

हर दिन आश्चर्य से भरा होता है, कुछ नया, और भी अधिक चुनौतियाँ और अप्रत्याशित! मुझे लगता है कि अभी और भी बहुत कुछ आने वाला है... भविष्य अभी शुरू हो रहा है और जो कुछ भी आता है, मैं उसे खुले तौर पर स्वीकार करता हूं, क्योंकि मैं अधिक से अधिक आध्यात्मिक रूप से खुलता हूं, और मैं इसके लिए तैयार हूं!

विल्जा के वृत्तांत में, हम देखते हैं कि कैसे उसे अपने पिछले अवतारों के बारे में अनजाने में सुराग मिले, जैसे कि जब, एक बच्चे के रूप में अपना सिर मुंडवाने के बाद, उसने खुद को फिर से एक गोल-मटोल छोटे राजा के रूप में देखा। विल्जा ने आईएसआईएस के विकास में मदद करने की अपनी उत्साही इच्छा भी व्यक्त की। जिस प्रकार राजा देवानामपिया तिस्सा ने प्राचीन सीलोन में आध्यात्मिक सुधार लाया। विल्जा, पुनर्जन्म अनुसंधान का समर्थन करके, आज आध्यात्मिक सुधार की समान इच्छा दिखाती है। अंत में, मैं यह बताना चाहूंगा कि मेरे अनुभव में विल्जा का अर्थ "उच्च दक्षता" है, जो संस्कृत नाम उन्होंने खुद चुना है, वह बिल्कुल उपयुक्त है, क्योंकि विल्जा एक बहुत ही संगठित डायनेमो की तरह है।

Machine Translated by Google

विल्जा की कहानी का एक बेहद मार्मिक पहलू है. श्रीलंका में हुए गृह युद्ध में, इस द्वीप को पहले सीलोन के नाम से जाना जाता था, इस संघर्ष के दोनों पक्ष, सिंहली बौद्ध और हिंदू अल्पसंख्यक, तमिल, पुनर्जन्म में विश्वास करते थे।

इससे एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठता है कि केवल पुनर्जन्म में विश्वास करना शांति लाने के लिए पर्याप्त नहीं है।

किसी चीज़ पर विश्वास करना यह जानने से अलग है कि कोई चीज़ सच है। विश्वासों के मामले में, हम हमेशा विश्वास प्रणाली के सिद्धांतों का पालन नहीं करते हैं, क्योंकि अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। उदाहरण के लिए, यदि आप फ़्रीवे पर गाड़ी चला रहे हैं और आपको कोई पुलिस अधिकारी नहीं दिख रहा है, तो हो सकता है कि आप तेज़ गति से गाड़ी चला रहे हों। कौन नहीं? लेकिन दूसरी ओर, यदि आप गाड़ी चला रहे हैं और पीछे की खिड़की से सीधे आपके पीछे एक पुलिसकर्मी दिखाई देता है, तो आप यातायात नियमों का पालन करने में बहुत आज्ञाकारी हो जाएंगे।

इसी प्रकार, पुनर्जन्म में विश्वास करने और यह जानने में भी अंतर है कि यह सत्य है। यह जानना कि लोग अपने कार्यों के लिए स्वयं जिम्मेदार हैं, एक अलग मानसिक दृष्टिकोण बनाता है।

जैसा कि ऐनी फ्रैंक/बारब्रो कार्लेन मामले से पता चलता है, धार्मिक संबद्धता, जातीयता और राष्ट्रीयता जीवन-दर-जीवन बदल सकती है।
जब लोग जानेंगे कि पुनर्जन्म सत्य है और इसे समझेंगे, तो उनका व्यवहार बदल जाएगा।

जब श्रीलंका में बौद्ध बिना किसी संदेह के जानते हैं कि उन्हें तमिल हिंदू के रूप में पुनर्जन्म दिया जा सकता है और इसके विपरीत, लड़ने की इच्छा कम हो जाएगी।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या विल्जा भी एक पुनर्जन्मित व्यक्ति था जिसने स्वेच्छा से सेवा की थी। अहतुन रे बताते हैं कि ये सच है. शायद विल्जा, ज़्यादातर, रोहन के परिवार की देखभाल में मदद करने के लिए वापस आई थी। विल्जा की सेवा का दूसरा रूप यह भी है कि वह श्रीलंका में छोटे और मध्यम उद्यमों को अधिक पेशेवर और कुशल बनने में मदद करना चाहती है, जिससे वे विश्व बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें।

उन्होंने लोगों की मदद के लिए एक संस्था भी बनाई

Machine Translated by Google

कार्य कौशल विकसित करना; उन्होंने जमीनी स्तर पर आजीविका परियोजनाएं बनाई हैं। वह ऐसा व्यक्ति बनना चाहते थे जो पूर्व और पश्चिम के बीच, प्राचीन ज्ञान और समकालीन विचार के बीच की खाई को पाट सके। उस मामले में, शायद विल्जा, कैटरीना की तरह, पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य को दुनिया के सामने लाने में मदद करने के लिए लौट आई थी।

कैटरीना और विल्जा के उदाहरणों से हम देखते हैं कि बोधिसत्व हमारे चारों ओर हैं। जब हम उन चिंताओं पर विचार करते हैं जो हमारी आधुनिक दुनिया को परेशान कर रही हैं, तो यह बहुत राहत की बात है कि कई बोधिसत्व यहां लौट आए हैं।

Machine Translated by Google

39

यीशु का पिछला जीवन, दीक्षा, आरोहण और क्षमा

हमने मानव आत्मा के विकास के चरणों पर चर्चा की है
साथ ही आत्मा जगत का स्तर भी। ईसाइयों द्वारा अब तक जीवित सबसे विकसित प्राणी माने जाने वाले व्यक्ति के संदर्भ में इस अवधारणा को बेहतर ढंग से समझने के लिए, मैंने अहतुन रे से यीशु के पिछले जीवन के बारे में पूछा। मैंने अहतुन रे से दीक्षा के चरणों पर टिप्पणी करने के लिए भी कहा, जैसा कि थियोसोफिकल साहित्य में वर्णित है।

याद रखें कि अहतुन रे ने पिछले जीवन की सटीक पहचान का अनुमान लगाने की क्षमता का प्रदर्शन किया है, जो मेरे लिए, उसे कुछ विश्वसनीयता प्रदान करता है।

यह भी याद रखें कि अहतुन रे ने एक बार कहा था कि उसने पृथ्वी पर यीशु के शिक्षण कार्य के दौरान यीशु के लिए एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक के रूप में कार्य किया था जिसके कारण क्रूस पर चढ़ाया गया और पुनरुत्थान हुआ।

वापस करना। अहतुन रे स्वयं अंतिम बार मिस्र में अवतरित हुए थे
3,000 साल पहले से.

इसके अलावा, मैंने वेन पीटरसन से पुनर्जन्म और दीक्षा पर एक लेख देने के लिए कहा है, क्योंकि वह इन क्षेत्रों में एक छात्र है।

वेन पीटरसन को बॉर्न अगेन के पहले भाग में दिखाया गया है, जहां उनके पिछले तीन जन्मों का वर्णन किया गया है। वह एक सेवानिवृत्त अमेरिकी राजनयिक और वाशिंगटन, डीसी में फुलब्राइट छात्रवृत्ति कार्यक्रम के पूर्व निदेशक हैं। ऐसी क्षमता में वेन व्यावहारिक अनुभव को चर्चाओं में लाने के आदी हैं, क्योंकि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से जीसस, मैत्रेय और सेंट-जर्मेन जैसे आध्यात्मिक गुरुओं के साथ बातचीत की है, जो उन्हें 30 वर्षों से अधिक के अनुभवों में दिखाई दिए हैं। . वेन की तरह

Machine Translated by Google

उनकी पुस्तक एक्स्ट्राऑर्डिनरी टाइम्स, एक्स्ट्राऑर्डिनरी बीइंग्स में वर्णन किया गया है, जिन्हें हम नौसिखिया, आरोही शिक्षक, या ज्ञान के शिक्षक कहते हैं, वे सभी उनके लिए बहुत सच्चे थे, और वेन ने उनमें से कुछ को अपना सबसे अच्छा दोस्त भी कहा। वेन के निजी मित्र के रूप में, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि उस पर भरोसा किया जा सकता है।

अब आइए यीशु के पिछले जन्मों के बारे में बात करें। अहतुन रे ने मुझे बताया है कि यीशु के कुल 33 अवतार थे, जिसके अंत में उन्हें नासरत के यीशु के रूप में जाना गया।

पहले, अहतुन रे ने अनुमान लगाया था कि हममें से अधिकांश के लिए, पृथ्वी पर पुनर्जन्म का चक्र समाप्त होने से पहले 80-120 अवतारों की आवश्यकता होती है, इसलिए मैंने अहतुन रे से पूछा कि यीशु केवल 33 अवतारों में अंतिम प्राप्ति कैसे प्राप्त करने में सक्षम थे।

जैसा कि पिछले अध्याय में बताया गया है, ब्रह्मांड हमारे वर्तमान ब्रह्मांड से पहले अस्तित्व में था, जिसका निर्माण 14 अरब साल पहले बिग बैंग के दौरान हुआ था।

पिछले ब्रह्माण्डों में विकसित हुई आत्माएँ और एक निश्चित समूह स्वेच्छा से हमारे ब्रह्माण्ड का हिस्सा बन जाते हैं। तो 14 अरब साल पहले, अनुभवी आत्माओं का एक समूह हमारे ब्रह्मांड में उभरा, लगभग 144,000 का एक आत्मा पूल, जो बिग बैंग के लगभग एक नैनोसेकंड बाद नव निर्मित आत्माओं के साथ विलीन हो गया।

अनुभवी आत्माओं का यह ग्रुप स्वेच्छा से सेवा भी करता है
मानवता का नेतृत्व करें, और अहतुन रे के अनुसार, हमारे कई महान आध्यात्मिक व्यक्ति जैसे बुद्ध, मूसा, मुहम्मद, जीसस, हिंदू धर्म के महान स्वामी-स्वामी, साथ ही व्यक्तिगत प्रतिभाएं, इस समूह का हिस्सा हैं। हमारे ब्रह्मांड से पहले निर्मित ब्रह्मांड में उनके पिछले अनुभव के कारण, वे बहुत कम जीवन में ही शिखर तक पहुंचने में सक्षम थे।

यीशु के जीवन की एक अवधि जिसे मैं साझा करना चाहूंगा वह ऐतिहासिक महत्व है और पुराने नियम में दर्ज है।
अहतुन रे ने पुष्टि की है कि यीशु ही जोसेफ हैं

Machine Translated by Google

उसके पिता जैकब ने उसे विभिन्न रंगों के वस्त्र दिये थे। हालाँकि यह निश्चित रूप से निर्धारित करने का कोई तरीका नहीं है कि जोसेफ कहाँ रहते थे, ऐसा माना जाता है कि यह पुनर्जन्म 1700 ईसा पूर्व के आसपास हुआ था।

यूसुफ को सपनों की व्याख्या करने की प्रतिभा के लिए जाना जाता है। में
पुराने नियम में लिखा है कि उसके दो भाई थे जो उससे ईर्ष्या करते थे, क्योंकि याकूब उनसे अधिक यूसुफ से प्रेम करता था। यूसुफ ने अपने भाइयों को दो स्वप्न सुनाए जिनमें उसे उन सब से ऊपर रखा गया था, जिससे उसके भाई और भी अधिक चिढ़ गए।

परिणामस्वरूप, उसके भाइयों ने यूसुफ को मिस्र में गुलामी के लिए बेचने की साजिश रची।

यूसुफ के नियोक्ता, पुतिपर ने यूसुफ की प्रतिभा को पहचाना, जिसके बदले में उसे अपने घर की देखभाल की जिम्मेदारी दी गई।
पुतिपर की पत्नी यूसुफ की ओर आकर्षित होती है और उसे बहकाने की कोशिश करती है।
जब उसने उसकी प्रगति का विरोध किया, तो उसकी पत्नी ने पुतिपर से शिकायत की कि यूसुफ उसे बहका रहा था। पुतिपर, जो बदनामी में विश्वास करता था, ने यूसुफ को जेल में डाल दिया।

जेल में, यूसुफ फिरौन के मुख्य बटलर और मुख्य बेकर से मिलता है, जिसे अज्ञात कारणों से दंडित किया जा रहा है। यूसुफ ने बटलर और बेकर के सपनों की सही व्याख्या की, और जब वे रिहा हुए, तो उन्होंने फिरौन को यूसुफ की प्रतिभा की खबर दी, जो एक सपने से हतप्रभ था जिसमें उसके पास एक मोटी गाय और एक पतली गाय थी।

यूसुफ ने व्याख्या की कि फिरौन के सपने का मतलब है कि मिस्र 7 साल की समृद्धि का अनुभव करेगा और उसके बाद 7 साल का अकाल पड़ेगा। जोसेफ ने सलाह दी कि गेहूं को 7 वर्षों के लिए प्रचुर मात्रा में संग्रहित किया जाए, जिसका उपयोग अकाल के समय लोगों को खिलाने के लिए किया जाएगा।

फिरौन ने यूसुफ की सलाह का पालन किया और ये चीजें हुईं, जिससे यूसुफ मिस्र के लोगों के लिए एक नायक बन गया। अंत में, यूसुफ के भाई अपने पिता के अनुरोध पर अकाल के दौरान अपने परिवार के लिए भोजन प्राप्त करने के लिए मिस्र आए। उनके सामने आने से, यूसुफ का अपने भाइयों से ऊपर उठने का सपना पूरा हो गया। युसुफ ने अंततः अपने भाइयों को माफ कर दिया और उसका परिवार अंततः एक हो गया।

Machine Translated by Google

गुलामी में बेचे जाने की बाधाओं का सामना करते हुए और फिर जेल में डाल दिया गया, उसके बाद जोसेफ की क्षमा और माफ़ी के बाद, जोसेफ को कई छात्रों द्वारा यीशु जैसा व्यक्ति माना गया है। अहतुन रे ने कहा कि जोसेफ के रूप में जीवन यीशु का 29वां अवतार था।

याद रखने वाली एक महत्वपूर्ण बात यह है कि यीशु भी हममें से बाकी लोगों की तरह ही पुनर्जन्म के माध्यम से विकास की प्रक्रिया से गुजरे थे। अपने 33वें अवतार में, जब वे यीशु मसीह बने, यीशु ने दीक्षा का एक स्तर प्राप्त किया, क्योंकि ईसा मसीह शब्द को आध्यात्मिक प्राप्ति के स्तर को दर्शाने वाली एक उपाधि के रूप में समझा जा सकता है। यह हमें हमारे अगले विषय पर लाता है, जो दीक्षा है।

दीक्षा

दीक्षा की अवधारणा को बेहतर ढंग से समझने के लिए, मैं उस विचार पर लौटूंगा जिसे हमने पहले छुआ था, जहां हम एक आत्मा की कल्पना करते हैं जिसमें स्वयं का होलोग्राम प्रोजेक्ट करने की क्षमता होती है। यह तर्क दिया गया है कि बढ़ते हुए भौतिक शरीर पर स्वयं का त्रि-आयामी होलोग्राम पेश करने वाली आत्मा की कल्पना करके हम यह समझ सकते हैं कि चेहरे की विशेषताएं एक अवतार से दूसरे अवतार में कैसे सुसंगत रहती हैं। यह होलोग्राम अदृश्य ऊर्जा के एक ढाँचे के रूप में कार्य करता है जिस पर हड्डियाँ और ऊतक विकसित होंगे, और हमारे अद्वितीय चेहरे की विशेषताओं का निर्माण करते हैं जो जीवन से जीवन तक साकार होती हैं।

होलोग्राम के इस विचार का उपयोग यह समझने के लिए भी किया जा सकता है कि विभाजित पुनर्जन्म कैसे होता है, जिससे एक आत्मा, जैसे-जैसे विभिन्न अवतारों के माध्यम से अधिक कुशल हो जाती है, कई भौतिक निकायों पर अपना होलोग्राम प्रोजेक्ट कर सकती है।

हम एलेक्जेंड्रा नेचिता जैसे प्रतिभाशाली बच्चों की घटना को समझने के लिए होलोग्राम का भी उपयोग करते हैं, जिन्होंने बहुत कम उम्र से ही पिकासो की प्रतिभा का प्रदर्शन किया था। हम कल्पना कर सकते हैं कि पिकासो की आत्मा एलेक्जेंड्रा के शरीर पर एक होलोग्राम प्रोजेक्ट कर रही है, जो न केवल उसकी हड्डियों की संरचना और चेहरे की विशेषताओं को आकार दे रही है, बल्कि एलेक्जेंड्रा के दिमाग में पिकासो की प्रतिभा को भी अंकित कर रही है।

Machine Translated by Google

छोटा।

इस अनुभाग में, हम इस बात पर विचार करेंगे कि का स्तर जितना अधिक होगा

दीक्षा, आत्मा तेजी से जटिल और शुद्ध होलोग्राम को भौतिक आयाम में प्रक्षेपित करेगी, होलोग्राम के होलोग्राम जो भौतिक शरीर के समान वास्तविक हैं, भले ही वे शुद्ध ऊर्जा से बने हों। हम इन होलोग्राम को "प्रकाश का शरीर" कहते हैं।

जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है, वेन पीटरसन ने 30 से अधिक वर्षों से आध्यात्मिक गुरुओं को प्रकाश के पिंडों में प्रकट होते देखा है। दरअसल, मैत्रेय और जीसस जैसे आध्यात्मिक गुरु एक बार कैलिफोर्निया के बेवर्ली हिल्स में रोडियो ड्राइव पर उनके सामने एक साथ आए थे।

वेन बेवर्ली हिल्स में एलेक्जेंड्रा नेचिटा प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए गए थे। अपनी पुस्तक में, वेन ने उन प्राणियों के उद्भव के कई उदाहरणों का वर्णन किया है जो स्वर्गारोहण से गुजर चुके हैं। ये सभी मुठभेड़ अद्भुत हैं और कुछ तो काफी दिलचस्प भी हैं।

मेरी पसंदीदा कहानियों में से एक, जो एक्स्ट्राऑर्डिनरी में दिखाई देती है

टाइम्स की किताब, एक्स्ट्राऑर्डिनरी बीइंग्स, तब की है जब वेन फुलब्राइट कार्यक्रम के लिए एशिया में अमेरिकी दूतावास का निरीक्षण करने के बाद होनोलूलू में रह रहे थे। वेन बताते हैं कि देर रात, उन्होंने ताड़ के पेड़ की शाखाओं पर सुनहरे बालों के साथ एक आध्यात्मिक प्राणी को प्रकट होते देखा, जो फिर बालकनी में तैरता हुआ उनके होटल के कमरे में चला गया। कुछ सेकंड बाद, सेंट-जर्मेन के आध्यात्मिक गुरु बैंगनी रंग का सैश पहने हुए प्रकट हुए।

वेन काफी अचंभित हो गया और यह सुनिश्चित करने के लिए खुद को चिकोटी काटने लगा कि वह सो तो नहीं रहा है या सपना तो नहीं देख रहा है। यह महसूस करते हुए कि वह वास्तव में जाग रहा था, उसने सुनहरे बालों वाले प्राणी को आत्म-साक्षात्कार पर व्याख्यान देते हुए सुना।

बाद में, वेन को एहसास हुआ कि अनुभव अनोखा था और उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें एक स्मृति चिन्ह, एक भौतिक वस्तु दी जाएगी, जो साबित करेगी कि इन मास्टर्स के साथ हवाई में उनका अनुभव वास्तविक था। जब वेन वाशिंगटन लौटे, तो आध्यात्मिक गुरुओं ने उनके अनुरोध का पालन किया और एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया

Machine Translated by Google

एक वृक्ष। अधिक जानने के लिए वेन की पुस्तक पढ़ें।

मैं आध्यात्मिक प्राणियों और प्रकाश पिंडों के बारे में वेन की एक और कहानी साझा करना चाहता हूँ। जिस गुरु के साथ उनका सबसे अधिक संपर्क था, उनका नाम मैत्रेय था, जो आम तौर पर पतले, बहुत लंबे, जैतूनी त्वचा वाले और अजीब टोपी पहनने के शौकीन व्यक्ति के रूप में दिखाई देते थे। उनकी टोपियों की ख़ासियत यह है कि जब अलग-अलग लोग एक ही समय में मैत्रेय को देखते हैं, जैसे वेन की प्रस्तुतियों या पुस्तक पर हस्ताक्षर करते समय, वे सभी टोपी देखते हैं, लेकिन हर कोई एक अलग आकार की टोपी देखता है। मैत्रेय की एक और विशेषता यह है कि वह बहुत हंसमुख, भावुक और मजाकिया हैं।

जनवरी 2007 में, वेन की पड़ोसी, एक मिलनसार महिला, जिसने हाल ही में उनकी किताब पढ़ी थी, को उनके डॉक्टर के पास जाना पड़ा। सुबह का समय था और वेटिंग रूम में वह अकेला था।

पंजीकरण कराने के बाद, वह मुड़ा और देखा कि जैतून की त्वचा वाला एक लंबा, पतला आदमी, सफेद टोपी पहने हुए, प्रतीक्षा कक्ष में खड़ा होकर वेन की किताब, एक्स्ट्राऑर्डिनरी टाइम्स, एक्स्ट्राऑर्डिनरी बीइंग्स पढ़ रहा था।

उत्साहित होकर, महिला उस आदमी के पास पहुंची और बोली, "मेरे पड़ोसी ने किताब लिखी है!"

सफेद टोपी पहने लंबे आदमी ने उनकी टिप्पणियों को नजरअंदाज कर दिया और बस इतना कहा, “यह एक अच्छी किताब है। अधिक लोगों को इसे पढ़ना चाहिए।" फिर महिला को रिसेप्शनिस्ट ने परीक्षा कक्ष में प्रवेश करने के लिए बुलाया, लेकिन प्रवेश करने से पहले वह उस लंबे आदमी से पूछने के लिए मुड़ी कि वह वेन की किताब कैसे पढ़ रहा है। हालांकि, वह आदमी गायब हो गया था। जब महिला पड़ोसी ने वेन को इस घटना के बारे में बताया, तो उसने बताया कि इस महिला ने मैत्रेय को देखा होगा, जिनसे वेन कई अप्रत्याशित स्थानों पर इसी तरह मिली थी।

एक और दिलचस्प बात यह है कि वेन पीटरसन को कई साल पहले वेटिकन प्रतिनिधि के साथ प्रकाश के पिंडों में दिखाई देने वाले आध्यात्मिक गुरुओं के साथ अपने अनुभव प्रस्तुत करने का अवसर मिला था।

Machine Translated by Google

वाशिंगटन में. बैठक 3 घंटे से अधिक समय तक चली और प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख जोसेफ रत्ज़िंगर (बाद में पोप बेनेडिक्ट XVI) थे, जो पोप जॉन पॉल द्वितीय के बहुत करीबी सलाहकार थे। उस समय, कार्डिनल रत्ज़िंगर ने खुलासा किया कि पोप पॉल जॉन द्वितीय को इन घटनाओं के बारे में पता था, लेकिन यह पोप पर निर्भर था कि वह तय करें कि क्या उन पर खुले तौर पर चर्चा की जानी चाहिए।

आइए अब हम दीक्षा की अवधारणा की समीक्षा करें। थियोसोफी दीक्षा के नौ चरणों का वर्णन करती है, हालाँकि केवल पहले पाँच ही मनुष्यों पर लागू होते हैं।
मैं उन शब्दों का उपयोग करूँगा जिनका उपयोग वेन ने अपनी कथा में किया है, जो नीचे हैं, यीशु के जीवन की घटनाओं में प्रतीकात्मक रूप से घटित दीक्षा के चरणों का वर्णन करने के लिए।

यदि उपयुक्त हो तो मैंने अहतुन रे की टिप्पणियाँ जोड़ दी हैं।

प्रायोगिक चरण: यह वह चरण है जो पहली दीक्षा से पहले होता है, जिसमें भौतिक संसार किसी व्यक्ति का प्राथमिक ध्यान केंद्रित हो जाता है। थियोसोफी के अनुसार, अधिकांश मानवता अभी भी प्रायोगिक चरण में है।

पहली दीक्षा, जन्म: आत्मा व्यक्तित्व को भौतिक से अधिक आध्यात्मिक जीवन पर ध्यान देने का आदेश देती है।

दूसरी दीक्षा, बपतिस्मा: व्यक्तित्व भ्रम पर काबू पाता है, जिसमें अवतारी प्राणी यह समझता है कि उसकी पहचान पदार्थ या भौतिक दुनिया पर आधारित नहीं है।

तीसरी दीक्षा, पर्वत पर परिवर्तन: आत्मा पूरी तरह से
नियंत्रण और व्यक्तित्व आत्मा के निर्देशन में रहता है।

चौथी दीक्षा, सूली पर चढ़ना: इस चरण में, व्यक्तित्व सभी सांसारिक लगावों को त्याग देता है और पूरी तरह से आध्यात्मिक मामलों पर ध्यान केंद्रित करता है, सभी मानव जाति के लिए खुद को बलिदान कर देता है। अहतुन रे ने संकेत दिया है कि यीशु, अपने पिछले जीवन में जोसेफ के रूप में बहुरंगी वस्त्र में, चौथे स्तर के सर्जक थे।

पांचवीं दीक्षा, पुनर्जागरण: आत्मा भौतिक आयाम में एक प्रकाश शरीर का रूप ले सकती है।

ईसाई धर्मशास्त्र में, घटना "स्वर्ग पर आरोहण"

Machine Translated by Google

यीशु के स्वर्ग में आरोहण के रूप में उसका वर्णन किया गया है।
होलोग्राम की सादृश्यता का उपयोग करके, हम बेहतर ढंग से कल्पना कर सकते हैं कि यह आरोहण प्रक्रिया कैसे हो सकती है। सीधे शब्दों में कहें तो आरोहण आत्मा की होलोग्राम बनाने की क्षमता है, प्रकाश का एक पिंड जो भौतिक वास्तविकता के समान गुणों के साथ प्रकट हो सकता है। पांचवीं पहल प्रकाश के ऐसे शरीर का विकास लाती है।

अहतुन रे बताते हैं कि उच्च दीक्षाओं में प्रकाश शरीर का उपयोग करने में अधिक महारत हासिल करना शामिल है। अहतुन रे टिप्पणी करते हैं कि अपने पुनरुत्थान में, यीशु वास्तव में दीक्षा के उच्च स्तर पर पहुँच गए।

प्रकाश पिंडों का एक दिलचस्प गुण अलग-अलग डिग्री के समेकन या घनत्व की संभावना है। याद रखें कि जॉन के सुसमाचार के अनुसार, क्रूस पर चढ़ने के बाद, जब यीशु पहली बार कब्र के बाहर मैरी मैग्डलीन को दिखाई दिए, तो उन्होंने उससे कहा, "मुझे मत पकड़ो, क्योंकि मैं अभी तक पिता के पास नहीं गया हूं..." (जॉन) 20:17)

वेन पीटरसन को भी मैत्रेय के साथ ऐसे ही अनुभव हुए,
जहां वेन को कभी-कभी मैत्रेय के हल्के शरीर को छूने की अनुमति नहीं थी। ऐसे क्षणों में मैत्रेय का शरीर पलक झपकते ही पीछे हट जाता। कभी-कभी, एक मास्टर स्तर के आध्यात्मिक व्यक्ति का प्रकाश शरीर मानव मांस और रक्त के समान वास्तविक होगा।

वेन ने समझाया कि वास्तव में घने प्रकाश पिंड का निर्माण करने के लिए बहुत अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है।
इसलिए, स्वामी ऐसा केवल तभी करते हैं जब आवश्यक हो। अब आइए पुनर्जन्म और दीक्षा पर वेन के लेखन पर वापस लौटते हैं।

हम पुनर्जन्म क्यों लेते हैं?

इस प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर यह है कि आत्मा मानव व्यक्तित्व के साथ अपने संबंध को बेहतर बनाने के लिए पुनर्जन्म से गुजरने पर जोर देती है। धर्मग्रंथों में बुद्धिमानीपूर्वक पुनर्जन्म की आवश्यकता के संबंध में एक महत्वपूर्ण कथन शामिल है। संत पॉल हमारे लिए यह कहते हैं, ''...मनुष्य जो बोता है, वही होता है

Machine Translated by Google

वह भी काटेगा।" (गलातियों 6:7) यह एक सच्चाई है जिस पर दोबारा जोर देने की जरूरत है। इसे कारण एवं प्रभाव का नियम भी कहा जाता है।
पूर्व में इसे कर्म का नियम कहा जाता है।

यीशु की शिक्षाओं का जोर मानवीय रिश्तों के सच्चे उद्देश्य पर है। अत: उनकी शिक्षाओं को पुनर्जन्म के नियम से जोड़ा जाना चाहिए।

मानव व्यक्तित्व ने जो बोया है उसे प्राप्त करने के लिए जीवन की एक से अधिक अवधि लगती है। यह एक प्रक्रिया है जिसे हम मानव आत्मा का विकास कहते हैं, मानव आत्मा को पूर्ण बनाने की प्रक्रिया। यीशु ने हमसे कहा, "इसलिए तुम्हें सिद्ध होना चाहिए, जैसे तुम्हारा पिता जो स्वर्ग में है, सिद्ध है।" (मैथ्यू 5:48) जैसे-जैसे हम अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर आगे बढ़ते हैं, हम सीखते हैं कि खुद को कैसे परिपूर्ण बनाया जाए, जैसे यीशु एक महान उदाहरण थे।

आज, औसत मनुष्य हमारे पूर्वजों की तुलना में कहीं अधिक परिपूर्ण है। हम कल्पना भी नहीं कर सकते कि हजारों वर्षों तक मानवता कितनी क्रूर थी। हम अपने समय के पिछले सौ वर्षों के दौरान मानवीय क्रूरता की कल्पना कर सकते हैं जिसमें विश्व युद्ध भी शामिल हैं। इतने सारे लोगों के सिर पर भारी मात्रा में नकारात्मक कर्म डाल दिया गया था। हालाँकि, जिन लोगों या आत्माओं ने अपराध किया, उन्हें परिपूर्ण होना था। यह तभी हो सकता है जब पुनर्जन्म का नियम हो। जब शिष्यों ने ईसा मसीह से उस अंधे आदमी के बारे में पूछा, "रब्बी, किसने पाप किया था, इस आदमी ने या उसके माता-पिता ने, कि वह अंधा पैदा हुआ?" (यूहन्ना 9:2), चर्च के नेता अक्सर इन बयानों को निरर्थक या यहां तक कि पुनर्जन्म से संबंधित कहकर खारिज कर देते हैं। दूसरी ओर, जो लोग पुनर्जन्म को तथ्य मानते हैं, उन्होंने अपने मामले को घटिया तरीके से सार्वजनिक किया है। इस वास्तविकता को और अधिक समझदारी से प्रस्तुत किया जाना चाहिए, विशेषकर पश्चिम में।

अंतिम विश्लेषण में, यदि अंततः वह पूर्णता प्राप्त हो जाती है, तो प्रश्न केवल समय का विषय है

Machine Translated by Google

और जगह. यद्यपि पुनर्जन्म की अवधारणा के कुछ विरोधियों द्वारा शुद्धिकरण प्रक्रिया को पृथ्वी के जीवन से परे होने की अवधारणा दी गई है, लेकिन ये शिक्षाएं ज्यादातर लोगों के लिए पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हैं। यदि आत्मा को शुद्ध करने के लिए आध्यात्मिक विकास की आवश्यकता थी, तो इसे यहीं जारी रखना सबसे तर्कसंगत था। क्यों? क्योंकि जब हम अपने पड़ोसियों को चोट पहुँचाते हैं तो हम अपना बोया हुआ फल कैसे काट सकते हैं? जिन लोगों को हमने नाराज किया है, उनसे सीधे निपटकर ही हम अपने पड़ोसियों के लिए सुधार कर सकते हैं। यह हमें इस गुप्त तथ्य पर लाता है कि पुनर्जन्म व्यक्तियों का नहीं बल्कि आत्माओं के समूहों का मामला है।

मानवता धीरे-धीरे इस विचार को स्वीकार करना शुरू कर रही है कि हम अमर प्राणी हैं. दुर्भाग्य से, अधिकांश प्रमुख धर्म मानवता को हमारी पसंद के बारे में बहुत विकृत दृष्टिकोण देते हैं। पश्चिमी धर्मों का मानना है कि हम एक अस्तित्वहीन अतीत से आए हैं जिसमें केवल वर्तमान जीवन और एक उबाऊ स्वर्ग या हमेशा के लिए नरक में महान पीड़ा का भविष्य है, जो सभी एक प्रेमपूर्ण ईश्वर के निर्देशन में होता है। . इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि बहुत से लोग ऐसे विकृत और भोले-भाले विचारों से मुँह मोड़ लेते हैं। मानव आत्मा की यात्रा और उसकी पूर्णता की बुद्धिमान समझ को मानव जाति द्वारा स्पष्ट रूप से देखने और स्वीकार करने की आवश्यकता है। यह समझ होगी एक तर्कसंगत योजना के साथ अवतरित आत्मा समूहों के अध्ययन के रूप में हो कर्म के नियम पर विजय प्राप्त करें। यह समझ बुद्धिमान लोगों को आश्वस्त करेगी कि पुनर्जन्म जीवन का एक सत्य है।

यह एक तथ्य है कि आत्माओं को पूर्णता के उद्देश्य से समूहों में पुनर्जन्म दिया जाता है उनके बीच संबंध. आत्मा का पुनर्जन्म लेना हितकर नहीं होगा ऐसे परिवार या दोस्तों के समूह में जहां आत्मा पर कोई कर्म ऋण नहीं है। हम ही कर सकते हैं जिन अन्य लोगों को हमने अतीत में ठेस पहुंचाई है, यदि हम रिश्ता पूरा होने तक उनसे बार-बार मिलते हैं, तो उनके प्रति अपना ऋण चुकाएं। तो, परिवार

Machine Translated by Google

और हमारे दोस्त जो अब एक दूसरे को जानते हैं
प्राचीन काल से एक दूसरे यह प्रक्रिया जारी रहेगी

तब तक जारी रहता है जब तक कर्म निष्प्रभावी नहीं हो जाता। उस समय, जो आत्माएँ विकसित हो चुकी हैं वे नस्लीय कर्म, राष्ट्रीय कर्म, विश्व कर्म पर विजय पाना शुरू कर देंगी और संपूर्ण मानवता की सेवा पर ध्यान केंद्रित करेंगी।

ये आत्माएं अतीत के संत और आधुनिक दुनिया के मंत्री हैं।

उन्नत आत्माएं, जिन्होंने अपने अधिकांश कर्म ऋण को अपने परिवार और दोस्तों के भीतर चुका दिया है, फिर सांसारिक कर्म से निपटना शुरू कर सकती हैं और अक्सर पूरी तरह से नए परिवारों में पुनर्जन्म लेने का विकल्प चुनती हैं, जो पूरी तरह से आत्मा समूहों से रहित होते हैं। कनेक्शन. हालाँकि, वे अपने पुराने दोस्तों को पहचानना जारी रखेंगे जिन्होंने पिछली कुछ शताब्दियों में खुद को परिपूर्ण बनाया है। कार्यस्थल पर या सामाजिक समारोहों के माध्यम से मिलने पर, ये आत्माएं उन्हें प्रिय पुराने दोस्तों के रूप में पहचानेंगी और उस संपर्क को बनाए रखने की इच्छा रखेंगी। कर्म ऋण

उन्नत आत्मा अब व्यवस्थित हो गई है और दो व्यक्ति एक प्रेमपूर्ण और सहायक रिश्ते में रह सकते हैं। वे देखेंगे कि प्रत्येक ने मानवता की सेवा का मार्ग चुना है और वे केवल अपने परिवार और दोस्तों के छोटे दायरे में ही नहीं, बल्कि बड़ी दुनिया में भी सक्रिय हैं।

ये उन्नत आत्मा समूह अब व्यक्तिगत मंत्रालय की यात्रा पर हैं जिसका इतिहास में आसानी से पता लगाया जा सकता है। उनके समूह संबंध और उनके पुनर्जन्म वाले समूह वह प्रकाश होंगे जो इस विषय को प्रकाशित करते हैं और मानव जाति के लिए पुनर्जन्म का अर्थ बताते हैं।

हम अक्सर इस महत्वपूर्ण तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं कि सेवा और उन्नत आत्माओं द्वारा बलिदान पुनर्जन्म को समझने की कुंजी है। यीशु ने मानव जाति को सेवा और बलिदान के बारे में सिखाया, जैसा कि उनसे पहले कई महान आत्माओं ने किया था। बुद्ध, कृष्ण या क्रिस्टीना, फारस से मिथ्रा, या मिस्र से ओसिरिस, और अन्य लोगों ने उन आत्माओं के लिए बलिदान दिया जो उनके जितनी उन्नत नहीं थीं। वे,

Machine Translated by Google

और भी बहुत कुछ, मानव जाति के लिए उदाहरण हैं।
वे नेतृत्व करते हैं और रास्ता दिखाते हैं। हमसे अपेक्षा की जाती है कि हम एक दिन उनके जैसा बनें, मानव जाति के नायक बनें, इससे पहले कि हम इस ग्रह से परे अन्य महान कार्यों की ओर बढ़ें।

हमारे ग्रह पर पुनर्जन्म के बारे में यह समझना महत्वपूर्ण है कि जब आत्मा पूर्ण हो जाती है, तो हम भी उन महान नायकों के नक्शेकदम पर चलेंगे जो हमसे पहले इससे गुजर चुके हैं। हम पृथ्वी पर अवतारों के माध्यम से हुई पाँच दीक्षाओं के बारे में अतीत के गुप्त समाजों द्वारा सिखाई गई बातों को स्पष्ट करेंगे। ये पाँच दीक्षाएँ यीशु ने अपने जीवन से सिखाईं। वे इस ग्रह पर मानव आत्मा के पिछले कुछ जन्मों में क्रियान्वित होते हैं। यीशु ने ये शारीरिक दीक्षाएँ दीं जो पुनरुत्थान के साथ समाप्त हुईं। पहली दीक्षा जन्म है, एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें आत्मा व्यक्तित्व को भौतिक से अधिक आध्यात्मिक जीवन पर अधिक ध्यान देने का आदेश देती है। दूसरा है बपतिस्मा, वह बिंदु जिस पर आत्मा भ्रम पर विजय पाती है। तीसरा है पर्वत पर परिवर्तन, एक ऐसा क्षण जब आत्मा पूर्ण नियंत्रण में होती है और व्यक्ति आत्मा के निर्देश पर रहता है। चौथा, सूली पर चढ़ना, वह स्थान है जहां मनुष्य भौतिक जीवन से अपने सभी संबंधों को मुक्त कर देता है, आध्यात्मिक चीजों पर ध्यान केंद्रित करता है और पूरी मानवता के लिए बलिदान देता है। उत्तरार्द्ध मृतकों में से पुनरुत्थान है और प्रकाश का शरीर बन जाता है। यह आमतौर पर पृथ्वी पर हमारी यात्रा समाप्त करता है। उस समय पांचवें स्तर के सर्जक के पास दूसरे ब्रह्मांड में एक नई यात्रा या रोमांच की ओर ले जाने वाले सात रास्तों का विकल्प होता है।

पृथ्वी पर हमारी यात्रा के विपरीत, हमारी आत्मा की सार्वभौमिक यात्रा में कोई दर्द या पीड़ा नहीं होगी। यह बहुत आनंद की यात्रा होगी. हालाँकि, यह मानसिक विकास की एक सतत यात्रा भी होगी।

मैं बताना चाहूँगा कि ये विचार मेरे अपने नहीं हैं। इन
शिक्षाएँ एक मानव आत्मा से आती हैं जिसने मानव यात्रा के कष्टों का अनुभव किया है और प्रबुद्ध होने के लिए पाँच दीक्षाओं से गुज़रा है। किसी भी कारण से, वह अभी भी अंदर है

Machine Translated by Google

हमारा ग्रह मानवता को हमारे भाग्य के बारे में सिखाएगा। उन्हें अक्सर तिब्बत के गुरु के रूप में जाना जाता है। उन्होंने ऐलिस बेली के साथ 30 से अधिक वर्षों की अवधि में काम किया ताकि उन्नत मानवता के लिए आवश्यक सभी सूचनाओं को रिकॉर्ड किया जा सके, ताकि जल्द से जल्द ज्ञानोदय का मार्ग खोजा जा सके। मानवता उनके प्रति कृतज्ञता का एक बड़ा ऋणी है। मैं उसे अपना दोस्त मानता हूं.'

मेरा अंतिम विचार यह है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम पुनर्जन्म को मानव आत्मा को पूर्णता में लाने की एक प्रक्रिया के रूप में देखें।
यह विकास यात्रा सदैव आगे बढ़ती रहती है, कभी पीछे नहीं। वे शिक्षाएँ जो हमारी आध्यात्मिक यात्रा को पीछे की ओर ले जाती हैं, वे केवल धार्मिक नेताओं का काम हैं जो अपने हित के लिए मानवता को नियंत्रित करने का प्रयास करना चाहते हैं। पुनर्जन्म का नियम और मानव आत्मा को पूर्ण बनाने का इसका लक्ष्य एक तथ्य है, और यह यीशु और पिछली दुनिया के शिक्षकों की शिक्षाओं के अनुरूप काम करता है।

क्रूसीकरण और क्षमा

यीशु की कहानी में सबसे शक्तिशाली तत्वों में से एक यह है कि उनमें उन लोगों को भी माफ करने की क्षमता है जिन्होंने उन्हें सूली पर चढ़ाया था। इसके बारे में मेरी समझ यह है कि वह आध्यात्मिक वास्तविकता के उच्च स्तर पर है, जहां उसकी अपनी मृत्यु सहित भौतिक दुनिया की घटनाएं उसके लिए अर्थहीन हैं। इसके अलावा, वह जानता है कि वह एक भव्य शो का हिस्सा है जिसमें वह दुनिया को दिखाएगा कि मौत पर काबू पाया जा सकता है। और उसने ऐसा किया, और इस प्रकार सूली पर चढ़ना उसका सार्वभौमिक प्रतीक बन गया।

क्षमा यीशु का केंद्रीय संदेश है। मेरा मानना है कि क्षमा करना इतना महत्वपूर्ण है क्योंकि अपनी नफरतों से चिपके रहने से, हम खुद को उन लोगों के साथ कर्म संबंधों में बांध लेते हैं जिनसे हम नफरत करते हैं या जिनसे हम नाराज हैं।

हम अपनी आत्मा के विकास में अवरुद्ध हो जाते हैं। क्षमा करके, हम स्वयं को मुक्त करते हैं, हम उस सहारे को छोड़ देते हैं जो हमें रोकता है।

Machine Translated by Google

हालाँकि, क्षमा करना बहुत कठिन हो सकता है। जबकि कुछ का सुझाव है कि क्षमा यह सोचने से आ सकती है कि कभी गलत नहीं हुआ, हममें से अधिकांश के लिए, क्षमा को पूर्ण बनाने के लिए हमारे घावों से जुड़ी भावनाओं का समाधान करना आवश्यक है। यदि हम इन भावनाओं को सुलझा लें तो नफरत बढ़ सकती है। सबसे पहले, पीड़ित को अपराधी द्वारा चोट पहुँचाने का दर्द होता है।

दूसरा, यदि पीड़ित क्षमा करने के लिए तैयार नहीं है, तो वह क्षमा न कर पाने के लिए दोषी महसूस करेगा। यह दोगुना अनुचित लगता है, क्योंकि अपराधी को इस क्षमा मुद्दे पर ध्यान देने की ज़रूरत नहीं है। नकारात्मक भावनाओं, दर्द और नाराजगी का एक जुनूनी नीचे की ओर सर्पिल उभर सकता है।

व्यावहारिक कारणों से, किसी दर्द के अपराधी के साथ संवाद करना, शायद एक पत्र में, यह समझाने के लिए सबसे प्रभावी है कि उनके कार्यों के कारण आपको दर्द कैसे महसूस हुआ। अपराधी को सहानुभूति व्यक्त करने और माफी माँगने के लिए कहें, यह समझाते हुए कि माफी एक उपचारात्मक कार्य होगा। यदि दुर्व्यवहार करने वाला सहानुभूति रख सकता है, तो उपचार और क्षमा हो सकती है। यदि दुर्व्यवहार करने वाला सहानुभूति देने में असमर्थ है और माफी मांगने से इनकार करता है, तो अपनी भावनाओं को संप्रेषित करने का कार्य अपने आप में एक भावनात्मक रिहाई है। पारंपरिक मनोचिकित्सा भी बहुत मददगार हो सकती है।

यदि अपराधी अब जीवित नहीं है तो क्या होगा? मैंने अहतुन रे से इस बारे में पूछा और उन्होंने इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।
किसी को चोटों से जुड़ी भावनाओं को लिखना चाहिए और अपराधी से सहानुभूति व्यक्त करने और माफी मांगने के लिए कहना चाहिए। अहतुन रे बताते हैं कि अगर किसी की मृत्यु हो गई है, तब भी उस व्यक्ति की आत्मा टेलीपैथी के माध्यम से आपसे संवाद करने में सक्षम होगी। यह बताता है कि वह व्यक्ति आपको सपने में भी दिखाई दे सकता है।

वास्तव में, इस घटना के एक उदाहरण के रूप में, मेरे एक करीबी दोस्त ने खुलासा किया कि जब उसकी दादी जो अक्सर मेरे दोस्त के प्रति क्रूर थी, की मृत्यु हो गई, तो उसकी दिवंगत दादी उसके सपने में आईं जो बहुत वास्तविक लग रहा था और उसने मेरे सबसे अच्छे दोस्त से उसे माफ करने के लिए कहा।

Machine Translated by Google

जैक कोर्नफील्ड ने द आर्ट ऑफ फॉरगिवनेस, लवकाइंडनेस एंड पीस नामक एक उपयोगी पुस्तक लिखी है, जिसमें उन्होंने यह भी खुलासा किया है कि माफी एक लंबी और कठिन प्रक्रिया हो सकती है। लेकिन अंततः, हम ही हैं जो उस क्षमा से मुक्त हो जाते हैं। जैक ने युद्ध के दो पूर्व कैदियों के बीच एक संवाद में इसका वर्णन किया है। एक ने दूसरे से कहा, "क्या तू ने अपने सतानेवालों को क्षमा कर दिया है?" दूसरे ने कहा, "नहीं, मैं नहीं करूंगा!" पहले ने उत्तर दिया, "तो फिर वे तुम्हें अभी भी जेल में रख रहे हैं, है ना?" क्षमा प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम यह समझना है कि अतीत के बारे में सोचते रहना उचित नहीं है। उन्होंने लिखा, "क्षमा का अर्थ है बेहतर अतीत की आशा छोड़ देना।"2

सूली पर चढ़ने का एक सबक यह है कि इस दुनिया में हमेशा दुख पहुंचाने वाले लोग होते हैं। कम विकसित आत्माओं में अधिक विकसित आत्माओं को चोट पहुँचाने की प्रवृत्ति होगी। ये बात वेन पीटरसन ने अपने लेख में कही है.

जिस प्रकार यीशु ने क्षमा और दीक्षा को चुना, उसी प्रकार यदि हम आध्यात्मिक जागरूकता के उच्च स्तर प्राप्त करना चाहते हैं और कुशल होलोग्राम निर्माता बनना चाहते हैं तो हमें भी ऐसा करना चाहिए।

माइकल तमुरा एक मानसिक और आध्यात्मिक शिक्षक हैं जिन्होंने क्षमा करने के मेरे संघर्ष में मेरी मदद की है। वैसे, माइकल अपने जीवन के उस समय को याद करता है जब वह यीशु का शिष्य था और वह बताता है कि मानसिक अवस्था में, यीशु अक्सर उससे मिलने आते थे।

इको बोडीन और जूडी गुडमैन सहित बॉर्न अगेन में योगदान देने वाले अन्य मनोवैज्ञानिकों को भी यीशु के दर्शन प्राप्त होते हैं।

माइकल, इको और जूडी के पारंपरिक चित्रणों के विपरीत, वर्दी यीशु को एक हल्के-फुल्के और आनंदमय व्यक्ति के रूप में वर्णित करती है, कोई ऐसा व्यक्ति जो छोटे-छोटे चुटकुलों के साथ उन्हें हंसाना पसंद करता था। एक अन्य मित्र जिसने यीशु को प्रेम की एक महान ऊर्जा के रूप में अनुभव किया, उसने साझा किया कि यीशु ने उसे क्या बताया था

Machine Translated by Google

कि वह क्रूस से छुटकारा पाना चाहता था, क्योंकि वह उस समय से बहुत आगे बढ़ चुका था। मैं माइकल तमुरा के उद्धरण के साथ अपनी बात समाप्त करना चाहता हूँ:

"भगवान कभी नहीं बदलता। यह हम ही हैं जिन्हें अपने तरीके बदलने होंगे
हमें उस शाश्वत खुशी में शामिल होना है। क्षमा के हर कदम के साथ, हजारों मौतों की यात्रा हमेशा के
लिए आनंद और शांति के जीवन में बदल जाएगी।"

वेन पीटरसन और माइकल तमुरा के बारे में अधिक जानने के लिए कृपया देखें:

www.waynepeterson.com
www.michaeltamura.com

Machine Translated by Google

40

निष्कर्ष

इस पुस्तक के अध्याय-दर-अध्याय में हमने बहुत कुछ कवर किया है
नया क्षेत्र. हमने ऐसे ठोस मामलों की समीक्षा की है जहां बच्चों ने पिछले जन्मों की यादें बताईं जिन्हें वैज्ञानिकों द्वारा मान्य किया जा सकता है, जैसा कि पुनर्जन्म के मामले में डॉ. द्वारा शोध किया गया था। इयान स्टीवेन्सन, वर्जीनिया विश्वविद्यालय में। हमने शेमस इको बोडिन और जूडी गुडमैन द्वारा वर्णित आध्यात्मिक क्षेत्रों के साथ-साथ 3,000 साल पहले अवतरित एक मार्गदर्शक आत्मा अहतुन रे का भी पता लगाया है, जो केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करता है।

मैं दो मामलों का जिक्र करके अपनी बात समाप्त करना चाहूंगा जिनमें पिछले जन्मों की स्मृति बचपन में ही पहुंच जाती है। एक मामला ऐनी फ्रैंक/बारब्रो कार्लेन का है, जिसे बॉर्न अगेन पुस्तक में दर्शाया गया है।

एक यहूदी के रूप में ऐनी फ्रैंक पर अत्याचार किया गया था। वर्तमान में, ऐनी फ्रैंक के पुनर्जन्म, बारब्रो कार्लेन का जन्म एक ईसाई परिवार में हुआ था। कल्पना कीजिए कि यदि द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनों को पता होता कि कोई व्यक्ति एक जीवनकाल में यहूदी और दूसरे जीवन में ईसाई पैदा हो सकता है, तो नरसंहार कभी नहीं हुआ होता। इसी तरह अगर लोग यह समझ लें कि वे एक जीवनकाल में मुस्लिम और दूसरे जन्म में यहूदी या ईसाई, एक अवतार में शिया और दूसरे अवतार में सुन्नी के रूप में पैदा हो सकते हैं, तो मध्य पूर्व में हिंसा बंद हो जाएगी। ऐनी फ्रैंक/बारब्रो कार्लेन मामला उन सकारात्मक सामाजिक परिवर्तनों पर प्रकाश डालता है जो पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य ला सकते हैं।

पुनर्जन्म के प्रमाण भी साथ-साथ बढ़ते रहेंगे
पिछले अवतारों की यादें जो जारी रहेंगी

Machine Translated by Google

हमारे बच्चों के मुंह से निकला. इयान स्टीवेन्सन, जिन्होंने पिछले जन्मों को याद रखने वाले बच्चों पर वैज्ञानिक शोध का नेतृत्व किया था, की 2007 में मृत्यु हो गई। हालांकि, अन्य सहकर्मी अपना काम जारी रखेंगे और स्वतंत्र रूप से शोध किए गए पुनर्जन्म के मामलों से पता चलता रहेगा कि आत्माएं संबद्धता बदल सकती हैं। धर्म या जातीयता

एक अवतार से दूसरे अवतार में.

दूसरा मामला जिसका मैं उल्लेख करना चाहता हूं, उसमें एक मुस्लिम लड़का, केमल अतासोय शामिल है, जो अपने पिछले जीवन को याद करता है जब वह ईसाई था।

डॉ. द्वारा लिखित एक पुस्तक में. वर्जीनिया विश्वविद्यालय के जिम टकर, लाइफ बिफोर लाइफ शीर्षक से, डॉ. टकर ने स्वर्गीय इयान स्टीवेन्सन द्वारा 40 से अधिक वर्षों की अवधि में किए गए कार्यों का सारांश दिया है। डॉ. टकर ने उस हर तर्क का जवाब दिया और उसे खारिज कर दिया जो कोई संशयवादी डॉ. स्टीवेन्सन को नीचे गिराने के लिए कह सकता था। सबसे पहला मामला जिसका वर्णन डॉ. टकर ने अपनी पुस्तक में किया है, वह तुर्की के एक 6 वर्षीय मुस्लिम लड़के केमल अतासोय की कहानी है, जिसे अपने जीवनकाल के बारे में बहुत विस्तार से याद है, जब वह काराकस नाम का एक अमीर ईसाई व्यापारी था, जो इस्तांबुल में रहता था। जहां केमल का जन्म हुआ था वहां से 500 मील दूर।

और बड़ा हुआ. केमल की यादों को बाद में सत्यापित किया गया
सावधानीपूर्वक अनुसंधान के माध्यम से.

लाइफ बिफोर लाइफ में, डॉ. टकर ने पूछा, "यह छोटा लड़का, जो 500 मील दूर एक छोटे से शहर में रहता है, उस आदमी के बारे में इतना कुछ कैसे जान सकता है जो उसके जन्म से 50 साल पहले इस्तांबुल में मर गया था?"

एक प्रशंसनीय व्याख्या क्या है? कमाल का उत्तर बहुत सरल है; उन्होंने कहा कि वह अपने पिछले जन्म में वही व्यक्ति थे।''1

मानव विकास में अगला कदम यह महसूस करना है कि हम सार्वभौमिक आत्माएं हैं जिनका किसी भी सांस्कृतिक और धार्मिक परिवेश में पुनर्जन्म हो सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए, आइए हम धार्मिक संबद्धता, जातीयता, राष्ट्रीयता या नस्ल में अंतर के आधार पर हिंसा को रोकें।

पृथ्वी एक विद्यालय है जहाँ हम मदद के लिए आये हैं

Machine Translated by Google

इसे विकसित करें और बनाएं, ताकि एक दिन हम आध्यात्मिक क्षेत्र के उच्च स्तर तक पहुंच सकें और इस तरह ईश्वर के करीब हो सकें। आइए संकीर्ण और गलत पहचानों के आधार पर अपनी संस्कृतियों और स्वयं के बुनियादी ढांचे को नष्ट करना बंद करें।

मैं रिटर्न ऑफ़ रिवोल्यूशनरीज़ से ली गई एक सादृश्यता के साथ अपनी बात समाप्त करना चाहता हूँ। हालाँकि 200 साल पहले हुए एक अवतार में मुझे एक क्रांतिकारी के रूप में जाना जाता था, मैं अब इस शब्द का उपयोग नहीं करना पसंद करता हूँ, क्योंकि यह विवाद से संबंधित है। इसके बजाय, मैं एक विकासवादी बनना चाहता हूँ। मुझे आशा है कि आप भी विकासवादी होंगे।

दुनिया की महान संस्कृतियों और धर्मों के नदियों की तरह एक आंदोलन की कल्पना करें। भविष्यवक्ता या दूरदर्शी एक दर्शन, राष्ट्र या धर्म की शुरुआत करने वाले प्रमुख के रूप में कार्य करता है।

जब अनुयायी संस्थापक का अनुसरण करना शुरू करते हैं, तो एक छोटी धारा एक बड़ी धारा बनने लगती है। फिर नदी बढ़ती गई और युगों-युगों तक, सदियों तक बहती रही। समर्थकों ने आंदोलन का समर्थन किया, हालांकि कला, वास्तुकला, साहित्य और नदियों के कार्य बड़े और गहरे होते गए।

कल्पना करें कि हम उन मछलियों की तरह हैं जो आध्यात्मिक दुनिया से उतरती हैं और इन नदियों में लीन हो जाती हैं। एक जीवन में, हम ईसा मसीह की नदी में तैरते हैं, लेकिन दूसरे जीवन में हम मुहम्मद की नदी में, और दूसरे जीवन में, बुद्ध की नदी, हिंदू धर्म की नदी, इत्यादि में तैरते हैं। जब हम किसी विशेष नदी में डूब जाते हैं, तो हम उस सांस्कृतिक धारा से पूरी तरह तादात्म्य स्थापित कर लेते हैं। हम ईसाई, मुस्लिम, यहूदी, हिंदू या बौद्ध बन जाते हैं। हम अपनी विशेष जाति, जातीयता और राष्ट्रीयता से भी पहचान करते हैं।

हम भूल जाते हैं कि अन्य जन्मों में हम अन्य धाराओं में भी तैर चुके हैं।

पृथ्वी पर शांति स्थापित करने के लिए हमें जागरूक होना होगा
हम जिन विभिन्न रास्तों पर चले हैं और जिन विभिन्न पहचानों को हमने धारण किया है। हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि आध्यात्मिक दृष्टि से हम मछलियाँ हैं, नदियाँ नहीं।

Machine Translated by Google

हम इन विभिन्न धाराओं का अनुभव करने वाली सार्वभौमिक आत्माएं हैं।
आइए हम इस जागरूकता के साथ जिएं, ताकि हम सभी शांति से रह सकें।

Machine Translated by Google

लेखक के बारे में

डॉ। वाल्टर सेमकिव, एमपीएच

वाल्टर एक मेडिकल डॉक्टर हैं, जिन्होंने एक के रूप में काम किया है
फॉर्च्यून 500 कंपनी यूनोकल 76 के मेडिकल डायरेक्टर और सैन फ्रांसिस्को के एक बड़े मेडिकल सेंटर में व्यावसायिक चिकित्सा के सहायक प्रमुख के रूप में, जहां वह अभी भी अभ्यास करते हैं। वाल्टर ने इलिनोइस विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग से फी बीटा कप्पा समुदाय के सदस्य के रूप में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। बाद में इलिनोइस विश्वविद्यालय से उन्होंने मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ (सार्वजनिक स्वास्थ्य में मास्टर) की उपाधि प्राप्त की।

वाल्टर रिटर्न ऑफ द रेवोल्यूशनरीज़: द केस फॉर रीइंकार्नेशन एंड सोल ग्रुप्स रीयूनाइटेड के लेखक हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रकाशित हुआ है, साथ ही बॉर्न अगेन, भारत, सर्बिया, इंडोनेशिया में प्रकाशित हुआ है; क्रोएशियाई और रूसी संस्करण जल्द ही आएंगे। वह इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर रिग्रेशन रिसर्च एंड थेरेपीज़ (आईएआरटी) और इंट्यूशन नेटवर्क के निदेशक मंडल में भी हैं। वाल्टर ने इंस्टीट्यूट फॉर द इंटीग्रेशन ऑफ साइंस, इंट्यूशन एंड स्पिरिट (आईआईएसआईएस) की स्थापना की है, जो पुनर्जन्म, आत्मा विकास और संबंधित घटनाओं के मामलों पर वैज्ञानिक शोध करने के लिए समर्पित है।

IISIS पुनर्जन्म के मामलों को एकत्र करने, अध्ययन करने और प्रकाशित करने के लिए एक संसाधन के रूप में कार्य करता है। इसके अलावा, डीएनए विश्लेषण जैसे जैव रासायनिक या जैव-भौतिकीय तरीकों के माध्यम से पुनर्जन्म को साबित करने के तरीकों का पता लगाया जाएगा। IISIS सामाजिक परिवर्तन को भी बढ़ावा देता है जिसे पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य के माध्यम से आगे बढ़ाया जा सकता है।

वेबसाइट और ई-मेल डॉ. वाल्टर सेमकिव है:

www.johnadams.net
walter@johnadams.net

Machine Translated by Google

आईएसआईएस वेबसाइट का पता:

विज्ञान, अंतर्ज्ञान और आत्मा के एकीकरण के लिए संस्थान
पुनर्जन्म पर वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए समर्पित एक संगठन:

www.iisis.net

www.iisis.org

IARRT वेबसाइट का पता:

इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर रिग्रेशन रिसर्च एंड थेरेपीज़ एक संगठन जो पिछले जीवन रिग्रेशन थेरेपी अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए समर्पित है: www.iarrt.org

Machine Translated by Google

पुस्तकालय सूची

अध्याय 1

2 सिल्विया क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, द फीनिक्स फायर मिस्ट्री, थियोसोफिकल यूनिवर्सिटी प्रेस, पासाडेना, 1998, पी। 128 3 जोसेफ हेड और एसएल क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, और पूर्व-पश्चिम

एंथोलॉजी, थियोसोफिकल पब्लिशिंग हाउस, 1961, पृ. 35-39 4 डिट्टो, पृ. 39-42 5 सिल्विया क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, द फीनिक्स

फायर मिस्ट्री,

थियोसोफिकल यूनिवर्सिटी प्रेस, पासाडेना, 1998, पृ. 156-160 6 फ्लेवियस जोसेफस, यहूदियों की प्राचीन वस्तुएं, पुस्तक 18, अध्याय 1, संख्या 3।

7 फ्लेवियस जोसेफस, यहूदी युद्ध, पुस्तक 3, अध्याय 8 क्रमांक 5।

8 ज़ोहर, खंड II। फोल. 99.

9 सिल्विया क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, द फीनिक्स फायर मिस्ट्री,

थियोसोफिकल यूनिवर्सिटी प्रेस, पासाडेना, 1998, पृ. 132-133 10 जोसेफ हेड और एसएल क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, और पूर्व-पश्चिम एंथोलॉजी, द थियोसोफिकल पब्लिशिंग हाउस, 1961, पृष्ठ 56।

11 डिट्टो, पृ. 56 12

कुरान, सूरा 2, गाय, आयत 28।

13 द कुरान, द एसेंशियल कुरान से, थॉमस क्लीरी द्वारा, हार्पर, सैन फ्रांसिस्को, 1993, पृष्ठ। 89.

14 कुरान, सूरा 6, द कैटल, श्लोक 95., द एसेंशियल कुरान से, थॉमस क्लीरी द्वारा, हार्पर, सैन फ्रांसिस्को, 1993, पृष्ठ। 56.

15 जोसेफ हेड और एसएल क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, और पूर्व-पश्चिम एंथोलॉजी, द थियोसोफिकल पब्लिशिंग हाउस, 1961, पृष्ठ 57।

16 कुरान, सूरा 2, द काउ, फ्रॉम द एसेंशियल कुरान, थॉमस क्लीरी द्वारा, पृष्ठ 18।

17 कुरान, सूरा 3, द फैमिली ऑफ इमरान/अल-इमरान, आयत 30, द एसेंशियल कुरान से, थॉमस क्लीरी द्वारा, पृष्ठ 22।

18 कुरान, सूरा 21, पैगंबर/रसूल, श्लोक 47, द एसेंशियल से समाचार पत्र, थॉमस क्लीरी द्वारा, पृष्ठ 81।

19 कुरान, सूरा 36, या सिन, श्लोक 12, द एसेंशियल कुरान से, थॉमस क्लीरी द्वारा, पृष्ठ। 111.

Machine Translated by Google

20 कुरान, सूरा 5, द टेबल, श्लोक 69, द एसेंशियल से
कुरान, थॉमस क्लीरी द्वारा, पी. 49.
21 कुरान, द एसेंशियल कुरान से, थॉमस क्लीरी द्वारा, पृ. 42.
22 जेफ़री मिशलोवे, रूट्स ऑफ़ कॉन्शसनेस, काउंसिल ओक बुक्स,
तुलसा, ओक्लाहोमा, 1993. पी. 191.
23 जोसेफ हेड और एसएल क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, और पूर्व-पश्चिम एंथोलॉजी, द थियोसोफिकल पब्लिशिंग हाउस,
1961, पी। 39.

अध्याय 2 1 टॉम श्रोडर, ओल्ड सोल्स, फ़ायरसाइड/साइमन और शूस्टर,
एनवाई, एनवाई, 2001, पृ. 81.
2 डिट्टो, पी. 81.
3 डिट्टो, पृ. 82.
4 डिट्टो, पी. 74.
5 डिट्टो, पृ. 50.
6 डिट्टो, पृ. 50.
7 डिट्टो, पृ. 74.
8 इयान स्टीवेन्सन, जहां पुनर्जन्म और जीव विज्ञान प्रतिच्छेद करते हैं, प्रेगर, वेस्टपोर्ट, कनेक्टिकट,
1997, पृ. 168.

अध्याय 3 1 बार्ब्रो, कार्लेन, और भेड़िये चिल्लाए, क्लेयरव्यू पुस्तकें,
यूनाइटेड किंगडम, 2000.

अध्याय 4 1 रॉबर्ट स्नो, कैरोल बेकविथ की तलाश, डेब्रेक/
रोडेल बुक्स, एम्मॉस, पेंसिल्वेनिया, 1999, पृ. 12-13 2 डिट्टो, पृ. 79-84.

3 डिट्टो, पृ. 89.

अध्याय 5 1 जेफरी कीन के सौजन्य से। (देना/आशीर्वाद देना)
2 जेफरी कीन के सौजन्य से।
3 जेफरी कीन के सौजन्य से।
4 जॉन बी. गॉर्डन, गृहयुद्ध की यादें, पी. 147-148.
5 जेफरी कीन के सौजन्य से।
6 जेफरी कीन के सौजन्य से।

Machine Translated by Google

अध्याय 6

जॉन इलियटसन के बारे में कथा लेखक के साथ व्यक्तिगत पत्राचार में नॉर्म शीली का एक उपहार है।

अध्याय 7

यह कथा व्यक्तिगत पत्राचार में वेन पीटरसन की ओर से एक उपहार है
लेखक के साथ.

अध्याय 8

मीडिया द्वारा एलेक्जेंड्रा नेचिता को "लिटिल पिकासो" कहने के बारे में उद्धरण वेबसाइट से लिया गया है: www.nechita.info

अध्याय 9

1 चार्ल्स एच. पार्कहर्स्ट, न्यूयॉर्क में मेरे चालीस वर्ष, मैकमिलन, न्यूयॉर्क,
एनवाई, 1923, पृ. 20.

2 डिट्टो, पी. 20.

3 जॉन ग्रीनलीफ़ व्हिटियर, द सिंगर, पुनः प्रकाशित: मैरी क्लेमर एम्स,
ऐलिस और फोबे कैरी, हर्ड और हॉटन, न्यूयॉर्क, एनवाई, 1873, पृ. 27.

4 मैरी क्लेमर एम्स, ऐलिस और फोबे कैरी, हर्ड और हॉटन,
न्यूयॉर्क, एनवाई, 1873, पृ. 93.

5 यह उद्धरण पेनी पियर्स द्वारा एक वेबसाइट से उपलब्ध कराया गया है
ऐलिस कैरी, स्रोत अज्ञात।

6 यह उद्धरण पेनी पियर्स द्वारा एक वेबसाइट से प्रदान किया गया है
चार्ल्स पार्कहर्स्ट, स्रोत अज्ञात।

7 पेनी पियर्स, द इंटुएटिव वे, बियॉन्ड वर्ड्स पब्लिशिंग, हिल्सबोरो,
या, 1997, पृ. 10.

8 चार्ल्स एच. पार्कहर्स्ट, माई फोर्टी इयर्स इन न्यूयॉर्क, पी. 230.

9 पेनी पियर्स, एक निजी पत्रिका से जो ऐसा नहीं करती
प्रकाशित.

10 द लेडीज़ रिपॉजिटरी, सितंबर 1855, “अमेरिका की साहित्यिक महिलाएं;
नंबर VI, ऐलिस कैरी की लेखन प्रतिभा की कुछ सूचना,'' के संपादक
रेव्ह. डीडब्ल्यू क्लार्क.

11 हार्लेस एच. पार्कहर्स्ट, अमेरिका के अग्रणी देशभक्त उपदेशक डॉ. पार्कहर्स्ट की ओर से एक धन्यवाद संदेश,"
एमहर्स्ट लाइब्रेरी।

12 पेनी पीयर्स, द इंटुएटिव वे, बियॉन्ड वर्ड्स पब्लिशिंग, हिल्सबोरो,
या, 1997, पृ. 82.

Machine Translated by Google

13 ऐलिस कैरी द्वारा "गॉड इज़ लव" से, पुनः प्रकाशित: मैरी क्लेमर एम्स, ऐलिस और फोएबे कैरी, पी। 263.

14 नेशनल साइक्लोपीडिया ऑफ अमेरिकन बायोग्राफी, खंड 1, व्हाइट एंड कंपनी, पी, 535।

अध्याय 11

2 एलएच बटर फील्ड, जॉन एडम्स की डायरी और आत्मकथा,
खंड 2, द बेल्कनैप प्रेस, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 1961, पृ. 82-83.

3 क्लिफोर्ड के. शिप्टन, भाग लेने वालों के जीवनी रेखाचित्र
हार्वर्ड कॉलेज, सिबलीज़ हार्वर्ड ग्रेजुएट्स, वॉल्यूम। XIV, 1756-1760, मैसाचुसेट्स हिस्टोरिकल सोसायटी, बोस्टन, 1958, पृ. 113.

4 डिट्टो, पी. 116.

5 आइडिया

6 विचार

7 डिट्टो, पृ. 119.

8 डिट्टो, पृ. 120.

9 डिट्टो, पी. 112.

10 आइडिया

11 डिट्टो, पृ. 116.

अध्याय 12

1 जॉर्ज एथन बिलियास, जॉर्ज वॉशिंगटन के जनरल और विरोधी, दा कैपो प्रेस, न्यूयॉर्क, एनवाई, पी। 88.

2 डिट्टो, पी. 90.

3 डिट्टो, पृ. 83.

4 डिट्टो, पी. 97.

5 डिट्टो, पृ. 293.

6 डिट्टो, पृ. 303.

7 विचार

अध्याय 13

1 कैथरीन ड्रिंकर बोवेन, मिरेकल एट फिलाडेल्फिया, बुक-ऑफ़-द
मंथ क्लब/न्यूयॉर्क, एनवाई/लिटिल ब्राउन एंड कंपनी, बोस्टन, एमए, 1966, पी. 56.

2 विचार

Machine Translated by Google

3 जॉर्ज मैयर, ओपरा विन्फ्रे: द रियल स्टोरी, कैरल पब्लिशिंग
ग्रुप, सेकाकस, एनजे, 1996, पृ. 12.

4 डिट्टो, पी. 29.

5 क्लेरेंस एल. वेर स्टीग, रॉबर्ट मॉरिस, रिवोल्यूशनरी फ़ाइनेंस, यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेनसिल्वेनिया प्रेस, 1954, पृ. 174.

6 विचार

7 जॉर्ज मैयर, ओपरा विन्फ्रे: द रियल स्टोरी, पी। 30.

8 केर्मिट एल. हॉल, द ऑक्सफ़ोर्ड कम्पेनियन टू द सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ द यूनाइटेड स्टेट्स, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, न्यूयॉर्क,
एनवाई, 1992, पी। 932.

9 जॉर्ज मैयर, ओपरा विन्फ्रे: द रियल स्टोरी, पी। 30.

10 डिट्टो, पृ. 48.

11 डिट्टो

12 डिट्टो, पृ. 127 13 रॉबर्ट

जी. फेरिस और रिचर्ड ई. मॉरिस, हस्ताक्षरकर्ता
स्वतंत्रता की घोषणा, व्याख्यात्मक प्रकाशन, फ्लैगस्टाफ, एज़ेड, 1982, पृ. 147.

अध्याय 15

1 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ अ विजार्ड, वार्नर पेपरबैक लाइब्रेरी, अदिनांकित, पृ. 24.

2 डिट्टो, पी. 16.

3 उरी गेलर, माई स्टोरी, प्रेगर पब्लिशर्स, न्यूयॉर्क, 1975, पृ. 188.

4 डिट्टो, पी. 211.

5 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ अ विजार्ड, पी. 22-23.

6 डिट्टो, पृ. 17.

7 उरी गेलर, माई स्टोरी, पृ. 267-275.

8 डिट्टो, पृ. 239.

9 डिट्टो, पी. 81.

10 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ अ विजार्ड, पी. 69.

11 उरी गेलर, माई स्टोरी, पृ. 11।

12 डिट्टो, पृ. 45-46.

13 डिट्टो, पृ. 241.

14 डिट्टो, पृ. 20.

15 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ़ अ विजार्ड, पृ. 121.

16 उरी गेलर, माई स्टोरी, पृ. 173-174.

Machine Translated by Google

17 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ़ ए विजार्ड, पृ. 39.

18 उरी गेलर, माई स्टोरी, पृ. 59.

19 डिट्टो, पृ. 61.

20 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ अ विजार्ड, पी. 100.

21 गॉर्डन स्टीन, राजाओं का जादूगर, प्रोमेथियस बुक्स, बफ़ेलो, न्यूयॉर्क, 1993, पृ. 81.

22 उरी गेलर, माई स्टोरी, पृ. 30.

23 डिट्टो, पृ. 260.

24 डिट्टो, पृ. 21.

25 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ अ विजार्ड, पृ. 135.

26 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ अ विजार्ड, पृ. 189-190.

27 उरी गेलर, माई स्टोरी, पृ. 142.

अध्याय 18

1 एपीजे अब्दुल कलाम, अरुण तिवारी के साथ, विंग्स ऑफ फायर, यूनिवर्सिटी प्रेस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, हैदरगुडा, हैदराबाद, भारत, 1999, पृ. 6.

2 डिट्टो, पी. 24.

3 डिट्टो, पृ. 32.

4 डिट्टो, पी. 15.

5 डिट्टो, पृ. 17.

6 लेविन बी. बॉरिंग, भारत के शासक: हेदर अली और टीपू सुल्तान, ऑक्सफोर्ड एट द क्लेरेंडन प्रेस, ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड, 1899, पृ. 26.

7 डिट्टो, पृ. 110.

8 डिट्टो, पृ. 151.

9 डिट्टो, पी. 110.

अध्याय 19 1

जीडब्ल्यू फॉरेस्ट, भारतीय विद्रोह का इतिहास, मूल दस्तावेज़ों से समीक्षित और सचित्र, डब्ल्यू. ब्लैक ब्लैकवुड, लंदन, 1904-1912, पृ. 404.

2 डिट्टो, पी. 409.

3 डिट्टो, पृ. 419.

4 डिट्टो, पी. 464.

5 डिट्टो, पृ. 40.

Machine Translated by Google

अध्याय 21

1 विश्वदीप घोष, हॉल ऑफ फेम: शाहरुख खान, मैग्ना पब्लिशिंग कंपनी, 2004, पी। 46.

अध्याय 22

1 जेम्स क्रॉस गिब्लिन, गुड ब्रदर, बैड ब्रदर, क्लेरियन बुक्स,
न्यूयॉर्क, 2005, पृ. 7.

2 डिट्टो, पी. 44.

3 भावनान सोमाया, अमिताभ बच्चन: द लेजेंड, मैकमिलन इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली, भारत, 1999, पी। 269.

4 जेम्स क्रॉस गिब्लिन, गुड ब्रदर, बैड ब्रदर, क्लेरियन बुक्स,
न्यूयॉर्क, 2005, पृ. 76.

5 डिट्टो, पृ. 117.

6 डिट्टो, पृ. 127.

7 डिट्टो, पृ. 171.

8 डिट्टो, पृ. 211.

अध्याय 24 और 25

1 हेलेना जी. एलन, द बिट्रेयल ऑफ लिलिउओकलानी: लास्ट क्वीन ऑफ हवाई, म्यूचुअल पब्लिशिंग, होनोलूलू, हवाई 1994।

2 डिट्टो, पी. 212.

3 डिट्टो, पृ. 214.

4 डिट्टो, पी. 287.

5 डिट्टो, पृ. 289.

6 बेट्टी फुलार्ड-लियो, बेट्टी, हेनरी ओपुकाहिया द यूथ हू चेंज्ड हवाई, http://www.coffeetimes.com/
henry.htm।

7 डिट्टो.

8 डिट्टो.

9 डिट्टो.

10 डिट्टो.

अध्याय 33

1. जोसेफ हेड और एसएल क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, एक ईस्ट-वेस्ट एंथोलॉजी, द थियोसोफिकल पब्लिशिंग हाउस, 1961, पी।
39.

Machine Translated by Google

अध्याय 34

1. पैट क्यूबिस और मार्क मैसी, कन्वर्सेशन्स बियॉन्ड द लाइट: विद डिपार्टेड फ्रेंड्स एंड कोलीग्यूज बाय इलेक्ट्रॉनिक मीन्स, ग्रिफिन पब्लिशिंग/कंटीन्यूइंग लाइफ रिसर्च, बोल्डर, सीओ यूएसए, 1995, पी। 102.

2. डिट्टो, पी. 106.
3. डिट्टो, पी. 65.
4. डिट्टो, पी. 53.
5. डिट्टो, पी. 9.
6. डिट्टो, पी. 59.
7. डिट्टो, पी. 18.
8. डिट्टो, पृ. 52.
9. डिट्टो, पी. 55.

अध्याय 39

1&2. जैक कोर्नफील्ड, द आर्ट ऑफ फॉरगिवनेस, लविंगकाइंडनेस, एंड पीस, बैंटम बुक्स, न्यूयॉर्क, एनवाई, 2002।

अध्याय 40

1. जिम बी. टकर, लाइफ बिफोर लाइफ: ए साइंटिफिक इन्वेस्टिगेशन ऑफ चिल्ड्रन मेमोरीज़ ऑफ प्रीवियस लाइव, सेंट मार्टिन प्रेस, न्यूयॉर्क, एनवाई, 2005, पी। xiv.